



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-04102025-266644
CG-DL-E-04102025-266644

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 291]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 29, 2025/आश्विन 7, 1947

No. 291]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 29, 2025/ASVINA 7, 1947

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना
अंतिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 2025

मामला सं. एडी(ओआई) - 24/2024

विषय: चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 'सौर सेल, चाहे मॉड्यूल में असेंबल किए गए हों या पैनल में बनाए गए हों' के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच।

क. मामले की पृष्ठभूमि

फा.सं. 6/26/2024-डीजीटीआर.—

- एफ एस इंडिया सोलर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, जुपिटर इंटरनेशनल लिमिटेड, रिन्यूसिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, टाटा पावर सोलर सिस्टम लिमिटेड और टीपी सोलर लिमिटेड ने समय-समय पर संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे "अधिनियम" भी कहा गया है) और समय-समय पर संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (डंप किए गए वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रहण तथा क्षति का निर्धारण) नियम,

1995 (जिसे आगे "नियम" या " पाटनरोधी नियम" कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे "प्राधिकरण" कहा गया है) के समक्ष चीन पीआर (जिसे आगे "विषयगत देश" भी कहा गया है) से सौर कोशिकाओं के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करने के लिए आवेदन दायर किया है, चाहे वे मॉड्यूल में इकट्ठे किए गए हों या नहीं या पैनलों में बनाए गए हों (जिसे आगे "विचाराधीन उत्पाद" या "विषयगत सामान" कहा गया है)।

2. और जबकि, विधिवत प्रमाणित आवेदन के मद्देनजर, प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना संख्या 6/26/2024-डीजीटीआर दिनांक 30 सितंबर 2024 के तहत एक सार्वजनिक सूचना जारी की है, जिसमें संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन के होने, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की राशि, जो यदि लगाया जाता है, तो घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा, की सिफारिश करने के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के अनुसार चीन जन.गण. से विचाराधीन उत्पाद के आयातों की पाटनरोधी जांच शुरू की गई है।
3. जांच के दौरान, प्राधिकारी को सूचित किया गया कि रिन्यूसिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जांच में आवेदक के रूप में जारी रखने में असमर्थ है। तदनुसार, वर्तमान जांच में निम्नलिखित उत्पादकों को "आवेदक" माना गया है –

- क. एफएस इंडिया सोलर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड
- ख. जुपिटर इंटरनेशनल लिमिटेड
- ग. टाटा पावर सोलर सिस्टम लिमिटेड
- घ. टीपी सोलर लिमिटेड

ख. प्रक्रिया

4. जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:
 - i. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने की कार्यवाही करने के पहले वर्तमान पाटनरोधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देश के दूतावास को सूचित किया।
 - ii. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करने के लिए 30 सितंबर 2024 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की, जिसे भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित किया गया।
 - iii. प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार, भारत में अपने दूतावास के माध्यम से संबद्ध देश की सरकार, संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों, संबद्ध वस्तुओं के ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग के साथ-साथ अन्य हितबद्ध पक्षकारों को जांच शुरू करने की अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उनसे निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित रूप में अपने विचार से अवगत कराने का अनुरोध किया।
 - iv. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार, भारत में अपने दूतावास के माध्यम से, ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और संबद्ध देश की सरकार को आवेदन के अगोपनीय रूपांतर की एक प्रति उपलब्ध कराई। आवेदन के अगोपनीय रूपांतर की एक प्रति अन्य हितबद्ध पक्षकारों को, जहाँ भी अनुरोध किया गया, उपलब्ध कराई गई थी।

- v. प्राधिकारी ने प्रस्तावित शुल्कों के आर्थिक प्रभाव पर जानकारी प्राप्त करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को एक आर्थिक हित प्रश्नावली भी जारी की।
- vi. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संगत जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली भेजी:

1.	ऐडू एनर्जी कंपनी लिमिटेड	2.	आकाशी एक्सपोर्ट्स लिमिटेड
3.	अनहुई हुआसुन एनर्जी कंपनी लिमिटेड	4.	अनहुई तियानडा न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड
5.	अनहुई यिंगफा देशेंग टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	6.	ब्लू कार्बन टेक्नोलॉजी इंक.
7.	सी एंड बी इंटरनेशनल होल्लिंग्स कंपनी लिमिटेड	8.	कैनेडियन सोलर इंटरनेशनल लिमिटेड
9.	सीईसीईपी सोलर एनर्जी टेक्नोलॉजी	10.	सेंट्रो एनर्जी कंपनी लिमिटेड
11.	चांगझोउ फॉरेन ट्रेड कंपनी	12.	चांगझोउ जीएस एनर्जी एंड टेक कंपनी लिमिटेड
13.	चांगझोउ सिचुआंग एनर्जी कंपनी लिमिटेड	14.	चिझोउ शौकाई न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड
15.	चुझोउ जिएताई न्यू एनर्जी टेक कंपनी लिमिटेड	16.	कंसॉर्ट सोलर कंपनी लिमिटेड
17.	दास सोलर कंपनी लिमिटेड	18.	डोंगगुआन सनवर्थ सोलर एनर्जी कंपनी लिमिटेड
19.	इकोनेस एनर्जी कंपनी लिमिटेड	20.	एवरसोला होल्लिंग कंपनी लिमिटेड
21.	ग्लोबल चिप कंपोनेंट्स लिमिटेड	22.	गुआंगडोंग ऐको सोलर एनर्जी टेक कंपनी लिमिटेड
23.	गुआंगडोंग जिनवान गोजिंग सोलर एनर्जी कंपनी लिमिटेड	24.	गुआंगडोंग जुआन इंटेलेजेंट टेक ज्वाइंट स्टॉक कंपनी लिमिटेड
25.	गुइलिन एलबीवाई फोटोवोल्टिक टेक लिमिटेड	26.	हांगजो एज़विज़ नेटवर्क कंपनी लिमिटेड
27.	हेफ़ेई जीसीएल सिस्टम इंटीग्रेशन न्यू एनर्जी टेक कंपनी लिमिटेड	28.	हेफ़ेई जेए सोलर टेक कंपनी लिमिटेड
29.	हेफ़ेई पिनर्जी सोलर टेक कंपनी लिमिटेड	30.	हेफ़ेई सिंग सोलर न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
31.	हेनान विनॉल ट्रेफिक फैसिलिटीज कंपनी लिमिटेड	32.	हेंगडियन ग्रुप डीएमईजीसी मैग्नेटिक्स कंपनी लिमिटेड
33.	होंगजॉय इंटरनेशनल	34.	हांगकांग फ़र्स्ट एनर्जी कंपनी लिमिटेड
35.	हुआइयान जिताई न्यू एनर्जी टेक कंपनी लिमिटेड	36.	हुनान रेड सोलर न्यू एनर्जी साइंस एंड टेक कंपनी लिमिटेड
37.	हुझोउ जुक्सिन न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड	38.	जेए सोलर इंटरनेशनल लिमिटेड
39.	जैंगसू हुआनेंग इंटेलेजेंट एनर्जी	40.	जियांगसू फुजीहालो न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड
41.	जिआंगसू जॉय सन न्यू एनर्जी	42.	जियांगसू फोएंटी फोटोइलेक्ट्रिक टेक कंपनी लिमिटेड
43.	रोन्मा सोलर टेक्नोलॉजी (जिंहुआ) कंपनी लिमिटेड	44.	जियांगसू रनएनर्जी पीवी टेक कंपनी लिमिटेड
45.	जिआंगसू सनफ्लाई रिन्यूएबल कंपनी लिमिटेड	46.	जियांगसू शिनचुन पीवी टेक कंपनी लिमिटेड
47.	जिआंगशी रिसुन सोलर एनर्जी कंपनी लिमिटेड	48.	जियांगशी रिसुनसोलर टेक कंपनी लिमिटेड
49.	जिआंगशी रिसुनसोलरसेल्स कंपनी लिमिटेड	50.	जियांगशी सन राइजेन न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड
51.	जिआंगशी सन राइजेन न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड	52.	जियांगशी ज़ेटाई न्यू एनर्जी टेक कंपनी लिमिटेड
53.	जिआंगशी फोटोवोल्टिक टेक (शंग्चाई) कंपनी लिमिटेड	54.	जिको सोलर कंपनी लिमिटेड
55.	जिनेंग फोटोवोल्टिक टेक लिमिटेड	56.	जॉलीवुड (ताइझोउ) सोलर टेक कंपनी लिमिटेड
57.	लेनर्जी इंटरनेशनल ट्रेडिंग	58.	लियानयुंगंग शेनझोउ न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड

59.	लिशुई झानक्सिन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड	60.	लॉगी सोलर टेक कंपनी लिमिटेड
61.	मानशान किन्से एनर्जी टेक कंपनी लिमिटेड	62.	नानजिंग फ़र्स्ट एनर्जी कंपनी लिमिटेड
63.	नानजिंग सैटेक सोलर कंपनी लिमिटेड	64.	न्यू सोलर एनर्जी कंपनी लिमिटेड
65.	नेक्सट्रेकर इंक.	66.	निंगबो ओस्टडा सोलर कंपनी लिमिटेड
67.	निंगबो रेनपावर न्यू मैटेरियल्स टेक कंपनी लिमिटेड	68.	निंगहाई बैजियन सोलर एनर्जी टेक कंपनी लिमिटेड
69.	ओरिएंट इंटरनेशनल होलिंग	70.	क्यू सन लिमिटेड
71.	रेनेसोला यिक्सिंग कंपनी लिमिटेड	72.	राइज़न एनर्जी कंपनी लिमिटेड
73.	शाडोंग रोन्मा सोलर कंपनी लिमिटेड	74.	शंघाई फॉरेन ट्रेड एंटरप्राइजेज पुडोंग कंपनी लिमिटेड
75.	शंघाई लीडजॉय न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड	76.	शंघाई सिद्धार्थ एपंडस्ट कंपनी लिमिटेड
77.	शंघाई यांग ईआर इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड	78.	शांगराओ जी ताई न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
79.	शांक्सी लू एएन फोटोवोल्टिक्स टेक कंपनी लिमिटेड	80.	शेनजेन अहोनी पावर कंपनी लिमिटेड
81.	शेन्जेन गुआंगफाशेंग टेक कंपनी लिमिटेड	82.	सोलर एन प्लस न्यू एनर्जी टेक कंपनी लिमिटेड
83.	सोलरस्पेस टेक्नोलॉजी (सुकियान) कंपनी लिमिटेड	84.	सुमेक एनर्जी होलिंग्स कंपनी लिमिटेड
85.	सुन्ना (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड	86.	सनरी इंटरनेशनल कंपनी लिमिटेड
87.	सुप्रीम कंपनी लिमिटेड	88.	सुझोऊ फ्लाई सोलर टेक कंपनी लिमिटेड
89.	सूज़ौ जिनसो टेक डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड	90.	सुझोऊ रोन्मा इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड
91.	सूज़ौ सेफ्टी न्यू एनर्जी टेक कंपनी लिमिटेड	92.	सुझोऊ सेफ्टी न्यू एनर्जी ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड
93.	सूज़ौ सनर्जी टेक कंपनी लिमिटेड	94.	तियानजिन ऐको सोलर एनर्जी टेक कंपनी लिमिटेड
95.	टीएन सोलर कंपनी लिमिटेड	96.	टीपी लिंक कंपनी लिमिटेड
97.	ट्रिना सोलर (हुआ आन) टेक कंपनी लिमिटेड	98.	यूनिफिट इंडस्ट्रियल सप्लाय कंपनी लिमिटेड
99.	यूनाइटेड प्रॉफिट ग्लोबल होलिंग्स कंपनी लिमिटेड	100.	यूनाइटेड रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी लिमिटेड
101.	विकटेक्स इंटरनेशनल (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड	102.	वू शी एम्फेनॉल सोलर एनर्जी टेक कंपनी लिमिटेड
103.	वुहान ऊइटेक ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड	104.	वूशी ग्रो वेल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
105.	वूक्सिसुनटेक पावर कंपनी लिमिटेड	106.	शी आन युआनफर इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी
107.	ज़ियामेन ज़ियांगयु न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड	108.	यांगज़हौ जियाहुई न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड
109.	यिबिन यिंगफ़ा देयो टेक कंपनी लिमिटेड	110.	झांगजियांग शेंगफेंग ट्रेड कंपनी लिमिटेड
111.	झेजियांग ऐको सोलर एनर्जी टेक कंपनी लिमिटेड	112.	झेजियांग जी एंड एफ़ फॉरेन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड
113.	झेजियांग जी एंड पी सन एनर्जी टेक कंपनी लिमिटेड	114.	झेजियांग केसुन न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड
115.	झेजियांग विन्हितेक न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड	116.	झेजियांग वाई1 शेंग न्यू एनर्जी टेक कंपनी लिमिटेड
117.	झेजियांग सेंगफेंग ट्रेड कंपनी लिमिटेड	118.	ज़नशाइन पीसी टेक कंपनी लिमिटेड

vii. भारत में संबद्ध देश के दूतावास से अनुरोध किया गया था कि वे अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें।

viii. संबद्ध जांच शुरू होने के प्रत्युत्तर में, संबद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करके प्रतिक्रिया दी है:

1.	अनहुई शुटेन सोलर एनर्जी कंपनी लिमिटेड	2.	एस्ट्रोएनर्जी न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी (सिंगापुर) कंपनी
3.	कैनेडियन सोलर इंटरनेशनल लिमिटेड	4.	कैनेडियन सोलर मैनुफैक्चरिंग (चांगशु) इंक.
5.	कैनेडियन सोलर सनएनर्जी (जियाक्सिंग) कंपनी लिमिटेड	6.	सीईसीईपी सोलर एनर्जी टेक्नोलॉजी (झेनजियांग) कंपनी लिमिटेड
7.	चाइनालैंड सोलर एनर्जी कंपनी लिमिटेड	8.	चिंट न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी (यांगचेंग) कंपनी लिमिटेड
9.	चिंट न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	10.	चुझोउ जिताई न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
11.	इकोनेस एनर्जी कंपनी लिमिटेड	12.	गुआंगडोंग ऐको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
13.	हेफेई जेए सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	14.	हेंगडियन ग्रुप डीएमईजीसी मैग्नेटिक्स कंपनी लिमिटेड
15.	हुआइयान जिताई न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	16.	जेए सोलर इंटरनेशनल लिमिटेड
17.	जियांग्सू डीएमईजीसी न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	18.	जियांग्सू हुआहेंग न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड
19.	जियांग्सू लोंगहेंग न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड	20.	जिंको सोलर (चुक्सियोंग) कंपनी लिमिटेड
21.	जिंको सोलर (चुझोउ) कंपनी लिमिटेड	22.	जिंको सोलर (फीडोंग) कंपनी लिमिटेड
23.	जिंको सोलर (हैनिंग) लिमिटेड	24.	जिंको सोलर (शांगराओ) कंपनी लिमिटेड
25.	जिंको सोलर (यिवू) कंपनी लिमिटेड	26.	जिंको सोलर कंपनी लिमिटेड (जियांगशी)
27.	जिंको सोलर मिडिल ईस्ट डीएमसीसी	28.	जिंको सोलर ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड
29.	जोलीवुड (शांक्सी) सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	30.	जॉलीवुड (ताइझोउ) सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
31.	लियानयुंगंग डीएमईजीसी न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	32.	लोंगी सोलर टेक्नोलॉजी (चुझोउ) कंपनी लिमिटेड
33.	लोंगी सोलर टेक्नोलॉजी (जियाक्सिंग) कंपनी लिमिटेड	34.	लोंगी सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
35.	राइज़न एनर्जी (निंगबो) कंपनी लिमिटेड	36.	राइज़न एनर्जी कंपनी लिमिटेड
37.	रोन्मा सोलर टेक्नोलॉजी (जिंजुआ) कंपनी लिमिटेड	38.	शांडोंग रोन्मा सोलर कंपनी लिमिटेड
39.	शांगराओ गुआंगक्सिन जिंको फोटोवोल्टिक मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड	40.	शांगराओ जीताई न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
41.	शांगराओ जिंको फोटोवोल्टिक मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड	42.	सोलर एन प्लस न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
43.	सोलरस्पेस न्यू एनर्जी (चुझोउ) कंपनी लिमिटेड	44.	सोलरस्पेस न्यू एनर्जी (शुझोउ) कंपनी लिमिटेड
45.	सोलरस्पेस टेक्नोलॉजी (सुकियान) कंपनी लिमिटेड	46.	सोलरस्पेस टेक्नोलॉजी (शुझोउ) कंपनी लिमिटेड
47.	सोलरस्पेस टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	48.	सूझोउ रोन्मा इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड
49.	तियानजिन ऐको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	50.	टोंगहे न्यू एनर्जी (जिनतांग) कंपनी लिमिटेड

51.	टोंगवेई सोलर (चेंगदू) कंपनी लिमिटेड	52.	टोंगवेई सोलर (हेफेई) कंपनी लिमिटेड
53.	टोंगवेई सोलर (जिंगांग) कंपनी लिमिटेड	54.	टोंगवेई सोलर (मीशान) कंपनी लिमिटेड
55.	टोंगवेई सोलर (पेंगशान) कंपनी लिमिटेड	56.	टोंगवेई सोलर (यांगचेंग) कंपनी लिमिटेड
57.	टोंगवेई सोलर कंपनी लिमिटेड	58.	ट्रिना सोलर (हुआआन) टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
59.	ट्रिना सोलर (सुकियान) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कंपनी लिमिटेड	60.	ट्रिना सोलर (यांगचेंग) न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड
61.	ट्रिना सोलर कंपनी लिमिटेड	62.	ट्रिना सोलर एनर्जी डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड
63.	जुझोउ झोंगहुई फोटोवोल्टिक प्रौद्योगिकी कंपनी लिमिटेड	64.	यांगचेंग ट्रिना गुओनेंग सोलर एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
65.	यिवु जेए सोलर प्रौद्योगिकी कंपनी लिमिटेड	66.	युहुआन जिन्को सोलर कंपनी लिमिटेड
67.	झेजियांग ऐको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	68.	झेजियांग जिन्को सोलर कंपनी लिमिटेड
69.	झेजियांग रोन्मा सोलर ग्रुप कंपनी लिमिटेड	70.	झेंगक्सिन फोटोइलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजी (सुकियान) कंपनी लिमिटेड
71.	ज़नशाइन पॉवरटेक चांगझोउ कंपनी लिमिटेड	72.	ज़नशाइन पीवी-टेक कंपनी लिमिटेड
73.	बुहु जीसीएल सिस्टम इंटीग्रेशन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	74.	हेफेई जीसीएल सिस्टम इंटीग्रेशन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड

ix. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को आयातक एवं प्रयोक्ता प्रश्नावली भेजी तथा नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक जानकारी मांगी।

आत्मनिर्भर सोलर प्राइवेट लिमिटेड	आईटीआई लिमिटेड नैनी	रोल्टा पावर प्राइवेट लिमिटेड
अभिषेक सोलर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड	जैन इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड	सात्विक ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड
अभिषेक सोलर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड	जैक्सन इंजीनियर्स लिमिटेड	एसएईएल सोलर मैनुफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड
एजी सोलर ऊर्जा उद्योग	जेजे पीवी सोलर प्राइवेट लिमिटेड	सहज सोलर प्राइवेट
अग्रवाल रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	जुन्ना सोलर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड	सैनलाइट सोलर प्राइवेट
अक्षय सोलर पावर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड	ज्योतिटेक सोलर एलएलपी	सासा एनर्जी एलएलपी
अल्पेक्स सोलर प्राइवेट लिमिटेड	कोसोल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	शांति सोलर
अमेय सोलर एंड सेमीकंडक्टर प्राइवेट लिमिटेड	कोटक ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड	शिवम फोटोवोल्टिक्स प्राइवेट
अंकुर ट्रेडर्स एंड इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड	लैंको सोलर	सिरियस सोलर एनर्जी सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड
ऑस्ट्रेलियन प्रीमियम सोलर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड	लुबी इलेक्ट्रॉनिक्स	एसएलजी सोलर सिस्टम
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड	सोलारियम ग्रीन एनर्जी एलएलपी
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	मैगलेयर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	सोलबेरी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड
ब्लूबर्ड सोलर प्राइवेट लिमिटेड	महर्षि सोलर टेक्नोलॉजी प्राइवेट	सोलेक्स एनर्जी लिमिटेड

	लिमिटेड	
सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	एमएस सोलर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड	सोलेक्स एनर्जी लिमिटेड
सिटिजन सोलर प्राइवेट लिमिटेड	माइक्रोसन सोलर टेक प्राइवेट लिमिटेड	सोवा सोलर लिमिटेड
कॉन्टेडर ग्रीनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	मुंद्रा सोलर एनर्जी लिमिटेड	स्पार्क सोलर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
कॉस्मिक पीवी पावर प्राइवेट लिमिटेड	मुंद्रा सोलर पीवी लिमिटेड	श्री सावित्री सोलर प्राइवेट लिमिटेड
क्रेडेंस सोलर पैनल्स प्राइवेट लिमिटेड	नवितास ग्रीन सॉल्यूशंस	सन एंड सैंड एक्विजम (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
क्रेडेंस सोलर पैनल्स प्राइवेट लिमिटेड	नवितास ग्रीन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	सनबॉन्ड एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड
डीएसएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	नीटी यूरो एशिया सोलर एनर्जी	सनफील्ड एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड
ईसीई (इंडिया) एनर्जीज प्राइवेट लिमिटेड	नियोसोल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	सनग्रेस एनर्जी सॉल्यूशंस
एमवी फोटोवोल्टिक पावर प्राइवेट लिमिटेड	नोवासिस ग्रीनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	सनीफाई सोलर एलएलपी
एमवी फोटोवोल्टिक पावर प्राइवेट लिमिटेड	नोवस ग्रीन एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड	सूर्या इंटरनेशनल एंटरप्राइज प्राइवेट लिमिटेड
एनके सोलर पावर एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड	न्यालकरण एनर्जी एलएलपी	सूर्यकमल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड
फुजियामा पावर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड	ऑर्ब एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	स्वैलेक्ट एचएचवी सोलर फोटोवोल्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड
गणेश इलेक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड	ओसवाल सोलर स्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड	तपन सोलर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड
गौतम सोलर प्राइवेट लिमिटेड	पहल सोलर	टॉपसन एनर्जी लिमिटेड
जीनस इनोवेशन लिमिटेड	पतंजलि रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड	टोटल सोलर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
गोल्डी ग्रीन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	पेन्नार इंडस्ट्रीज लिमिटेड	उदय एनर्जी फोटोवोल्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड
गोल्डी सोलर प्राइवेट लिमिटेड	फोटॉन एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड	यूनिक सन पावर एलएलपी
गोल्डी सन प्राइवेट लिमिटेड	पिक्सन ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	ऊर्जास्त्रोत एंटरप्राइज प्राइवेट
ग्रीन ब्रिलिएंस एनर्जी	प्लाज़ा पावर एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी	विक्रम सोलर लिमिटेड
गू एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	प्रशांत प्लास्टिक इंडस्ट्रीज एलएलपी	विक्रम सोलर लिमिटेड
गुजरात बोरोसिल	प्रीमियर एनर्जीज इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड	विसाका इंडस्ट्रीज लिमिटेड
एचआर सोलर सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड	प्रीमियर एनर्जीज फोटोवोल्टिक प्राइवेट लिमिटेड	वारी एनर्जीज लिमिटेड
एचएचवी सोलर टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड	प्रीमियर एनर्जीज फोटोवोल्टिक प्राइवेट लिमिटेड	वारी एनर्जीज लिमिटेड
हिमालयन सोलर प्राइवेट लिमिटेड	पीवी पावर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	वारी एनर्जीज लिमिटेड
एचआर सोलर सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड	राजरत्न वेंचर्स लिमिटेड	वेबसोल एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड

आइकॉन सोलर एन पावर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड	वोल्ट टेक्निक्स
इंडो सोलर लिमिटेड	रेज़ोन सोलर प्राइवेट	इंटीग्रेटेड बैटरीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
इनोवेटिव सोलर सॉल्यूशंस	रेड्रेन एनर्जी प्राइवेट	इंटर सोलर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड
इनसोलेशन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	रीन्यू फोटोवोल्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड	राइन सोलर लिमिटेड
इनसोलेशन ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	रितिका सिस्टम्स प्राइवेट	

x. संबद्ध जाँच अधिसूचना की शुरुआत के प्रत्युत्तर में, निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दाखिल करके प्रतिक्रिया दी है:

- i. अदानी सोलर, भारत
- ii. अयाना रिन्यूएबल पावर
- iii. एज़्योर पावर
- iv. भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
- v. भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
- vi. ब्लूबर्ड सोलर
- vii. ईडन रिन्यूएबल्स इंडिया, एलएलपी
- viii. फोर्टम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- ix. ग्रीनर्जी सोलर सॉल्यूशंस
- x. हीरो सोलर एनर्जीज़ प्राइवेट लिमिटेड
- xi. जुनिपर ग्रीन एनर्जी
- xii. लूम सोलर प्राइवेट लिमिटेड
- xiii. महिंद्रा सस्टेन प्राइवेट लिमिटेड
- xiv. एमएमईपीएल
- xv. ओ2 पावर प्राइवेट लिमिटेड
- xvi. ओम साई रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड
- xvii. ओरियाना पावर
- xviii. पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
- xix. रेज़ पावर इंफ्रा लिमिटेड
- xx. रिन्यू प्राइवेट लिमिटेड
- xxi. सात्विक सोलर
- xxii. सोलर एराइज़
- xxiii. सोलर सारथी
- xxiv. स्प्रिंग एनर्जी
- xxv. टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड
- xxvi. यूपीसी सोलर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- xxvii. वेना एनर्जी

- xxviii. विक्रम सोलर लिमिटेड
- xxix. वेलस्पन न्यू एनर्जी लिमिटेड
- xi. जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना के प्रत्युत्तर में, निम्नलिखित अन्य आयातकों/प्रयोक्ताओं ने प्रतिक्रिया दी है और प्रश्नावली के उत्तर तथा/या कानूनी अनुरोध प्रस्तुत किए हैं:
- क. गोल्डी सोलर प्राइवेट लिमिटेड
- ख. गोल्डी सन प्राइवेट लिमिटेड
- ग. सोलेक्स एनर्जी लिमिटेड
- xii. प्राधिकारी ने आवेदन के अगोपनीय रूपांतर की एक प्रति निम्नलिखित प्रयोक्ता एसोसिएशनों को भेजी है।
- क. इंडियन सोलर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएसएमए)
- ख. सस्टेनेबल प्रोजेक्ट्स डवलपर्स एसोसिएशन
- ग. नार्थ इंडिया मॉड्यूल मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (एनआईएमएमए)
- घ. ऑल इंडिया सोलर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एआईएसआईए)
- xiii. प्राधिकारी को जाँच के दौरान मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के आयात और निर्यात हेतु चाइना चैंबर ऑफ कॉमर्स और विक्रम सोलर लिमिटेड से भी अनुरोध प्राप्त हुए।
- xiv. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया। सभी हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची डीजीटीआर की वेबसाइट पर अपलोड की गई, साथ ही उन सभी से अनुरोध किया गया कि वे अपने अनुरोधों का अगोपनीय रूपांतर सभी हितबद्ध पक्षकारों को ईमेल करें।
- xv. डीजी प्रणाली से क्षति अवधि और जांच की अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों का लेनदेन-वार ब्यौरा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। प्राधिकारी ने आयात की मात्रा की गणना और लेनदेन की उचित जांच के बाद आवश्यक विश्लेषण के लिए डीजी प्रणाली के आंकड़ों पर भरोसा किया है।
- xvi. हितबद्ध पक्षकारों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे और उत्पाद नियंत्रण संख्या (पीसीएन) पद्धति पर अपनी टिप्पणियां दर्ज करने के लिए जांच शुरू होने की तारीख से 30 दिनों का समय दिया गया था।
- xvii. 19 नवंबर 2024 को, प्राधिकारी ने एक बैठक आयोजित की जिसमें सभी हितबद्ध पक्षकारों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे और पीसीएन पद्धति पर अपनी टिप्पणियों पर चर्चा करने और उन्हें स्पष्ट करने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- xviii. प्राधिकारी ने अधिसूचना संख्या 6/26/2024-डीजीटीआर, दिनांक 4 दिसंबर 2024 के माध्यम से विचाराधीन उत्पाद के दायरे को अधिसूचित किया और वर्तमान जांच में अपनाई जाने वाली पीसीएन पद्धति को भी अधिसूचित किया।
- xix. नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को 21 जुलाई 2025 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार व्यक्त किए, उनसे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों के लिखित अनुरोध दाखिल करने और उसके बाद प्रत्युत्तर अनुरोध देने का अनुरोध किया गया।

- xx. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर और सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) और नियमावली के अनुबंध III को ध्यान में रखते हुए, भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की इष्टतम लागत और बनाने एवं बेचने की लागत के आधार पर क्षति-रहित कीमत (एनआईपी) की गणना की गई है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xxi. वर्तमान जांच के प्रयोजन से जांच की अवधि (पीओआई) 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक है। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्ति की जांच में 2020-21, 2021-22, 2022-23 की अवधि और जांच की अवधि शामिल थी।
- xxii. इस जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर, साक्ष्यों द्वारा समर्थित और वर्तमान जांच के लिए संगत माने जाने की सीमा तक, प्राधिकारी द्वारा इस अंतिम जांच परिणाम में उचित रूप से विचार किया गया है।
- xxiii. प्राधिकरण ने केंद्र सरकार को अंतिम सिफारिशें करने के लिए विचाराधीन सभी आवश्यक तथ्यों से युक्त प्रकटीकरण विवरण 21 सितंबर 2025 को सभी हितबद्ध पक्षों को परिचालित किया। प्राधिकरण ने इन अंतिम निष्कर्षों में हितबद्ध पक्षों द्वारा की गई सभी प्रकटीकरण-पश्चात टिप्पणियों की, जहाँ तक प्रासंगिक समझा गया, जाँच की है। कोई भी निवेदन, जो केवल पिछले निवेदनों का पुनरुत्पादन था, और जिसकी प्राधिकरण द्वारा पर्याप्त रूप से जाँच की गई थी, संक्षिप्तता के लिए दोहराया नहीं गया है।
- xxiv. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहाँ भी आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावों को स्वीकार कर लिया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को इसका प्रकटन नहीं किया गया है। जहाँ भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर प्रदान करने का निदेश दिया गया था।
- xxv. जहाँ कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जाँच के दौरान आवश्यक सूचना तक पहुँच से इनकार किया है या अन्यथा उपलब्ध नहीं कराई है, या जाँच में अत्यधिक बाधा डाली है, प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने विचार/टिप्पणियाँ दर्ज की हैं।
- xxvi. प्राधिकारी ने, जाँच प्रक्रिया के दौरान, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान की गई सूचना की सटीकता के बारे में स्वयं को संतुष्ट किया है, जो वर्तमान अंतिम जांच परिणामों का आधार बनती है, और सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों/दस्तावेजों को, जहाँ तक संगत, व्यावहारिक और आवश्यक समझा गया, सत्यापित किया है।
- xxvii. इस अधिसूचना में '***' किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना को दर्शाता है और नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा गोपनीय माना जाता है।
- xxviii. संबद्ध जाँच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर 1 अमेरिकी डॉलर = 83.69 रु. है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

ग.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

5. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के दायरे के संबंध में अन्य हितवद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं।

- क. वर्तमान जाँच में सौर सेल और सौर मॉड्यूल को अलग-अलग उत्पाद माना जाना चाहिए क्योंकि ये उत्पाद प्रौद्योगिकी, उत्पादन प्रक्रिया और पूँजी निवेश के संदर्भ में भिन्न हैं।
- ख. दोनों उत्पादों के उद्योग पूरी तरह से अलग हैं। सेल का केवल 1 उत्पादक है, सेल और मॉड्यूल दोनों के 5 उत्पादक हैं, जबकि मॉड्यूल के 134 उत्पादक हैं जो पञ्चगामी रूप से एकीकृत नहीं हैं। इसके अलावा, सौर मॉड्यूल की आयात मात्रा और उत्पादन क्षमता सेल की तुलना में अधिक है।
- ग. सौर सेल और सौर मॉड्यूल अलग-अलग उत्पाद हैं, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि सेल और मॉड्यूल के लिए 6-अंकीय स्तर पर एचएस कोड अलग-अलग हैं और सीमा शुल्क भी अलग-अलग है।
- घ. सौर मॉड्यूल की कीमत सेल की तुलना में 70% अधिक है। विभिन्न एफटीए के तहत, एचएस कोड में परिवर्तन और 35% का मूल्यवर्धन यह दर्शाता है कि निर्यातक देश में एक अलग उत्पाद का उत्पादन किया गया है।
- ङ. सौर मॉड्यूल में सेल और अतिरिक्त कच्चे माल शामिल होते हैं और इन अतिरिक्त कच्चे माल की कीमतों में बदलाव सौर मॉड्यूल को प्रभावित करेगा, लेकिन सौर सेल को नहीं।
- च. सेल और मॉड्यूल के ग्राहक अलग-अलग हैं क्योंकि सौर सेल केवल मॉड्यूल उत्पादकों द्वारा खरीदे जाते हैं जबकि सौर मॉड्यूल बिजली डेवलपर्स द्वारा खरीदे जाते हैं।
- छ. टॉपकोन सेल और बैक कॉन्टैक्ट सेल को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि वे अलग उत्पादन प्रक्रिया, उच्च दक्षता, दीर्घकालिक स्थिरता के मामले में पीईआर सेल से भिन्न हैं। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने स्वीकार किया है कि वे टॉपकोन सेल का उत्पादन नहीं करते हैं।
- ज. अंतिम उपयोग प्रतिस्थानापन्नीयता के आधार पर टॉपकोन सेल को शामिल करना उचित नहीं है।
- झ. एफएस इंडिया द्वारा उत्पादित होने का दावा किए गए थिन-फिल्म कैडमियम टेल्यूराइड (सीडीटीई) सौर मॉड्यूल निर्माण प्रक्रिया, प्रयुक्त कच्चे माल, दक्षता, प्रदर्शन, लागत और कीमत के मामले में क्रिस्टलीय सिलिकॉन-आधारित सौर सेल और मॉड्यूल से भिन्न हैं। इस प्रकार, घरेलू उद्योग ने आयातित वस्तुओं के समान वस्तु का उत्पादन नहीं किया है।
- ञ. प्राधिकारी को नीचे दी गई तालिका के अनुसार, विभिन्न प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके उत्पादित सेलों और मॉड्यूलों के लिए अलग-अलग पी.सी.एन. तैयार करना चाहिए, क्योंकि विभिन्न प्रौद्योगिकियों के सेलों और मॉड्यूलों के बीच लागत और कीमत में महत्वपूर्ण अंतर होता है।

सेल का प्रकार	i. मोनोक्रिस्टलाइन सेल्स ii. बहु-क्रिस्टलाइन सेल्स
---------------	---

मॉड्यूल का प्रकार	i. मोनोक्रिस्टलाइन सेल्स ii. बहु-क्रिस्टलाइन सेल्स
प्रौद्योगिकी का प्रकार (सेल)	i. क्रिस्टलीय सिलिकॉन आधारित (सी-एसआई) प्रौद्योगिकी ii. थिन फिल्म प्रौद्योगिकी
प्रौद्योगिकी का प्रकार (मॉड्यूल)	i. क्रिस्टलीय सिलिकॉन आधारित (सी-एसआई) प्रौद्योगिकी ii. थिन फिल्म प्रौद्योगिकी

- ट. नमूना वाणिज्यिक बीजकों की प्रतियों से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि प्रौद्योगिकी के आधार पर विभिन्न उत्पाद प्रकारों की लागत और कीमत में महत्वपूर्ण अंतर है, जो प्रौद्योगिकी-आधारित पीसीएन के निर्माण को उचित ठहराता है।
- ठ. प्राधिकारी को क्रिस्टलीय सिलिकॉन फोटोवोल्टिक सेल्स से संबंधित पाटनरोधी जांच में अमेरिकी वाणिज्य विभाग द्वारा निर्धारित सीओएनएनयूएम के आधार पर पीसीएन का निर्धारण करना चाहिए, चाहे वे मॉड्यूल में असेंबल किए गए हों या नहीं। पीसीएन निम्नलिखित मापदंडों पर आधारित होने चाहिए:
- उत्पाद का रूप
 - क्रिस्टल का प्रकार
 - सेल टेक्नोलॉजी
 - पावर आउटपुट मॉड्यूल
 - फ्रेम का रूप
 - बैकिंग सामग्री
 - जंक्शन बॉक्स
 - इन्वर्टर

ग.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

6. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- विचाराधीन उत्पाद में सौर सेल और सौर मॉड्यूल शामिल हैं क्योंकि वे समान प्राथमिक भौतिक विशेषताओं को साझा करते हैं और फोटोवोल्टिक ऊर्जा उत्पन्न करने का एक ही कार्य करते हैं।
- सौर सेल तैयार मॉड्यूल की लागत और मूल्य का एक बड़ा हिस्सा दर्शाते हैं, और मॉड्यूल बनने के लिए सेल केवल एक विनिर्माण चरण से गुजरते हैं। इस प्रकार, सौर सेल और मॉड्यूल एक ही उत्पाद के विभिन्न चरण मात्र हैं।
- सौर सेल का एक मॉड्यूल के रूप में संयोजन के अलावा कोई स्वतंत्र अनुप्रयोग नहीं है। सौर सेल या सौर मॉड्यूल में से किसी एक को बाहर करने से बाहर रखे गए उत्पाद के निर्यात में वृद्धि होने की संभावना है, जो जाँच के उद्देश्य को निष्फल कर देगा।

- घ. प्राधिकारी ने इसी उत्पाद से संबंधित पूर्व पाटनरोधी और रक्षोपाय जाँचों में सौर सेल और मॉड्यूल को एक ही उत्पाद माना है।
- ङ. यूरोपीय आयोग ने, एक पूर्व जाँच में, यह भी माना था कि भौतिक, रासायनिक और तकनीकी विशेषताओं, अंतिम उपयोग, नामकरण, मूल्यवर्धन, बाज़ार, विनिमेयता, वितरण चैनल और उपभोक्ता धारणा को ध्यान में रखते हुए, सौर सेल और मॉड्यूल एक ही उत्पाद हैं।
- च. किसी उत्पाद के विभिन्न चरणों को उत्पाद के दायरे में शामिल करना विश्व व्यापार संगठन के पाटनरोधी करार या भारतीय पाटनरोधी नियमावली द्वारा निषिद्ध नहीं है।
- छ. प्राधिकारी ने, पूर्व में कई मामलों में, एक ही जाँच में विचाराधीन उत्पाद के दायरे में एक उत्पाद और उसके बाद के या पूर्ववर्ती चरण के उत्पाद को एक उत्पाद के रूप में शामिल किया है, जिसमें क्लोरीनेटेड पॉलीविनाइल क्लोराइड रेज़िन और ओफ़्लॉक्सासिन और उसके मध्यवर्ती पदार्थों का मामला भी शामिल है।
- ज. क्रिस्टलीय सिलिकॉन (सी-एसआई) या थिन फिल्म प्रौद्योगिकी का उपयोग करके उत्पादित सौर सेल और मॉड्यूल उत्पाद के दायरे में शामिल हैं।
- झ. यद्यपि सी-एसआई या थिन फिल्म प्रौद्योगिकी का उपयोग करके उत्पादित सौर उत्पाद विभिन्न उत्पादन प्रक्रिया और कच्चे माल का उपयोग करते हैं, फिर भी उनका उपयोग एक-दूसरे के स्थान पर किया जाता है और उनका अंतिम उपयोग समान होता है। इसके अलावा, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय भी इन उत्पादों के साथ अलग व्यवहार नहीं करता है।
- ञ. इसी उत्पाद से संबंधित पिछली जाँच में प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया था कि सी-एसआई टेक्नोलॉजी या थिन फिल्म टेक्नोलॉजी से उत्पादित सौर उत्पाद, दोनों ही उत्पाद के दायरे में आते हैं।
- ट. यद्यपि संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ में की गई जाँचों में थिन फिल्म उत्पादों को उत्पाद के दायरे से बाहर रखा गया था, यह नोट किया ही जाना चाहिए कि उन देशों के घरेलू उद्योग ने ऐसे उत्पादों पर शुल्क लगाने की माँग ही नहीं की थी।
- ठ. जहाँ जुपिटर केवल सी-एसआई टेक्नोलॉजी का उपयोग करके सौर सेल बनाता है, वहीं फ़र्स्ट सोलर केवल थिन फिल्म टेक्नोलॉजी का उपयोग करके सौर मॉड्यूल बनाता है। भारत में सी-एसआई टेक्नोलॉजी पर आधारित सौर मॉड्यूल या पैनल के समान उत्पाद के अभाव में, थिन फिल्म टेक्नोलॉजी का उपयोग करके उत्पादित सौर मॉड्यूल या पैनल को समान उत्पाद माना जाना चाहिए, क्योंकि यह एक प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी और प्रतिस्थापन योग्य उत्पाद है।
- ड. टॉपकॉन सेल को उत्पाद के दायरे से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए क्योंकि घरेलू उद्योग उत्पाद के समान उत्पाद, पैसिवेटेड एमिटर और रियर सेल (पीईआरसी) सौर सेल के रूप में बनाता है, जिसकी विशेषताएँ काफी मिलती-जुलती होती हैं।
- ड. यद्यपि पीईआरसी और टॉपकॉन सेलों की विनिर्माण प्रक्रियाएँ और कच्चा माल भिन्न हैं, फिर भी इन्हें एक ही उत्पादन लाइनों का उपयोग करके एक दूसरे के स्थान पर उत्पादित किया जा सकता है, इनका आकार और रूप-रंग समान होता है, तथा इनका अंतिम उपयोग भी समान होता है।
- ढ. टॉपकॉन सेलों को बाहर रखने से शुल्कों का उल्लंघन हो सकता है और शुल्कों का उद्देश्य विफल हो जाएगा, क्योंकि उत्पाद को पीईआरसी सेलों के रूप में एक दूसरे के स्थान पर इस्तेमाल किया जा सकता है और यह पाटित कीमतों पर उपलब्ध है।
- त. प्राधिकारी ने फॉस्फोरिक एसिड से संबंधित जाँच में खाद्य श्रेणी के एसिड को भी शामिल किया क्योंकि यह भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित किया जाता है और इसे अन्य श्रेणी के एसिड के स्थान पर इस्तेमाल किया जा सकता है।
- थ. चार प्रमुख घरेलू उत्पादक अर्थात् मुंद्रा सोलर, टाटा पावर, एमवी फोटोवोल्टिक्स और प्रीमियर एनर्जीज़ टॉपकॉन सेलों का उत्पादन और बिक्री कर रहे हैं। इसके अलावा, आवेदक, जुपिटर भी टॉपकॉन सेलों के उत्पादन के लिए अपनी क्षमता विस्तार की प्रक्रिया में है।

- द. जुपिटर और एफएस इंडिया दोनों क्रमशः नवीनतम प्रौद्योगिकी वाले सौर सेलों और मॉड्यूलों का उत्पादन कर रहे हैं। वास्तव में, एफएस इंडिया ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के लिए एक नया संयंत्र स्थापित किया है।
- ध. आवेदन में दिए गए निम्नलिखित पीसीएन को वर्तमान जाँच के लिए विचार किया जाना चाहिए। घरेलू उद्योग ने पहले ही इन पीसीएन पर आधारित सभी जानकारी उपलब्ध करा दी है।

क्र.सं.	विचाराधीन उत्पाद का प्रकार	कोड विवरण	संक्षेपाक्षर
1.	सौर सेल	मोनोक्रिस्टलाइन सेल	मोनो-सेल
		बहु-क्रिस्टलाइन सेल	मल्टी-सेल
2	सौर मॉड्यूल		मॉड्यूल

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

7. वर्तमान जांच की शुरुआत के समय, प्राधिकारी ने निम्नलिखित को विचाराधीन उत्पाद के दायरे के रूप में माना।

“2. विचाराधीन उत्पाद 'सौर सेल या फोटोवोल्टिक सेल' है, चाहे वे मॉड्यूल में संयोजित हों या पैनल में बने हों, और सी-एसआई या थिन फिल्म टेक्नोलॉजी का उपयोग करके उत्पादित किए जाते हैं। सौर सेल से बने सौर मॉड्यूल या पैनल विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आते हैं। इसके अलावा, सौर सेल 'मोनोक्रिस्टलाइन' या 'मल्टी-क्रिस्टलाइन' हो सकते हैं, और दोनों ही विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आते हैं।

3. विचाराधीन उत्पाद मुख्यतः दो उत्पादन तकनीकों, अर्थात् क्रिस्टलीय सिलिकॉन आधारित सौर सेल टेक्नोलॉजी (सी-एसआई) और थिन फिल्म टेक्नोलॉजी का उपयोग करके निर्मित किया जाता है। सी-एसआई आधारित टेक्नोलॉजी और थिन फिल्म टेक्नोलॉजी के माध्यम से उत्पादित सौर सेल और मॉड्यूल या पैनल, दोनों ही विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आते हैं।

4. सौर सेल, जिसे फोटोवोल्टिक सेल भी कहा जाता है, एक ठोस-अवस्था विद्युत उपकरण है जो फोटोवोल्टिक प्रभाव द्वारा सूर्य के प्रकाश को सीधे बिजली में परिवर्तित करता है। एक निश्चित मात्रा में वाट क्षमता या धारा प्राप्त करने के लिए, कई सौर सेल को एक साथ जोड़कर एक सौर मॉड्यूल या पैनल बनाया जाता है। बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए सौर बिजली के लिए, कई सौर पैनल एक सौर सरणी में एक साथ जुड़े हुए हैं। थिन फिल्म प्रौद्योगिकी का उपयोग करने वाले मॉड्यूल भी इसी तरह से जुड़े हुए हैं, ताकि एक सरणी बन सके।

5. संबद्ध वस्तुओं को सीमा प्रशुल्क अधिनियम की अनुसूची I के अध्याय 85 के अंतर्गत प्रशुल्क मद 8541 4200 और 8541 4300 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

6. आवेदकों ने लागत और कीमत के संदर्भ में अंतर को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित उत्पाद नियंत्रण संख्या (पीसीएन) प्रस्तावित की हैं।

क्र.सं.	विचाराधीन उत्पाद का प्रकार	कोड विवरण	संक्षेपाक्षर
1.	सौर सेल	मोनोक्रिस्टलाइन सेल	मोनो-सेल
		बहु-क्रिस्टलाइन सेल	मल्टी-सेल
2	सौर मॉड्यूल		मॉड्यूल

8. हितबद्ध पक्षकारों को निदेश दिया गया था कि वे जाँच की शुरुआत की तिथि से 30 दिनों के भीतर विचाराधीन उत्पाद के दायरे और पीसीएन पद्धति पर टिप्पणियाँ या सुझाव, यदि कोई हों, उपलब्ध कराएं। विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियाँ प्राप्त हुईं। विचाराधीन उत्पाद के दायरे और प्रस्तावित पीसीएन पद्धति पर विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत अनुरोधों को समझने के लिए 19 नवंबर 2024 को एक बैठक आयोजित की गई।
9. आवेदकों ने अनुरोध किया है कि सौर सेल स्वयं और मॉड्यूल या पैनल में संयोजित सौर सेल, दोनों ही विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल हैं। हालाँकि, जाँच की प्रक्रिया के दौरान, विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि सौर सेल और सौर मॉड्यूल या पैनल को एक ही उत्पाद नहीं माना जाना चाहिए और विचाराधीन उत्पाद के दायरे में दोनों उत्पाद शामिल नहीं हो सकते। प्राधिकारी ने इस संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जाँच की है।
10. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विश्व व्यापार संगठन के पाटनरोधी करार या भारतीय नियमावली में ऐसे कारकों या मापदंडों का प्रावधान नहीं है जिन पर विचाराधीन उत्पाद के दायरे का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी द्वारा विचार किया जाना आवश्यक है। हालाँकि, प्राधिकारी द्वारा नियमित रूप से अपनाई जाने वाली कार्य-पद्धति के साथ-साथ अन्य क्षेत्राधिकारों में जाँच करने वाले प्राधिकारों द्वारा अपनाई जाने वाली ज्ञात कार्य-पद्धति के आधार पर, विचाराधीन उत्पाद का निर्धारण करते समय भौतिक, रासायनिक और तकनीकी विशेषताओं, उपयोग और अनुप्रयोग, एक दूसरे के स्थान पर उपयोग करने की क्षमता की मात्रा और उपभोक्ता धारणा जैसे कारकों पर विचार किया जाता है। जाँच करने वाले प्राधिकारी उत्पादन प्रतिस्थापना या उत्पाद प्रतिस्थापना या दोनों को मानदंड के रूप में मानते हैं ताकि यह तय किया जा सके कि नियमावली के अर्थ में विभिन्न प्रकार के उत्पाद एक उत्पाद के विभिन्न प्रकार एक उत्पाद होंगे। यदि उपभोक्ता आसानी से एक उत्पाद के स्थान पर दूसरे उत्पाद को अपनाएगा तब, ये दोनों उत्पाद एक उत्पाद माना जाना चाहिए। इसी प्रकार, यदि उत्पादक आसानी से एक उत्पाद से दूसरे उत्पाद को अपनाएंगे, तो दोनों उत्पादों को एक उत्पाद माना जाना चाहिए। यह भी अच्छी तरह से समझा जाता है कि विचाराधीन उत्पाद का दायरा इस तरह से निर्धारित किया जाना आवश्यक है कि यह घरेलू उद्योग को आवश्यक और इच्छित राहत प्रदान करे, साथ ही यह भी सुनिश्चित करे कि विचाराधीन उत्पाद का दायरा उद्योग को अत्यधिक संरक्षण प्रदान न करे। जैसा कि सेस्टैट ने हुआवेई टेक्नोलॉजीज कंपनी लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क [2016 (334) ई.एल.टी. धारा 339 (ट्राई-डेल)] के अनुसार, विचाराधीन उत्पाद को इस प्रकार परिभाषित किया जाना चाहिए कि पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य विफल न हो।

“29. हमारी राय में, प्राधिकारी को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में उन पुर्जों और घटकों को शामिल करने की अनुमति है, जिन्हें यदि शामिल नहीं किया गया, तो शुल्क निष्प्रभावी हो जाएगा। शुल्क लगाने के लिए उत्पाद का कवरेज ऐसा होना चाहिए कि शुल्क लगाने का उद्देश्य और मंशा पूरी हो। पाटनरोधी शुल्क घरेलू उत्पादकों को पाटन के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए लगाया जाता है। यदि एसडीएच अनुप्रयोग के लिए अभिप्रेत पुर्जों और घटकों को बाहर रखा जाता है, तो आयातक वस्तुओं को अलग-अलग खेपों में, बिना जोड़े हुए, ला सकते हैं और उन्हें भारत में जोड़कर शुल्क को विफल कर सकते हैं।”

11. यह नोट किया जाता है कि सौर सेल एक ठोस अवस्था विद्युत उपकरण है जो प्रकाशवोल्टीय प्रभाव द्वारा सूर्य के प्रकाश को विद्युत में परिवर्तित करता है। वांछित आउटपुट वाट क्षमता प्राप्त करने के लिए सौर सेल में श्रृंखलाबद्ध

रूप से और/या बांछित धारा क्षमता प्रदान करने के लिए समानांतर रूप से विद्युत कनेक्शन किए जाते हैं। सौर सेल के ऐसे संयोजन को सौर पैनल या सौर मॉड्यूल कहा जाता है। इस प्रकार, सौर सेल का व्यावहारिक उपयोग करने के लिए, उन्हें मॉड्यूल या पैनल में रखा जाता है, और एक सौर मॉड्यूल या पैनल, सौर सेल का एक पैकेज्ड, संयोजित संयोजन मात्र होता है। अंततः मॉड्यूल की ही खपत होती है। क्रिस्टलीय प्रौद्योगिकी में सौर सेल केवल एक मध्यवर्ती उत्पाद है, जबकि थिन फिल्म प्रौद्योगिकी में सौर सेल उत्पादन प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग है। एक उपभोक्ता दोनों के बीच सापेक्ष कीमत लाभ के आधार पर, थिन फिल्म मॉड्यूल और क्रिस्टलीय मॉड्यूल के बीच आसानी से स्विच कर अपनाएगा।

12. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सौर सेल का निर्माण किया जाता है और फिर इच्छित उद्देश्य की पूर्ति के लिए उन्हें मॉड्यूल या पैनल में संयोजित किया जाता है। ऐसे सौर सेल का कोई स्वतंत्र अनुप्रयोग नहीं होता है और उन्हें अनिवार्य रूप से मॉड्यूल अथवा पैनल में जुड़ा हुआ होना चाहिए और संयोजित किया जाना चाहिए। इसके विपरीत, मॉड्यूल या पैनल को अंततः बिजली उत्पन्न करने के लिए सौर सेलों के संयोजन की आवश्यकता होती है, क्योंकि मॉड्यूल या पैनल सौर सेलों के एक पैकेज्ड समूह के अलावा और कुछ नहीं होते। सौर सेलों को मॉड्यूल या पैनल में इस प्रकार संयोजित करने से कोई महत्वपूर्ण विनिर्माण प्रक्रिया नहीं बनती और निर्माण प्रक्रिया के रूप में, मॉड्यूल या पैनल पर सेलों को लगाने में कोई बड़ा मूल्यवर्धन नहीं होता। इसके लिए केवल कुछ घटकों की आवश्यकता होती है, जो अधिकांशतः खरीदे हुए उत्पाद होते हैं। इस उत्पाद से संबंधित पिछली जाँचों में प्राधिकारी द्वारा यह पाया गया था, जिसमें यह नोट किया गया था कि व्यावहारिक उपयोग के लिए, सौर सेलों को पैनल/मॉड्यूल आदि जैसे उपकरणों पर लगाया जाता है और वे स्वयं अलग उत्पाद नहीं होते। तदनुसार, प्राधिकारी ने माना कि सौर सेलों और सौर मॉड्यूल अलग-अलग उत्पाद नहीं, बल्कि एक ही उत्पाद हैं।
13. उपरोक्त, रिकॉर्ड की जानकारी और विचाराधीन उत्पाद पर प्राधिकारी द्वारा किए गए पिछले निर्धारणों के आधार पर, प्राधिकारी निम्नलिखित नोट करते हैं -
 - क. सौर सेल एक मध्यवर्ती उत्पाद हैं जिन्हें अंततः मॉड्यूल में संयोजित किया जाना चाहिए या पैनलों में बनाया जाना चाहिए। सौर सेलों का कोई स्वतंत्र उपयोग नहीं है। सौर सेलों द्वारा उत्पन्न विद्युत का उपयोग नहीं किया जा सकता है। ऐसे सौर सेलों का उपयोग ऐसे ही नहीं किया जा सकता, और उन्हें उपयोगी बनाने के लिए उन्हें आवश्यक रूप से मॉड्यूल में संयोजित या पैनल में परिवर्तित किया जाना चाहिए।
 - ख. सौर सेलों, मॉड्यूल या पैनल, विद्युत उत्पादन के लिए प्रयुक्त फोटोवोल्टिक उपकरण हैं। यद्यपि विद्युत उत्पादन के लिए सौर सेलों को मॉड्यूल या पैनल में संयोजित किया जाना आवश्यक है, सौर मॉड्यूल या पैनल की विद्युत उत्पादन क्षमता मॉड्यूल के अंदर लगे सौर सेलों से उत्पन्न होती है। इस प्रकार, उत्पाद कार्यात्मक और भौतिक रूप से समान होते हैं।
 - ग. सौर सेलों को सौर मॉड्यूल या पैनल में संयोजित करने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण निवेश, विनिर्माण गतिविधि और उत्पादन कौशल की आवश्यकता नहीं होती है। सौर सेलों के निर्माण में महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता होती है, जो संयोजन प्रक्रिया की तुलना में लगभग 6.5 गुना अधिक है। इस प्रकार, मध्यवर्ती सौर सेलों को अंतिम सौर मॉड्यूल में संयोजित करना केवल वृद्धिशील उत्पादन प्रक्रिया है, और इसके लिए विनिर्माण गतिविधियों के रूप में महत्वपूर्ण मूल्यवर्धन की आवश्यकता नहीं होती है।

- घ. जांच की अवधि के दौरान, भारत में सौर सेलों के केवल 6 ज्ञात उत्पादक थे, जबकि देश में सौर मॉड्यूल या पैनल के लगभग 130 ज्ञात उत्पादक थे। ऐसे अधिकांश उत्पादक सौर सेल आयात कर रहे हैं और उन्हें मॉड्यूल या पैनल में संयोजित कर रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए, प्रस्तावित पाटनरोधी शुल्क के दायरे से सौर सेल, सौर मॉड्यूल या पैनल को बाहर करने से अपवर्जित उत्पाद के निर्यात में वृद्धि हो सकती है। यह वर्तमान जाँच और उसके बाद लगाए गए शुल्कों के उद्देश्य को अनिवार्य रूप से निरर्थक कर देगा।
14. कुछ पक्षकारों ने तर्क दिया है कि सौर सेल और सौर मॉड्यूल या पैनल अलग-अलग उत्पाद हैं। चूँकि इन उत्पादों को 6-अंकीय स्तर पर अलग-अलग एचएसएन कोड और अलग-अलग सीमा शुल्क के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है और यह तर्क कि इसका अर्थ यह है कि सभी डब्ल्यूटीओ देशों द्वारा इन उत्पादों पर अलग-अलग विचार किया जाता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी उत्पाद का एचएसएन वर्गीकरण विचाराधीन उत्पाद के दायरे को निर्धारित करने के लिए बाध्यकारी मानदंड नहीं माना जाता है। प्राधिकारी ने अतीत में कई उत्पादों पर उपायों की सिफारिश की है, जहाँ एक उत्पाद को कई अलग-अलग एचएसएन कोड के अंतर्गत आयात किया गया हो सकता है, और ऐसे एचएसएन कोड को उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी प्रभाव नहीं माना गया था। इसी प्रकार, प्राधिकारी ने कई उत्पादों पर उपायों की सिफारिश की है, जहाँ विचाराधीन उत्पाद उस एचएसएन वर्गीकरण के अंतर्गत आने वाला एकमात्र उत्पाद नहीं था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि एचएसएन वर्गीकरण केवल उन उत्पादों को सक्षम करने के उद्देश्य से है जो एचएसएन वर्गीकरण के अंतर्गत आते हैं।
15. इस तर्क के संबंध में कि सौर सेल और सौर मॉड्यूल या पैनल अलग-अलग ग्राहकों को बेचे जाते हैं और उनके अलग-अलग बिक्री चैनल होते हैं, यह नोट किया जाता है कि सौर सेल हमेशा उन कंपनियों को बेचे जाते हैं जो सौर मॉड्यूल या पैनल बनाती हैं। फिर सौर मॉड्यूल या पैनल उन कंपनियों को बेचे जाते हैं जो सौर ऊर्जा उत्पादन सिद्ध करने में लगी हैं। इस प्रकार, उत्पाद का अंतिम बिक्री चैनल सेल उत्पादक से मॉड्यूल उत्पादक और उसके बाद बिजली उत्पादक को बिक्री है। यह नोट किया जाता है कि इस बिक्री चैनल का प्रत्येक चरण स्वतंत्र नहीं है और आपस में जुड़ा हुआ है।
16. इस तर्क के संबंध में कि सौर सेल और सौर मॉड्यूल या पैनल की उत्पादन लागत अलग-अलग होती है और उनकी कीमतें भी अलग-अलग होती हैं, यह नोट किया जाता है कि दोनों उत्पादों की लागत और कीमतों में इस तरह के अंतर को प्राधिकारी द्वारा पहले ही नोट किया जा चुका है और दोनों उत्पादों के लिए अलग-अलग पीसीएन बनाकर, एक समान तुलना सुनिश्चित करने के लिए, इस अंतर को दूर किया गया है। विभिन्न प्रकार की उत्पादन लागत में अंतर का अर्थ अलग-अलग उत्पाद नहीं है, बल्कि इसका अर्थ केवल अलग-अलग उत्पाद प्रकार हैं जिनकी लागत में महत्वपूर्ण अंतर है।
17. प्राधिकारी का मानना है कि सौर सेल, सौर मॉड्यूल या पैनल में उपयोग के लिए निर्मित किए जाते हैं, और उनका कोई अन्य स्वतंत्र उपयोग नहीं है। जहाँ तक विनिर्माण गतिविधियों का संबंध है, सौर सेल को सौर मॉड्यूल या पैनल में संयोजित करने के लिए महत्वपूर्ण मूल्यवर्धन की आवश्यकता नहीं होती है। दोनों उत्पादों का अंतिम उपयोग एक ही है - फोटोवोल्टिक ऊर्जा का उत्पादन। मॉड्यूल निर्माता सौर सेल आयात कर रहे हैं और उन्हें मॉड्यूल या पैनल में संयोजित कर रहे हैं। यह माना जाता है कि सौर सेल और सौर मॉड्यूल या पैनल, एक मध्यवर्ती और अंतिम उत्पाद होने के नाते, दोनों ही विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल हैं।

18. कुछ हितधारक पक्षकारों ने तर्क दिया है कि टनल ऑक्साइड पैसिवेटेड कॉन्टेक्ट (टॉपकॉन) सौर सेल और बैक कॉन्टेक्ट सौर सेल को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। यह तर्क दिया गया है कि टॉपकॉन सेल और बैक कॉन्टेक्ट सेल घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित नहीं किए जाते हैं, जो केवल पैसिवेटेड एमिटर और रियर सेल (पीईआरसी) सौर सेल का उत्पादन करता है। इसके अलावा, यह तर्क दिया गया है कि पीईआरसी सेल की तुलना में टॉपकॉन सेल की उत्पादन प्रक्रिया अलग है, दक्षता अधिक है, और दीर्घकालिक स्थिरता है। बैक कॉन्टेक्ट सेल के संबंध में, यह तर्क दिया गया है कि यह अगली पीढ़ी की टेक्नोलॉजी है और इसमें एक अलग संरचनात्मक डिज़ाइन और निर्माण प्रक्रिया अपनाई जाती है। दूसरी ओर, आवेदकों ने अनुरोध किया है कि टॉपकॉन और बैक कॉन्टेक्ट सेल को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर नहीं रखा जा सकता क्योंकि घरेलू उद्योग ने पीईआरसी सेल के रूप में समान उत्पाद का उत्पादन और पेशकश की है, जिनकी विशेषताएँ काफी हद तक मिलती-जुलती हैं। इसके अलावा, यह दावा किया गया है कि अन्य भारतीय उत्पादक पहले से ही टॉपकॉन सेल का उत्पादन कर रहे हैं और घरेलू उद्योग भी टॉपकॉन सेल के उत्पादन के लिए संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया में है।
19. प्राधिकारी ने कुछ प्रकार के सौर सेल को बाहर रखने के संबंध में अन्य हितवद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए तर्कों की जाँच की है।
20. टॉपकॉन सौर सेल्स के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि टॉपकॉन सौर सेल संरचना में एक थिन सुरंग ऑक्साइड परत होती है जो एक पारदर्शी चालक ऑक्साइड परत और एक पी-डोपेड क्रिस्टलीय सिलिकॉन परत के बीच स्थित होती है। दूसरी ओर, पीईआरसी सौर सेल्स में सेल के पीछे एक निष्क्रियता परत होती है, जो पुनर्संयोजन हानियों को कम करने और प्रकाश अवशोषण को बढ़ाने में मदद करती है। इस प्रकार, दोनों प्रकार की सेल्स के लिए उत्पादन प्रक्रिया और कुछ कच्चे माल अलग-अलग होते हैं। हालाँकि, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि पीईआरसी सेल्स के उत्पादन के लिए प्रयुक्त उत्पादन लाइनों का उपयोग कुछ अतिरिक्त प्रक्रियाओं के साथ टॉपकॉन सेल्स के उत्पादन के लिए भी किया जा सकता है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने यह भी अनुरोध किया है कि टॉपकॉन सेल्स और पीईआरसी सेल्स में प्रयुक्त इनपुट कच्चे माल अलग-अलग होते हैं, लेकिन पीईआरसी सेल्स और टॉपकॉन सेल्स में रसायन, गैस और धातुकरण तत्व जैसे अधिकांश घटक समान होते हैं। अंत में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जहाँ टॉपकॉन सेल्स और पीईआरसी सेल्स में प्रयुक्त टेक्नोलॉजी अलग-अलग है, वहाँ भी सेल्स का अंतिम उपयोग एक ही है - बिजली उत्पादन के लिए सौर मॉड्यूल या पैनल में संयोजन। इस प्रकार, दोनों सेलों का उपयोग एक-दूसरे के स्थान पर किया जा सकता है क्योंकि उनका अंतिम उपयोग एक जैसा है। दोनों प्रौद्योगिकियों से उत्पादित सेलों का आयात चीन से किया गया है और ये एक-दूसरे के साथ-साथ भारतीय उद्योग के साथ भी प्रतिस्पर्धा में थे। भारतीय उद्योग, आयातित उत्पाद के साथ-साथ, दोनों प्रौद्योगिकियों से भारतीय उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पादों के साथ भी प्रतिस्पर्धा में रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए, टॉपकॉन सेलों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखने से सौर मॉड्यूल या पैनलों में उपयोग के लिए इस प्रकार के उत्पाद के आयात में वृद्धि होने की संभावना है, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को निरंतर क्षति होगी। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने यह प्रदर्शित किया है कि अन्य भारतीय उत्पादक, जैसे मुंद्रा सोलर, टाटा

पावर, एमवी फोटोवोल्टिक्स और प्रीमियर एनर्जीज़, भारत में टॉपकॉन सेलों का उत्पादन और बिक्री कर रहे हैं। इसके अलावा, जुपिटर इंटरनेशनल भी टॉपकॉन सेलों के उत्पादन के लिए क्षमताएँ सिद्ध करने की प्रक्रिया में है।

21. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को आयातित उत्पादों के समान वस्तु का उत्पादन करने की आवश्यकता नहीं है। समान वस्तु के अभाव में, ऐसी वस्तु जिसकी विशेषताएँ विचाराधीन उत्पाद से काफी मिलती-जुलती हों, उसे 'समान वस्तु' माना जा सकता है। वर्तमान मामले में, यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पीईआरसी सेल, टॉपकॉन सेल के समान ही उत्पादन लाइनों का उपयोग करके उत्पादित किए जा सकते हैं, उनमें समान घटक होते हैं और उनका अंतिम उपयोग भी समान होता है। चूँकि घरेलू उद्योग ने समान विशेषताओं वाले सेल का उत्पादन और पेशकश की है, इसलिए टॉपकॉन सेल को बाहर करना उचित नहीं है। टॉपकॉन सेल का पाटन और शेष उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से घरेलू बाजार में निरंतर पाटन होगा और परिणामस्वरूप भारतीय उद्योग को क्षति होगी।
22. विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बैक कॉन्टैक्ट सेल को बाहर करने के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी की यह सिद्ध कार्य-पद्धति है कि वह उस उत्पाद प्रकार को बाहर करने पर विचार करे जो जाँच की अवधि में भारत में आयात किया गया है, और उस समान वस्तु को जो देश में पेश नहीं की गई है। किसी विशेष प्रकार के बाहर करने के दावे पर तब तक विचार नहीं किया जा सकता जब तक कि उसे संबंधित अवधि के दौरान भारत को निर्यात नहीं किया गया हो, क्योंकि घरेलू उद्योग द्वारा समान वस्तु की आपूर्ति न करने का तथ्य सिद्ध नहीं किया जा सकता। प्राधिकारी ने आयात आँकड़ों की जाँच की है और जाँच अवधि तक बैक कॉन्टैक्ट सेल का कोई आयात नहीं पाया है। चूँकि बैक कॉन्टैक्ट सेल का कोई आयात नहीं हुआ था, इसलिए इन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखना उचित नहीं होगा।
23. यह भी तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग ने क्रिस्टलीय सिलिकॉन-आधारित (सी-एसआई) सौर मॉड्यूल के समान वस्तु का उत्पादन नहीं किया है, क्योंकि एफएस इंडिया ने केवल थिन फिल्म वाले मॉड्यूल का उत्पादन किया है जो विनिर्माण प्रक्रिया, कच्चे माल, लागत और कीमतों के संदर्भ में सी-एसआई मॉड्यूल से भिन्न हैं। यह एक निर्विवाद तथ्य है कि एफएस इंडिया केवल थिन फिल्म प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सौर मॉड्यूल का उत्पादन करती है और सी-एसआई सेल्स का उपयोग करके सौर मॉड्यूल का उत्पादन नहीं करती है। इसके अलावा, जुपिटर इंटरनेशनल ने भारत में केवल सी-एसआई प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सौर सेल का उत्पादन किया है, और सौर मॉड्यूल का उत्पादन नहीं किया है। इस प्रकार, परिभाषित घरेलू उद्योग ने सी-एसआई आधारित सौर मॉड्यूल के समान वस्तु का उत्पादन नहीं किया है।
24. इस संबंध में, यह निर्विवाद है कि सौर मॉड्यूल का उत्पादन सी-एसआई टेक्नोलॉजी और थिन फिल्म टेक्नोलॉजी का उपयोग करके किया जा सकता है। क्रिस्टलीय सिलिकॉन सेल, सिलिकॉन के एकल क्रिस्टल या सिलिकॉन क्रिस्टल के एक ब्लॉक से काटे गए पतले स्लाइस से बनाए जाते हैं। सेल निर्मित होने के बाद, उन्हें तारों के माध्यम से जोड़ा जाता है और मॉड्यूल या पैनल में संयोजित किया जाता है। दूसरी ओर, थिन फिल्म मॉड्यूल का उत्पादन फ्लोट ग्लास पर एक पारदर्शी प्रवाहकीय परत की परत चढ़ाकर किया जाता है, जिस पर फोटोवोल्टिक अवशोषक

पदार्थ जमा होता है। लेज़र स्क्रीनिंग का उपयोग करके, सेल स्ट्रिप्स को आसन्न सेल्स के बीच एक इंटरकनेक्ट मार्ग बनाने के लिए पैटर्न किया जाता है। तांबे के रिबन लगाए जाते हैं, एक एनकैप्सुलेट शीट और कांच की दूसरी शीट को ऊपर रखा जाता है, जिससे एक मॉड्यूल बनता है। इस प्रकार, सी-एसआई आधारित सौर मॉड्यूल और थिन फिल्म सौर मॉड्यूल की उत्पादन प्रक्रिया और कच्चे माल अलग-अलग होते हैं। इस प्रकार, दोनों उत्पाद संबंधित उत्पादन टेक्नोलॉजी और कच्चे माल के संदर्भ में भिन्न होते हैं। परिणामस्वरूप, विनिर्माण सुविधाएँ भी भिन्न होती हैं। हालाँकि, उत्पादन टेक्नोलॉजी और उत्पादन प्रक्रिया दोनों में से किसी एक का उपयोग करके उत्पादित मॉड्यूल तकनीकी गुणों, कार्य और उपयोगों, और अंतिम अनुप्रयोगों सहित सभी भौतिक पहलुओं में तुलनीय हैं। दोनों तकनीकी और व्यावसायिक रूप से प्रतिस्थापन योग्य हैं। दोनों मॉड्यूल का उपयोग फोटोवोल्टिक ऊर्जा के उत्पादन और उसे विद्युत में रूपांतरित करने के लिए किया जाता है और इन्हें एक-दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जा सकता है। इसी उत्पाद से संबंधित पिछली जाँच के समय प्राधिकारी द्वारा भी नोट किया गया था। यह देखा गया है कि सी-सिलिकॉन आधारित सौर मॉड्यूल की विशेषताएँ काफी हद तक समान हैं और इनका अंतिम उपयोग थिन फिल्म मॉड्यूल के समान ही है।

25. प्राधिकारी ने विगत निर्धारणों में दो प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके उत्पादित मॉड्यूलों को एक ही उत्पाद माना है। यह भी नोट किया जाता है कि उत्पादन प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया और कच्चे माल में अंतर को इस बात का निर्धारण करने वाले कारक के रूप में नहीं माना गया है कि क्या दो उत्पाद पाटनरोधी नियमावली के प्रयोजनार्थ एक वस्तु हैं। प्राधिकारी ने बार-बार यह माना है कि यदि परिणामी उत्पाद विनिर्मेय हैं और तकनीकी एवं व्यावसायिक रूप से प्रतिस्थापन योग्य हैं, तो उत्पादन प्रौद्योगिकी में अंतर महत्वहीन है।
26. यह देखा गया है कि जहाँ देश में सी-एसआई मॉड्यूल आयात किए जा रहे हैं, वहीं घरेलू उद्योग द्वारा पतली फिल्म मॉड्यूल का उत्पादन और आपूर्ति की जा रही है। नियमों के नियपक्षकारों 2(घ) के प्रावधानों के अनुसार, समरूप या समान वस्तु के अभाव में, आयातित वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताओं वाली वस्तु को समान वस्तु माना जाना चाहिए। यह निर्विवाद है कि सी-एसआई तकनीक का उपयोग करके उत्पादित सौर सेलों और मॉड्यूलों की पाटन का पतली फिल्म तकनीक का उपयोग करके उत्पादित मॉड्यूलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इसलिए, समरूप वस्तु के अभाव में, पतली फिल्म तकनीक का उपयोग करके उत्पादित सौर मॉड्यूल या पैनल, सी-एसआई सेलों का उपयोग करके उत्पादित सौर मॉड्यूल या पैनल के समान वस्तु हैं।
27. रिकार्ड में उपलब्ध सूचना और साक्ष्य के आधार पर, इस उत्पाद और अन्य उत्पादों से संबंधित जांच में प्राधिकारी द्वारा किए गए विगत निर्धारणों और उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, विचाराधीन उत्पाद का दायरा निम्नानुसार प्रस्तावित है।

"विचाराधीन उत्पाद सौर सेल या फोटोवोल्टिक सेल हैं, चाहे वे मॉड्यूल में असेंबल किए गए हों अथवा पैनल में बने हों, सी-एसआई अथवा पतली फिल्म तकनीक का उपयोग करके उत्पादित किए गए हों। सौर मॉड्यूल या सौर सेल से बने पैनल विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आते हैं। इसके अलावा, सौर सेल 'मोनोक्रिस्टलाइन' या 'मल्टी-क्रिस्टलाइन' हो सकते हैं, और दोनों ही विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आते हैं।"

विचाराधीन उत्पाद मुख्यतः दो उत्पादन तकनीकों, अर्थात् क्रिस्टलीय सिलिकॉन आधारित सौर सेल प्रौद्योगिकी (सी-एसआई) और पतली फिल्म प्रौद्योगिकी, का उपयोग करके निर्मित किया जाता है। सी-

एसआई आधारित प्रौद्योगिकी और पतली फिल्म प्रौद्योगिकी के माध्यम से उत्पादित सौर सेल और मॉड्यूल या पैनल, दोनों ही विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आते हैं। सौर सेल एक ठोस अवस्था वाला विद्युत उपकरण है जो, जिसे फोटोवोल्टिक सेल भी कहा जाता है, फोटोवोल्टिक प्रभाव द्वारा सूर्य के प्रकाश को सीधे बिजली में परिवर्तित करता है। एक निश्चित मात्रा में वाट क्षमता या धारा प्राप्त करने के लिए कई सौर सेलों को एक साथ जोड़कर एक सौर मॉड्यूल या पैनल बनाया, कई सौर पैनलों को एक सौर, जाता है। बड़े पैमाने पर सौर बिजली उत्पादन के लिए सरणी में जोड़ा जाता है। पतली फिल्म तकनीक का उपयोग करने वाले मॉड्यूल भी इसी तरह से एक सरणी बनाने के लिए जुड़े होते हैं।

28. पीसीएन पद्धति पर प्रस्तुतियों के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा अनुरोध किए गए हैं। पीसीएन पद्धति को अंतिम रूप देते समय प्राधिकारी द्वारा इन पर विचार किया गया है।
29. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने अमेरिकी वाणिज्य विभाग द्वारा अपनी जांच में अपनाए गए कोन्नम के आधार पर अलग पीसीएन बनाने का सुझाव दिया। हालांकि, पक्षकारों ने ऐसा कोई प्रमाण नहीं दिया जो दर्शाता है कि प्रस्तावित मापदंडों से संबंधित लागत में 5% से अधिक का अंतर है। इसके अलावा, हितबद्ध पक्षकारों ने यह नहीं दिखाया कि देश में आयात किए गए उत्पादों के आधार पर ऐसी पीसीएन पद्धति आवश्यक है। अतः, ऐसी पीसीएन पद्धति की आवश्यकता को प्रदर्शित करने वाले प्रमाणों के अभाव में, अमेरिकी वाणिज्य विभाग द्वारा अपनाए गए कोन्नम के आधार पर निर्यातकों द्वारा प्रस्तावित पद्धति को स्वीकार नहीं किया गया। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई और जानकारी और प्रमाण नहीं दिया गया है जो पहले अधिसूचित पीसीएन पर पुनर्विचार करने का औचित्य रखता हो। इसलिए प्राधिकारी का प्रस्ताव है कि अमेरिकी वाणिज्य विभाग द्वारा अपने निर्धारण में विचार किए गए पीसीएन पैरामीटर वर्तमान जांच के लिए उपयुक्त नहीं हैं।
30. घरेलू उद्योग और कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने विभिन्न प्रौद्योगिकियों पर आधारित पीसीएन पद्धति के निर्माण का प्रस्ताव रखा है। अपने दावे के समर्थन में पक्षकारों में, कुछ निर्यातकों ने वाणिज्यिक चालान प्रस्तुत किए हैं जिनसे पता चलता है कि प्रौद्योगिकी पर आधारित प्रस्तावित पीसीएन की लागत और कीमतों में अंतर है। इसी के आधार पर, प्राधिकारी ने वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित पीसीएन पर विचार किया है।

उत्पाद	प्रकार	संक्षेपाक्षर
सौर सेल	मोनोक्रिस्टलाइन कोशिकाएँ	मोनो-कोशिकाएँ
	बहु-क्रिस्टलीय कोशिकाएँ	बहु कोशिकाओं
सौर मॉड्यूल / पैनल	मोनोक्रिस्टलाइन कोशिकाएँ	मोनो-मॉड्यूल/ पैनल
	बहु-क्रिस्टलीय कोशिकाएँ	मल्टी-मॉड्यूल/ पैनल
	पतली फिल्म	पतली फिल्म मॉड्यूल/पैनल

31. यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग ने सी-एसआई प्रौद्योगिकी का उपयोग करके मॉड्यूल का उत्पादन नहीं किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान वस्तु के अभाव में, आयातित वस्तुओं से सबसे अधिक मिलती-जुलती वस्तु, अर्थात् पतली फिल्म मॉड्यूल या पैनल, का निर्धारण करने के लिए विचार किया जाना प्रस्तावित है।
32. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद, संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तु है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित उत्पाद, भौतिक एवं रासायनिक गुणों, कार्यों एवं उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशों, मूल्य निर्धारण, तथा वितरण एवं विपणन की दृष्टि से तुलनीय हैं। संबद्ध देश से आयातित और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएँ तकनीकी और व्यावसायिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और

उपभोक्ताओं द्वारा एक-दूसरे के स्थान पर उपयोग की जाती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए, नियमों के नियम 2(घ) के अनुसार, घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित उत्पाद को भारत में आयातित उत्पाद के समान वस्तु माना जाता है।

33. संबद्ध वस्तुओं को सीमा शुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय 85 के अंतर्गत शीर्षक 8541 और टैरिफ मद 85414200 और 85414300 के अंतर्गत 1 जनवरी 2022 से वर्गीकृत किया गया है। क्षति अवधि के भाग के लिए, अर्थात् 1 अप्रैल 2020 से 31 दिसंबर 2021 तक, संबद्ध वस्तुओं को टैरिफ मद 85414011 और 85414012 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया था। यह नोट किया गया कि जांच की अवधि के दौरान, संबद्ध वस्तुओं को टैरिफ मद 85414200 और 85414300 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया था। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और विचाराधीन उत्पाद के दायरे में बाध्यकारी नहीं है।

घ. घरेलू उद्योग का दायरा और स्थिति

घ.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

34. घरेलू उद्योग के दायरे और स्थिति के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं।
- देश में कुल 25 गीगावाट सेल उत्पादन में घरेलू उद्योग की हिस्सेदारी 1 गीगावाट से भी कम है, जबकि घरेलू उद्योग के रूप में पात्रता को उचित ठहराने के लिए अति-तकनीकी तर्क दिए जाते हैं।
 - एफएस इंडिया और जुपिटर की हिस्सेदारी अप्रमाणिक है और क्षति विश्लेषण के लिए विश्वसनीय नहीं है। एफएस इंडिया जहाँ केवल सौर मॉड्यूल का उत्पादन करती है, वहीं जुपिटर का सौर सेल उत्पादन सीमित है। इसके अलावा, एकमात्र जुपिटर की हिस्सेदारी कुल माँग का केवल 2% है, जबकि घरेलू उद्योग की हिस्सेदारी केवल 5% है।
 - विश्व व्यापार संगठन समझौते के अनुच्छेद 4.1 में दर्शाया गया है कि क्षति का आकलन समग्र रूप से घरेलू उद्योग या कम से कम उसके एक बड़े हिस्से के संबंध में किया जाना चाहिए, जो वर्तमान जाँच में मौजूद नहीं है। इसलिए, जाँच को समाप्त किया जाना चाहिए।
 - जाँच अवधि के दौरान एफएस इंडिया वाणिज्यिक उत्पादन में शामिल नहीं थी और न ही वह समान उत्पाद का उत्पादक है, जैसा कि एमसीए वेबसाइट पर दर्ज कम राजस्व से पता चलता है। इसके अलावा, उत्पादक ने अपने उत्पाद का उपभोग निजी तौर पर किया है और खुले बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं करता है।
 - एफएस इंडिया के हित भारतीय उद्योग के हित में नहीं हैं क्योंकि यह फर्स्ट सोलर इंक., अमेरिका की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और इसके संयंत्र का वित्तपोषण अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय विकास वित्त निगम द्वारा किया गया था। इसके हित घरेलू उत्पादकों के हितों के अनुरूप नहीं हो सकते हैं और इसलिए, इन्हें घरेलू उद्योग के रूप में वर्गीकृत करने के योग्य नहीं माना जा सकता है।
 - केयर रेटिंग रिपोर्ट्स, 2024 के अनुसार, जुपिटर इंटरनेशनल की क्षमता 800 मेगावाट है, जो कुल भारतीय क्षमता की तुलना में नगण्य है, और कुल उत्पादन में इस उत्पादक का बड़ा हिस्सा नहीं है। इसके अलावा, कम उपयोग, अस्थिर उत्पादन और परिचालन फोकस में लगातार बदलाव के साथ, इस उत्पादक ने अपने व्यावसायिक मॉडल का पुनर्गठन किया है।
 - नमूना घरेलू उत्पादकों के चयन में पारदर्शिता का अभाव है और इससे क्षति विश्लेषण विकृत हो सकता है।
 - अडानी सोलर, टाटा पावर सोलर, विक्रम सोलर और वारी एनर्जीज जैसे प्रमुख उत्पादकों ने जाँच में भाग नहीं लिया है।
 - 133 मॉड्यूल उत्पादकों के उत्पादन को पूर्णतः बाहर करना घरेलू उद्योग की इस धारणा के आधार पर उचित नहीं ठहराया जा सकता कि वे संबद्ध देश से आयातक हैं।

- x. आवेदकों को स्थिति निर्धारित करने के लिए प्रयुक्त सम्पूर्ण उत्पादन संख्या प्रकट करना होगा।
- xi. पाँच उत्पादकों को आवेदक और केवल दो को घरेलू उद्योग मानने का कोई कानूनी औचित्य नहीं है। इसके अलावा, यह भी स्पष्ट नहीं है कि अन्य तीन आवेदकों ने क्या जानकारी प्रस्तुत की है। इसलिए, प्रारंभिक अधिसूचना अमान्य कानून है।
- xii. रिन्यूस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने स्वयं को आयातक/उपयोगकर्ता के रूप में पंजीकृत किया है, जबकि टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड और टीपी सोलर लिमिटेड ने पंजीकरण नहीं कराया है। इन उत्पादकों को आयातक प्रभावली का उत्तर दाखिल करना चाहिए और उन्हें आवेदक के रूप में नहीं पहचाना जाना चाहिए।
- xiii. आईएसएमए, एआईएसएमए और एनआईएमएमए को इस अनुरोध का समर्थक नहीं माना जा सकता क्योंकि इन संगठनों के सदस्य स्वयं आयातक या उपयोगकर्ता हैं।

घ.2. घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

35. घरेलू उद्योग के दायरे और स्थिति के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. जाँच आरंभ करने का अनुरोध करने वाला अनुरोध एफएस इंडिया सोलर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, जुपिटर इंटरनेशनल लिमिटेड, रिन्यूस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड और टीपी सोलर लिमिटेड द्वारा दर्ज किया गया था।
- ii. जाँच के दौरान, रिन्यूस इंडिया ने आवेदक के रूप में बने रहने में असमता व्यक्त की। हालाँकि, घरेलू उद्योग से जुड़े आवेदकों का अभी भी नियमों के अनुसार बड़ा हिस्सा है, और उत्पादक की गैर-भागीदारी का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।
- iii. वर्तमान में, देश में सौर सेल के 6 उत्पादक हैं। ये उत्पादक देश में सौर मॉड्यूल भी बनाते हैं। इनमें से 4 उत्पादकों ने, जुपिटर और वेबसोल एनर्जी सिस्टम लिमिटेड को छोड़कर, जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का महत्वपूर्ण मात्रा में आयात किया है। कुछ मामलों में, आयात की मात्रा कंपनी की उत्पादन क्षमता से अधिक है। तदनुसार, ऐसे उत्पादक घरेलू उद्योग माने जाने के लिए अपात्र हैं।
- iv. वेबसोल एनर्जी सिस्टम लिमिटेड, फाल्टा विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में स्थित है। प्राधिकारी की पूर्व प्रथा के अनुसार, विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में स्थापित इकाइयाँ भारत के सीमा शुल्क क्षेत्र के अंतर्गत नहीं आती हैं और इसलिए, उन्हें घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं माना जा सकता।
- v. चूंकि टाटा पावर और अदानी सोलर ने महत्वपूर्ण आयात किया है और विक्रमसोलर ने स्वयं को आयातक के रूप में पंजीकृत किया है, इसलिए ऐसे उत्पादकों द्वारा उत्पादन पर विचार करने से भारतीय उत्पादन की दोहरी गणना हो जाएगी।
- vi. कुछ उत्पादक जो संबंधित वस्तुओं का आयात भी कर रहे हैं, उन्होंने पाटन-रोधी शुल्क लगाने का समर्थन किया है, क्योंकि संबंधित वस्तुओं के पाटन से भारतीय उत्पादकों को अत्यधिक हानि हुई है, जिससे घरेलू उत्पादन अप्रतिस्पर्धी हो गया है।
- vii. यह तथ्य कि अन्य घरेलू उत्पादक महत्वपूर्ण आयात के कारण घरेलू उद्योग का गठन करने के लिए अयोग्य हैं, यह दर्शाता है कि पाटन ने भारत में उत्पादन करने की आशय को समाप्त कर दिया है।
- viii. सौर सेल के अन्य भारतीय उत्पादकों, अर्थात् भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, इंडो सोलर लिमिटेड, मोजर बियर सोलर लिमिटेड, सोलर सेमीकंडक्टर्स और यूरो मल्टीविजन ने उत्पादन बंद कर दिया है।
- ix. जुपिटर और एफएस इंडिया ने जाँच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया है, और वह संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं के निर्यातक या भारत में संबद्ध वस्तुओं के आयातक से संबंधित नहीं है।
- x. एफएस इंडिया के अलावा, सौर मॉड्यूल या पैनल के अन्य सभी भारतीय उत्पादक या तो घरेलू स्तर पर सौर सेल खरीद रहे हैं या संबंधित देश से उनका आयात कर रहे हैं। ऐसे उत्पादकों के उत्पादन को शामिल करने से समान मात्रा की दोहरी गणना हो जाएगी।
- xi. इसी उत्पाद से संबंधित सुरक्षा जाँच में, प्राधिकारी ने आयातित सौर सेल का उपयोग करने वाले सौर मॉड्यूल उत्पादकों को घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं माना। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने पिछली जाँचों में

- संबद्ध वस्तुओं के आयातकों के उत्पादन के साथ-साथ घरेलू स्तर पर प्राप्त मध्यवर्ती वस्तुओं का उपयोग करके उत्पादित संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन को भी इस जाँच से बाहर रखा है।
- xii. पाटन-रोधी नियमों के नियम 2(ख) के अनुसार, ज्यूपिटर और एफएस इंडिया की उत्पादन मात्रा देश में कुल पात्र घरेलू उत्पादन का 100% है।
- xiii. प्राधिकारी ने घरेलू उत्पादकों का नमूना संग्रह नहीं किया है।
- xiv. एफएस इंडिया संबद्ध वस्तुओं का निजी उपभोग नहीं करती है और केवल खुले बाजार में ही बिक्री करती है। इस प्रकार, एफएस इंडिया एक घरेलू उत्पादक है जो जाँच अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में कार्यरत रही और इस प्रकार, पाटनरोधी नियमों के नियम 2(ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग माने जाने के लिए पात्र है।
- xv. यह तथ्य कि एफएस इंडिया में अमेरिकी शेयरधारिता है, अप्रासंगिक है। प्राधिकारी ने पिछले मामलों में घरेलू उद्योग के निर्धारण के लिए धारक कंपनी के स्थान को संगत नहीं माना है।
- xvi. अन्य पक्षकारों के दावों के विपरीत, जुपिटर संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक बना हुआ है और उसने अपनी उत्पादन लाइनों का विस्तार किया है। इसके अलावा, जुपिटर को कम उपयोगिता का सामना करना पड़ा क्योंकि पाटित किए गए आयातों के कारण वह बिक्री करने में असमर्थ रहा।
- xxvii. घरेलू उद्योग किसी विशिष्ट उत्पादक को जांच में भाग लेने के लिए बाध्य नहीं कर सकता है तथा अन्य उत्पादकों द्वारा भाग न लेने का वर्तमान जांच पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- xviii. जबकि अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग ने अपने तर्क को उचित ठहराने के लिए अति-तकनीकी तर्क का सहारा लिया है, उन्होंने ऐसा कोई साक्ष्य या तर्क प्रस्तुत नहीं किया है जिससे यह पता चले कि ऐसे तर्क निराधार हैं।
- xix. विश्व व्यापार संगठन के पाटन-रोधी समझौते या पाटन-रोधी नियमों के तहत ऐसी कोई आवश्यकता नहीं है कि सभी आवेदक अनिवार्य रूप से घरेलू उद्योग ही हों।
- xx. प्राधिकारी ने पूर्व में स्पष्ट किया है कि घरेलू उत्पादक और घरेलू उद्योग के बीच अंतर है तथा प्रत्येक घरेलू उत्पादक घरेलू उद्योग नहीं हो सकता है।
- xxi. शुद्ध टेरैफ्थैलिक एसिड के मामले में प्राधिकारी ने माना कि यद्यपि आवेदक घरेलू उद्योग के रूप में वर्गीकृत होने के लिए अपात्र हो सकता है, फिर भी उसे प्राधिकारी से निवारण प्राप्त करने का अधिकार है।
- xii. यहां तक कि अमेरिका में भी जांच प्राधिकारी ने एक घरेलू उत्पादक और संबंधित वस्तुओं के उत्पादन में लगे श्रमिकों के संघ द्वारा दायर अनुरोध के आधार पर जांच शुरू की है।
- xxii. आईएसएमए, एआईएसएमए और एनएमएमए ऐसे संगठन हैं जो देश में संबद्ध वस्तुओं के उपयोगकर्ताओं के साथ-साथ घरेलू उत्पादकों के हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके अलावा, यह आवश्यक नहीं है कि उपयोगकर्ताओं या आयातकों का कोई संगठन शुल्क का अनिवार्य रूप से विरोध करे।
- xiv. यद्यपि नियम 5(3) के अंतर्गत अनुरोध की स्थिति के निर्धारण के लिए संघों द्वारा दिए गए समर्थन पर विचार नहीं किया जा सकता है, फिर भी अनुचित व्यापार के विरुद्ध समर्थन व्यक्त करने पर कोई रोक नहीं है।

घ.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

36. पाटन-रोधी नियमों के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:

(ख) "घरेलू उद्योग" से तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे संबंधित किसी गतिविधि में लगे हैं या वे उत्पादक हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है, सिवाय इसके कि जब ऐसे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित हों या स्वयं उसके आयातक हों, ऐसे मामले में 'घरेलू उद्योग' शब्द का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

37. वर्तमान जांच आरंभ करने के लिए अनुरोध एफएस इंडिया सोलर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, जुपिटर इंटरनेशनल लिमिटेड, रिन्यूस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड और टीपी सोलर लिमिटेड

द्वारा दर्ज किया गया था। जाँच के दौरान, रिन्यूस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने कहा कि वह आवेदक के रूप में कार्य जारी रखने में असमर्थ है।

38. जाँच के दौरान, विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग कुल भारतीय उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा नहीं है और इस प्रकार, विचाराधीन उत्पाद के लिए भारतीय उद्योग का प्रतिनिधि नहीं है। यह दावा किया गया है कि घरेलू उद्योग बनाने वाले दो उत्पादकों, जुपिटर इंटरनेशनल लिमिटेड और एफएस इंडिया सोलर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, के पास जाँच को उचित ठहराने का कोई आधार नहीं है।
39. दूसरी ओर, आवेदकों ने दावा किया है कि जुपिटर इंटरनेशनल और एफएस इंडिया ही घरेलू उद्योग का गठन करने के योग्य घरेलू उत्पादक हैं। यह दावा किया गया है कि देश में सौर कोशिकाओं के 6 ज्ञात उत्पादकों में से 4 उत्पादकों ने महत्वपूर्ण प्रमात्रा में संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है। जबकि वेबसोल एनर्जी सिस्टम लिमिटेड और जुपिटर इंटरनेशनल ने संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया है, वेबसोल एसईजेड में स्थित है और इस तरह, घरेलू उद्योग का गठन नहीं किया जा सकता है। यह भी दावा किया गया है कि एफएस इंडिया सोलर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड ने पतली फिल्म प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सौर मॉड्यूल का उत्पादन किया है और जाँच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया है। ज्ञात सेल उत्पादकों और एफएस इंडिया के अलावा, अन्य सभी घरेलू उत्पादक भारतीय उत्पादकों से सौर सेल खरीदकर या चीन और अन्य देशों से सेल आयात करके सौर मॉड्यूल बनाते हैं। आवेदकों ने दावा किया है कि जुपिटर इंटरनेशनल और एफएस इंडिया के अलावा अन्य कोई भी घरेलू उत्पादक घरेलू उद्योग का गठन करने के लिए पात्र नहीं है, क्योंकि ऐसे उत्पादक या तो विचाराधीन उत्पाद के आयातक हैं या नियम 2(ख) के तहत घरेलू उद्योग के रूप में वर्गीकृत होने के लिए सौर कोशिकाओं को सौर मॉड्यूल में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण उत्पादन प्रक्रिया नहीं कर रहे हैं, या एसईजेड में हैं।
40. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के गठन के संबंध में घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदनों की जाँच की है।
41. यह स्पष्ट है कि जाँच अवधि के दौरान, देश में सौर सेल के कुछ ही ज्ञात उत्पादक थे, जैसे अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, मुंद्रा सोलर एनर्जी लिमिटेड, मुंद्रा सोलर पीवी लिमिटेड, प्रीमियर एनर्जीज़ फोटोवोल्टिक प्राइवेट लिमिटेड, प्रीमियर एनर्जीज़ लिमिटेड, रिन्यूस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड और जुपिटर इंटरनेशनल लिमिटेड। जुपिटर इंटरनेशनल को छोड़कर, अन्य सभी सेल निर्माता भी सौर मॉड्यूल या पैनल के उत्पादन में लगे हुए हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि टीपी सोलर लिमिटेड ने जाँच अवधि के दौरान उत्पादन आरंभ नहीं किया था और उत्पादन क्षमता स्थापित करने की प्रक्रिया में था।
42. इन सेल निर्माताओं के अलावा, देश में 100 से ज़्यादा सौर मॉड्यूल या पैनल निर्माता हैं। वे या तो भारतीय उत्पादकों से सौर सेल प्राप्त करते हैं या चीन से आयात करते हैं।
43. एफएस इंडिया पतली फिल्म तकनीक का उपयोग करके सौर मॉड्यूल का निर्माण कर रही है, जिसके लिए सौर सेल की असेंबली की आवश्यकता नहीं होती है। कंपनी ने चीन से सेल या मॉड्यूल का आयात नहीं किया है और नियम 2(ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने योग्य है।
44. प्राधिकारी ने आयात आंकड़ों की जाँच की है और नोट किया है कि जुपिटर इंटरनेशनल लिमिटेड और वेबसोल एनर्जी सिस्टम लिमिटेड के अलावा भारत में अन्य सभी सेल उत्पादकों ने जाँच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का महत्वपूर्ण मात्रा में आयात किया है।

घरेलू उद्योग का नाम	आयात (मेगावाट)	क्षमता (मेगावाट)
अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, मुंद्रा सोलर एनर्जी लिमिटेड और	***	***

मुंद्रा सोलर पीवी लिमिटेड।		
प्रीमियर एनर्जीज फोटोवोल्टिक प्राइवेट लिमिटेड और प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड।	***	***
रिन्यूसस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	***	***
टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड.	***	***

45. उपरोक्त सूचीबद्ध कंपनियों की क्षमता के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार, यह देखा गया है कि उपर्युक्त कुछ उत्पादकों द्वारा किए गए आयातों की मात्रा उनकी उत्पादन क्षमता की तुलना में महत्वपूर्ण है। इसका तात्पर्य यह है कि इन उत्पादकों का ध्यान भारत में संबद्ध वस्तुओं के विनिर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि वे संबद्ध वस्तुओं के प्रमुख आयातक हैं। तदनुसार, प्राधिकारी की स्थापित कार्यप्रणाली के आधार पर, ये सेल निर्माता, जो संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद की महत्वपूर्ण मात्रा का आयात कर रहे हैं, नियम 2(ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग माने जाने के पात्र नहीं हैं।
46. जुपिटर इंटरनेशनल न तो संबद्ध वस्तुओं का आयातक है और न ही देश में संबद्ध वस्तुओं के किसी निर्यातक या आयातक से संबंधित है। जुपिटर इंटरनेशनल नियम 2(बी) के तहत घरेलू उद्योग बनने के लिए पात्र है।
47. यह ध्यान देने योग्य है कि वेबसोल एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड, जो सौर सेल का एक उत्पादक है, ने जाँच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया है। हालाँकि, उत्पादक एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) इकाई है, जो फाल्टा विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में स्थित है। प्राधिकारी का मानना है कि विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में स्थापित एक उत्पादक अपने निर्मित उत्पादों का अधिकांश या सभी भाग निर्यात करेगा। प्राधिकारी की स्थापित प्रक्रिया के आधार पर, वेबसोल एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड नियमों के नियम 2(ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रूप में वर्गीकृत होने के लिए पात्र नहीं है।
48. भारत में सौर मॉड्यूल उत्पादकों के संबंध में, एफएस इंडिया पतली फिल्म तकनीक का उपयोग करके सौर मॉड्यूल का उत्पादन करती है। उत्पादक ने जाँच अवधि के दौरान संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है और वह संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के किसी निर्यातक या आयातक से संबंधित नहीं है। तदनुसार, कंपनी नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रूप में वर्गीकृत होने की पात्र है।
49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एफएस इंडिया के अलावा, सौर मॉड्यूल के अन्य सभी भारतीय उत्पादकों ने या तो घरेलू स्तर पर उत्पादित सौर सेलों या आयातित सौर सेलों का उपयोग करके मॉड्यूल का उत्पादन किया है। जिन उत्पादकों ने सौर सेलों को सौर मॉड्यूल या पैनल में संयोजित करने के लिए आयात किया है, उन्हें नियम 2(ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रूप में योग्य नहीं माना जा सकता, क्योंकि ऐसे उत्पादक संबंधित देश से सौर सेलों के रूप में संबद्ध वस्तुओं का आयात कर रहे हैं।
50. देश में संबद्ध वस्तुओं के कुल पात्र उत्पादन का निर्धारण करने के लिए, प्राधिकारी ने उन उत्पादकों के उत्पादन को सूची से बाहर रखा है जो सौर सेल आयात कर रहे हैं और उन्हें सौर मॉड्यूल में परिवर्तित कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने सौर मॉड्यूल के उत्पादन को भी सूची से बाहर रखा है क्योंकि ऐसे मॉड्यूल सौर सेल का उपयोग करके उत्पादित किए जाते हैं, जिनके उत्पादन को पहले ही सेल निर्माताओं के उत्पादन या सेल के आयात के रूप में शामिल किया जा चुका है।
51. उपर्युक्त के मद्देनजर, यह नोट किया जाता है कि एफएस इंडिया सोलर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड और जुपिटर इंटरनेशनल लिमिटेड का उत्पादन कुल पात्र घरेलू उत्पादन का 100% है। इस प्रकार, ये घरेलू उत्पादक देश में संबद्ध वस्तुओं के प्रमुख उत्पादन के लिए जिम्मेदार हैं। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, दोनों उत्पादकों ने भारत में विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है, और कथित पाटित किए गए सामाग्रियों के किसी निर्यातक

या आयातक से संबंधित नहीं हैं। तदनुसार, जुपिटर इंटरनेशनल लिमिटेड और एफएस इंडिया सोलर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड नियमों के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग का गठन करते हैं। इसके अलावा, अन्य उत्पादकों में से किसी ने भी वर्तमान अनुरोध का विरोध या प्रत्यक्ष समर्थन नहीं किया है और इस प्रकार, अनुरोध पाटन-रोधी नियमों के नियम 5(3) के संदर्भ में स्थिति की आवश्यकता को पूरा करता है।

52. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि एफएस इंडिया को घरेलू उत्पादक नहीं माना जा सकता, क्योंकि (क) उत्पादक ने जांच अवधि के दौरान उत्पादन शुरू नहीं किया; (ख) जांच अवधि के दौरान उत्पादक का राजस्व बहुत कम था; (ग) उत्पादक ने उत्पाद का उपभोग निजी तौर पर किया है तथा उत्पाद को खुले बाजार में नहीं बेचा है; तथा (घ) उत्पादक के हित देश के साथ सुमेलित नहीं हैं, क्योंकि कंपनी का स्वामित्व उसकी अमेरिकी मूल कंपनी के पास है।
53. इस संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि एफएस इंडिया ने जांच अवधि के दौरान वाणिज्यिक उत्पादन आरंभ किया था, जिसे प्राधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापित किया गया था। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि यह तथ्य कि किसी उत्पादक का राजस्व कम हो सकता है या उसका स्वामित्व गैर-भारतीय संस्थाओं के पास है, यह निर्धारित करने में प्रासंगिक नहीं है कि क्या ऐसा उत्पादक नियम 2(ख) के तहत घरेलू उद्योग का गठन करने के लिए पात्र है। नियम 2(ख) के अनुसार, किसी उत्पादक को कुछ योग्यताओं के अधीन, देश में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में संलग्न होना आवश्यक है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि एफएस इंडिया पतली-फिल्म प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सौर मॉड्यूल के उत्पादन में लगी हुई है, जिसका उपयोग सीधे बिजली उत्पादन के लिए किया जाता है। चूंकि उत्पादक एक बिजली डेवलपर नहीं है, इसलिए यह नहीं माना जा सकता है कि एफएस इंडिया अपने उत्पादन का निजी उपभोग कर रही है।
54. इस तर्क के संबंध में कि संबद्ध वस्तुओं के कुछ अन्य प्रमुख उत्पादकों ने वर्तमान जाँच में भाग नहीं लिया है, यह नोट किया गया है कि ऐसे अन्य उत्पादकों द्वारा भाग न लेने से यह तथ्य अस्वीकार नहीं होता कि एफएस इंडिया और जुपिटर कुल पात्र भारतीय उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। यदि ऐसे अन्य उत्पादकों ने भी जाँच में भाग लिया होता, तो भी इससे प्राधिकारी को यह निष्कर्ष निकालने से नहीं रोका जा सकता था कि वर्तमान मामले में ये दो पात्र घरेलू उत्पादक घरेलू उद्योग हैं।
55. यह तर्क दिया गया है कि चूंकि केवल 2 उत्पादकों को घरेलू उद्योग माना गया है, इसलिए 5 आवेदकों द्वारा अनुरोध दर्ज करने का कोई आधार नहीं है। इसके अलावा, चूंकि कुछ आवेदक स्वयं आयातक हैं, इसलिए उन्हें आवेदक नहीं माना जा सकता है। इस संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि हालांकि अनुरोध 5 आवेदकों द्वारा दर्ज किया गया था, ऐसे सभी आवेदक ऐसे उत्पादकों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण आयातों को देखते हुए नियम 2(ख) के प्रावधानों के तहत घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने के पात्र नहीं थे। इसके अलावा, यह तथ्य कि ऐसे उत्पादक आयातक हैं, उन्हें घरेलू उद्योग का गठन करने के पात्र होने से रोकता है। यह तथ्य कि ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखा गया है, उन्हें आवेदक के रूप में प्राधिकारी से संपर्क करने से नहीं रोकता है और न ही ऐसे उत्पादक पाटन के विरुद्ध उपयुक्त निवारण की मांग करने में अपना अधिकार गवां देते हैं।
56. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग का नमूनाकरण अत्यंत अस्पष्ट तरीके से किया गया है, यह नोट किया गया है कि प्राधिकारी ने घरेलू उत्पादकों का नमूनाकरण नहीं किया है और घरेलू उद्योग का दायरा ऊपर की जाँच के अनुसार निर्धारित किया गया है। तदनुसार, इस संबंध में प्रस्तुत प्रस्तुतियों की जाँच की आवश्यकता नहीं है।

ड. गोपनीयता

ड.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

57. अन्य किसी भी हितबद्ध पक्षकारों ने गोपनीयता के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है।

ड.2. घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

58. घरेलू उद्योग ने व्यक्त किया है कि कुछ उत्पादकों/निर्यातकों ने व्यापार सूचना 10/2018 का उल्लंघन करते हुए अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी दावा किया है कि कुछ पक्षकारों ने सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध जानकारी को भी गोपनीय बताया है।

ड.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

59. सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई जानकारी की गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने गोपनीयता के दावों को, जहाँ भी आवश्यक हो, स्वीकार कर लिया है और ऐसी जानकारी को गोपनीय माना गया है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को इसका प्रकटन नहीं किया गया है। जहाँ तक संभव हो, गोपनीय आधार पर जानकारी प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई जानकारी का पर्याप्त अगोपनीय संस्करण प्रदान करने का निर्देश दिया गया।

च. विविध अनुरोध**च.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध**

60. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध दी गई हैं।

- i. भारतीय उद्योग को उनके संबंधित वस्तुओं का निष्पादन खराब होने पर आयात पर पाटन-रोधी और सुरक्षा उपायों की मांग करने की आदत है। इसलिए, पाटन-रोधी शुल्क लगाने की कोई आवश्यकता नहीं है।
- ii. सुरक्षा उपायों के लिए अंतिम समीक्षा में प्राधिकारी ने व्यक्त किया कि शुल्कों को केवल एक वर्ष के लिए बढ़ाया जा रहा है, क्योंकि उद्योग को पर्याप्त संरक्षण प्राप्त है और उसे केवल समायोजन के लिए समय की आवश्यकता है।
- iii. घरेलू उद्योग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि जब रक्षोपाय लागू किए गए तो उसके उत्तर में क्या उपाय किए गए तथा ऐसे उपायों से उद्योग को सहायता क्यों नहीं मिली।
- iv. वर्षों से पाटन-रोधी शुल्कों द्वारा संरक्षित होने के बावजूद, घरेलू उद्योग ने महत्वपूर्ण सुधार या वित्तीय स्थिरता नहीं दिखाई है, जिससे क्षति के मूल कारण के बारे में प्रश्न उठते हैं।
- v. घरेलू उद्योग को पर्याप्त संरक्षण प्रदान करने के लिए सौर सेल और मॉड्यूल पर मूल सीमा शुल्क पहले ही बढ़ा दिया गया है।
- vi. दायर याचिका में कोई कानूनी और तथ्यात्मक आधार नहीं है। याचिकाकर्ता ने आयात में वृद्धि की अतिशयोक्ति की है और अभिप्रायपूर्वक हानि का काल्पनिक विवरण दिया है।
- vii. 2026-27 में सौर सेल के लिए आगामी उत्पादन क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी को अभी शुल्क नहीं लगाना चाहिए तथा ऐसी नई क्षमताएं ऑनलाइन आने पर शुल्क की आवश्यकता का मूल्यांकन करना चाहिए।
- viii. चूंकि जुपिटर स्वयं सौर मॉड्यूल के उत्पादन के लिए एक संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया में है, इसलिए संयंत्र की स्थापना से पहले शुल्क लगाने की मांग करना शीघ्रतापूर्ण होगी।
- ix. यदि जुपिटर को हानि हो रही है, तो वह सेलों का उपभोग करना आरंभ कर सकता है और ऐसे मॉड्यूल का उत्पादन कर सकता है, जिनकी मांग अधिक है, क्योंकि घरेलू उद्योग ने स्वयं स्वीकार किया है कि सेलों से मॉड्यूल तक कोई महत्वपूर्ण मूल्य संवर्धन नहीं हुआ है।
- x. घरेलू उद्योग द्वारा द्वितीयक स्रोतों से प्रस्तुत आयात आँकड़े प्रामाणिक और विश्वसनीय नहीं हैं। नियमावली के अनुसार, आयात और पाटन की जाँच के लिए प्राधिकारी को डीजीसीआई के आँकड़ों पर ही निर्भर रहना होगा।

च.2. घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

61. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध की गई हैं।

- i. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के तर्क के विपरीत, प्राधिकारी को ज्ञात हुआ कि संबद्ध आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है और उन्होंने 2014 में की गई पाटन-रोधी जांच तथा वर्ष 2018 और वर्ष 2020 में की गई सुरक्षा जांच में शुल्क लगाने की सिफारिश की।
- ii. जांच के बाद बढ़ी क्षति और मूल सीमा शुल्क में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग द्वारा वापसी के अनुरोध के आधार पर वर्ष 2018 और वर्ष 2022 में पाटन-रोधी जांच को समाप्त कर दिया गया था।
- iii. व्यापार उपाय जांच के दुरुपयोग के दावे गलत हैं, क्योंकि विदेशी उत्पादक ही निष्पक्ष बाजार का दुरुपयोग कर रहे हैं।
- iv. यद्यपि प्राधिकारी ने आयात में उल्लेखनीय वृद्धि को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा उपायों की सिफारिश की है, लेकिन अब घरेलू उद्योग को पाटन के कारण हुई क्षति को दूर करने के लिए पाटन-रोधी शुल्क की मांग करने के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता।
- v. यद्यपि घरेलू उद्योग ने सुरक्षा उपायों के कारण समायोजन और सुधार किया है, फिर भी क्षति अवधि के दौरान पाटित आयातों में वृद्धि के कारण लाभप्रदता में गिरावट आई है।
- vi. जबकि एक ही उत्पाद पर रक्षोपाय लागू करने के बीच कूलिंग अवधि की आवश्यकता होती है, सुरक्षा और पाटन-रोधी शुल्क के बीच ऐसे अंतराल की कोई आवश्यकता नहीं है।
- vii. पाटन-रोधी नियमों के तहत प्राधिकारी को पिछले रक्षोपायों पर विचार करने या घरेलू उद्योग द्वारा ऐसे उपायों के साथ समायोजन करने पर विचार करने की आवश्यकता नहीं है।
- viii. सुरक्षा शुल्क लगाए जाने तथा मूल सीमा शुल्क में वृद्धि के बावजूद, आयात में वृद्धि जारी रही, क्योंकि चीनी निर्यातकों ने शुल्कों के प्रभाव को स्वीकार कर लिया।
- ix. अन्य पक्षकारों का यह दावा कि जुपिटर को सौर सेल का उत्पादन बंद कर देना चाहिए तथा मॉड्यूल का उत्पादन आरंभ कर देना चाहिए, पाटन-रोधी कानून के उद्देश्य के विपरीत है, जिसका उद्देश्य क्षति से पीड़ित उद्योग को राहत प्रदान करना है, न कि उद्योग को अन्य उत्पादों का उत्पादन करने के लिए बाध्य करना है।
- x. यह तथ्य कि जुपिटर ने सौर मॉड्यूलों के लिए उत्पादन क्षमता बढ़ाने हेतु निवेश किया है, उत्पादक को पाटन के विरुद्ध उपाय करने से नहीं रोकता है।
- xi. चूंकि घरेलू उद्योग वर्तमान में संबद्ध वस्तुओं की पाटन के कारण घाटे में है, इसलिए यह दावा नहीं किया जा सकता कि नई क्षमताएँ चालू होने के बाद शुल्क लगाया जाना चाहिए। इसके अलावा, वर्तमान में शुल्क न लगाने से भविष्य में निवेश हतोत्साहित होगा।
- xii. चूंकि घरेलू उद्योग के पास डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों तक पहुंच नहीं है, इसलिए उसने उसके समक्ष उपलब्ध जानकारी ही उपलब्ध कराई।

च.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

62. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि उद्योग व्यापार सुधारात्मक उपायों का दुरुपयोग कर रहा है क्योंकि यह ज्ञात है कि जब भी इसका निष्पादन गिरता है तो यह प्राधिकारी से संपर्क करता है। यह ध्यान दिया जाता है कि प्राधिकारी द्वारा वर्ष 2014 में एक पाटन-रोधी जांच की गई थी, और यह पाया गया था कि पाटित किए गए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हानि हुई थी। तदनुसार, प्राधिकारी ने शुल्क लगाने की सिफारिश की। इसके बाद, प्राधिकारी ने वर्ष 2018 में पाटन-रोधी जांच की। घरेलू उद्योग द्वारा यह दर्शाते हुए कि पोस्ट-पीओआई अवधि में क्षति बढ़ गई थी और आयात की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई अपना अनुरोध वापस ले लेने के आधार पर जांच समाप्त कर दी गई थी। आयात की मात्रा में अचानक और तेज वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, और घरेलू उद्योग द्वारा एक अनुरोध के आधार पर, प्राधिकारी ने एक सुरक्षा जांच आरंभ की, जिसमें यह पाया गया कि घरेलू उद्योग को आयात में वृद्धि के कारण गंभीर हानि हुई थी। हालाँकि, इसे समाप्त कर दिया गया, क्योंकि घरेलू उद्योग ने अपना अनुरोध वापस ले लिया क्योंकि उनका मानना था कि मूल सीमा शुल्क में वृद्धि से आवश्यक राहत मिलेगी। इस प्रकार, इनमें से प्रत्येक जाँच में, प्राधिकारी ने मामले के तथ्यों को ध्यान में रखते हुए व्यापार सुधारात्मक

उपायों की सिफारिश की या अधिनियम और नियमों के प्रावधानों के अनुसार, घरेलू उद्योग के अनुरोध पर जाँच को समाप्त कर दिया।

63. 63. जहाँ तक इस तर्क का प्रश्न है कि प्राधिकारी को घरेलू उद्योग से यह अपेक्षा करनी चाहिए कि वह पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करने से पहले पिछले रक्षोपायों के अनुसार समायोजन हेतु किए गए उपायों को स्थापित करे, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जाँच का दायरा यह है कि क्या उत्पाद पाटित कीमतों पर निर्यात किया गया है, और क्या इससे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। यदि जाँच से यह बात स्थापित होती है, तो प्राधिकारी को पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करनी होगी। इस प्रकार, इस संबंध में उठाए गए तर्क अप्रासंगिक पाए जाते हैं।
64. 64. मूल सीमा शुल्क में वृद्धि से भारत में आयात पर प्रतिबंध लगने संबंधी तर्कों के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मूल सीमा शुल्क और पाटन-रोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य अलग-अलग है। सीमा शुल्क सीमाओं पर वसूले जाने वाले शुल्कों का उद्देश्य व्यापार को विनियमित करना और राजस्व उत्पन्न करना है, जबकि पाटन-रोधी शुल्क का उद्देश्य घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति और पाटन की स्थिति को कम करना है। पाटन-रोधी शुल्क मूल्य प्रतिबद्धता के रूप में भी हो सकता है और इसका अर्थ नकद में शुल्क वसूलना नहीं हो सकता है।
65. 65. इस अनुरोध के संबंध में कि घरेलू उद्योग ने डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर विश्वास नहीं किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार के पास लेनदेन-वार डीजी सिस्टम्स या डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों तक पहुँच नहीं है। तथापि, वर्तमान जाँच की शुरुआत और प्रस्तावित निर्धारण के प्रयोजनार्थ, प्राधिकारी ने डीजी सिस्टम्स के आंकड़ों पर विश्वास किया है। अतः, इस तथ्य के आधार पर कि घरेलू उद्योग ने डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर विश्वास नहीं किया है और आयात आंकड़े प्राप्त करने के लिए अन्य स्रोतों पर विश्वास किया है, किसी भी हितबद्ध पक्षकार के हितों को कोई हानि नहीं हुई है।
66. 66. इस अनुरोध के संबंध में कि चूँकि जुपिटर और अन्य उत्पादक अपनी क्षमता का विस्तार कर रहे हैं, वर्तमान जाँच समयपूर्व हो सकती है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जाँच अवधि के दौरान पाटन के कारण संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में एक पाटनरोधी जाँच की जा रही है। यह तथ्य कि जुपिटर इंटरनेशनल और अन्य घरेलू उत्पादक भविष्य में अपनी क्षमता का विस्तार कर रहे हैं, इस तथ्य को अमान्य नहीं करता कि जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को पाटन के कारण क्षति हुई होगी।

छ. सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन

छ.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

67. सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन के निर्धारण के संदर्भ में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं।
- मलेशिया से आयात की कीमत को सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए चीन जन.गण. के उत्पादकों के लिए सरोगेट दर के रूप में नहीं माना जा सकता।
 - चीन जनवादी गणराज्य के उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण चीन के सहकारी उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत प्रतिक्रियाओं के आधार पर किया जाना चाहिए। वैकल्पिक रूप से, इसे घरेलू उद्योग की सामान्यीकृत लागत के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए, क्योंकि इस पर भारी वित्तीय और मूल्यहास लागत आती है।
 - ट्रिना समूह के लिए सामान्य मूल्य प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत जानकारी के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए क्योंकि कंपनी ने बाजार अर्थव्यवस्था की परिस्थितियों में काम किया है। नियमों के अनुलग्नक I के पैराग्राफ 8 के अनुसार, एमईटी तभी प्रदान किया जाना चाहिए जब कोई फर्म पाँच विशिष्ट मानदंडों को पूरा करे, जिनमें बाजार-आधारित निर्णय लेना, जीएएपी का अनुपालन, और वाणिज्यिक माध्यमों से भूमि और इन्पुट का अधिग्रहण शामिल है, और ट्रिना ने ऐसा कार्य किया है।

- iv. राष्ट्रीय या क्षेत्रीय स्तर पर सब्सिडी का अस्तित्व मात्र एमईटी को अस्वीकार करने का औचित्य नहीं देता, जब तक कि यह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित न हो जाए कि ऐसी सब्सिडी ने निजी फर्म की लागत या मूल्य संरचना को प्रत्यक्ष तौर पर विकृत कर दिया है।
- v. यह सुझाव कि चीनी सरकार पूरे बाजार में सभी या अधिकांश कच्चे माल पर सीधे सब्सिडी देती है, न केवल अटकलबाजी है, बल्कि आर्थिक रूप से तर्कहीन और वित्तीय रूप से अस्थिर भी है।
- vi. याचिकाकर्ता कोई प्रत्यक्ष, सत्यापन योग्य या इकाई-विशिष्ट साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहे हैं, जो यह प्रदर्शित करता हो कि ट्रिना सोलर या उसके किसी कच्चे माल या उपयोगिता आपूर्तिकर्ता को कार्रवाई योग्य सब्सिडी से लाभ हुआ है।
- vii. ट्रिना सोलर ने पर्याप्त साक्ष्य के माध्यम से प्रदर्शित किया है कि कच्चे माल, उपयोगिताओं और भूमि की खरीद, सरकारी हस्तक्षेप के बिना, बाजार-निर्धारित कीमतों पर वाणिज्यिक लेनदेन के माध्यम से की गई थी, और डीजीटीआर और अन्य प्राधिकारियों के पिछले सीवीडी निर्णयों के आधार पर इसके विपरीत निष्कर्ष गलत हैं।
- viii. अधिकांश आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं की तरह, चीनी घरेलू बाजार भी मुख्यतः निजी स्वामित्व वाली संस्थाओं से बना है।
- ix. यह दावा कि चीन एनएंडई परिस्थितियों में काम करता है, इसका तात्पर्य यह है कि वैश्विक स्तर पर सभी आर्थिक कार्यकर्ता - उत्पादक, व्यापारी और उपभोक्ता जो चीनी आपूर्तिकर्ताओं के साथ वार्ता करते हैं - एक विकृत बाजार में भाग ले रहे हैं।
- x. कुछ राज्य-स्वामित्व वाली संस्थाओं में अल्पसंख्यक शेयरधारिता नियंत्रण प्रदान नहीं करती है और इसे राज्य के स्वामित्व या प्रभाव के साक्ष्य के रूप में नहीं समझा जा सकता है।
- xi. ट्रिना के सीईओ की एनपीसी में नियुक्ति उद्यमी के रूप में उनकी सफलता के कारण है, तथा यह चीनी सरकार के प्रभाव का संकेत नहीं है।
- xii. यद्यपि भूमि उपयोग के अधिकार राज्य के स्वामित्व में होते हैं, तथापि ऐसे अधिकार सार्वजनिक बोलियों और नीलामी के बाद प्रदान किये जाते हैं।
- xiii. यदि प्राधिकारी ट्रिना के एमईटी दावे को स्वीकार नहीं करता है, तो सामान्य मूल्य की गणना सहयोगी घरेलू उत्पादकों के बीच उत्पादन की न्यूनतम लागत के आधार पर, या वियतनाम या मलेशिया जैसे विश्वसनीय तीसरे देश के आंकड़ों के आधार पर की जानी चाहिए।
- xiv. प्राधिकारी को सभी सहयोगी निर्यातकों के लिए अलग-अलग शुल्क दरें निर्धारित करनी चाहिए तथा वर्तमान मामले में नमूनाकरण की आवश्यकता नहीं है।
- xv. नियपक्षकारों 17(3) के अनुसार, प्रत्येक ज्ञात उत्पादक के लिए अलग-अलग मार्जिन निर्धारित करना आवश्यक है, जब तक कि प्रत्येक उत्पादक की जाँच करना अव्यावहारिक न हो जाए। इसके अलावा, नमूनाकरण पद्धति को अपनाना उन गैर-नमूनाकृत उत्पादकों के लिए प्रतिकूल होगा जिन्होंने जाँच में सहयोग किया है और जानकारी प्रदान की है।
- xvi. नमूनाकरण समझौते के अनुच्छेद 6.10.2 का उल्लंघन करता है, जिसमें प्रावधान है कि प्राधिकारी को व्यक्तिगत भागीदारी को प्रोत्साहित करना चाहिए। अमेरिका - श्रिम्प (वियतनामपक्षकारों) में पैनल द्वारा भी यही बात दर्शाई गई थी। इसके अलावा, स्वैच्छिक प्रतिक्रिया पर विचार न करना पारदर्शिता और निष्पक्षता के सिद्धांतों का उल्लंघन है।
- xvii. व्यक्तिगत प्रतिक्रियाओं पर विचार करना प्राधिकारी के लिए अनावश्यक रूप से भार नहीं होगा, विशेषकर इसलिए क्योंकि पी.सी.एन. पद्धति को अपनाने के बाद प्रक्रिया सरल हो गई है और प्राधिकारी के समक्ष अपने निष्कर्ष जारी करने के लिए सितंबर 2025 तक पर्याप्त समय है।
- xviii. विगत में, प्राधिकारी ने प्रत्येक उत्पादक जैसे कि प्रिंटेड सर्किट बोर्ड और रेजिन बॉन्डेड थिन व्हील्स के मामले में, के लिए अलग-अलग मार्जिन निर्धारित किया है, जहां 17 कंपनियों के समूह तक भाग ले रहे थे।
- xix. नमूना उत्पादकों की संख्या बहुत कम है क्योंकि 15 समूहों में से केवल 3 का ही चयन किया गया है। प्राधिकारी ने 58 निर्यातकों में से 18 और पूर्व में 51 निर्यातकों में से 19 का नमूना लिया है।

- xx. जबकि मैनुअल के अनुसार नमूनाकरण 80 दिनों के भीतर किया जाना चाहिए, वर्तमान नमूनाकरण 92 दिनों में पूरा किया गया।
- xxi. निर्यात मात्रा के संदर्भ में, भाग लेने वाले उत्पादकों के सभी वर्गों पर विचार करने के बजाय, केवल तीन सबसे बड़े निर्यातकों का चयन किया गया। प्राधिकारी ने नमूनाकरण के दौरान मात्रा बैंड, निर्यात चैनलों और उत्पाद श्रेणियों पर विचार नहीं किया, जैसा कि जूट उत्पादों के मामले में मैनुअल के अनुसार आवश्यक था।

छ.2. घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

68. सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन के निर्धारण के संदर्भ में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं।
- i. ट्रिना समूह द्वारा दावा किए गए बाजार अर्थव्यवस्था उपचार को अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए और समूह के लिए सामान्य मूल्य अनुबंध I के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
 - ii. ट्रिना समूह के प्रत्येक उत्पादक ने संबद्ध और असंबद्ध आपूर्तिकर्ताओं के माध्यम से चीन में घरेलू स्तर पर कच्चा माल प्राप्त किया है। यह सर्वविदित तथ्य है कि कच्चा माल चीनी सरकार द्वारा और अक्सर रियायती दरों पर उपलब्ध कराया जाता है।
 - iii. यूरोपीय आयोग और अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने अलग-अलग यह निर्धारित किया है कि सौर ग्लास और एल्युमीनियम एक्सट्रूजन को चीनी सरकार द्वारा सब्सिडी दी गई थी।
 - iv. प्राधिकारी ने विभिन्न सब्सिडी-विरोधी जांचों में पाया है कि बिजली और पानी जैसी सुविधाएं चीनी सरकार द्वारा सब्सिडी दरों पर उपलब्ध कराई जाती हैं।
 - v. ट्रिना सोलर ग्रुप की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष 10 शेयरधारकों में से दो सरकारी संस्थाएँ हैं और कंपनी में उनकी 13% हिस्सेदारी है। इसके अलावा, एक अन्य शेयरधारक, चाइना पक्षकारों चैंट बैंक, का भी महत्वपूर्ण सरकारी निवेश है। इससे संकेत मिलता है कि ट्रिना ग्रुप का संचालन संभवतः चीनी सरकार के प्रभाव में है।
 - vi. ट्रिना ग्रुप के अध्यक्ष और सीईओ चीन की नेशनल पीपुल्स कांग्रेस से संबद्ध हैं, जो सरकार के अप्रत्यक्ष नियंत्रण का संकेत देता है।
 - vii. चीन सरकार, चीनी संपत्ति कानूनों के तहत, कंपनियों को भूमि उपयोग के अधिकार प्रदान करती है, जिससे उन्हें बाजार मूल्य से कपक्षकारों पर भूमि का उपयोग करने की अनुपक्षकारोंति मिलती है। राज्य भूमि आपूर्ति कोटा का उपयोग करके सख्ती से नियंत्रित करता है, जो निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के विरुद्ध है, जैसा कि प्राधिकारी द्वारा पिछली सब्सिडी-विरोधी जाँचों में निर्धारित किया गया है।
 - viii. चीन के परिग्रहण प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(क)(झ) के अनुसार चीन पीआर को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना जाना चाहिए, और सामान्य मूल्य नियमों के अनुबंध I के पैरा 7 के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
 - ix. सभी नमूना उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण उचित लाभ के साथ घरेलू उद्योग की भारित औसत लागत के आधार पर किया जाना चाहिए।
 - x. प्राधिकारी की वर्तमान पद्धति के अनुसार, सामान्य मूल्य घरेलू उत्पादकों के बीच उत्पादन की न्यूनतम लागत पर आधारित नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह नहीं माना जाना चाहिए कि चीन में उत्पादक अपने संयंत्रों का संचालन अत्यधिक कुशल उत्पादन लागत पर कर रहे हैं।
 - xi. सभी सहभागी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए अलग-अलग मार्जिन निर्धारित करना प्राधिकारी पर अनावश्यक रूप से भार होगा, क्योंकि इसके लिए आंकड़ों की विस्तृत समीक्षा और सत्यापन की आवश्यकता होगी। पीसीएन पद्धति को अंतिम रूप देने से यह प्रक्रिया और भी जटिल हो जाती है।
 - xii. गैर-नमूनाकृत सहकारी उत्पादकों के प्रति कोई पूर्वाग्रह नहीं किया जाएगा, क्योंकि वे अभी भी नमूनाकृत उत्पादकों के भारित औसत शुल्कों के आधार पर कम शुल्कों से लाभान्वित होंगे।
 - xiii. जबकि अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने में तीन महीने लगे, वे उम्मीद करते हैं कि प्राधिकारी सभी निर्यातकों के आंकड़ों का सत्यापन करेंगे, व्यक्तिगत मार्जिन निर्धारित करेंगे तथा केवल दो महीने में अंतिम निष्कर्ष जारी करेंगे।

- xiv. जांचों की कुल संख्या में तीव्र वृद्धि के साथ, जो वर्ष 2004 में 21 से बढ़कर वर्ष 2024 में 81 हो जाएगी, विगत में व्यक्तिगत मार्जिन निर्धारण के लिए अपनाए गए दृष्टिकोण पर निर्भरता गलत है।
- xv. संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जीसीसी और यूरोपीय संघ जैसे सभी प्रमुख क्षेत्राधिकारों में जांच प्राधिकारी केवल 2-3 उत्पादकों का नमूना लेते हैं, क्योंकि बड़ी संख्या में उत्पादकों के लिए व्यक्तिगत मार्जिन निर्धारित करने का भार उन पर होता है।
- xvi. जबकि अमेरिका, ब्राजील, यूरोपीय संघ और कनाडा के प्राधिकारी भारत की तुलना में कम मामले शुरू करते हैं, ऐसे प्राधिकारियों ने उत्पादकों के अनिवार्य नमूने लेने का कार्य शुरू कर दिया है।
- xvii. डब्ल्यूटीओ पाटन-रोधी समझौते के अनुच्छेद 6.10.2 में स्पष्ट किया गया है कि स्वैच्छिक प्रतिक्रियाओं पर विचार किया जा सकता है, जब तक कि प्रतिक्रियाओं की संख्या इतनी अधिक न हो कि व्यक्तिगत जांच अनावश्यक रूप से भार बन जाए।
- xviii. यूएस - थ्रिप्प (वियतनाम) मामले में, पैनल ने पाया कि जांच प्राधिकारी द्वारा विचार किए जाने के लिए कोई स्वैच्छिक प्रतिक्रिया प्रस्तुत नहीं की गई थी, तथा ऐसी स्थिति पर भी ध्यान नहीं दिया गया जहां ऐसी स्वैच्छिक प्रतिक्रियाओं को नजरअंदाज कर दिया गया हो।
- xix. विश्व व्यापार संगठन के पाटन-रोधी समझौते और पाटन-रोधी नियमों के अनुच्छेद 6.10 में नमूनाकरण के लिए विचार किए जाने वाले वॉल्यूम बैंड, चैनल या उत्पाद श्रेणियों का निर्धारण नहीं किया गया है। इसके विपरीत, अनुच्छेद 6.10 और संचालन प्रक्रिया नियमावली में नमूनाकरण के लिए निर्यात मात्रा और क्रॉस-सेक्शन डेटा पर विचार करने का प्रावधान है।
- xx. एसओपी मैनुअल में किसी भी गतिविधि के लिए समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है तथा यह प्राधिकारी के लिए मात्र मार्गदर्शन है।
- xxi. यद्यपि मैनुअल में कहा गया है कि नमूनाकरण तब किया जाना चाहिए जब तीन या अधिक उत्पादक भाग लें, फिर भी प्राधिकारी ने कई मामलों में उत्पादकों की भागीदारी के बावजूद उनका नमूना नहीं लेने का विकल्प चुना है।
- xxii. प्राधिकारी ने पहले ही आरंभिक अधिसूचना में उल्लेख किया है कि सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए मलेशिया को प्रतिनिधि के रूप में नहीं माना गया है।

छ.3. प्राधिकारी द्वारा परीक्षा

69. धारा 9क(1)(ग) के तहत, किसी वस्तु से संबंधित सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:

- i. व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
 - ii. जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा: :-
- (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो ; अथवा उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत ;

(ख) परंतु यह कि उदगम वाले देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में अथवा जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश के जरिए मात्र यानांतरित किया गया है अथवा जहां ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यातक के देश में नहीं किया जाता है, निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबंधित वस्तुओं के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातक ने निर्यातक की प्रश्नावली के लिए अपना उत्तर प्रस्तुत कर दिया है:

- i. अनहुई शुट्टेन सोलर एनर्जी कंपनी लिमिटेड
- ii. एस्ट्रोनर्जी न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी (सिंगापुर) कंपनी
- iii. कैनेडिया सोलर इंटरनेशनल लिमिटेड
- iv. कैनेडियन सोलर मैनुफैक्चरिंग (चांगशु) इंक.
- v. कैनेडियन सोलर सनएनेर्जी (जियाक्सिंग) कंपनी लिमिटेड
- vi. सीईसीईपी सोलर एनर्जी टेक्नोलॉजी (झेनजियांग) कंपनी लिमिटेड
- vii. चाइनालैंड सोलर एनर्जी कंपनी लिमिटेड
- viii. चिंट न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी (यांगचेन) कंपनी लिमिटेड
- ix. चिंट न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
- x. चूज़ौ जिएताई न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
- xi. इकोनेस एनर्जी कंपनी लिमिटेड
- xii. ग्वांगडोंग आइको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
- xiii. हेफ़ेई जेए सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
- xiv. हेन्गडियन ग्रुप डीएमईजीसी मैग्नेटिक्स कंपनी लिमिटेड
- xv. हुआयन जिएताई न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
- xvi. जेए सोलर इंटरनेशनल लिमिटेड
- xvii. जियांगसू डीएमईजीसी न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
- xviii. जियांगसू हुआहेन्ग न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड
- xix. जियांगसू लॉन्गहेन्ग न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड
- xx. जिको सोलर (चूक्सयोंग) कंपनी लिमिटेड
- xxi. जिको सोलर (चूज़ौ) कंपनी लिमिटेड
- xxii. जिको सोलर (फेइडोंग) कंपनी लिमिटेड
- xxiii. जिको सोलर (हाइनिंग) लिमिटेड
- xxiv. जिको सोलर (शंग्राओ) कंपनी लिमिटेड
- xxv. जिको सोलर (इवू) कंपनी लिमिटेड
- xxvi. जिको सोलर कंपनी लिमिटेड (जियांगशी)
- xxvii. जिको सोलर मिडिल ईस्ट डीएमसीसी
- xxviii. जिको सोलर ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड
- xxix. जोलीवुड (शान्शी) सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
- xxx. जोलीवुड (ताईज़ौ) सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
- xxxi. लियानयुंगेंग डीएमईजीसी न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
- xxxii. लॉन्ग सोलर टेक्नोलॉजी (चूज़ौ) कंपनी लिमिटेड
- xxxiii. लॉन्ग सोलर टेक्नोलॉजी (जियाक्सिंग) कंपनी लिमिटेड
- xxxiv. लॉन्ग सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
- xxxv. रिसेन एनर्जी (निंगबो) कं., लिमिटेड
- xxxvi. रिसेन एनर्जी कं., लिमिटेड
- xxxvii. रोंमा सोलर टेक्नोलॉजी (जिनजुआ) कं., लिमिटेड
- xxxviii. शांडोंग रोंमा सोलर कं. लिमिटेड

- xxxix. शांग्राओ ग्वांगक्सिन जिनको फोटोवोल्टिक मैनुफैक्चरिंग कं लि.
- xl. शांग्राओ जिएताई न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
 - xli. शांग्राओ जिनको फोटोवोल्टिक मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
 - xliv. सोलर एन प्लस न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
 - xlvi. सोलरस्पेस न्यू एनर्जी (चूझोउ) कंपनी लिमिटेड
 - xlviii. सोलरस्पेस न्यू एनर्जी (क्सुझोउ) कंपनी लिमिटेड
 - l. सोलरस्पेस टेक्नोलॉजी (सुकियान) कंपनी लिमिटेड
 - lii. सोलरस्पेस टेक्नोलॉजी (क्सुझोउ) कंपनी लिमिटेड
 - liii. सोलरस्पेस टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
 - liiii. सुज़ौ रोन्मा इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड
 - liiii. तियानजिन आइको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
 - I. तोंगहे न्यू एनर्जी (जिंतांग) कंपनी लिमिटेड
 - ii. तोंगवेई सोलर (चेंगडू) कंपनी लिमिटेड
 - iii. तोंगवेई सोलर (हेफेई) कंपनी लिमिटेड
 - liii. तोंगवेई सोलर (जिंतांग) कंपनी लिमिटेड
 - liv. तोंगवेई सोलर (मेइशान) कंपनी लिमिटेड
 - lv. तोंगवेई सोलर (पेंगशान) कंपनी लिमिटेड
 - lvi. तोंगवेई सोलर (यांगचेन) कंपनी लिमिटेड
 - lvii. तोंगवेई सोलर कंपनी लिमिटेड
 - lviii. ट्रिना सोलर (हुआइआन) टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
 - lix. ट्रिना सोलर (सुकियान) साइंस एंड टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
 - lx. ट्रिना सोलर (यांगचेन) न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड
 - lxi. ट्रिना सोलर कंपनी लिमिटेड
 - lxii. ट्रिना सोलर एनर्जी डेवलपमेंट पीटीई लिमिटेड
 - lxiii. क्सुझोउ झोंगहुई फोटोवोल्टिक टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
 - lxiv. यांगचेन ट्रिना गुओनेंग सोलर एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
 - lxv. यीवू जेए सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
 - lxvi. यूहुआन जिनको सोलर कंपनी लिमिटेड
 - lxvii. झेजियांग आइको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
 - lxviii. झेजियांग जिनको सोलर कंपनी लिमिटेड
 - lxix. झेजियांग रोन्मा सोलर ग्रुप कंपनी लिमिटेड
 - lxx. झेंगक्सिन फोटोइलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजी (सुकियान) कंपनी लिमिटेड
 - lxxi. जिनशाइन पावरटेक चांगझोउ कंपनी लिमिटेड
 - lxxii. जिनशाइन पीवी-टेक कंपनी लिमिटेड
 - lxxiii. वुहु जीसीएल सिस्टम इंटीग्रेशन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड,
 - lxxiv. हेफेई जीसीएल सिस्टम इंटीग्रेशन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड

71. नियम 17 के प्रावधानों के अनुसार, प्राधिकारी को उन सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए अलग-अलग पाटन मार्जिन निर्धारित करना होता है जिन्होंने प्रश्नावली के उत्तर भेजे हैं। लेकिन यदि अधिक उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली के उत्तर भेजे हों, तो प्राधिकारी कुछ उत्पादकों तक ही सीमित रहकर सैंपलिंग कर सकता है। इस संबंध में नियम इस प्रकार हैं।

“17(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी जांच के तहत संबंधित उत्पाद के प्रत्येक ज्ञात निर्यातक या उत्पादक के लिए पाटन का अलग-अलग मार्जिन निर्धारित करेगा।”

बशर्ते जिन मामलों में निर्यातकों, उत्पादकों, आयातक या संबंधित वस्तुओं की संख्या इतनी अधिक हो कि इस तरह का निर्धारण करना संभव न हो, तो यह अपनी जांच को हितबद्ध पक्षों या वस्तुओं की एक उचित संख्या तक सीमित कर सकता है, इसके लिए चयन के समय उपलब्ध जानकारी के आधार पर सांख्यिकीय रूप से मान्य सैंपल का उपयोग किया जा सकता है, या संबंधित देश से निर्यात की कुल मात्रा के सबसे बड़े प्रतिशत, जिसकी उचित जांच की जा सके, तक सीमित किया जा सकता है। इस शर्त के तहत निर्यातकों, उत्पादकों या वस्तुओं के प्रकारों का कोई भी चयन, संबंधित निर्यातकों, उत्पादकों या आयातकों से परामर्श और उनकी सहमति से किया जाना चाहिए।

इसके अलावा, यह भी प्रावधान है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी, किसी भी निर्यातक या उत्पादक के लिए अलग से डंपिंग मार्जिन तय करेगा, भले ही उसे शुरू में चुना न गया हो, बशर्ते कि वह समय पर आवश्यक जानकारी प्रस्तुत करे। यह तब लागू नहीं होगा जब निर्यातकों या उत्पादकों की संख्या इतनी अधिक हो कि प्रत्येक का अलग से जांच करना मुश्किल हो और इससे जांच समय पर पूरी नहीं हो पाए।

72. काफी अधिक संख्या में उत्तर मिलने के बाद, प्राधिकारी ने अलग-अलग पाटन मार्जिन तय करने के लिए विदेशी उत्पादकों के सैंपल लेने का विचार किया। दिनांक 13 मार्च 2025 के नोटिस के माध्यम से यह प्रस्ताव रखा गया और सभी हितबद्ध पक्षों को इस पर अपना मत देने का मौका दिया गया। इसके बाद, हितबद्ध पक्षों द्वारा दिए गए सुझावों पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी ने उन उत्पादकों को चुना जिनकी अलग-अलग जांच की जाएगी और इसकी सूचना 28 मार्च 2025 के नोटिस के माध्यम से दी गई। सैंपल चयन भारत को निर्यात किए गए उत्पादों की मात्रा के आधार पर किया गया था, जिसमें सबसे अधिक निर्यात करने वाले उत्पादकों को सैंपल में शामिल किया गया। जिनको सोलर ग्रुप, ट्रिना ग्रुप और आइको ग्रुप, जिनमें निम्नलिखित उत्पादक शामिल हैं, को सैंपल में शामिल किया गया।

समूह	उत्पादक का नाम	निर्यातक/व्यावसायी
ट्रीना ग्रुप	ट्रिना सोलर (हुआइआन) टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	ट्रिना सोलर एनर्जी डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड (टीईडी)
	ट्रिना सोलर (सुकियान) टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	
	ट्रिना सोलर (यांचेंग) न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड	
	ट्रिना सोलर कंपनी लिमिटेड	
	यांचेंग ट्रिना सोलर गुओनैंग पीवी साइंस एंड टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	
जिंको सोलर ग्रुप	जिंको सोलर (हाइनिंग) कंपनी लिमिटेड	झेजियांग जिंको सोलर कंपनी लिमिटेड
	जिंको सोलर (यिउ) कंपनी लिमिटेड	झेजियांग जिंको सोलर कंपनी लिमिटेड
		जिंको सोलर (शंग्राओ) कंपनी लिमिटेड
		जिंको सोलर (हाइनिंग) कंपनी लिमिटेड
		जिंकसॉलर (चूझोऊ) कंपनी लिमिटेड और जिंकसॉलर मिडिल ईस्ट डीएमसीसी
		जिंको सोलर (फेइडोंग) कंपनी लिमिटेड
		जिंको सोलर मिडिल ईस्ट डीएमसीसी
	जिंकसोलर (चूजोऊ) कं. लि.	झेजियांग जिंको सोलर कंपनी लिमिटेड
		जिंको सोलर (हाइनिंग) कंपनी लिमिटेड
	जिंको सोलर (शंग्राओ) कंपनी लिमिटेड	झेजियांग जिंको सोलर कंपनी लिमिटेड
		जिंको सोलर (फेइडोंग) कंपनी लिमिटेड और जिंको सोलर मिडिल ईस्ट डीएमसीसी
		युहुआन जिंको सोलर कंपनी लिमिटेड और

		जिंको सोलर मिडिल ईस्ट डीएमसीसी
		जिंको सोलर (इवू) कंपनी लिमिटेड और
		जिंको सोलर मिडिल ईस्ट डीएमसीसी
		जिंको सोलर (चूझोउ) कंपनी लिमिटेड और
		जिंको सोलर मिडिल ईस्ट डीएमसीसी
		जिंको सोलर (हाइनिंग) कंपनी लिमिटेड
	जिंको सोलर (चूजिऑंग) कं., लि.	जिंको सोलर कंपनी लिमिटेड
		जिंको सोलर मिडिल ईस्ट डीएमसीसी
		जिंको सोलर (यिवू) कंपनी लिमिटेड और
		जिंको सोलर मिडिल ईस्ट डीएमसीसी
आइको ग्रुप	जिंको सोलर (फेइडोंग) कंपनी लिमिटेड	जिंको सोलर (हाइनिंग) कंपनी लिमिटेड
		झेजियांग जिंको सोलर कंपनी लिमिटेड
		जिंको सोलर मिडिल ईस्ट डीएमसीसी
		झेजियांग जिंको सोलर कं., लि.
	शंग्राओ गाउंगजिन जिंको फोटोवोल्टिक मैनुफैक्चरिंग कं., लि.	झेजियांग जिंको सोलर कं., लि.
	शंग्राओ जिंको फोटोवोल्टिक मैनुफैक्चरिंग कं., लि.	झेजियांग जिंको सोलर कं., लि.
	टियानजिन आइको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड।	झेजियांग आइको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
		टार्गे इंटरनेशनल इंक.
		टियानजिन आइको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
		एचएलए सप्लाय चैन सॉल्यूशंस इंक.
	गुआंगडोंग आइको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड।	स्वीलेक्ट एनर्जी सिस्टम्स पीटीई लिमिटेड
		टार्गे इंटरनेशनल इंक.

73. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भले ही सैंपल में केवल 3 ग्रुप चुने गए हों, लेकिन उत्पादकों/निर्यातक की संख्या इससे कहीं अधिक है। 16 उत्पादकों और उनके निर्यातकों को अलग-अलग जांच के लिए चुना गया है। इसके अलावा, इन उत्पादकों द्वारा सीधे या संबंधित/गैर-संबंधित उत्पादकों/व्यापारियों के माध्यम से किए गए निर्यात को ध्यान में रखने पर, चुने गए ग्रुप द्वारा किया गया कुल निर्यात भारत में कुल आयात का ***% है।
74. प्राधिकारी के मतानुसार, हितबद्ध पक्षों का यह तर्क सही नहीं है कि प्राधिकारी पर यह अनिवार्य दायित्व है कि वह स्वैच्छिक रूप से दिए गए सभी उत्तरों के लिए अलग-अलग पाटन मार्जिन तय करे। नियम 17(3) और उसके उपबंधों से यह स्पष्ट है कि प्राधिकारी जांच को समय पर पूरा करने के हित में, आवश्यकता पड़ने पर, कुछ निर्यातकों तक सीमित कर सकता है।
75. कुछ हितबद्ध पक्षों का कहना है कि प्राधिकारी ने पिछली जांचों में कई अधिक उत्पादकों या निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का अलग-अलग निर्धारण किया था। हालांकि, यह तथ्य कि पूर्व में कई उत्पादकों की जांच की गई थी, इसका यह अर्थ नहीं है कि प्राधिकारी वर्तमान मामले में सैंपलिंग का उपयोग नहीं कर सकता। प्राधिकारी का मानना है कि वर्तमान मामले में सैंपलिंग करना आवश्यक और उचित है।

76. कुछ लोगों के इस दावे के संबंध में कि सैंपल लेने का काम तय समय-सीमा के बाद किया गया, प्राधिकारी ने ध्यान दिया कि पाटनरोधी नियमों के नियम 17(3) में उत्पादकों/निर्यातक के सैंपल लेने की अनुमति है। पाटनरोधी जांच में उत्पादकों/निर्यातक के सैंपल लेने के लिए नियमों में कोई समय-सीमा नहीं है। वास्तव में, नियम 6 के तहत सैंपल लेने का प्रावधान नहीं है, बल्कि यह नियम 17 के तहत है, जिससे यह भी पता चलता है कि प्राधिकारी नियम 6 के तहत हितबद्ध पक्षों से प्रश्नावली के उत्तर मिलने के बाद सैंपल लेने की आवश्यकता का निर्णय ले सकते हैं।
77. इस बात के संबंध में कि सैंपलिंग पद्धति अलग-अलग उत्पाद श्रेणी, वॉल्यूम बैंड या निर्यात चैनलों को ध्यान में नहीं रखती, प्राधिकारी का कहना है कि कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो सैंपलिंग के समय प्राधिकारी को किसी खास मानदंड का पालन करने के लिए बाध्य करे। पाटनरोधी नियम प्राधिकारी को सांख्यिकीय रूप से सही सैंपल का उपयोग करके हितबद्ध पक्षों या वस्तुओं की उचित संख्या का सैंपल लेने या हितबद्ध देश से निर्यात की कुल मात्रा का सबसे बड़ा प्रतिशत जांचने की अनुमति देते हैं। इस मामले में भी ऐसा ही किया गया है। इसके अलावा, सभी हितबद्ध पक्षों को प्रस्तावित सैंपलिंग पद्धति पर अपना मत देने का पर्याप्त अवसर दिया गया था। हालांकि, किसी भी हितबद्ध पक्ष ने उचित समय पर इस पद्धति के उपयोग पर कोई आपत्ति नहीं जताई।

छ.3.1. चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

78. डब्ल्यू टी ओ में चीन के एक्सेशन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नानुसार व्यवस्था है:

"जी ए टी टी 1994 का अनुच्छेद-VI, टैरिफ और व्यापार पर सामान्य करार, 1994 ("पाटनरोधी करार") के अनुच्छेद-VI का कार्यान्वयन संबंधी करार और एससीएम करार किसी डब्ल्यू टी ओ सदस्य में चीन के मूल के आयातों में शामिल कार्यवाही में निम्नलिखित के संगत लागू होगा :

जीएटीटी, 1994 के अनुच्छेद-VI और पाटनरोधी करार के अंतर्गत कीमत तुलनीयता के निर्धारण में आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन की कीमतों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे या उस पद्धति को उपयोग करेंगे जो निम्नलिखित नियमों के आधार पर चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने में आधारित नहीं है:

- (i) यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती हैं तो आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन की कीमतों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।*
- (ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त तुलना पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग के लिए लागू नहीं हैं।*

एससीएम समझौते के भाग II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राज सहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए ऐसी पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखा जाए कि चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप

में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती है। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों के उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को समायोजित करना चाहिए।

आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैराग्राफ (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी प्रक्रिया समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को सव्सीडी तथा प्रतिसंतुलनकारी उपायों संबंधी समिति को अधिसूचित करेगा।

आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के तहत चीन के एक बार बाजार अर्थव्यवस्था सिद्ध हो जाने पर, उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) के प्रावधान समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते कि आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में एक्सेशन की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क)(iii) के प्रावधान एक्सेशन की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त हो जाएंगे। इसके अलावा, आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे।"

79. अपीलकर्ताओं ने चीन के प्रवेश प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(क)(i) का हवाला दिया है और उस पर भरोसा जताया है। अपीलकर्ताओं का दावा है कि चीन के उत्पादकों को यह दिखाना होगा कि उनके उद्योग में, जिस उत्पाद की बिक्री की जा रही है, उसके निर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार की आर्थिक परिस्थितियाँ लागू हैं। अपीलकर्ताओं ने यह भी कहा है कि यदि चीनी उत्पादक यह नहीं दिखा पाते कि उनकी लागत और मूल्य की जानकारी बाजार से निर्धारित है, तो नियम के अनुबंध-1 के अनुच्छेद 7 के प्रावधानों के अनुसार सामान्य मूल्य की गणना की जानी चाहिए।

80. ट्रिना ग्रुप को छोड़कर, नमूने में शामिल किसी भी उत्पादक ने इस मामले में मार्केट इकोनॉमी ट्रीटमेंट की मांग नहीं की है। इसलिए, ट्रिना ग्रुप को छोड़कर, नमूने में शामिल उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य की गणना नियमों के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 7 के अनुसार की गई है, जिसमें निम्नलिखित बातें प्रस्तुत की गई हैं।

"गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिनमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो, उचित समय सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।"

81. प्राधिकारी ने ट्रिना ग्रुप के उत्पादकों द्वारा दावा किए गए बाजार अर्थव्यवस्था बर्ताव की जांच की है। उत्पादकों का दावा है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में काम कर रहे हैं और उन्होंने हितबद्ध और अहितबद्ध पक्षकारों से बाजार दर पर कच्चे माल और उपयोगिताएं खरीदी हैं। प्राधिकारी का कहना है कि हालांकि उत्पादक ने दावा किया है कि उसने हितबद्ध और अहितबद्ध पक्षकारों से स्थानीय स्तर पर बाजार मूल्य पर कच्चे माल की आपूर्ति की है, लेकिन यह स्पष्ट है कि कंपनी यह साबित नहीं कर पाई है कि मुख्य इनपुट की कीमतें बाजार मूल्य को दर्शाती

हैं। प्राधिकारी इस संबंध में यह भी कहते हैं कि चूंकि चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है, इसलिए चीनी उत्पादकों को यह साबित करना होगा कि इनपुट की कीमतें अंतर्राष्ट्रीय बाजार की कीमतों के आधार पर बाजार मूल्य को दर्शाती हैं। चूंकि कच्चे माल के आपूर्तिकर्ता चीन में ही हैं और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में काम कर रहे हैं, इसलिए चीनी उत्पादकों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित कीमतों के आधार पर बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति को साबित करना होगा। इसके अलावा, यह तथ्य कि सौर ग्लास और एल्यूमीनियम एक्सट्रूजन के आपूर्तिकर्ता, जो इन वस्तुओं के उत्पादन में कच्चे माल के रूप में उपयोग होते हैं, को काउंटरवेलिंग सब्सिडी मिली है, यह बात यूरोपीय संघ और अमेरिका में जांच एजेंसियों ने तय की है। हालांकि उत्पादकों ने दावा किया है कि उन्होंने अहितबद्ध संस्थाओं से बाजार दर पर उपयोगिताएं खरीदी हैं, लेकिन प्राधिकारी ने पिछली कई सब्सिडी-रोधी जांचों में पाया है कि चीन में बिजली और पानी जैसी उपयोगिताएं सरकार या स्थानीय प्राधिकरण द्वारा सब्सिडी वाली दरों पर दी जाती हैं। इसलिए, जिस कीमत पर उत्पादकों ने उपयोगिताएं खरीदी हैं, वह बाजार मूल्य को नहीं दर्शाती। अंत में, घरेलू उद्योग ने यह सबूत दिया है कि ट्रिना ग्रुप के चेयरमैन चीन की नेशनल पीपुल्स कांग्रेस से जुड़े हैं, जिससे सरकार का अप्रत्यक्ष प्रभाव हो सकता है। ऐसे में, प्राधिकारी का निर्णय है कि ट्रिना ग्रुप बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में काम नहीं कर रहा है और इसलिए, उत्पादक के लिए सामान्य मूल्य नियमों के अनुबंध 1 के अनुच्छेद 7 के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया गया है।

82. आवेदकों ने दावा किया है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण मलेशिया से संबद्ध वस्तुओं के आयात मूल्य के आधार पर किया जाना चाहिए। तथापि, आवेदकों ने यह प्रदर्शित नहीं किया है कि मलेशिया को एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आवेदकों ने भारत में देय मूल्य के आधार पर सामान्य मूल्य का भी दावा किया है, जो विधिवत समायोजित उत्पादन लागत पर आधारित है। अन्य हितबद्ध पक्षों ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 7 में सूचीबद्ध आधारों के अलावा कोई अन्य आधार प्रस्तुत नहीं किया है, जो सामान्य मूल्य के निर्धारण का आधार बन सके। अतः, प्राधिकारी ने आवेदक की उत्पादन लागत के आधार पर, भारत में देय मूल्य के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है, जिसे विक्रय, सामान्य और प्रशासनिक व्ययों और उचित लाभ के लिए विधिवत समायोजित किया गया है।

छ.3.2. चीन जन गण के लिए निर्यात मूल्य

गुआंगडोंग ऐको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड (गुआंगडोंग ऐको), तियानजिन ऐको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड (तियानजिन ऐको), और झेजियांग ऐको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड (झेजियांग ऐको) (ऐको समूह) के लिए निर्यात मूल्य

83. ग्वांगडोंग ऐको, तियानजिन ऐको और झेजियांग ऐको (जिन्हें सामूहिक रूप से "ऐको ग्रुप" कहा जाता है) ने जाँच अवधि के दौरान भारत में ग्राहकों को सीधे या असंबंधित व्यापारियों के माध्यम से *** एमडब्ल्यू का निर्यात किया। ऐको ग्रुप के कुल निर्यात में से, उत्पादकों ने *** एमडब्ल्यू संबद्ध वस्तुओं का निर्यात सीधे भारत को किया है और *** एमडब्ल्यू का निर्यात असंबंधित व्यापारियों के माध्यम से किया है।

- ग्वांगडोंग ऐको → भारत में ग्राहक
- तियानजिन ऐको → भारत में ग्राहक
- तियानजिन ऐको → चीन में असंबद्ध व्यापारी → भारत में ग्राहक
- झेजियांग ऐको → भारत में ग्राहक
- झेजियांग ऐको → असंबद्ध व्यापारी → भारत में ग्राहक

84. प्राधिकारी ने पाया है कि जिन असंबंधित व्यापारियों के माध्यम से भारत को निर्यात किया गया है, उन्होंने प्रश्नावली का उत्तर दर्ज करके वर्तमान जाँच में सहयोग नहीं किया है। तथापि, ऐसे असंबंधित व्यापारियों के माध्यम से किए गए निर्यात, कुल निर्यात का केवल ***% ही हैं। तदनुसार, निर्यात के छोटे हिस्से को देखते हुए, ऐंको द्वारा प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत जानकारी स्वीकार कर ली गई है।
85. प्राधिकारी ने पहले असंबद्ध ग्राहक से ली गई कीमत के आधार पर शुद्ध निर्यात मूल्य निर्धारित किया है। असंबद्ध व्यापारियों के माध्यम से निर्यात के संबंध में, ऐसे व्यापारियों द्वारा ली गई पुनर्विक्रय कीमत से संबंधित जानकारी के अभाव में, प्राधिकारी ने तियानजिन आइको और झेजियांग आइको द्वारा प्रत्यक्ष निर्यात की कीमत के आधार पर ऐसे व्यापारियों के माध्यम से निर्यात मूल्य निर्धारित किया है। समुद्री माल ढुलाई, बीमा, अंतर्देशीय परिवहन, बंदरगाह और अन्य संबंधित शुल्कों, बैंक शुल्कों और ऋण लागत के समायोजन को उचित सत्यापन के बाद अनुमति दी गई है। इस प्रकार निर्धारित शुद्ध निर्यात मूल्य नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित है।

जिंको सोलर (हेनिंग) कंपनी लिमिटेड, जिंको सोलर (यिवू) कंपनी लिमिटेड, जिंको सोलर (चुझोउ) कंपनी लिमिटेड, जिंको सोलर (शांगराव) कंपनी लिमिटेड, जिंको सोलर (चक्सियोंग) कंपनी लिमिटेड, जिंको सोलर (फीडोंग) कंपनी लिमिटेड, शांगराव गुआंगक्सिन जिंको फोटोवोल्टिक मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड, शांगराव जिंको फोटोवोल्टिक मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड, जिंको सोलर कंपनी लिमिटेड, झेजियांग जिंको सोलर कंपनी लिमिटेड, युहुआन जिंको सोलर कंपनी लिमिटेड, जिंको सोलर मिडिल ईस्ट डीएमसीसी, जिंको सोलर ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड (जिंको सोलर ग्रुप)

86. जिंको सोलर (हेनिंग) कं, लिमिटेड, जिंको सोलर (यिवू) कं, लिमिटेड, जिंको सोलर (चुझोउ) कं, लिमिटेड, जिंको सोलर (शांगराओ) कं, लिमिटेड, जिंको सोलर (चक्सियोंग) कं, लिमिटेड, जिंको सोलर (फीडोंग) कं, लिमिटेड, शांगराओ गुआंगक्सिन जिंको फोटोवोल्टिक मैनुफैक्चरिंग कं, लिमिटेड और शांगराओ जिंको फोटोवोल्टिक मैनुफैक्चरिंग कं, लिमिटेड संबंधित देश में संबद्ध वस्तुओं के विनिर्माण में लगी संबंधित कंपनियां हैं। जिंको सोलर कं, लिमिटेड, झेजियांग जिंको सोलर कं, लिमिटेड, युहुआन जिंको सोलर कं, लिमिटेड, और जिंको सोलर मिडिल ईस्ट डीएमसीसी भारत को किए जाने वाले संबद्ध वस्तुओं के निर्यात में शामिल हैं। जिंको सोलर समूह के उत्पादकों ने जिंको सोलर समूह के अंतर्गत संबंधित निर्यातकों के माध्यम से भारत में असंबंधित ग्राहकों को संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन और निर्यात किया है। इसके अतिरिक्त, जिंको सोलर समूह के उत्पादकों को एक संबंधित भारतीय व्यापारी, जिंको सोलर ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड को भी निर्यात किया गया है, जिसने भारत में असंबंधित ग्राहकों को संबद्ध वस्तुओं को पुनः बेचा है। उपर्युक्त सभी कंपनियों ने निर्धारित प्रश्नावली प्रारूप में प्रासंगिक जानकारी प्रस्तुत की है।

- हेनिंग → झेजियांग जिंको → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- हिवू → झेजियांग जिंको → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- हिवू → झेजियांग जिंको → जिंको इंडिया → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- हिवू → शांगराओ जिंको → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- हिवू → हेनिंग → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- हिवू → जिंको डीएमसीसी → भारत में असंबद्ध ग्राहक

- हिबू → चुझोड → जिको डीएमसीसी → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- हिबू → फीडोंग → जिको डीएमसीसी → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- चुजोड → झेजियांग जिको → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- चुजोड → हेनिंग → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- शंग्राओ → झेजियांग जिको → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- शंग्राओ → हेनिंग → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- शंग्राओ → जिको डीएमसीसी → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- शंग्राओ → चुझोड → जिको डीएमसीसी → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- शंग्राओ → फीडोंग → जिको डीएमसीसी → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- शंग्राओ → युहुआन → जिको डीएमसीसी → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- शंग्राओ → यीबू → जिको डीएमसीसी → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- शंग्राओ → जियांगशिन जिको → जिको इंडिया → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- चूजियांग → जियांगसी जिको → जिको इंडिया → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- फीडोंग → झेजियांग जिको → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- फीडोंग → हेनिंग → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- फीडोंग → जिको डीएमसीसी → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- फीडोंग → यीबू → जिको डीएमसीसी → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- ग्वांगजिन → झेजियांग जिको → भारत में असंबद्ध ग्राहक
- शंग्राओ जिको फोटोवोल्टिक → झेजियांग जिको → भारत में असंबद्ध ग्राहक

87. जिको समूह के कुल निर्यात में से, उत्पादकों ने भारत में असंबद्ध ग्राहकों को *** एमडब्ल्यू संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है और संबंधित भारतीय व्यापारी को *** एमडब्ल्यू निर्यात किया है, जिसने भारत में असंबद्ध ग्राहकों को वस्तुओं को फिर से बेचा है। प्राधिकारी ने जिको सोलर समूह में उत्पादकों, निर्यातकों और संबंधित भारतीय आयातक द्वारा प्रस्तुत जानकारी का सत्यापन किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादकों के लिए निर्यात मूल्य की गणना के लिए, भारत में असंबद्ध ग्राहकों को अंतिम निर्यातक इकाई द्वारा ली गई कीमत को शुरुआती बिंदु माना गया था। चैनल का हिस्सा बनने वाले उत्पादकों और व्यापारियों द्वारा दावा की गई कटौतियों को निर्यात मूल्य पर पहुंचने के लिए समायोजित किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध भारतीय आयातक ने भारत में विचाराधीन उत्पाद की बिक्री पर घाटा अर्जित किया। तदनुसार, आयातक के ऐसे नुकसान को समायोजित किया गया। प्राधिकारी द्वारा समुद्री मालभाड़ा, अंतर्देशीय परिवहन, बंदरगाह और हैंडलिंग व्यय, बीमा, ऋण लागत और बैंक शुल्क के समायोजन की अनुमति उचित सत्यापन के बाद दी गई है। इस प्रकार निर्धारित शुद्ध निर्यात मूल्य नीचे दी गई तालिका में दिया गया है।

ट्रिना सोलर कंपनी लिमिटेड (टीसीजेड), यानचेंग ट्रिना सोलर गुओनैंग पीवी साइंस एंड टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड (टीवाईसी), ट्रिना सोलर (यानचेंग) न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड (टीएनई(वाईसी)), ट्रिना सोलर (हुआइआन) टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड (टीएचएटी), ट्रिना सोलर (सुकियान) टेक्नोलॉजी कंपनी (टीएसक्यूटी) लिमिटेड और ट्रिना सोलर एनर्जी डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड, सिंगापुर (टीईडी) (ट्रिना सोलर ग्रुप)

88. ट्रिना सोलर कंपनी लिमिटेड (टीसीजेड), यानचेंग ट्रिना सोलर गुओनेंग पीवी साइंस एंड टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड (टीवाईसी), ट्रिना सोलर (यानचेंग) न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड (टीएनई(वाईसी)), ट्रिना सोलर (हुआइआन) टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड (टीएचएटी) और ट्रिना सोलर (सुकियान) टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड (टीएसक्यूटी) संबंधित कंपनियां हैं जो संबंधित देश में संबंधित वस्तुओं के विनिर्माण में लगी हुई हैं और उन्होंने अपने संबद्ध व्यापारी और ट्रिना सोलर एनर्जी डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड, सिंगापुर (टीईडी) के माध्यम से भारत को वस्तुओं का निर्यात किया है, जिन्होंने भारत में असंबद्ध ग्राहकों को बिक्री की है। उपर्युक्त सभी कंपनियों ने निर्धारित प्रश्नावली प्रारूप में संबंधित जानकारी प्रस्तुत की है।

- टीसीजेड → टीईडी → भारत में ग्राहक
- टीवाईसी → टीईडी → भारत में ग्राहक
- टीएनईवाईसी → टीईडी → भारत में ग्राहक
- टीएचएटी → टीईडी → भारत में ग्राहक
- टीएसक्यूटी → टीईडी → भारत में ग्राहक

89. ट्रिना सोलर ग्रुप ने संबंधित व्यापारी के माध्यम से भारत में असंबद्ध ग्राहकों को *** एमडब्ल्यू संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। प्राधिकारी ने उत्पादकों और निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादकों के लिए निर्यात मूल्य की गणना के लिए, भारत में असंबद्ध ग्राहकों से अंतिम निर्यातक इकाई द्वारा ली गई कीमत को प्रारंभिक बिंदु माना गया था। चैनल का हिस्सा बनने वाले उत्पादकों और व्यापारी द्वारा दावा की गई कटौतियों को निर्यात मूल्य पर पहुंचने के लिए समायोजित किया गया है। समुद्री माल ढुलाई, अंतर्देशीय परिवहन, बंदरगाह और हैंडलिंग व्यय, बीमा, ऋण लागत और पैकिंग लागत के कारण समायोजन को प्राधिकारी द्वारा उचित सत्यापन के बाद अनुमति दी गई है। इस प्रकार निर्धारित शुद्ध निर्यात मूल्य नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित है।

चीन जन. गण. में अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात मूल्य

90. अन्य सभी सहकारी गैर-नमूनाकृत उत्पादकों के लिए निर्यात मूल्य और पाटन का निर्धारण सहकारी नमूनाकृत उत्पादकों के लिए निर्धारित भारित औसत मार्जिन के आधार पर किया गया है। अन्य सभी उत्पादकों और निर्यातकों, जिन्होंने वर्तमान जाँच में भाग नहीं लिया है, के लिए निर्यात मूल्य उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निर्धारित किया गया है। इसका उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

छ.3.3 पाटन मार्जिन

91. उपरोक्तानुसार निर्मित सामान्य मूल्य और निर्धारित निर्यात मूल्य पर विचार करते हुए, संबद्ध देश के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन निम्नानुसार है:

पाटन मार्जिन तालिका

क्र.सस	उत्पादक का नाम		मात्रा	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन
			एमडब्ल्यू	(अमेरिकी डॉलर/एमडब्ल्यू)	(अमेरिकी डॉलर /एमडब्ल्यू)	(अमेरिकी डॉलर /एमडब्ल्यू)	(%)	(श्रेणी)
1	जिंको सोलर (हेनिंग) कंपनी लिमिटेड	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	35-45%
2	जिंको सोलर (यिवू) कंपनी लिमिटेड	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	35-45%
3	जिंको सोलर (चुज़ौ) कंपनी लिमिटेड	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	35-45%
4	जिंको सोलर (शांगराओ) कंपनी लिमिटेड	मोनो-सैल	***	***	***	***	***	105-115%
5		मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	10-20%
6	जिंको सोलर (चुज़ौ) कंपनी लिमिटेड	मोनो-सैल	***	***	***	***	***	90-100%
7	जिंको सोलर (फीडोंग) कंपनी लिमिटेड	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	35-45%
8	शंग्राओ गुआंगजिन जिंको फोटोवोल्टिक मैनुफैक्चरिंग कं. लि.	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	55-65%
9	शंग्राओ जिंको फोटोवोल्टिक मैनुफैक्चरिंग कं. लि.	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	55-65%
10	भारित औसत – जिंको ग्रुप	मोनो-सैल	***	***	***	***	***	100-110%
11		मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	30-40%
	जिंको ग्रुप	भारित	***	***	***	***	***	30-40%
12	ग्वांगडोंग ऐको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	मोनो-सैल	***	***	***	***	***	40-50%
13	तियानजिन ऐको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	मोनो-सैल	***	***	***	***	***	65-75%
14	झेजियांग ऐको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	मोनो-सैल	***	***	***	***	***	55-65%
15	भारित औसत – एको ग्रुप	मोनो-सैल	***	***	***	***	***	55-65%
16	ट्रिना सोलर कंपनी लिमिटेड	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	55-64%
17	यानचेंग ट्रिना सोलर गुओनेंग पीवी साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	30-40%
18	ट्रिना सोलर (यानचेंग) न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	40-50%
19	ट्रिना सोलर (हुआइआन) टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	25-35%

20	ट्रिना सोलर (सुकियान) टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	25-35%
21	भारित औसत – ट्रिना ग्रुप	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	30-40%
22	अन्य नमूनाकृत सहकारी उत्पादक			***	***	***	***	60-70%
23	असहयोगी उत्पादक			***	***	***	***	85-95%

ज. क्षति और कारणात्मक संबंध का आकलन

ज.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुतियां

92. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतियाँ दी गई हैं:

- i. जबकि घरेलू उद्योग ने विभिन्न प्रकार की क्षति का दावा किया है, कोरिया-पॉलीएसीटल रेजिन्स के मामले में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) पैनल ने माना कि तीनों प्रकार की क्षति पर एक ही निष्कर्ष आंतरिक रूप से विरोधाभासी है। इसके अतिरिक्त, जब उत्पादकों में से एक सुस्थापित है और भौतिक क्षति का दावा कर रहा है, तो विभिन्न प्रकार की क्षति का दावा स्वीकार्य नहीं हो सकता।
- ii. घरेलू उद्योग को ज्यूपिटर और फर्स्ट सोलर के लिए अलग-अलग आर्थिक मापदंडों वाला प्रोफार्मा IVक प्रस्तुत करना चाहिए था क्योंकि दोनों कंपनियों के लिए क्षति की प्रकृति अलग-अलग है। इसके अलावा, फर्स्ट सोलर के लिए जाँच अवधि के दौरान तिमाही-वार जानकारी और वास्तविक प्रदर्शन के साथ अनुमानों की तुलना प्रस्तुत की जानी चाहिए क्योंकि उत्पादक ने भौतिक मंदी का दावा किया है।
- iii. संबद्ध आयातों, जिनमें सेल और मॉड्यूल दोनों शामिल हैं, से हुई भौतिक क्षति की जाँच उचित नहीं होगी क्योंकि ज्यूपिटर केवल सेल का उत्पादन और बिक्री करता है और मॉड्यूल के आयात से उत्पादक को क्षति नहीं हो सकती।
- iv. संबद्ध आयातों से हुई भौतिक क्षति का आकलन सेल और मॉड्यूल दोनों के उत्पादकों के मापदंडों के आधार पर किया जाना चाहिए।
- v. दोनों याचिकाकर्ताओं के लिए क्षति के आंकड़ों का संचयन भ्रामक है और घरेलू उद्योग के पक्ष में विषम परिणाम प्रस्तुत करता है क्योंकि फर्स्ट सोलर, क्षति अवधि के पहले तीन वर्षों में अस्तित्व में नहीं था। भारत में कई सौर सेल उत्पादकों के पास एकीकृत परिचालन लाइनें हैं और वे उत्पादित सेल का एक बड़ा हिस्सा निजी तौर पर उपभोग करते हैं, जिससे मॉड्यूल उत्पादकों को सेल आयात करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।
- vi. आयात करने वाले घरेलू उत्पादकों द्वारा किए गए आयात को आयात की मात्रा और मूल्य प्रभाव के निर्धारण से बाहर रखा जाना चाहिए।
- vii. वर्ष 2020-21 से आयात की मात्रा में वृद्धि की तुलना गलत है क्योंकि आधार वर्ष कोविड-19 महामारी से प्रभावित था जिससे आयात सीमित थे।
- viii. क्षति अवधि में आयात की मात्रा में वृद्धि होने पर भी घरेलू उद्योग की मांग और घरेलू बिक्री में लगातार वृद्धि हुई। इसके अलावा, घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है, जबकि आयात की बाजार हिस्सेदारी में 4% की गिरावट आई है।
- ix. उत्पादन और मांग के संबंध में आयात की मात्रा में गिरावट आई है।

- x. वर्ष 2021-22 में आयात की मात्रा और कीमत में वृद्धि हुई, जबकि घरेलू उद्योग का लाभ आधे से भी कम हो गया। आयात की मात्रा में गिरावट और कीमत स्थिर रहने के कारण, घरेलू उद्योग को वर्ष 2022-23 में भारी नुकसान का सामना करना पड़ा।
- xi. घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि के स्थान पर केवल जाँच अवधि के लिए मूल्य कटौती प्रदान की है।
- xii. याचिका में बताई गई बिक्री लागत की प्रवृत्ति प्रोफार्मा IV-क के अनुरूप नहीं है।
- xiii. घरेलू उद्योग को कोई मूल्य क्षति नहीं हुई है क्योंकि इस अवधि के दौरान घरेलू विक्रय कीमत में वृद्धि जारी रही। इसके अलावा, जबकि घरेलू उद्योग का विक्रय मूल्य बिक्री लागत की तुलना में तेज़ गति से बढ़ा है, घरेलू उद्योग के कर-पूर्व लाभ में गिरावट आई है।
- xiv. मूल पाटनरोधी जाँच में जाँच अवधि के बाद की अवधि की प्रवृत्ति प्रासंगिक नहीं हैं। इसके अलावा, यदि जाँच अवधि के बाद की आयात कीमतों पर विचार किया जाता है, तो घरेलू उद्योग के जाँच अवधि के बाद के प्रदर्शन की भी जाँच की जानी चाहिए। किसी भी स्थिति में, जाँच अवधि के बाद की अवधि में आयात की मात्रा में गिरावट आई है।
- xv. सेल की कीमतों में गिरावट पाटन के कारण नहीं है, बल्कि यह आदर्श स्थिति को दर्शाती है जिसमें चीन के उत्पादक अपनी लागत कम करने में सक्षम रहे हैं और इस कमी का लाभ कीमतों में भी मिला है जिससे अंततः भारतीय सौर ऊर्जा परियोजनाओं को किफायती कीमतों पर बिजली का उत्पादन करने में सहायता मिली है।
- xvi. कीमतों में कमी वैश्विक लागत प्रवृत्तियों को दर्शाती है और किसी भी प्रकार के शिकारी मूल्य निर्धारण का संकेत नहीं है।
- xvii. घरेलू उद्योग के समग्र प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और पाटनरोधी शुल्क लगाना अनुचित है।
- xviii. घरेलू उद्योग के सभी आर्थिक मापदंडों, जैसे क्षमता, उत्पादन, बिक्री मात्रा, मजदूरी, कर्मचारी और नियोजित पूंजी ने क्षति अवधि के दौरान सकारात्मक प्रवृत्ति दिखाई है।
- xix. स्थापित क्षमता में वृद्धि वास्तविक उत्पादन में वृद्धि से आगे निकल गई है और इसके परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।
- xx. जुपिटर इंटरनेशनल ने वर्ष 2022-23 में बहुत अधिक घाटा अर्जित किया और जाँच अवधि में उच्च लाभ अर्जित किया, जो प्राधिकारी के समक्ष क्षति के दावे का खंडन करता है। इसके अलावा, जुपिटर ने स्वीकार किया है कि उसने लाभ अर्जित किया है।
- xxi. घरेलू उद्योग का पीबीडीआईटी पिछले वर्ष की तुलना में 18% बढ़ा, जो क्षति के किसी भी दावे को खारिज करता है।
- xxii. घरेलू उद्योग ने खुले बाजार बनाम डीसीआर बाजार में क्षति के विषय में अलग से जानकारी प्रदान नहीं की है, और अन्य पक्षों को इस पर टिप्पणी करने का कोई अवसर नहीं मिला है।
- xxiii. चूंकि मलेशिया और वियतनाम से आयात के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन भी सकारात्मक है, इसलिए केवल चीन से आयात पर शुल्क लगाना भेदभावपूर्ण होगा।

- xxiv. जबकि घरेलू उद्योग क्षति का दावा कर रहा है, ऐसा दावा भ्रामक है क्योंकि अन्य सौर सेल उत्पादक, जिन्होंने अपनी जानकारी प्रस्तुत नहीं की है, अत्यधिक मार्जिन कमा रहे हैं।
- xxv. अन्य मॉड्यूल उत्पादकों द्वारा चीन जनवादी गणराज्य से सौर सेल का आयात, जुपिटर को क्षति का खतरा पैदा नहीं कर सकता जब उत्पादक स्वयं मॉड्यूल के लिए उत्पादन क्षमता स्थापित करने की प्रक्रिया में है और सेल की सीमित आपूर्ति को देखते हुए, स्वयं आयात करेगा।
- xxvi. गैर-क्षतिग्रस्त मूल्य की गणना के लिए नियोजित पूंजी पर 22% के उच्च आय पर विचार करने का कोई आधार नहीं है क्योंकि अनुलग्नक III में उचित लाभ पर विचार करने की आवश्यकता है और सौर उद्योग के लिए 22% आय बहुत अधिक है।
- xxvii. नियोजित पूंजी पर 22% आय पर विचार को प्राधिकारी के लिए केवल एक दिशानिर्देश के रूप में संदर्भित किया गया था जब पाटनरोधी नियम अधिसूचित किए गए थे और वर्ष 1976-77 के मूल्य नियंत्रण आदेशों के संबंध में बनाए गए थे।
- xxviii. ब्रिज स्टोन टायर मैनुफैक्चरिंग के मामले में सीईएसटीएटी ने माना कि 22% लाभ को अपनाना गलत था क्योंकि यह क्षति मार्जिन की एक बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई तस्वीर को प्रस्तुत करता है।
- xxix. ईएफएमए बनाम काउंसिल के मामले में यूरोपीय न्यायालय ने माना कि यूरोपीय आयोग को सामान्य बाजार स्थितियों के तहत उद्योग द्वारा अर्जित लाभ मार्जिन को ध्यान में रखते हुए गैर-हानिकारक मूल्य की गणना करनी चाहिए।
- xxx. एफएस इंडिया द्वारा अपनी मूल कंपनी को भुगतान की गई रॉयल्टी, उनका आंतरिक मामला है और ऐसी लागत एनआईपी कानून के अनुसार कोई आवश्यक उत्पाद लागत नहीं है जैसा कि हम आवेदकों के दावों को पढ़ते हैं। ऐसी रॉयल्टी को शामिल करने का प्रयास एनआईपी को बढ़ाने का एक प्रयास है।
- xxxi. घरेलू उद्योग को हुई क्षति और संबद्ध आयातों के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।
- xxxii. प्राधिकारी के लिए संबद्ध आयातों के अलावा अन्य सभी कारकों जो पाटनरोधी नियमों के अनुबंध II और पाटनरोधी समझौते के अनुच्छेद 3.5 के अनुसार घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंचा सकते हैं, की जांच करना आवश्यक है। इसे यूएस-हॉट रोलड स्टील में अपीलिय निकाय द्वारा भी बरकरार रखा गया था।
- xxxiii. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में तीव्र गिरावट, फर्स्ट सोलर द्वारा किए गए भारी पूंजी निवेश और वित्तपोषण के परिणामस्वरूप ब्याज लागत और मूल्यह्रास लागत में वृद्धि के कारण है, जो एक नया उत्पादक है और इसे अपने संचालन को स्थिर करने में कुछ समय लगेगा।
- xxxiv. घरेलू उद्योग पुरानी तकनीक के उपयोग, आयातित या निम्न-गुणवत्ता वाले कच्चे माल पर निर्भरता, कुशल श्रम की कमी, भौगोलिक असुविधाओं के कारण बढ़ी हुई रसद और परिवहन लागत और भारी निवेश पर बढ़ी हुई ब्याज और मूल्यह्रास लागत के कारण नुकसान का सामना कर रहा है।
- xxxv. घरेलू उद्योग को नुकसान तकनीकी व्यवधान, उतार-चढ़ाव वाली मुद्रा दरों और विकसित उपभोक्ता प्राथमिकताओं जैसे बदलती बाजार गतिशीलता के कारण हो सकता है।
- xxxvi. रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण उच्च माल दुलाई लागत के कारण 2021-22 में आयात कीमत में वृद्धि हुई। इसके बाद माल दुलाई लागत में कमी के कारण आयात कीमत में गिरावट आई, और यह गिरावट पाटन के कारण नहीं थी।

- xxxvii. कच्चे माल के आयात पर निर्भरता के कारण घरेलू उद्योग को नुकसान होने की संभावना है क्योंकि भारत में पॉलीसिलिकॉन वेफर्स का उत्पादन सीमित है। चूँकि सिलिकॉन वेफर्स के उत्पादन के लिए नए संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, इसलिए घरेलू उद्योग भविष्य में प्रतिस्पर्धी बन जाएगा।
- xxxviii. घरेलू उद्योग को होने वाला घाटा संभवतः उत्पादन की उच्च लागत के कारण है, क्योंकि जाँच अवधि के दौरान वैश्विक स्तर पर संबद्ध वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है। वैश्विक समकक्षों की तुलना में घरेलू उद्योग कम पैमाने की अर्थव्यवस्था पर काम करता है।

ज.2. घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

93. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. यूरोपीय संघ, कोरिया गणराज्य और थाईलैंड से स्टाइरीन ब्यूटाडाइन रबर के मामले में प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग बनाने वाले विभिन्न उत्पादकों को होने वाली क्षति के विभिन्न रूपों पर विचार किया और इस दृष्टिकोण की पुष्टि सीईएसटीएटी और सर्वोच्च न्यायालय ने की।
- ii. चूँकि अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि एफएस इंडिया को सामग्री मंदता की जाँच के लिए एक स्थापित उद्योग नहीं माना जा सकता, इसलिए उन्हें यह दावा करने की अनुमति नहीं दी जा सकती कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति एफएस इंडिया के नए उत्पादक होने और उत्पादक के लिए अलग विश्लेषण का अनुरोध करने के कारण है।
- iii. चूँकि एफएस इंडिया और जुपिटर दोनों घरेलू उद्योग हैं, इसलिए उनके प्रदर्शन का अलग-अलग मूल्यांकन नहीं किया जा सकता, क्योंकि संपूर्ण घरेलू उद्योग के लिए क्षति विश्लेषण किया जाना चाहिए, जैसा कि प्राधिकारी द्वारा पॉलिएस्टर स्पन यार्न और वेल्डेड स्टेनलेस स्टील पाइप के मामलों में भी किया गया है।
- iv. अनुलग्नक-II के अनुसार, सभी पाटित आयातों का विश्लेषण किया जाना चाहिए, चाहे वे उपयोगकर्ताओं, व्यापारियों या घरेलू उत्पादकों द्वारा किए गए हों। इसके अतिरिक्त, घरेलू उत्पादकों द्वारा किए गए आयातों को प्राधिकारी द्वारा अतीत में अलग नहीं किया गया है।
- v. प्राधिकारी समान वस्तु के लिए समग्र रूप से क्षति की जांच करते हैं, न कि विभिन्न प्रकार के उत्पादों के लिए अलग-अलग।
- vi. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध आयातों की कीमतों में भारी गिरावट को देखते हुए, पाटनरोधी शुल्क लगाने की अत्यंत आवश्यकता है। इसके अलावा, बाद की अवधि में कीमतों में **55%** की गिरावट आई है।
- vii. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध आयातों की मात्रा में **271%** की वृद्धि हुई। बाद की अवधि में सोलर सेल के आयात की मात्रा में **63%** की और वृद्धि हुई।
- viii. अन्य पक्षकारों के दावे के विपरीत, आयात में न केवल कोविड प्रभावित **2020-21** की तुलना में, बल्कि प्रत्येक वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है।
- ix. पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को भारी क्षति हुई है।
- x. संबद्ध वस्तुओं के बाजार को तीन भागों में विभाजित किया गया है। पहला बाजार निर्यात के लिए आयात की पूर्ति करता है, दूसरा डीसीआर बाजार है जिसमें सरकारी परियोजनाओं को की जाने वाली आपूर्ति भारत में उत्पादित की जानी चाहिए और तीसरा बाजार खुला बाजार है जहाँ चीनी उत्पादक पाटन कर रहे हैं। चूँकि निर्यात से आयात घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं और डीसीआर बाजार चीनी आयात से अछूता है, इसलिए घरेलू उद्योग को खुले बाजार में महत्वपूर्ण क्षति का सामना करना पड़ा है।
- xi. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध आयातों की मात्रा निरपेक्ष और सापेक्ष रूप से तेजी से बढ़ी।

- xii. जबकि **2022-23** में आयात में गिरावट आई क्योंकि संबद्ध वस्तुओं पर मूल सीमा शुल्क बढ़ा दिया गया था, जांच की अवधि में आयात में तेजी से वृद्धि हुई क्योंकि चीनी उत्पादकों ने शुल्कों के प्रभाव को अवशोषित कर लिया।
- xiii. जांच की अवधि के दौरान, संबद्ध आयात देश में कुल आयात का **79%** था, जबकि लगभग **24** अन्य देशों से आयात कुल आयात का **21%** था।
- xiv. जबकि जांच की अवधि के दौरान संबद्ध आयातों ने **96%** बाजार हिस्सेदारी हासिल की, घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी *****%** से कम थी।
- xv. भारत विस्तार कर रहा है और नई क्षमताएँ जोड़ रहा है, इसलिए माँग-आपूर्ति में कोई अंतर नहीं है, और आयात अनावश्यक हैं, जिससे देश की विदेशी मुद्रा समाप्त हो रही है।
- xvi. यदि संबद्ध आयात केवल माँग के अनुरूप बढ़े होते, तो घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी और लाभप्रदता में गिरावट नहीं आती।
- xvii. संबद्ध आयातों की कीमतों में क्षति अवधि और उसके बाद की अवधि में तीव्र गिरावट आई है।
- xviii. संबद्ध आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों को काफी कम कर दिया है।
- xix. अनुबंध-II के अनुसार, प्राधिकारी को केवल जाँच अवधि के लिए ही मूल्य कटौती की जाँच करनी होती है, और विभिन्न मामलों में ऐसी प्रथा अपनाई गई है।
- xx. संबद्ध आयातों की कीमतों में तीव्र गिरावट ने घरेलू उद्योग को अपनी लागत से कम पर बेचने के लिए विवश किया, और मूल्य वृद्धि को रोका, जो अन्यथा होती।
- xxi. घरेलू उद्योग की स्थापित क्षमता इस अवधि में बढ़ी, क्योंकि जुपिटर ने अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाई और एफएस इंडिया ने जाँच अवधि के दौरान अपना वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया। परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हुई।
- xxii. उच्च क्षमता होने के बावजूद, घरेलू उद्योग को पाटित किए गए आयातों की उपस्थिति और कम क्षमता के उपयोग के कारण अपने उत्पादन में कटौती करने के लिए विवश होना पड़ा। इसके अलावा, जबकि क्षति अवधि में जुपिटर का क्षमता उपयोग कम हुआ, एफएस इंडिया का संयंत्र कम उपयोग पर संचालित हुआ।
- xxiii. घरेलू उद्योग को मालसूची के महत्वपूर्ण ढेर का सामना करना पड़ा, जो **50** गुना से अधिक बढ़ गया। इसके अलावा, घरेलू उद्योग के पास अपने उत्पादन के लगभग ******* महीनों और अपनी बिक्री के लगभग ******* महीनों के बराबर मालसूची थी।
- xxiv. जबकि घरेलू उद्योग ने **2020-21** में लाभ कमाया, उसके बाद इसकी लाभप्रदता में गिरावट आई और इसे महत्वपूर्ण क्षति हुई। घरेलू उद्योग के मुनाफे में **275%** की गिरावट आई और इसके नकद मुनाफे में **158%** की गिरावट आई।
- xxv. जांच की अवधि के दौरान, घरेलू उद्योग के व्यावहारिक अपने निवेश पर कोई लाभ नहीं कमाया।
- xxvi. पाटित किए गए आयातों के कारण, घरेलू उद्योग ने कई अनुबंध खो दिए। कई पुष्ट ऑर्डर होने के बावजूद, उपभोक्ताओं ने सस्ते चीनी आयातों के पक्ष में एफएस इंडिया के ऑर्डर रद्द कर दिए या कम कर दिए।
- xxvii. चूँकि एफएस इंडिया अपनी कीमतें कम करने के बावजूद केवल सीमित ऑर्डर ही निष्पादित कर पाई, इसलिए उत्पादक को मालसूची के संचय का सामना करना पड़ा।
- xxviii. हालाँकि एफएस इंडिया अपने संचालन के पहले वर्ष में इष्टतम क्षमता और लक्षित उत्पादन मात्रा प्राप्त करने में सक्षम रही, लेकिन इसकी बिक्री मात्रा इसकी अनुमानित बिक्री से काफी कम रही। इसके

- अलावा, जबकि उत्पादक ने अपनी लागत से 28% अधिक पर बिक्री का अनुमान लगाया था, पाटित किए गए आयातों की उपस्थिति के कारण इसे अपनी लागत से 41% कम पर बेचने के लिए विवश होना पड़ा।
- xxix. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के तर्क के विपरीत, एफएस इंडिया का घाटा उच्च मूल्यहास या ब्याज लागत के कारण नहीं था क्योंकि कंपनी ने अपने अनुमानों और प्रत्याशित घाटे में स्टार्ट-अप लागत को शामिल किया था। हालाँकि, पाटित किए गए आयातों के कारण इसकी वास्तविक क्षति अनुमान से 69% अधिक था।
- xxx. जुपिटर कुछ लाभ अर्जित करने में सक्षम रहा क्योंकि इसकी बिक्री बड़े पैमाने पर संरक्षित डीसीआर बाजार में केंद्रित थी। हालाँकि, अगर जुपिटर ने खुले बाजार में महत्वपूर्ण बिक्री की और उसे चीनी आयातों की कीमत से मेल खाने के लिए विवश होना पड़ा, तो उसे भारी क्षति हुआ होगी।
- xxxi. घरेलू उद्योग ने 2020-21 और 2021-22 में स्वस्थ लाभप्रदता दिखाई, जब पहुँच कीमतें घरेलू उद्योग के कम पैमाने की अर्थव्यवस्था पर काम करने के दावे के विपरीत अधिक थीं।
- xxxii. संबद्ध आयात घरेलू उद्योग को और अधिक क्षति पहुँचाने की धमकी दे रहे हैं।
- xxxiii. संबद्ध आयातों की मात्रा में उल्लेखनीय रूप से उच्च दर से वृद्धि हुई है।
- xxxiv. चीन में उत्पादक भारत को उन कीमतों पर निर्यात कर रहे हैं जो शेष विश्व को निर्यात की कीमतों से कम हैं।
- xxxv. संबद्ध आयात कनाडा, तुर्की और संयुक्त राज्य अमेरिका में पाटनरोधी शुल्क के अधीन हैं। इसके अलावा, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयात किए जाने पर संबद्ध वस्तुओं पर सुरक्षा शुल्क लगाया जाता है। अंत में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने चीन से सोलर सेल के आयात पर मूल सीमा शुल्क बढ़ा दिया है, जो व्यावहारिक रूप से सभी प्रमुख बाजार बंद हैं।
- xxxvi. चीनी उत्पादक अनडम्पड कीमतों पर बिक्री करने में असमर्थ हैं और उन्होंने धोखाधड़ी का सहारा लिया है, जिसके परिणामस्वरूप तुर्की और अमेरिका में धोखाधड़ी-विरोधी जाँच और शुल्कों का विस्तार किया गया है।
- xxxvii. चीन में उत्पादकों के पास पर्याप्त निष्क्रिय क्षमताएँ हैं, जो उनकी घरेलू माँग से कहीं अधिक हैं।
- xxxviii. चीन में उत्पादक अतिरिक्त निष्क्रिय क्षमताओं के बावजूद क्षमता विस्तार भी कर रहे हैं।
- xxxix. चीन के उत्पादकों का भारत में अनुचित व्यापार प्रथाओं में लिप्त होने का इतिहास रहा है, जिससे घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है।
- xl. चीन के निर्यातक निरंतर क्षमता विस्तार और सीमित माँग के मद्देनज़र अपने मालसूची का निपटान करने के लिए अपनी बिक्री लागत से कम कीमतों पर और भारी क्षति उठाकर भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात कर रहे हैं।
- xli. घरेलू उद्योग को क्षति पाटित किए गए आयातों के कारण हुई है और इसमें किसी अन्य ज्ञात कारक का योगदान नहीं है।
- xlii. मलेशिया और वियतनाम से आयात की कीमतें चीनी आयात और घरेलू बिक्री मूल्यों से अधिक थीं और इसलिए इससे घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई।
- xliii. इस दावे के विपरीत कि घरेलू उद्योग के मुनाफे में गिरावट ब्याज और मूल्यहास लागत में वृद्धि के कारण है, घरेलू उद्योग का ईबीआईडीटीए क्षति अवधि के दौरान 57% कम हो गया है।
- xliv. चूँकि प्राधिकारी हमेशा पुराने और मूल्यहास वाले संयंत्रों के मामलों में नगण्य ब्याज या मूल्यहास लागत के समायोजन के बिना वास्तविक लागतों पर विचार करते हैं, इसलिए क्षमता विस्तार या नए संयंत्रों के मामले में इन्हें समायोजित नहीं किया जा सकता है।

- xlv. भौगोलिक स्थिति, कच्चे माल की गुणवत्ता और श्रम कौशल जैसे कारक घरेलू क्षति में अंतर्निहित हैं और क्षति अवधि के दौरान अपरिवर्तित रहे।
- xlvi. घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जाँच उसके अस्तित्व के अनुसार की जानी चाहिए और उद्योग में निहित कारकों को क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है, जैसा कि ईयू-बायोडीजल (अर्जेटीना) में अपीलीय निकाय द्वारा और निप्पोन ज़ियोन कंपनी लिमिटेड बनाम डीए के मामले में माना गया है, और विभिन्न जाँचों में प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किया गया है।
- xlvii. घरेलू उद्योग ने कर्मचारियों की संख्या, वेतन, समग्र उत्पादकता और प्रतिदिन उत्पादकता के आधार पर क्षति का दावा नहीं किया है।
- xlviii. अन्य पक्षकारों के दावे के विपरीत, प्रति कर्मचारी उत्पादकता कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि के अनुपात में नहीं बढ़ सकती क्योंकि अधिक कर्मचारियों को नियुक्त करने पर भी कार्य घंटे या शारीरिक क्षमता अपरिवर्तित रहती है।
- xlix. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह दर्शाने के लिए कोई जानकारी प्रदान नहीं की है कि तकनीकी व्यवधान, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, या उपभोक्ता वरीयता में परिवर्तन से घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।
- I. भले ही 2021-22 में कीमतें रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण उच्च माल दुलाई लागत से बढ़ी हुई थीं, यह 2020-21 में उच्च आयात कीमतों की व्याख्या नहीं करता है।
- ii. क्षति विश्लेषण केवल पिछले वर्ष के संबंध में या तुलनात्मक को ध्यान में रखते हुए नहीं किया जा सकता है। पाकिस्तान-बीओपीपी और ईसी-मलीएबल कास्ट आयरन ट्यूब या पाइप फिटिंग्स (ब्राजील) में डब्ल्यूटीओ पैनल द्वारा निर्धारित केवल अंतिम बिंदुओं का परिणाम।
- iii. अन्य पक्षकारों ने अपने इस दावे के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि गैर-भाग लेने वाले सोलर सेल उत्पादक अत्यधिक लाभ कमा रहे हैं।
- liii. क्षति की जांच केवल परिभाषित घरेलू उद्योग के लिए की जानी चाहिए और घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर के उत्पादकों के बारे में जानकारी अप्रासंगिक है, जैसा कि यूएस-हॉट-रोल्ड स्टील प्रोडक्ट्स (जापान) में डब्ल्यूटीओ अपीलीय निकाय द्वारा और ईसी-बेड लिनन (भारत) में डब्ल्यूटीओ पैनल द्वारा निर्धारित किया गया है।
- liv. क्षति के निष्कर्ष के लिए यह आवश्यक नहीं है कि कानून के तहत सूचीबद्ध सभी कारक क्षति का संकेत दें। बल्कि, एक उद्योग को तब भी क्षति हो सकती है, जब कुछ कारक सुधार दिखाते हैं, जैसा कि पाकिस्तान-बीओपीपी फिल्म (यूई) में डब्ल्यूटीओ पैनल द्वारा और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड बनाम डीए में सीईएसटीएटी द्वारा निर्धारित किया गया है।
- lv. एफएस इंडिया ने उत्पादन तकनीक, विनिर्माण प्रक्रिया, संयंत्र और उपकरणों की स्थापना और संचालन, और जनशक्ति कौशल विकास के संबंध में अपनी मूल कंपनी को रॉयल्टी का भुगतान किया है, जिसे अनुबंध-III के पैरा (vii) (ई) के अनुसार गैर-क्षतिग्रस्त मूल्य के निर्धारण में शामिल किया जाना चाहिए।
- lvi. जबकि अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि गैर-क्षतिग्रस्त मूल्य के निर्धारण के लिए 22% रिटर्न की अनुमति देना उचित नहीं है, उन्होंने वह रिटर्न प्रदान किया है जिसकी अनुमति दी जानी चाहिए। ब्रिज स्टोन टायर मैनुफैक्चरिंग के मामले में यूरोपीय आयोग की प्रथा और सीईएसटीएटी के निर्णय पर निर्भरता को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी को घरेलू उद्योग द्वारा अतीत में अर्जित रिटर्न की अनुमति देनी चाहिए, जब यह पाटन से अप्रभावित था, जो वर्तमान में विचारित से *** गुना अधिक था।

- lvii. जैसा कि तांगशान सान्यो ग्रुप हांगकांग इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड बनाम भारत संघ में ट्रिब्यूनल द्वारा माना गया है, साक्ष्य के अभाव में एक अलग रिटर्न की अनुमति दी जानी चाहिए, 22% रिटर्न उचित है क्योंकि यह दर कई मामलों में प्राधिकारी द्वारा लगातार लागू की गई है।
- lviii. जबकि अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यूरोपीय आयोग की कार्यप्रणाली का उल्लेख किया है, वे इस बात को प्रकट करने में विफल रहे हैं कि आयोग बिना किसी समायोजन के उत्पादन की कुल लागत के आधार पर उचित बिक्री मूल्य निर्धारित करता है, जो प्राधिकारी की कार्यप्रणाली के विपरीत है।

ज.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

94. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और प्रतितर्कों की जांच की है। प्राधिकारी द्वारा नीचे किया गया विश्लेषण हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न निवेदनों पर आधारित है।
95. अपने आवेदन में, घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि संबद्ध आयातों ने एफएस इंडिया सोलर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना में भौतिक मंदता उत्पन्न की है और साथ ही ऐसे आयातों से समग्र रूप से घरेलू उद्योग को भौतिक क्षति हुई है। इस संबंध में, घरेलू उद्योग ने एफएस इंडिया सहित समग्र रूप से घरेलू उद्योग के लिए क्षति सूचना प्रस्तुत की है और अपने अनुमानों की तुलना में एफएस इंडिया की क्षति सूचना अलग से प्रस्तुत की है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग के घटकों को होने वाली क्षति के विभिन्न रूपों के विश्लेषण पर आपत्ति जताई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि एफएस इंडिया स्थापित होने की प्रक्रिया में हो सकता है, सोलर उत्पादों के विनिर्माण का उद्योग भारत में लंबे समय से कार्यरत है और इसलिए, सोलर उद्योग को एक स्थापित उद्योग माना जाता है। यह नोट किया जाता है कि एफएस इंडिया से संबंधित आंकड़ों को घरेलू उद्योग द्वारा भौतिक क्षति के अपने दावों में शामिल किया गया है। तदनुसार, प्राधिकारी ने जांच की है कि क्या पाटित आयातों ने एफएस इंडिया सहित घरेलू उद्योग को भौतिक क्षति पहुँचाई है। तथापि, चूंकि नियमों के अंतर्गत सूचीबद्ध क्षति मापदंड संपूर्ण नहीं हैं और प्राधिकारी क्षति के किसी अन्य मापदंड की जांच कर सकते हैं, जिसकी पहचान घरेलू उद्योग द्वारा की गई है और जिसके लिए प्रासंगिक सूचना प्रदान की गई है, इसलिए प्राधिकारी ने क्षति के ऐसे अन्य मापदंड की जांच की है।
96. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि प्राधिकारी को जुपिटर इंटरनेशनल और एफएस इंडिया को हुई क्षति की अलग-अलग जाँच करनी चाहिए। यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति, यदि कोई हो, तो केवल एफएस इंडिया के कारण हुई है, जिसने क्षति अवधि के पहले तीन वर्षों के दौरान घाटा उठाया है और कोई उत्पादन नहीं किया है, जबकि जुपिटर ने उल्लेखनीय लाभ अर्जित किया है। यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी को घरेलू उद्योग के अलग-अलग घटकों के लिए नहीं बल्कि समग्र रूप से घरेलू उद्योग के लिए क्षति की जाँच करनी आवश्यक है।
97. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि प्राधिकारी को सोलर सेल और सोलर मॉड्यूल या पैनलों के लिए अलग-अलग जाँच करनी चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिन जाँचों में विचाराधीन उत्पाद के दायरे में विभिन्न प्रकार के उत्पाद शामिल होते हैं, वहाँ प्राधिकारी मूल्य कटौती, पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का मूल्यांकन करने के लिए अलग-अलग पीसीएन-वार विश्लेषण करते हैं। वर्तमान जाँच में भी यही किया गया है। जहाँ तक घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संबंध है, यह जाँच विचाराधीन उत्पाद के लिए की जानी आवश्यक है, न कि विचाराधीन उत्पाद के अलग-अलग प्रकारों के लिए।

98. इस अनुरोध के संबंध में कि 2020-21 को आधार वर्ष नहीं माना जाना चाहिए क्योंकि यह कोविड-19 के कारण प्रभावित हुआ था, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का प्रदर्शन वर्ष 2020-21, 2021-22 और 2022-23 की तुलना में खराब हुआ है। जहाँ तक घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संबंध है, अलग आधार वर्ष पर विचार करने से अंतिम निष्कर्ष पर कोई अंतर नहीं पड़ता। जहाँ तक पाटन मार्जिन, क्षति मार्जिन और कीमत कटौती का संबंध है, इनका निर्धारण, किसी भी स्थिति में, जाँच अवधि के आधार पर किया गया है।
99. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उत्पादकों द्वारा किए गए आयातों को क्षति विश्लेषण से बाहर रखा जाना चाहिए, यह नोट किया जाता है कि नियम 11(2) और पाटनरोधी नियमों के अनुबंध II के प्रावधानों के अनुसार, प्राधिकारी को पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जाँच, पाटित आयातों की मात्रा, ऐसे पाटित आयातों के घरेलू कीमतों पर प्रभाव और घरेलू उद्योग पर इसके परिणामी प्रभाव को ध्यान में रखते हुए करनी होती है। नियमों में पाटित आयातों पर विचार करने की आवश्यकता है, चाहे ऐसे आयात किसी उपयोगकर्ता, आयातक या घरेलू उत्पादक द्वारा किए गए हों।
100. इस अनुरोध के संबंध में कि अन्य घरेलू उत्पादकों ने अत्यधिक लाभ अर्जित किया है और क्षति का दावा नहीं किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति विश्लेषण घरेलू उद्योग के लिए किया जाता है। चूंकि आवेदक का कुल घरेलू उत्पादन में बड़ा हिस्सा है, इसलिए वर्तमान जांच में केवल घरेलू उद्योग को हुई क्षति ही प्रासंगिक है। यह भी नोट किया जाता है कि ऐसे अन्य घरेलू उत्पादकों के लाभों के संबंध में कोई सत्यापन योग्य जानकारी प्रदान नहीं की गई है, और देश में सभी अनुप्रयोगों के लिए आयात की अनुमति नहीं है। इस प्रकार, यदि अन्य घरेलू उत्पादकों को गैर-प्रतिस्पर्धी बाजार (जहां आयात की अनुमति नहीं है) में बिक्री के कारण क्षति नहीं हो रही है और यदि घरेलू उद्योग को उस बाजार में क्षति हुई है जहां आयात की अनुमति है, तो इससे कम से कम यह स्थापित होता है कि इन बाजारों में घरेलू उद्योग को हुई क्षति पाटित आयातों के कारण है, जबकि अन्य घरेलू उत्पादकों को "कोई क्षति नहीं" उस बाजार में "पाटन नहीं" होने के कारण है।
101. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग के कुछ आर्थिक मापदंडों में सकारात्मक बदलाव आया है जो क्षति के अभाव को दर्शाता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि डब्ल्यूटीओ समझौते के अनुच्छेद 3.4 के अंतर्गत सूचीबद्ध सभी कारकों की जांच किए जाने की आवश्यकता है, परंतु यह आवश्यक नहीं है कि सूचीबद्ध प्रत्येक कारक क्षति दर्शाए, अथवा किसी एक या कुछ कारकों में सकारात्मक बदलाव घरेलू उद्योग को क्षति के अभाव को दर्शाता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह सुस्थापित कानूनी स्थिति है कि सभी आर्थिक मापदंडों में गिरावट या क्षति दर्शाने की आवश्यकता नहीं है, और कुछ मापदंडों में सुधार का अर्थ यह नहीं है कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। वर्तमान मामले में, जहां विस्तार और क्षमता संवर्धन के कारण घरेलू उद्योग के मात्रा मापदंडों में सुधार हुआ है, वहीं इसके मूल्य मापदंडों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। इसके अतिरिक्त, जब मात्रा मापदंडों में सुधार हुआ है, तब भी घरेलू उद्योग ने मात्रा क्षति का दावा किया है, जैसा कि नीचे प्रासंगिक पैराग्राफ में विस्तार से विश्लेषण किया गया है।

ज.3.1. पाटित किए गए आयातों का मात्रा प्रभाव

क) मांग/प्रत्यक्ष खपत का आकलन

102. वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ, प्राधिकारी ने भारत में उत्पाद की माँग या प्रत्यक्ष खपत को भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से आयात के योग के रूप में परिभाषित किया है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि देश में उत्पाद के एक रूप का आयात हुआ है जिसे अंततः एक अलग रूप में पुनः निर्यात किया जाता है और ऐसे आयात भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते। चूँकि ये आयात विचाराधीन उत्पाद के एक रूप में थे और निर्यात उत्पाद के दूसरे रूप में थे, इसलिए घरेलू उद्योग ने तर्क दिया कि इन्हें माँग के परिमाणीकरण में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे आयातों की अलग से पहचान की गई है। इस प्रकार आकलित माँग नीचे तालिका में दी गई है।

विवरण	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	POI
घरेलू उद्योग की बिक्री	सूचीबद्ध	100	83	107	213
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री (इन उत्पादकों द्वारा आयातित सेलों की बिक्री को छोड़कर)	सूचीबद्ध	100	122	142	175
संबद्ध आयात	एमडब्ल्यू	9,061	32,120	6,492	30,723
अन्य आयात	एमडब्ल्यू	649	804	3,254	9,346
पुनः निर्यात	एमडब्ल्यू	(431)	(1,583)	(53)	(3,135)
कुल मांग					
पुनः निर्यात को छोड़कर	सूचीबद्ध	100	297	110	358
पुनः निर्यात सहित	सूचीबद्ध	100	300	107	372

103. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग क्षति अवधि के दौरान बढ़ी है।

(ख) संबद्ध देशों से आयात मात्रा

104. आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी को यह विचार करना आवश्यक है कि क्या आयातों में, चाहे निरपेक्ष रूप से या भारत में उत्पादन या खपत के सापेक्ष, कोई उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयात की मात्रा नीचे दी गई तालिका के अनुसार है।

विवरण	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	पीओआई
संबद्ध आयात	एमडब्ल्यू	9,061	32,120	6,492	30,723
अन्य आयात	एमडब्ल्यू	649	804	3,254	9,346
पुनः निर्यात	एमडब्ल्यू	(431)	(1,583)	(53)	(3,135)
कुल आयात (पुनर्निर्यात को छोड़कर)	एमडब्ल्यू	9,280	31,341	9,693	36,933
कुल आयात (पुनर्निर्यात सहित)	एमडब्ल्यू	9,710	32,924	9,746	40,069
निम्नलिखित के संबंध में आयातित संबद्ध :					
कुल आयात	%	93%	98%	67%	77%
उत्पादन	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	390	71	61
उपभोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	67	91

105. प्राधिकारी नोट करते हैं कि -

- क. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध आयातों की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2021-22 में, आयात की मात्रा वर्ष 2020-21 के आयात से दोगुनी से भी अधिक थी। वर्ष 2022-23 में आयात की मात्रा में गिरावट आई। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि यह गिरावट इस तथ्य के कारण थी कि संबद्ध वस्तुओं पर मूल सीमा शुल्क में वृद्धि की गई थी। हालांकि, इस अवधि में उच्च सीमा शुल्क के बावजूद, जांच की अवधि के दौरान आयात की मात्रा में वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष की तुलना में, आयात की मात्रा में 373% और 2020-21 की तुलना में 240% की वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि जांच की अवधि में आयात में वृद्धि चीनी उत्पादकों द्वारा कीमतों में भारी कमी और परिणामस्वरूप देश में पाटन के कारण हुई है।
- ख. उत्पादन और खपत के संबंध में आयात की मात्रा में समान प्रवृत्ति रही है। जाँच अवधि के दौरान, आयात की मात्रा घरेलू उद्योग के उत्पादन का %*** थी।
- ग. जांच अवधि में भारतीय खपत के संबंध में संबद्ध आयात भी बहुत अधिक, ***% था।
- घ. यह ध्यान देने योग्य है कि आधार वर्ष के दौरान खपत की तुलना में आयात अधिक थे, और पहले दो वर्षों के दौरान आयात क्रमशः %*** और %*** रहा। 2022-23 में आयात में गिरावट आई। हालाँकि, जाँच अवधि में स्थिति उलट गई है, और खपत की तुलना में आयात में फिर से काफी वृद्धि हुई है।
- ङ. संबद्ध आयात सभी स्रोतों से कुल आयात का 77% था।
106. इस तर्क के संबंध में कि संबद्ध आयातों में मांग में वृद्धि के अनुरूप वृद्धि हुई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि (क) संबद्ध आयातों में भारत में मांग में वृद्धि की दर से अधिक दर से वृद्धि हुई है, (ख) कीमतों में निरंतर और महत्वपूर्ण कमी आई है (जैसा कि नीचे अलग से विश्लेषण किया गया है)।

विवरण	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	पीओआई
संबद्ध आयात	एमडब्ल्यू	9,061	32,120	6,492	30,723
परिवर्तन	%		255%	-80%	373%
माँग	एमडब्ल्यू	***	***	***	***
परिवर्तन	%		197%	-63%	225%

ज.3.2. पाटित किए गए आयातों का कीमत प्रभाव

107. संबद्ध देशों से आयातों के मूल्य प्रभाव के संबंध में, यह विश्लेषण किया जाना आवश्यक है कि क्या कथित आयातों के कारण भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में मूल्य में उल्लेखनीय कमी आई है, या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों में कमी लाने या मूल्य वृद्धि को रोकने के लिए है, जो अन्यथा सामान्यतः होती। संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच मूल्य में कमी, मूल्य ह्रास और मूल्य ह्रास, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है।

क. कीमत कटौती

108. कीमत कटौती विश्लेषण के प्रयोजनार्थ, घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य की तुलना संबद्ध देशों से आयातों के पहुँच मूल्य से की गई है। इस संबंध में, उत्पाद के पहुँच मूल्य और घरेलू उद्योग के औसत विक्रय मूल्य के बीच, सभी छूटों और

करों को घटाकर, समान व्यापार स्तर पर तुलना की गई है। निष्पक्ष तुलना सुनिश्चित करने के लिए, प्राधिकारी ने पीसीएन-वार मूल्य कटौती की गणना की है।

विवरण	यूनिट	मोनो- क्रिस्टलाइन सेल	मल्टी- क्रिस्टलाइन सेल	सोलर मॉड्यूल/ पैनल	पीयूसी
आयात मात्रा	एमडब्ल्यू	12,722	10	17,990	30,722
शुद्ध बिक्री प्राप्ति	रुपए/वॉट	***	***	***	***
पहुँच कीमत	रुपए/वॉट	7.92	8.37	18.56	14.15
कीमत कटौती	रुपए/वॉट	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	रेंज	55-65%	नकारात्मक	नकारात्मक	0-10%

109. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछ पीसीएन के लिए कीमत कटौती सकारात्मक है, जबकि अन्य पीसीएन के लिए कीमत कटौती नकारात्मक है। मोनो-क्रिस्टलाइन सेल के मामले में, कीमत कटौती महत्वपूर्ण रूप से सकारात्मक है। समग्र उत्पाद के लिए कीमत कटौती भी सकारात्मक और महत्वपूर्ण है।
110. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत इस अनुरोध के संबंध में कि कीमत कटौती केवल जाँच अवधि के लिए ही रिपोर्ट की गई है और पिछले वर्षों के लिए प्रदान नहीं की गई है, यह स्पष्ट किया जाता है कि कीमत कटौती की जाँच केवल जाँच अवधि के दौरान ही की जानी आवश्यक है। प्राधिकारी ने मूल्य हास/न्यूनीकरण के विश्लेषण में समग्र रूप से क्षति अवधि के लिए विक्रय मूल्य, विक्रय लागत और पहुँच मूल्य की प्रवृत्तियों का विश्लेषण किया है।

ख. कीमत हास/न्यूनीकरण

111. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयातों से घरेलू कीमतें काफी सीमा तक कम हो रही हैं या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों को काफी हद तक कम करना है या कीमतों में वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा सामान्य स्थिति में होती, प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लागतों और कीमतों में हुए परिवर्तनों की जाँच की है।

विवरण	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	पीओआई
मल्टी-क्रिस्टलाइन सेल्स					
बिक्री की लागत	रुपए /वॉट	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	129	161	133
विक्रय मूल्य	रुपए /वॉट	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	124	81
उतराई मूल्य	रुपए /वॉट	7.32	10.17	12.98	8.37
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	139	177	114
मोनोक्रिस्टलाइन सेल					
बिक्री की लागत	रुपए /वॉट	-	-	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	-	100	49
विक्रय मूल्य	रुपए /वॉट	-	-	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	-	100	87

पहुँच कीमत	रुपए /वॉट	7.98	12.25	14.13	7.92
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	141	153	84
मॉड्यूल / पैनल					
बिक्री की लागत	रुपए /वॉट	-	-	-	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	-	-	100
विक्रय मूल्य	रुपए /वॉट	-	-	-	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	-	-	100
पहुँच कीमत	रुपए /वॉट	17.38	18.00	26.41	18.56
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	152	107

112. यह नोट किया गया है कि मल्टी-क्रिस्टलाइन सेलों के संबंध में, घरेलू उद्योग की बिक्री लागत क्षति अवधि के दौरान बढ़ी है। तथापि, घरेलू उद्योग का विक्रय मूल्य पिछले वर्ष तक लागत के अनुरूप नहीं बढ़ा था और जाँच अवधि के दौरान इसमें उल्लेखनीय गिरावट आई है। ऐसा इस तथ्य के कारण है कि आयातों का पहुँच मूल्य भी कम हुआ और जाँच अवधि के दौरान यह घरेलू उद्योग की लागत से कम था, जिससे उसे आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपनी कीमतें कम करने के लिए विवश होना पड़ा। संबद्ध आयातों ने घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमत कम करने और अपनी लागत से कम कीमतों पर बेचने के लिए विवश किया। इस प्रकार, संबद्ध आयातों ने बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को काफी कम कर दिया है।
113. मोनो-क्रिस्टलाइन सेलों के मामले में, घरेलू उद्योग ने दिसंबर 2022 में उत्पादन शुरू किया। घरेलू उद्योग की क्षमताएँ चालू होने के बाद, आयातों की पहुँच मूल्य में तेज़ी से गिरावट आई और यह घरेलू उद्योग की लागत और विक्रय मूल्य से भी नीचे आ गया। चूँकि घरेलू उद्योग ने दिसंबर 2022 में ही उत्पादन शुरू किया था, इसलिए वर्ष 2022-23 में उत्पादन लागत स्टार्टअप परिचालनों के कारण अधिक थी।
114. मॉड्यूल के संबंध में, घरेलू उद्योग ने अगस्त 2023 में उत्पादन शुरू किया। मॉड्यूल के मामले में भी, जैसे ही घरेलू उद्योग की क्षमताएँ पूरी तरह से चालू हो गईं, आयात की पहुँच कीमत में तेजी से गिरावट आई और यहां तक कि घरेलू उद्योग की लागत से भी नीचे आ गई।
115. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य में क्षति अवधि के दौरान और लागत में वृद्धि की तुलना में कहीं अधिक तीव्र गति से गिरावट आई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि अभिलेखों में उपलब्ध सूचना दर्शाती है कि घरेलू उद्योग, कम कीमत वाले आयातों से उत्पन्न दबाव के कारण, मल्टीक्रिस्टलाइन सेलों के मामले में अपनी लागत में वृद्धि के अनुरूप अपने विक्रय मूल्य में वृद्धि करने में असमर्थ रहा था। मोनोक्रिस्टलाइन सेलों और सोलर मॉड्यूलों के मामले में, बाजार में पाटित आयातों की उपस्थिति के कारण, घरेलू उद्योग का विक्रय मूल्य लागत से कम रहा।
116. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्रस्तुत किया है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण वर्ष 2021-22 और वर्ष 2022-23 में आयात मूल्य में वृद्धि हुई और बाजार की स्थिति सामान्य होने के कारण जांच की अवधि में गिरावट आई, न कि पाटन के कारण। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में भी आयात कीमतों में गिरावट देखी गई है। इसके अलावा, जैसा कि ऊपर बताया गया है, जांच अवधि के भीतर और यहां तक कि जांच अवधि के बाद भी आयात कीमतों में लगातार और तेजी से गिरावट आई है। कीमतों में यह निरंतर गिरावट अनसुलझी रही थी।

सहयोगी उत्पादकों द्वारा दायर प्रतिक्रिया भारत में विचाराधीन उत्पाद की पाटन को दर्शाते हैं। पाटन मार्जिन न केवल सकारात्मक है, बल्कि काफी महत्वपूर्ण भी है। इसलिए, यह कहना कि कीमतों में गिरावट के लिए कोई पाटन नहीं है, उचित नहीं है।

ज.3.3. घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंड

117. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव की वस्तुनिष्ठ जांच शामिल होगी। संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में, नियमावली में आगे ये प्रावधान हैं कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी प्रासंगिक आर्थिक कारकों और सूचकांकों का वस्तुनिष्ठ निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा, जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सेदारी, उत्पादकता, निवेश पर रिटर्न या क्षमता के उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं। तदनुसार, क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन की जांच की गई है।

क) उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा

118. क्षति अवधि के दौरान क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नानुसार था।

विवरण	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	पीओआई
स्थापित क्षमता	एमडब्ल्यू	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	142	803
उत्पादन	एमडब्ल्यू	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	101	556
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	90	71	70
घरेलू बिक्री	एमडब्ल्यू	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	82	107	212
निर्यात बिक्री	एमडब्ल्यू	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	0	0	0	100

119. यह नोट किया जाता है कि -

- क. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की स्थापित क्षमता में वृद्धि हुई है। यह देखा गया है कि उत्पादन क्षमता में वृद्धि (क) एफएस इंडिया द्वारा *** मेगावाट क्षमता की नई उत्पादन सुविधाओं की स्थापना के कारण हुई है, जिन्होंने जांच अवधि के दौरान उत्पादन शुरू कर दिया, (ख) जुपिटर द्वारा क्षमताओं में वृद्धि, जिसने दिसंबर 2022 में उत्पादन शुरू किया। ये जांच अवधि में पूरी तरह से चालू हो गईं।
- ख. स्थापित क्षमता में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की उत्पादन मात्रा और घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है।

ग. देश में महत्वपूर्ण मांग के बावजूद, घरेलू उद्योग की उत्पादन मात्रा और बिक्री की मात्रा में क्षमता में वृद्धि की तुलना में कम दर से वृद्धि हुई है।

घ. उत्पादन और घरेलू बिक्री में वृद्धि के बावजूद, घरेलू उद्योग को काफी कम उपयोग की गई क्षमताओं का सामना करना पड़ा और यह ***% उपयोग पर काम कर रहा था।

ङ. जबकि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में 456% की वृद्धि हुई, घरेलू बिक्री में केवल 112% की वृद्धि हुई। यदि निर्यात बिक्री को भी जोड़ दिया जाए, तो भी बिक्री में वृद्धि उत्पादन में वृद्धि से काफी कम थी। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के पास स्टॉक का भारी संचय हो गया, जिसकी आगे जाँच की गई है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने दलील दी कि उसे निर्यात करने के लिए केवल इसलिए विवश होना पड़ा क्योंकि चीन द्वारा उत्पाद की पाटन के कारण देश में उसके उत्पाद की माँग नहीं थी।

ख) बाजार हिस्सेदारी

120. आयात और घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा नीचे दी गई तालिका में दिया गया है।

विवरण	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	पीओआई
संबद्ध गत आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	119	68	91
अन्य आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	42	473	388
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	28	97	59
अन्य भारतीय उत्पादक	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	41	128	49

121. यह देखा गया है कि संबद्ध आयातों का बाजार हिस्सा वर्ष 2022-23 में घट गया। तथापि, जांच अवधि में संबद्ध आयातों का बाजार हिस्सा एक बार फिर बढ़ गया। जांच अवधि के दौरान, संबद्ध आयातों ने बाजार के दो-तिहाई से अधिक हिस्से पर कब्जा कर लिया। इसके विपरीत, घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा केवल ***% के आसपास था। इसके अलावा, जांच अवधि के दौरान अन्य भारतीय उत्पादकों का बाजार हिस्सा भी मात्र ***% था। यह घरेलू उद्योग द्वारा स्थापित महत्वपूर्ण नई क्षमताओं के बावजूद था। पाटन के अभाव में घरेलू उद्योग बहुत अधिक बाजार हिस्सा हासिल कर सकता था। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि पाटन आयातों का कुछ बाजार हिस्सा निर्यात आदेशों के विरुद्ध आयात के कारण है और इन आयातों से किसी भी स्थिति में घरेलू उद्योग को मात्रा क्षति नहीं हुई है।

ग) मालसूची

122. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची स्थिति नीचे दी गई तालिका में दी गई है।

विवरण	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	पीओआई
प्रारंभिक मालसूची	एमडब्ल्यू	***	***	***	***
अंतिम मालसूची	एमडब्ल्यू	***	***	***	***
औसत मालसूची	एमडब्ल्यू	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	361	490	6,807
मूल्य के संदर्भ में अंतिम	करोड़ रुपए	***	***	***	***

मालसूची					
---------	--	--	--	--	--

123. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के पास औसत माल-सूची में पर्याप्त वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तुओं को कम कीमतों पर और लागत से भी कम कीमत पर बेचने के बावजूद, माल-सूची के महत्वपूर्ण संचय का सामना करना पड़ रहा है। क्षति अवधि के दौरान, घरेलू उद्योग को माल-सूची में 5,897% की तीव्र वृद्धि का सामना करना पड़ा है। क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की माल-सूची धारण अवधि में भी वृद्धि हुई है। उत्पादन के संबंध में, घरेलू उद्योग की माल-सूची धारण अवधि केवल *** दिनों से बढ़कर *** दिनों तक हो गई है। बिक्री के संबंध में, माल-सूची धारण अवधि केवल *** दिनों से बढ़कर *** दिनों तक हो गई है।

घ) खोए हुए अनुबंध

124. घरेलू उद्योग ने यह भी अनुरोध किया है कि जाँच अवधि के दौरान बाजार में पाटित किए गए आयातों के कारण, उसे ग्राहकों द्वारा पुष्ट बाध्यकारी अनुबंधों के अंतर्गत अपने क्रय दायित्वों को पूरा करने में बड़ी मात्रा में अनिच्छा का अनुभव हुआ। इसके बजाय, ग्राहकों ने बहुत कम कीमतों पर मॉड्यूल खरीदना पसंद किया। अंततः, ग्राहकों द्वारा प्रदर्शन न करने के कारण घरेलू उद्योग को बड़ी मात्रा में अनुबंध समाप्त करने के लिए बाध्य होना पड़ा। इसके अलावा, कुछ अनुबंधों के लिए कीमतें कम करने के बावजूद, घरेलू उद्योग बहुत सीमित मात्रा में बहुत सीमित अनुबंध ही निष्पादित कर पाया। परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग के मालसूची में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

ड) लाभप्रदता, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर रिटर्न

125. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर रिटर्न नीचे दी गई तालिका में दिया गया है।

विवरण	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	POI
बिक्री लागत	रुपए/वॉट	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	129	170	183
शुद्ध बिक्री प्राप्ति	रुपए/वॉट	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	125	119
लाभ	रुपए लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	47	-22	-189
लाभ	रुपए/वॉट	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	57	-21	-84
प्रवृत्ति	रुपए लाख	***	***	***	***
नकद लाभ	सूचीबद्ध	100	55	1	-69
प्रवृत्ति	%	***	***	***	***
निवेश पर रिटर्न	सूचीबद्ध	100	24	5	1

126. यह नोट किया जाता है कि -

- क. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में तीव्र गिरावट देखी गई। घरेलू उद्योग शुरू में लाभ कमा रहा था, लेकिन वर्ष 2022-23 में उसे वित्तीय घाटा होने लगा। जांच अवधि के दौरान ये घाटे और बढ़ गए क्योंकि घरेलू उद्योग ने बाजार में बने रहने के लिए संबद्ध वस्तुओं को अपनी लागत से कम कीमत पर बेचा।
- ख. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में 289% की गिरावट आई। आधार वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग का प्रति यूनिट लाभ 189% कम हुआ।
- ग. घरेलू उद्योग की नकद लाभप्रदता में भी इसी तरह की प्रवृत्ति रही और क्षति अवधि के दौरान इसमें 158% की गिरावट आई। वास्तव में, जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को नकद घाटा हुआ है।
- घ. घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित निवेश पर रिटर्न पर गंभीर प्रभाव पड़ा है और क्षति अवधि के दौरान इसमें गिरावट आई है। जांच अवधि के दौरान, घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित रिटर्न में गिरावट आई और यह लगभग शून्य हो गया।
127. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि वह बाज़ार के एक खंड, अर्थात् डीसीआर बाज़ार में, जहाँ भारतीय उत्पादक पाटित आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहे हैं, लाभकारी कीमतों पर संबद्ध वस्तुएँ बेचने में सक्षम था। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग के एक संयंत्र का मूल्य लगभग पूरी तरह से गिर चुका है, जिससे निवेश पर रिटर्न की असामान्य स्थिति प्रदर्शित होती है। हालाँकि, घरेलू उद्योग ने इस बात पर बल दिया है कि यदि घरेलू उद्योग को संबद्ध आयातों की कीमतों के अनुरूप खुले बाज़ार में उत्पाद की आपूर्ति करने के लिए बाध्य किया जाता, तो उसे और भी अधिक क्षति उठानी पड़ती।

विवरण	यूनिट	डीसीआर बाजार	मुक्त बाज़ार	डीसीआर बाजार	मुक्त बाज़ार
		सोलर सेल		सोलर मॉड्यूल	
बिक्री लागत	रुपए/वॉट	***	***	***	***
बिक्री मूल्य	रुपए/वॉट	***	***	***	***
कर पूर्व लाभ	रुपए/वॉट	***	***	***	***

128. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता उच्च ब्याज लागत और मूल्यहास लागत के कारण घटी है, न कि पाटित आयातों के कारण। यह ध्यान देने योग्य है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की ब्याज और मूल्यहास लागत में वृद्धि हुई है। हालाँकि, यह इस अवधि के दौरान महत्वपूर्ण क्षमता वृद्धि का स्वाभाविक परिणाम है। इसलिए, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लाभों का विश्लेषण, व्यय से ब्याज और मूल्यहास लागतों को निकालने के बाद किया। यह देखा गया है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की ब्याज, कर, मूल्यहास और परिशोधन से पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है, जैसा कि नीचे दी गई तालिका से देखा जा सकता है। यह दर्शाता है कि लाभप्रदता में गिरावट बढ़ी हुई ब्याज लागत या मूल्यहास के कारण नहीं, बल्कि उत्पाद के पाटन के कारण हुई है।

विवरण	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
ईबीआईटीडीए	रुपए/वॉट	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	71	25	42

च) रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

129. प्राधिकारी ने रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता से संबंधित सूचना की जांच की है, जो नीचे दी गई है।

विवरण	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	POI
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	152	482
वेतन और मजदूरी	रुपए लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	122	197	508
प्रतिदिन उत्पादकता	एमडब्ल्यू	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	102	556
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	एमडब्ल्यू	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	67	115

130. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई है, क्योंकि घरेलू उद्योग ने नए संयंत्र स्थापित किए हैं और क्षमता भी बढ़ाई है। इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा भुगतान की जाने वाली मजदूरी में भी वृद्धि हुई है। परिणामस्वरूप, क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है। घरेलू उद्योग ने इन कारणों से क्षति का दावा नहीं किया है।

छ. वृद्धि

131. प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की वृद्धि की जांच की है, जैसा कि नीचे दिया गया है।

विवरण	यूनिट	2020-21	2021-22	2022-23	पीओआई
स्थापित क्षमता	%		1%	41%	464%
उत्पादन	%	-	-9%	12%	448%
घरेलू बिक्री	%	-	-17%	29%	99%
मालसूची	%	-	220%	35%	1,289%
लाभ/हानि	%	-	-53%	-147%	-959%
नकद लाभ	%	-	-45%	-98%	-4993%
नियोजित पूंजी पर रिटर्न	%	-	-76%	-81%	-73%

132. यह देखा गया है कि इस अवधि में घरेलू उद्योग के मात्रा मापदंडों में वृद्धि हुई है क्योंकि दोनों उत्पादकों ने उत्पादन क्षमताएँ स्थापित की हैं। हालाँकि, घरेलू उद्योग के मूल्य मापदंडों में तीव्र गिरावट देखी गई है। क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लाभ, नकद लाभ और निवेश पर रिटर्न में उल्लेखनीय गिरावट आई है। यहां तक कि मात्रा मापदंडों के संबंध में भी, बिक्री में वृद्धि उत्पादन में वृद्धि की तुलना में कम थी; जबकि उत्पादन और बिक्री दोनों में वृद्धि उस स्तर से नीचे थी जिसे घरेलू उद्योग पाटन के अभाव में और नई उत्पादन सुविधाओं के व्यावसायीकरण को ध्यान में रखते हुए प्राप्त कर सकता था।

ज) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

133. यह नोट किया गया है कि आयातों की कीमतें घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम पर निर्धारित की गई थी और उन्होंने महत्वपूर्ण कीमत कटौती की है। जैसा कि ऊपर देखा जा सकता है, संबद्ध देश में निर्यातकों द्वारा कीमतों में लगातार गिरावट हुई है। क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में महत्वपूर्ण गिरावट आई है। अतः, संबद्ध देश से आयातों की पहुंच कीमत ने घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित किया है।

झ) पाटन की मात्रा

134. यह देखा गया है कि भारत में विचाराधीन उत्पाद का महत्वपूर्ण पाटन हुआ है जिसने घरेलू बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को विकृत किया है।

ञ) पूंजी निवेशों को जुटाने की क्षमता

135. पूंजी निवेशों को जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है क्योंकि इसने लाभप्रदता में महत्वपूर्ण गिरावट का सामना किया है। वास्तव में, घरेलू उद्योग ने नकद हानियों का सामना किया है और अपने वर्तमान ऋण दायित्व को चुकाने के लिए भी पर्याप्त लाभ अर्जित नहीं किया है।

ज.3.4 निरंतर क्षति का खतरा

136. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि उसने पाटित आयातों के कारण जांच की प्रस्तावित अवधि के दौरान क्षति का सामना किया है, ऐसे आयात घरेलू उद्योग को तीव्र क्षति का खतरा उत्पन्न कर रहे हैं। इस संबंध में प्राधिकारी ने निम्नानुसार नोट किया है।

क. महत्वपूर्ण कीमत कटौती और कीमतों में महत्वपूर्ण गिरावट

137. संबद्ध आयातों की आयात कीमत में तीव्र गिरावट आई है। जहां, आयातों की पहुंच कीमत में 2022-23 तक वृद्धि हुई है, उसके बाद इसमें गिरावट आई है और जांच की अवधि के दौरान यह निम्नतम स्तर पर थी। जांच की अवधि में आयात कीमत में लगातार गिरावट आई है और यह प्रवृत्ति जांच की अवधि के बाद भी जारी रही है। इस तथ्य के बावजूद कि घरेलू उद्योग बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपनी लागतों से कम पर संबद्ध वस्तुओं की बिक्री कर रहा था, जांच की अवधि के दौरान संबद्ध आयात घरेलू कीमतों में महत्वपूर्ण कटौती कर रहे थे।

ख. आयातों में वृद्धि की दर

138. यह नोट किया गया है कि क्षति अवधि में पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है। जहां 2022-23 में आयातों की मात्रा में गिरावट आई है, ऐसी गिरावट अस्थायी थी। आधार वर्ष की तुलना में पिछले वर्ष की तुलना में आयातों की मात्रा में 240% तक की वृद्धि हुई है।

ग. पीओआई पश्चात अवधि में और अधिक प्रतिकूल स्थिति

139. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि आयातों की मात्रा में जांच की अवधि के बाद की अवधि में वृद्धि होना जारी रहा है। आयातों की मात्रा में ऐसी वृद्धि आयात कीमत में गिरावट के सहित है। पीओआई के पश्चात् की अवधि में संबद्ध वस्तुओं की कीमत में 55% तक की गिरावट आई है।

माह	कीमत (रु./डब्ल्यू)	कीमत (डालर/एमडब्ल्यू)
अप्रैल-24	6.1	72,888
मई-24	4.3	51,380
जून-24	5.3	63,329
जुलाई-24	5.6	66,914
अगस्त-24	6	71,693
सितम्बर-24	5.8	69,303
अक्टूबर-24	5.7	68,108
नवंबर-24	4.3	51,380
दिसम्बर-24	4	47,795
जनवरी-25	5.5	65,719

फरवरी-25	5.7	68,108
मार्च-25	5.3	63,329

घ. संबद्ध देश के निर्यातक हानियों पर निर्यात कर रहे हैं

140. घरेलू उद्योग ने इस बात पर जोर दिया है कि संबद्ध देश में निर्यातक ऐसी कीमतों पर संबद्ध वस्तुओं को पाटित कर रहे हैं जो अपनी स्वयं की लागतों की तुलना में भी निम्न है। समर्थन में, घरेलू उद्योग ने प्रमुख चीनी निर्यातकों की सार्वजनिक रूप से उपलब्ध वित्तीय विवरणों के सारांशों को उपलब्ध कराया है। यह नोट किया गया है कि जहां निर्यातक संबद्ध वस्तुओं की बिक्री के लिए महत्वपूर्ण हानियां अर्जित कर रहे हैं, फिर भी वे निरंतर भारत में संबद्ध वस्तुओं को पाटित कर रहे हैं।

ड. भारत में महत्वपूर्ण क्षमता परिवर्धन और इन निवेशों की आसन्न बीमारी

141. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित पीएलआई योजना के तहत, भारतीय उद्योग ने देश में अतिरिक्त क्षमताओं की स्थापना के उद्देश्य के साथ महत्वपूर्ण निवेश की वचनबद्धता की है। हालांकि, इस समय चीन से संबद्ध वस्तुओं के महत्वपूर्ण पाटन और आगामी क्षमता परिवर्धनों के कारण, ऐसे निवेशों के अव्यवहार्य होने और बीमा हो जाने का खतरा है। इसका भारतीय अर्थव्यवस्था पर विपरीत दूरगामी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

च. अन्य देशों द्वारा व्यापार संबंधी कार्रवाइयां

142. चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं के निर्यात विभिन्न तृतीय देशों में व्यापार उपचार उपायों अथवा कार्यवाहियों के अधीन हैं। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि चूंकि, संबद्ध वस्तुओं के लिए लगभग सभी प्रमुख व्यापार गंतव्यों ने उपाय लागू किए हैं या चीन से आयातों में कार्यवाहियां आरंभ कर दी है, ऐसे बाजार वास्तव में, चीन में निर्यातकों के लिए बन्द हैं। ऐसी स्थिति में, संबद्ध देश में निर्यातकों के अपने निर्यातों को भारत की ओर मोड़ने की संभावना है।

- i. कनाडा - चीन से सोलर पैनल्स के आयातों पर पाटनरोधी और सब्सिडीरोधी शुल्क (मामला संख्या आरआर-2020-001 का आदेश, दिनांक 25 मार्च 2021 में सीआईटीटी का आदेश)
- ii. तुर्की - चीन से सोलर मॉड्यूल के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क (अधिसूचना संख्या 2017/6, दिनांक 1 अप्रैल 2017 और अधिसूचना संख्या 2023/26, दिनांक 15 सितंबर 2023 के अनुसार शुल्क को लगाते हुए वाणिज्य मंत्रालय का आदेश)।
- iii. यूएसए - चीन से सोलर सेल्स और मॉड्यूल के आयातों पर एडीडी (77 एफआर 73018, दिनांक 7 दिसंबर 2012 के अनुसार शुल्क लागू करने वाला वाणिज्य विभाग के आदेश और 84 एफआर 10300, दिनांक 20 मार्च 2019 के अनुसार लगातारी जारी)।
- iv. यूएसए - चीन-II से सोलर सेल्स और मॉड्यूल के आयातों पर एडीडी (8592 दिनांक 18 फरवरी 2015 के अनुसार शुल्क लगाते हुए वाणिज्य मंत्रालय का आदेश और 85 एफआर 56215, दिनांक 11 सितंबर 2020 के अनुसार लगातार जारी)।

143. प्राधिकारी के नोटिस में यह भी लाया गया है कि यूएसए ने भी कुछ विशेष क्रिस्टलीन सिलीकॉन फोटोवोल्टेक सेल्स (चाहे वे आंशिक रूप से या पूर्ण रूप से अन्य उत्पादों में संकलित किए गए हों अथवा नहीं) के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लागू किया है। शुल्कों को 2018 में लागू किया गया था और वे 2022 में और 4 वर्षों की अवधि के लिए जारी किए गए।

छ. चीनी निर्यातों के लिए सीमा शुल्क में वृद्धि

144. चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं के निर्यात भी यूएसए में बढ़े हुए आधारभूत सीमा शुल्क के अधीन हैं। 2018 में यूएसए ने चीनी आयातों पर शुल्क को बढ़ा कर 25% कर दिया। उद्योग को लगातार सुरक्षा प्रदान करने के लिए

सितंबर, 2024 में ऐसे शुल्कों को बढ़ाकर 50% कर दिया गया। इसने चीनी उत्पादकों के लिए बाजार की उपलब्धता को भी प्रभावित किया है।

ज. व्यापार उपचार उपायों की प्रवंचना

145. घरेलू उद्योग ने आगे अनुरोध किया है कि चीन में निर्यातकों ने थाईलैंड, कम्बोडिया, वियतनाम और मलेशिया के जरिए अपने माल को विपथन करने के द्वारा यूएसए और तुर्किए द्वारा लागू व्यापार उपचार उपायों की प्रवंचना करने का आश्रय लिया है। यह इंगित करता है कि संबद्ध देशों में निर्यातक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर संबद्ध वस्तुओं की बिक्री करने में असमर्थ हैं और पाटन का सहारा ले रहे हैं।

- i. यूएसए - चीन से सोलर सेल्स और मॉड्यूल पर पाटनरोधी शुल्क जिसे थाईलैंड, कम्बोडिया, वियतनाम और मलेशिया से आयातों तक विस्तार किया गया है (88 एफआर 57419, दिनांक 23 अगस्त 2023 के अनुसार वाणिज्य विभाग का आदेश)।
- ii. तुर्किए - चीन से सोलर सेल्स और मॉड्यूल पर पाटनरोधी शुल्क जिसे थाईलैंड, वियतनाम, मलेशिया और जॉर्डन से आयातों तक विस्तारित किया गया (अधिसूचना संख्या 2024/9, दिनांक 19 मार्च 2024 के अनुसार वाणिज्य मंत्रालय का आदेश)।

झ. संबद्ध देश में यथेष्ट रूप से मुक्त रूप से विस्तारणीय और निष्क्रिय क्षमताएं

146. घरेलू उद्योग ने यह दर्शाने के लिए सूचना उपलब्ध की है कि चीनी उत्पादकों के पास महत्वपूर्ण निष्क्रिय क्षमताएं हैं। 2023 में, चीनी निर्यातकों के पास स्थापित क्षमता चीनी मांग की तुलना में काफी अधिक थी, जैसा कि नीचे तालिका से देखा जा सकता है। यह देखा गया है कि चीनी उत्पादकों के पास अप्रयुक्त क्षमताएं भारत में मांग के लगभग 576% के समकक्ष हैं।

विवरण	मात्रा (जीडब्ल्यू)
मॉड्यूल उत्पादन के लिए कुल चीनी क्षमता*	861
चीन में कुल माँग#	608.9
माँग से अधिक्य में क्षमताएँ	252.1
कुल भारत में माँग	43.80
भारतीय माँग के संबंध में क्षमताएँ	576%

*स्रोत: <https://www.asiafinancial.com/chinas-solar-sector-seen-facing-years-of-oversupply-low-prices>

#स्रोत: ग्लोबल मार्केट आउटलुक: सोलर पावर 2024-2028 के लिए, सोलर पॉवर, यूरोप द्वारा।

ज. संबद्ध देश में क्षमता विस्तार

147. घरेलू उद्योग ने भी यह दर्शाने के लिए सूचना प्रस्तुत की है कि चीन में कम उपयोग की गई क्षमताओं के अलावा, चीनी उत्पादकों/निर्यातकों ने हाल की अवधि के दौरान अपनी क्षमताओं में और सुधार किया है, जैसाकि नीचे देखा जा सकता है:-

- i. जेए सोलर ने घोषणा की थी कि उनकी मॉड्यूल क्षमता 95 जीडब्ल्यू पहुंच जाएगी। उसी समय, सेल क्षमता के 67% तक ऊपर पहुंचने की संभावना थी, जो 2023 के अंत तक 63.65 जीडब्ल्यू पहुंच गई थी।
- ii. टोंगवेई ने घोषणा की थी कि शुआंगलिउ में इसकी 25 जीडब्ल्यू टीएनसी सुविधा और मीशान में 16 जीडब्ल्यू टीएनसी क्षमता 2024 की प्रथम छमाही में परिचालन योग्य हो जाएगी।
- iii. जिंको सोलर ने घोषणा की थी कि सोलर सेल्स और सोलर मॉड्यूल के लिए इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 2024 के अंत तक क्रमशः 95 जीडब्ल्यू और 130 जीडब्ल्यू पहुंच जाएगी।

iv. लोंगी सोलर ने घोषणा की थी कि उनकी शानक्सी प्रोविन्स चीन में सोलर सेल क्षमता का 50 जीडब्ल्यू और जोड़ेंगे की योजना है।

ट. संबद्ध आयातों के उद्योग की कीमतों को ह्रास अथवा उनमें और कमी करने की संभावना है

148. क्षति अवधि में, संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे थे। परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग को बाजार में अपने उत्पादों की बिक्री करने के लिए अपनी लागतों से कम पर बिक्री करने के लिए विवश होना पड़ा, जिस कारण हानियां हुईं। इस प्रकार, भारतीय बाजार में आयात ऐसी कीमतों पर प्रवेश कर रहे हैं जिनका घरेलू उद्योग की कीमतों पर ह्रासकारी या न्यूनीकरण प्रभाव पड़ने की संभावना है।

ज.3.5 घरेलू उद्योग का काफी निम्न प्रेक्षेपित/लक्षित स्तरों पर निष्पादन

149. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि इसका प्रदर्शन उत्पादन शुरू होने पर प्राप्त किए जाने वाले अनुमानित या लक्षित प्रदर्शन से काफी कम रहा है और यह प्रतिकूल प्रदर्शन पाटित किए गए आयातों की उपस्थिति के कारण है। यह नोट किया गया है कि एफएस इंडिया ने जांच की अवधि के दौरान उत्पादन आरंभ किया। जांच की अवधि के दौरान वास्तविक निष्पादन बनाम प्राप्त किए जाने के लिए लक्षित अनुमानित स्तरों की तुलना को नीचे सारणी से देखा जा सकता है:-

विवरण	इकाई	वास्तविक	अनुमानित	परिवर्तन
क्षमता	एमडब्ल्यू	***	***	0%
उत्पादन	एमडब्ल्यू	***	***	-32%
क्षमता उपयोग	एमडब्ल्यू	***	***	-32%
घरेलू बिक्रियां	एमडब्ल्यू	***	***	-725%
बिक्रियों की लागत	रु./डब्ल्यू	***	***	64%
निवल बिक्री आय	रु./डब्ल्यू	***	***	21%
लाभ	रु./डब्ल्यू	***	***	69%

150. यह नोट किया गया है कि उत्पादक अपनी लक्षित क्षमता और उत्पादन स्तरों तक पहुंचने में सक्षम था। हालांकि, अवधि के दौरान वास्तविक बिक्री मात्रा लक्षित स्तरों की तुलना में काफी कम थी। इसके अलावा, उत्पादक बाजार में निम्न कीमत वाले आयातों के कारण अपनी लागत से कम लागत पर अपने उत्पाद की बिक्री कर रहा था और इस प्रकार लाभों पर बिक्री के विरुद्ध, उत्पादक हानियों पर बिक्री कर रहा था। परिणामस्वरूप जहां उत्पादक प्रारंभिक स्टार्ट-अप परिचालनों के कारण अपने अनुमानों में हानियों में शामिल था, वास्तव में उठाई गई वास्तविक हानियां उल्लेखनीय रूप से उच्च थी।

ज.3.6 क्षति का समग्र आकलन

151. संबद्ध उत्पाद के आयातों की जांच और घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि-

- क. कुल रूप में भारत में घरेलू उद्योग के उत्पादन और खपत, दोनों के संबंध, क्षति अवधि में पाटित आयातों की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
- ख. संबद्ध आयात देश में आयातों के दो-तिहाई हिस्सा के लिए जिम्मेदार हैं।
- ग. सोलर सेल्स और सोलर मॉड्यूल, दोनों की कीमतों में गहरी और निरंतर गिरावट आई है।
- घ. संबद्ध आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को कटौती कर रहे हैं।
- ङ. संबद्ध आयातों की कीमत घरेलू उद्योग की लागतों से भी कम थीं, जिसने घरेलू उद्योग को अपनी लागतों से भी कम कीमतों पर बिक्री के लिए विवश किया। इस प्रकार, संबद्ध आयातों के परिणामस्वरूप कीमत ह्रास और न्यूनीकरण हुआ।

- च. जहां घरेलू उद्योग ने अपनी क्षमताओं में वृद्धि की है, इसे उल्लेखनीय रूप से अप्रयुक्त क्षमताओं का सामना करना पड़ा है।
- छ. इस अवधि में घरेलू उद्योग का उत्पादन और बिक्री मात्रा बढ़ी है। हालांकि, घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा उत्पादन मात्रा से बहुत कम है।
- ज. देश में पाटन के कारण भारतीय उद्योग का बाजार हिस्सा बहुत नगण्य है। नई क्षमताओं का वाणिज्यीकरण किए जाने के पश्चात भी, भारतीय उद्योग का बाजार हिस्सा उन स्तरों से नीचे बना रहा, जहां यह पहुंच सकता था।
- झ. घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि में मालसूची को उल्लेखनीय रूप से वृद्धि होते हुए देखा है।
- ञ. घरेलू उद्योग ने अपनी कीमतों में कमी करने के बावजूद, पाटित आयातों के कारण महत्वपूर्ण अनुबंधों को खोया है।
- ट. घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि में महत्वपूर्ण वित्तीय हानियों और अपनी लाभप्रदता में गहन ह्रास का सामना किया है।
- ठ. घरेलू उद्योग की नकद लाभप्रदता में भी गिरावट आई है। घरेलू उद्योग ने नकद हानियों का सामना किया है।
- ड. जांच की अवधि के दौरान, घरेलू उद्योग ने अपने निवेशों पर लगभग कोई आय अर्जित नहीं की है।
- ढ. घरेलू उद्योग अपने प्रक्षेपित या लक्षित स्तरों तक पहुंचने में अक्षम था और इसका निष्पादन उत्पादन को आरंभ करने के समय प्रेक्षित किए गए की तुलना में काफी निम्न था।
- ण. आयातों में वृद्धि की महत्वपूर्ण दरों, संबद्ध आयातों की कीमतों में लगातार गिरावट, पीओआई- पश्चात् अवधि में विपरीत स्थिति, संबद्ध देश में महत्वपूर्ण निष्क्रिय क्षमताओं, तीसरे देशों द्वारा लागू किए गए उपायों, ऐसी कीमतों पर किए गए आयात जो घरेलू उद्योग की कीमतों पर और अधिक ह्रासात्मक प्रभाव डाल सकते हैं, को ध्यान में रखते हुए, घरेलू उद्योग के लिए पाटित आयात और अधिक क्षति पहुंचाने के लिए खतरा हैं।
- त. भारतीय उद्योग इस समय महत्वपूर्ण क्षमताएँ जोड़ रहा है। इन नई क्षमताओं पर वाणिज्यिक उत्पादन निकट भविष्य में आरंभ हो जाएगा। इन नए निवेशों की व्यवहार्यता को भी गंभीर रूप से खतरा है।

ज.3.7 गैर-आरोपण विश्लेषण

152. घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों की क्षति मात्रा और कीमत प्रभावों की विद्यमानता की जांच करते हुए, प्राधिकारी ने जांच की है कि क्या पाटित आयातों के अलावा, घरेलू उद्योग को किसी अन्य कारक के कारण क्षति हो सकती है, जैसा कि नियमों के तहत सूचीबद्ध किया गया है।

क. तीसरे देशों से आयात की मात्रा और मूल्य

153. यह नोट किया गया है कि संबद्ध देशों के अलावा, थाईलैंड, मलेशिया और वियतनाम से महत्वपूर्ण आयात किए गए हैं। हालांकि, ऐसे आयातों की कीमत घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से अधिक है। अतः घरेलू उद्योग को तीसरे देशों से आयातों के कारण क्षति नहीं हो सकती।

ख. मांग में संकुचन

154. क्षति अवधि में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई है और यह जांच की अवधि के दौरान उच्चतम थी। घरेलू उद्योग ने मांग में संभव संकुचन के कारण क्षति का सामना नहीं किया है।

ग. खपत का पैटर्न

155. विचाराधीन उत्पाद के खपत के पैटर्न में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकता हो।

घ. प्रतिस्पर्धा की स्थितियाँ और व्यापार प्रतिबंधित पद्धतियाँ

156. ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधित पद्धतियाँ या प्रतिस्पर्धा की स्थितियाँ नहीं हैं जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकती हैं।

ड. प्रौद्योगिकी में परिवर्तन

157. संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति का सामना करना पड़े।
158. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग क्षति का सामना कर सकता है क्योंकि यह पुरानी प्रौद्योगिकी पर परिचालन कर रहा है, यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग ने थिन फिल्म टेक्नोलॉजी का प्रयोग करते हुए सोलर माड्यूल्स का उत्पादन करने के लिए जांच की अवधि में नई उत्पादन क्षमताओं को स्थापित किया है, जो देश में अपने प्रकार की प्रथम हैं। घरेलू उद्योग ने मोनो क्रिस्टलाइन सोलर सेल्स का उत्पादन करने के लिए भी क्षमताओं को बढ़ाया है जो अद्यतन पीईआरसी सेल प्रौद्योगिकी है। इस प्रकार, इस संबंध में तर्क स्वीकृति के योग्य नहीं हैं।

च. उत्पादकता

159. क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है। अतः उत्पादकता में गिरावट के कारण क्षति नहीं हो सकती।

छ. घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

160. यहां ऊपर जांच की गई क्षति संबंधी सूचना केवल इसके घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग के निष्पादन से संबंधित है। इसलिए, घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन से संबंधित है। इसलिए, घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन को झेली गई क्षति के कारण नहीं माना जा सकता। हालांकि, यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि में महत्वपूर्ण निर्यात किए हैं। घरेलू उद्योग का तर्क है कि ये निर्यात देश में पाटित आयातों को ध्यान में रखते हुए किए गए थे।

ज. अन्य उत्पादों का निष्पादन

161. उठाई गई क्षति कंपनी के अन्य उत्पादों के निष्पादन के कारण नहीं हो सकती क्योंकि घरेलू उद्योग ने इसे पृथक् माना है और केवल समान वस्तु के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है।

झ. ऊंची ब्याज लागत और मूल्यह्रास

162. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि क्षति ऊंची ब्याज लागत के कारण है और मूल्यह्रास क्षमता विस्तार के कारण है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी नई क्षमता द्वारा ब्याज और मूल्यह्रास के कारण ऊंची लागत वहन करना संभव है। हालांकि, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता ब्याज लागतों, करों, मूल्यह्रास और ऋण मुक्ति में भी क्षति अवधि में गिरावट आई है, जैसाकि यहां ऊपर जांच की गई है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग के लाभप्रदता पैरामीटरों में गिरावट केवल ऐसी स्टार्टअप लागतों के कारण नहीं हो सकती।

ञ. श्रम की कमी

163. यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग को संभवतः कार्यकुशल श्रम की कमी के कारण क्षति का सामना करना पड़ सकता है। तथापि, जैसा कि यहां ऊपर नोट किया गया है, कर्मचारियों की संख्या जिसे घरेलू उद्योग द्वारा नियुक्त किया गया है, में क्षति अवधि में वृद्धि हुई है। अतः श्रम की ऐसी कथित कमी के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

ट. आयातित कच्चे माल और भौगोलिक स्थिति पर निर्भरता

164. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह भी आरोप लगाया गया है कि घरेलू उद्योग को क्षति आयातित कच्चे माल और प्रतिकूल भौगोलिक स्थिति पर उनकी निर्भरता के कारण है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह तथ्य कि घरेलू उद्योग कच्चे माल का आयात कर रहा है और इसकी भौगोलीय स्थिति उद्योग के लिए अंतर्निहित है और अपरिवर्तित बनी रही है। अतः, प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग को निहित कारकों के लिए एक गैर-आरोप्य विश्लेषण आयोजित करने

की जरूरत नहीं है, जैसा कि यूरोपीय संघ –अर्जेटीना से बायो-डीजल पर पाटनरोधी उपायों में अपीलिय निकाय द्वारा निर्णय दिया गया है [डीएस473/एबी/आर]।

ज.3.8 कारणात्मक संबंध को स्थापित करने वाले कारक

165. संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों ने घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाई है जैसाकि निम्नलिखित से स्थापित किया जा सकता है:-

- क. संबद्ध वस्तुओं के पाटन ने सस्ते आयातित उत्पाद के लिए मांग में वृद्धि की है।
- ख. क्षति अवधि में पाटित आयातों की मात्रा में महत्वपूर्ण रूप से वृद्धि हुई है।
- ग. जांच की अवधि में घरेलू उत्पादन के संबंध में आयातों की मात्रा भी बहुत अधिक थी। इसके अलावा, खपत के संबंध में आयात बहुत उच्च थे।
- घ. संबद्ध आयातों की इतनी ऐसी महत्वपूर्ण मात्रा की उपस्थिति के कारण घरेलू उद्योग बाजार में अपने माल की बिक्री करने में असमर्थ था और कुल मांग में इसका बाजार हिस्सा काफी निम्न था।
- ङ. चूंकि घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि में अपनी उत्पादन क्षमताओं का विस्तार किया, इसके उत्पादन और घरेलू बिक्रियों में वृद्धि हुई है। हालाँकि, घरेलू उद्योग अपनी क्षमताओं का पूर्ण उपयोग करने में असमर्थ था और इसके पास उल्लेखनीय कम उपयोग की गई क्षमताएं मौजूद थीं।
- च. चूंकि घरेलू उद्योग बाजार में अपने माल की बिक्री करने में असमर्थ था, इसने मालसूचियों के ढेर का सामना किया है, जो इस अवधि में और बढ़ गया। इसके अलावा, घरेलू उद्योग की मालसूची धारण अवधि *** दिन और *** दिन थी।
- छ. जांच की अवधि के दौरान, संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे थे। परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग पर कम कीमत वाले आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपनी कीमतों से कम कीमत पर अपने माल की बिक्री करने के लिए दबाव था।
- ज. पाटित आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों को अत्यधिक ह्रासित किया है और अनुबंधित आदेशों के संबंध में भी कीमतों में कमी करने के लिए दबा डाला।
- झ. घरेलू कीमतों में कमी के कारण, घरेलू उद्योग ने उल्लेखनीय हानियों का सामना किया है और क्षति की अवधि में इसकी लाभप्रदता में गिरावट आई है।
- ञ. घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि के दौरान नकद हानियों का भी सामना किया है।
- ट. घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि के दौरान अपने निवेश पर कठिनाई से आय अर्जित की है।
- ठ. पाटित आयात घरेलू उद्योग को और अधिक क्षति के लिए खतरा उत्पन्न कर रहे हैं।
- ड. घरेलू उद्योग अपने अनुमानित अथवा लक्षित स्तरों तक पहुंचने में अक्षम था और इसका निष्पादन उत्पादन आरंभ करने के समय पर प्रक्षेपित किए गए निष्पादन की तुलना में काफी निम्न था।

ज.3.9 क्षति मार्जिन का परिमाण

166. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत यथा संशोधित, अनुबंध-III के साथ पठित नियमों में निर्धारित किए गए सिद्धांतों के आधार पर निर्धारित की है। संबद्ध वस्तुओं की क्षतिरहित कीमत को जांच की अवधि के लिए उत्पादन की लागत से संबंधित सत्यापित सूचना/आंकड़ों को अपनाने के द्वारा निर्धारित किया गया है। क्षतिरहित कीमत पर क्षति मार्जिन की संगणना करने के लिए संबद्ध देशों से पहुंच कीमत की तुलना करने के लिए विचार किया गया है। क्षतिरहित कीमत का निर्धारण करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा क्षति अवधि में कच्चे माल के सर्वोत्तम उपयोग, युटिलिटीज और उत्पादन क्षमता पर विचार किया गया है। यह सुनिश्चित किया गया है कि उत्पादन की लागत पर कोई असाधारण अथवा अनावर्ती व्ययों को प्रभारित नहीं किया गया था। क्षति रहित कीमत पर पहुंचने के लिए कर-पूर्व लाभ के रूप में विचाराधीन उत्पाद के लिए औसत नियोजित पूंजी (अर्थात् औसत निवल अचल परिसंपत्तियों सहित औसत कार्यशील पूंजी) पर एक उचित आय (कर पूर्व @22%) को अनुमति प्रदान की गई थी, जैसाकि नियमावली के अनुबंध-III में निर्धारित किया गया है और जिसका अनुसरण किया जा रहा है।

167. सहयोगी निर्यातकों के लिए पहुंच कीमत को निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के आधार पर निर्धारित किया गया है। संबद्ध देशों से सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए, प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पहुंच कीमत को निर्धारित किया है।
168. जहां तक इस आरोप का संबंध है कि नियोजित पूंजी पर 22% आय की स्वीकृति अनुचित है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियोजित पूंजी पर उचित आय के आधार पर घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत को निर्धारित करना प्राधिकारी का सतत अभ्यास रहा है जो कि 22% है, जब तक कि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य एक भिन्न आय पर विचार करने का औचित्य सिद्ध न करें। वर्तमान मामले में, अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस संबंध में कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है कि विचाराधीन उत्पाद के लिए 22% से कम की आय उचित होगी। तदनुसार, प्राधिकारी के स्थापित अभ्यास के अनुसार घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत की 22% आय पर विचार करते हुए परिकलित किया गया है।
169. जहां तक ऐसे अनुरोधों का संबंध है कि एफएस इंडिया द्वारा भुगतान की गई रॉयल्टी को क्षति रहित कीमत के निर्धारण में शामिल किया जाना चाहिए, यह नोट किया जाता है कि एफएस इंडिया ने तकनीकी जानकारी की आपूर्ति के लिए, विनिर्माण प्रक्रिया के विकास, उत्पादन आयोजना और दक्षता विकास के लिए अपनी मूल कंपनी को लाइसेंस फीस के रूप में रॉयल्टी अदा की है। चूंकि, अदा की गई रॉयल्टी उत्पाद के विनिर्माण से संबंधित है, न कि बिक्रियों से, अतः घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत के परिकलन में से अनुमति प्रदान की गई है, जैसा कि नियमों के अनुबंध-III के पैरा (vii)(ड.) के तहत व्यवस्था की गई है।
170. उपरोक्त अनुसार निर्धारित पहुंच कीमत और क्षति रहित कीमत के आधार पर उत्पादकों/निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन को प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया और इसे नीचे तालिका में उपलब्ध कराया गया है:-

क्षति मार्जिन तालिका

क्र.	उत्पादक का नाम	पीसीएन	मात्रा	क्षति रहित कीमत	पहुंच कीमत	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
			एमड ब्ल्यू	(यूएसडा./एमड ब्ल्यू)	(यूएसडा./एमड ब्ल्यू)	(यूएसडा. / एमडब्ल्यू)	(%)	(रेंज)
1	जिंको सोलर (हेर्निंग) कंपनी लिमिटेड	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	नकारात्मक
2	जिंको सोलर (यिवू) कंपनी लिमिटेड	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	नकारात्मक
3	जिंको सोलर (चुझाओ)	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	नकारात्मक

	कंपनी लिमिटेड							
4	जिंको सोलर कंपनी	मोनो सेल	***	***	***	***	***	35-45%
5	लिमिटेड (शानग्राओ) कंपनी, लिमिटेड	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	नकारात्मक
6	जिंको सोलर (चुजियोंग) कंपनी, लिमिटेड	मोनो सेल	***	***	***	***	***	30-40%
7	जिंको सोलर (फेइडोंग) कंपनी, लिमिटेड	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	नकारात्मक
8	शानग्राओ गुआंगजिन जिंको फोटोवोल्टिक मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	0-10%
9	शांगराओ जिंको फोटोवोल्टिक मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	0-10%
10	भारांशित औसत—	मोनो सेल	***	***	***	***	***	30-40%
11	जिंको समूह	मोनो-मॉड्यूल	***	***	***	***	***	नकारात्मक
		वेटेड	***	***	***	***	***	नकारात्मक
12	गुआंगडोंग ऐको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	मोनो सेल	***	***	***	***	***	5-15%
13	तियानजिन ऐको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी	मोनो सेल	***	***	***	***	***	25-35%

	लिमिटेड							
14	झेजियांग ऐको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	मोनो सेल	***	***	***	***	***	20-30%
15	वेटेड एवरेज- ऐको समूह	मोनो सेल	***	***	***	***	***	20-30%
16	ट्रिना सोलर कंपनी लिमिटेड	मोनो- मॉड्यूल	***	***	***	***	***	0-10%
17	यानचेंग ट्रिना सोलर गुओनैंग पीवी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कंपनी लिमिटेड	मोनो- मॉड्यूल	***	***	***	***	***	नकारात्मक
18	ट्रिना सोलर (यानचेंग) न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड	मोनो- मॉड्यूल	***	***	***	***	***	नकारात्मक
19	ट्रिना सोलर (हुआइआन) प्रौद्योगिकी कंपनी लिमिटेड	मोनो- मॉड्यूल	***	***	***	***	***	नकारात्मक
20	ट्रिना सोलर (सुकियान) प्रौद्योगिकी कंपनी लिमिटेड	मोनो- मॉड्यूल	***	***	***	***	***	नकारात्मक
21	भारांशित औसत- त्रिना समूह	मोनो- मॉड्यूल	***	***	***	***	***	नकारात्मक
22	अन्य सहयोगी उत्पादक			***	***	***	***	20-30%
23	असहयोगी उत्पादक			***	***	***	***	25-35%

झ. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

झ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

171. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने भारतीय उद्योग के हित के में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- i. पाटनरोधी शुल्कों को लागू किया जाना व्यापक सार्वजनिक हित में नहीं होगा और बड़ी हुई लागतों के संदर्भ में प्रयोक्ता क्षति पर मुख्य प्रभाव पड़ेगा।
- ii. शुल्कों को लागू किए जाने से सोलर संघटकों और सोलर पॉवर सिस्टम की कीमतों में वृद्धि होगी और यह ग्राहकों को बड़ी संख्या के लिए नवीकरणीय ऊर्जा को पहुंच से बाहर बना देगा। यह ग्राहकों के लिए सोलर उत्पादों को खरीदनक के लिए निरुत्साहित करेगा।
- iii. भारतीय सेल विनिर्माताओं की अकुशलता के बोझ को शुल्क के रूप में सेल की प्रयोक्ता पर नहीं डाला जा सकता जो देश के ऊर्जा संबंधी लक्ष्यों पर विपरीत प्रभाव डालेगा।
- iv. 20-30% की रेंज में शुल्क के अधिरोपण से सेल्स की लागत 12-18% तक बढ़ जाएगी और मॉड्यूल विनिर्माता ऐसी लागत को उपभोक्ताओं से वसूल करने में समर्थ नहीं होंगे।
- v. शुल्कों को लागू किया जाना भारत सरकार के स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रयोग को बढ़ावा देने, कार्बन उत्सर्जन को कम करने और ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्य को कमजोर करेगा।
- vi. शुल्कों को लागू किए जाने से भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा सीमित होगी और यह भारतीय उद्योग को वृद्धि करने और उसमें सुधार करने के लिए उत्साहित नहीं करेगा।
- vii. देश में सोलर सेल्स के लिए मांग-आपूर्ति अंतर है और शुल्कों के बावजूद आयात किया जाना तय है।
- viii. मॉड्यूल विनिर्माता भारत में सेल्स के लिए पर्याप्त क्षमता के अभाव में आयातित सेल्स पर अत्याधिक निर्भर है। यदि सोलर सेल्स का आयात पाटनरोधी शुल्क को लागू करने के कारण अव्यवहार्य हो जाता है तो सोलर सेल्स की मांग में गिरावट आने की संभावना है और सोलर माड्यूल के उत्पादन में गिरावट आने की संभावना है।
- ix. बीआईएस आदेश, एएलएमएम और डीसीआर अनिवार्यताओं के रूप में सोलर उद्योग को उपलब्ध महत्वपूर्ण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शुल्कों का अधिरोपण अनिवार्य नहीं है।
- x. अकेले जुपिटर के हितों की रक्षा करने के लिए पाटनरोधी शुल्क को लागू करने से राष्ट्रीय हित के विपरीत अनुत्पादक होगा।
- xi. पाटनरोधी शुल्क को लागू करने के स्थान पर, एक सेल डीसीआर सेल्स के लिए एक रियायती कीमत निर्धारित की जानी चाहिए जो डीसीआर मॉड्यूल की कीमत को नियंत्रण में रखेगी और बदले में एएलएमएम-2 के कार्यान्वयन में सहायता करेगी।
- xii. सोलर सेल्स के लिए एएलएमएम सूची को अधिसूचित किया गया है और यह 1 जून 2026 से प्रभावी हो जाएगी, जो घरेलू उद्योग को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करेगा।
- xiii. भारत सरकार ने पहले ही विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर सीमा शुल्क को हटा दिया है। कमी के बावजूद, संबद्ध वस्तु पर आयात शुल्क बहुत अधिक है और पाटनरोधी शुल्क को जोड़ा जाना चिन्ताजनक होगा।
- xiv. सोलर माड्यूल के लिए किए गए महत्वपूर्ण निवेश प्रभावित होंगे यदि सेल्स पर पाटनरोधी शुल्क लागू किया जाता है और इसलिए, सोलर सेल्स पर शुल्क के लिए कोई औचित्य नहीं है। इसके अलावा, इसके परिणामस्वरूप माड्यूल की कीमतों में और अन्ततः बिजली की कीमतों में वृद्धि होगी।
- xv. प्राधिकारी को इस मामले में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले एमएनआरई की मांग करनी चाहिए।
- xvi. यह आरोप कि चीन में अत्यधिक क्षमता की स्थिति है, सही नहीं क्योंकि चीन ने उत्पादकों की क्षमता में वृद्धि की है क्योंकि वे अधिक कार्य-कुशल हैं और वे स्वच्छ ऊर्जा की आगामी मांग की प्रत्याशा करते हैं।
- xvii. प्रस्तावित क्षमता, परिवर्धनों और निवेशों के दावे सट्टा हैं, भविष्योन्मुखी हैं और परिचालन अथवा वित्तीय दृष्टि से अभी तक साकार नहीं हुआ है।

झ.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

172. घरेलू उद्योग ने भारतीय उद्योग के हितों के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- i. सार्वजनिक हितों को इनके हितों के संबंध में निर्धारित किया जाना चाहिए (क) समान वस्तु के घरेलू उत्पादक (ख) उत्पाद के घरेलू उपभोक्ता (ग) उत्पादक और उपभोक्ता दोनों उद्योगों में अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम उद्योग, और (घ) सामान्य जनता।
- ii. जहां अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह स्वीकार किया है कि संबद्ध वस्तुओं पर शुल्कों को लागू किया जाना व्यापक सार्वजनिक हित में होगा।
- iii. बिजली की बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए तथा सरकार के संपोषित विकास के एजेंडा को समर्थन देने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू सोलर विनिर्माण उद्योग अत्यधिक महत्वपूर्ण है।
- iv. पंचअमृत कार्यक्रम के तहत 2030 तक 280 जी.डब्ल्यू सोलर ऊर्जा के उत्पादन के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए भारत सरकार के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए एक आत्मनिर्भर सोलर विनिर्माण उद्योग को स्थापित किया जाना अनिवार्य है।
- v. शुल्क को लागू किए जाने का अंतिम उपभोक्ता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि माँड्यूल्स की कीमतें और सोलर टैरिफ एक दूसरे के आगे-पीछे परिवर्तित होती हैं। जहां अगस्त, 2022 के बाद से सोलर माँड्यूल्स की कीमतों में गिरावट आई है, इस अवधि में सोलर टैरिफ में वृद्धि हुई है।
- vi. सोलर उत्पादों के 134 ज्ञात उत्पादक हैं और आगामी नई क्षमताओं के साथ, एक स्वस्थ परस्पर प्रतिस्पर्धा प्रयोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर बाजार तक पहुंच रखने में सक्षम बनाती है।
- vii. इस दावे के विरोध में कि घरेलू उद्योग ने अपनी क्षमताओं का विस्तार करने के लिए काम नहीं किया है, जुपिटर सहित बहुत सी नई विनिर्माण क्षमताएं कार्य-निष्पादन के अग्रिम स्तरों पर हैं।
- viii. शुल्कों को लागू किया जाना भारतीय उद्योग और विदेशी उद्योग यह सुनिश्चित करने के द्वारा एक समान स्तर पर व्यापार के अवसर उपलब्ध कराएगा कि संबद्ध वस्तुएं बाजार में उचित कीमतों पर प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।
- ix. भारत सरकार के "मेक इन इंडिया", "वोकल फॉर लोकल" और "आत्म निर्भर" अभियानों का समर्थन किए जाने और देश में निवेशों की व्यवहार्यता को सुनिश्चित किए जाने की आवश्यकता है।
- x. शुल्कों को लागू किया जाना भारतीय उद्योग को उत्पादन और आपूर्ति को बढ़ाने की अनुमति देगा जिस कारण मूल्यवान विदेशी मुद्रा की बचत होगी।
- xi. डीसीआर बाजार में कीमत को निर्धारित किया जाना अप्रभावी होगा क्योंकि यह बाजार चीनी पाटन के प्रभावों से अछूता है, क्षति को समाप्त करने के लिए, इसके बजाय, खुले बाजार के लिए न्यूनतम कीमत को निर्धारित किया जाना चाहिए।
- xii. भारतीय सोलर उद्योग में तेजी से बढ़ने की क्षमता है और यह तभी हासिल किया जा सकता है जब मौजूदा और नई क्षमताएं और निवेश चीनी पाटन प्रथाओं जैसे किसी भी अनुचित बाहरी कारकों से प्रभावित न हों।
- xiii. जहां मांग-आपूर्ति अंतर की विद्यमानता के परिणाम अनिवार्य आयातों में हो सकते हैं, संबद्ध वस्तुओं को पाटित करना अथवा शुल्कों को लागू न किये जाने के लिए आधार तैयार करना न्याय-संगत नहीं है, जैसाकि जैसा कि नोसिल लिमिटेड बनाम भारत सरकार तथा डीएसएम इंडेमिट्सु लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी मामले में निर्णय दिया गया है।
- xiv. शुल्क को लागू किया जाना केवल जुपिटर को लाभ नहीं पहुंचाएगा बल्कि राष्ट्रीय हित में काम करेगा।
- xv. बढ़े हुए सीमा शुल्क के आधार पर पहुंच कीमत पर विचार करना और कृत्रिम रूप से कम की गई और अनुकूलित उत्पादन लागत पर आधारित गैर-क्षतिकारक कीमत मूल्य पर विचार किया जाना जो घरेलू उद्योग द्वारा व्यावहारिक रूप से अप्राप्य है, शुल्क के लिए अनिवार्य जरूरत की पुष्टि करते हुए यह देखा जाना चाहिए कि निर्धारित किया गया क्षति मार्जिन उल्लेखनीय रूप से सकारात्मक है।

झ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

173. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का प्राथमिक उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के द्वारा घरेलू उद्योग पर थोपी गई क्षति का परिशोधन करना है, जिसके द्वारा भारतीय बाजार में इस प्रकार के खुले और न्याय-संगत प्रतिस्पर्धा के वातावरण को बढ़ावा देना है। यह केवल एक विनियामक उपाय नहीं है बल्कि राष्ट्रीय हित का मामला है। पाटनरोधी उपायों को लागू किया जाना मनमाने ढंग से संबद्ध देशों से आयातों में कटौती करने के लिए तैयार नहीं किया गया है। इसके बजाय, यह समान स्तर पर व्यापार को सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र है। प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों की दृढ़ता भारत में उत्पाद के कीमत स्तर को प्रभावित कर सकती हैं। तथापि, यह नोट करना महत्वपूर्ण होगा कि इन उपायों के लागू होने से भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का सार बना रहेगा। घटती हुई प्रतिस्पर्धा से दूर, पाटनरोधी उपायों को लागू किया जाना पाटन अभ्यासों के जरिए अनुचित लाभों को प्रोदभूत होने से रोकता है। यह उपभोक्ता की संबद्ध वस्तुओं के विस्तृत चयन तक पहुंच की रक्षा करता है। अतः, पाटनरोधी शुल्क एक बाधा नहीं है बल्कि उचित व्यापार अभ्यासों के लिए सुविधा है।
174. प्राधिकारी ने आयातकों, प्रयोक्ताओं और उपभोक्ताओं सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों से उनके मत को आमंत्रित करते हुए जांच शुरुआत अधिसूचना जारी की। उनके परिचालनों पर पाटनरोधी शुल्क के संभव प्रभावों सहित वर्तमान जांच के संबंध में संगत जानकारी उपलब्ध कराने के लिए घरेलू उद्योग, उत्पादकों/निर्यातकों और आयातकों/प्रयोक्ताओं, उपभोक्ताओं सहित विभिन्न स्टेकधारकों को अनुमति प्रदान करने के लिए एक आर्थिक हित प्रश्नावली भी निर्धारित की गई थी।
175. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि शुल्कों को लागू किए जाने से सोलर सेल्स और माड्यूल्स अथवा पैनल की लागतों में वृद्धि होगी जो नवीकरणीय ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि करेगा। तथापि, घरेलू उद्योग ने यह प्रदर्शित किया है कि सोलर सेल्स और माड्यूल्स की कीमतों में कोई संभावित वृद्धि नवीकरणीय ऊर्जा की लागतों को प्रभावित नहीं करेगी। यह नोट किया गया है कि जहां सोलर माड्यूल की कीमतों में क्षति अवधि में तेजी से गिरावट आई है, इस अवधि में बिजली खपत के लिए सोलर उपभोक्ताओं द्वारा भुगतान किए गए टैरिफ में वृद्धि हुई है। अतः, सोलर उत्पादों और बिजली टैरिफ की कीमत एक दूसरे से स्वतंत्र बढ़ती हैं, जो इंगित करता है कि संबद्ध वस्तुओं की कीमतों में कोई संभावित वृद्धि टैरिफ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसके अलावा, यह नोट किया गया है कि बिजली खपत के लिए प्रभारित टैरिफ को विद्युत आपूर्तिकर्ताओं और अप्रत्यक्ष रूप से सरकार द्वारा देश की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों को ध्यान में रखते हुए निर्धारित किया जाता है और वे विभिन्न स्रोतों के जरिए बिजली के उत्पादन के लिए उपगत लागतों पर पूर्ण रूप से निर्भर नहीं हैं।
176. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने आरोप लगाया है कि भारत में मांग-आपूर्ति अंतर के कारण आयात अनिवार्य हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मांग-आपूर्ति अंतर भारत में पाटन के लिए कोई औचित्य नहीं है। चाहे देश में मांग-आपूर्ति अंतर विद्यमान है, यह अनिवार्य है कि उत्पाद उचित कीमत पर उपलब्ध हो। पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण विचाराधीन उत्पाद की उपलब्धता को नहीं बढ़ाएगा बल्कि यह सुनिश्चित करेगा कि वह उचित कीमतों पर उपलब्ध है। वास्तव में, बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा की पुनर्स्थापना निवेश को बढ़ावा देगी जो मांग-आपूर्ति के अंतर को समाप्त करेगा। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि निम्नलिखित नई क्षमताएं या तो आ चुकी हैं या वर्तमान मामले के जांच की अवधि में स्थापित की जा रही हैं:-

कंपनी	दिसंबर 2025 तक अनुमानित क्षमता	जून 2026 तक अनुमानित क्षमता
-------	-----------------------------------	--------------------------------

अवादा	6,000	6,000
अल्पेक्स	-	1,600
एम्मवी	2,500	2,500
पहला सौर	3,400	3,400
जुपिटर	3,000	6,000
मुंद्रा सोलर	4,000	10,000
प्रीमियर एनर्जित	3,600	8,400
रिलायंस	-	10,000
रि-न्यु	2,400	2,400
रि-न्युसिस	3,100	3,100
टाटा पावर	4,400	4,400
वारी	5,400	5,400
वेबसोल	300	300
कुल	38,100	64,600

177. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि जहां पाटनरोधी शुल्क को लागू किया जाना भारत में आयातों को प्रतिबंधित नहीं करता बल्कि यह सुनिश्चित करता है कि वे उचित कीमतों पर बनाए गए हैं, उपलब्ध आयातों का वैकल्पिक स्रोत उपलब्ध है। जांच की अवधि के दौरान, भारत में संबद्ध वस्तुओं के 30% आयात असंबद्ध देशों से किए गए थे। संबद्ध देश से पाटन के कारण अन्य देशों के हिस्से में कमी आई है।
178. आवेदकों ने अनुरोध किया है कि अन्य भारतीय उत्पादकों ने देश में क्षमताओं का विस्तार करने के लिए लगभग 1,00,000 करोड़ रुपये निवेश किए हैं। ऐसे विस्तार भारत सरकार द्वारा घोषित पीएलआई स्कीम के अनुसरण में किए गए हैं। इसके अलावा, भारत में मांग-आपूर्ति अंतर को समाप्त करने के लिए उत्पादन क्षमताओं का विस्तार करने के लिए अन्य निवेश भी किए गए हैं। क्षमताओं का विस्तार करने के लिए जुपिटर इंटरनेशनल ने भी निवेश किया है। तथापि, चूंकि पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत से कम है, बाजार स्थिति मांग-आपूर्ति अंतर को समाप्त करने के लिए किसी निवेश के अनुकूल नहीं है। अतः, भारत में उचित बाजार स्थिति को स्थापित करने के लिए पाटनरोधी शुल्क को लागू किए जाने की जरूरत है।
179. इस आरोप के संबंध में कि पाटनरोधी शुल्क को लागू किए जाने से अकुशल उद्योग को सुरक्षा मिलेगी और इसका भार उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिकॉर्ड पर इस बात का कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं है कि भारतीय उद्योग किसी भी तरह से अक्षम है। विगत वर्षों के दौरान भारतीय उद्योग की लाभप्रदता उच्च थी। इसमें गिरावट आई है क्योंकि घरेलू उद्योग को आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए हानियों पर बिक्री करने के लिए विवश किया गया है।
180. यह तर्क दिया गया है कि शुल्कों के अधिरोपण से बाजार में प्रतिस्पर्धा सीमित हो जाएगी। यह नोट किया गया है कि देश में सोलर सेल्स और सोलर मॉड्यूल्स अथवा पैनल्स के लगभग 134 उत्पादक हैं। इसके अलावा, विभिन्न

नए उत्पादक भी देश में संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने के लिए क्षमताएं स्थापित कर रहे हैं। इस प्रकार, बाजार में पर्याप्त और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है।

181. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग पहले ही एएलएमएम सूची और बीआईएस/गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के जरिए सुरक्षा प्राप्त कर चुका है। यह नोट किया गया है कि एएलएमएम सूची, डीसीआर अनिवार्यताओं और गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों को सरकारी परियोजनाओं और एजेन्सियों को सोलर सेल्स और कॉडयूल्स की आपूर्ति के संबंध में जारी किया गया है। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि ऐसा बाजार पाटन के प्रभावों से पहले ही अछूता है क्योंकि संबद्ध आयातों की इस बाजार में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। हालांकि, एएलएमएम सूची और गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों को जारी किया जाना संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन को सीमित नहीं करेगा और घरेलू उद्योग को राहून प्रदान करेगा।
182. स तर्क के संबंध में कि डीएसआर बाजार में माल की आपूर्ति के लिए एक न्यूनतम आयात कीमत को निर्धारित किया जाना चाहिए, प्राधिकारी ने भी इस बात पर ध्यान दिया है कि उपायों की सिफारिश करते समय इस पर उचित रूप से विचार करेंगे, यदि प्राधिकारी उपायों को लागू किए जाने के लिए पर्याप्त औचित्य पाते हैं।
183. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद का प्रयोग फोटोवोल्टेक एनर्जी का उत्पादन करने के लिए किया जाता है जिसे बिजली परिवर्तित किया जाता है। भारत में ऊर्जा के लिए बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए यह उद्योग देश के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, यह सुनिश्चित किए जाने की आवश्यकता है कि ऐसी बढ़ी हुई मांग को पर्यावरण-अनुकूल स्रोतों के जरिए पूरा किया जाए जो देश के इसके कीमती गैर-नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को खर्च न करे। इसे भारत सरकार द्वारा भी स्वीकृति प्रदान की गई है और इसे पर्यावरण-परिवर्तन को रोकने के लिए पंचामृत अभियान में शामिल किया गया है। यह घोषणा की गई है कि भारत गैर-फोसिल नवीकरणीय स्रोतों के जरिए इसकी 50% ऊर्जा मांग को पूरा करेगा। इसके लिए देश में 500 जी-डब्ल्यू की ऊर्जा क्षमता की जरूरत होगी, जिसमें से 280 जी.डब्ल्यू को सोलर ऊर्जा द्वारा पूरा किए जाने की जरूरत है। इसे ध्यान में रखते हुए, देश के लिए देश में सोलर डिवाइसिस का विनिर्माण करने वाले एक आत्म-निर्भर उद्योग का होना अनिवार्य है जो भारत में ऊर्जा के स्रोत को सुरक्षित करेगा और भारत सरकार के विजन में योगदान देगा।

अ. प्रकटीकरण के बाद की टिप्पणियाँ

184. प्राधिकरण ने केंद्र सरकार को अंतिम सिफारिशें करने के लिए विचाराधीन सभी आवश्यक तथ्यों से युक्त प्रकटीकरण विवरण 21 सितंबर 2025 को सभी हितबद्ध पक्षों को परिचालित किया। प्राधिकरण ने इन अंतिम निष्कर्षों में हितबद्ध पक्षों द्वारा की गई सभी प्रकटीकरण-पश्चात टिप्पणियों की, जहाँ तक प्रासंगिक समझा गया, जाँच की है। कोई भी निवेदन जो केवल पिछले निवेदनों का पुनरुत्पादन था और जिसकी प्राधिकरण द्वारा पर्याप्त रूप से जाँच की गई थी, संक्षिप्तता के लिए दोहराया नहीं गया है।

अ.1 अन्य इच्छुक पक्षों द्वारा प्रस्तुतियाँ

185. प्रकटीकरण विवरण जारी होने के बाद अन्य इच्छुक पक्षों ने निम्नलिखित नए प्रस्तुतियाँ दी हैं:

- i. अंतिम निष्कर्षों में जिन्को सोलर सहित नमूना उत्पादकों के लिए नकारात्मक उतराई मूल्य, निर्यात मूल्य और क्षति मार्जिन की पुष्टि की जानी चाहिए।
- ii. वुहु जीसीएल सिस्टम इंटीग्रेशन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड, हेफेई जीसीएल सिस्टम इंटीग्रेशन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड और जुझाउ झोंगहुई फोटोवोल्टेइक टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड के नाम गायब हैं, जबकि उत्पादकों ने जांच में सहयोग किया था।
- iii. रोन्मा सोलर टेक्नोलॉजी (जिंहुआ) कंपनी लिमिटेड, कैनेडियन सोलर इंटरनेशनल लिमिटेड, सोलरस्पेस न्यू एनर्जी (जुझोउ) कंपनी लिमिटेड, टोंगवेई सोलर (यानचेंग) कंपनी लिमिटेड, और शेन्जेन अहोनी पावर कंपनी लिमिटेड के नामों को सही करने की आवश्यकता है।
- iv. गैर-नमूनाकृत उत्पादकों के लिए क्षति मार्जिन प्रतिनिधिक नहीं है, क्योंकि यह केवल ऐको समूह पर आधारित है, जिसने सौर मॉड्यूल का निर्यात नहीं किया है। गैर-नमूनाकृत सहयोगी उत्पादकों के लिए क्षति मार्जिन की गणना पीसीएन के आधार पर की जानी चाहिए, जैसा कि नमूनाकृत उत्पादकों के लिए किया जाता है। इसलिए, गैर-नमूनाकृत उत्पादकों को भी सौर मॉड्यूल के लिए ऋणात्मक क्षति मार्जिन दिया जाना चाहिए, विशेष रूप से जहाँ गैर-नमूनाकृत उत्पादक केवल मॉड्यूल का निर्यात कर रहे थे।
- v. कोशिकाओं के आधार पर उच्च क्षति मार्जिन लागू करने से गैर-नमूना उत्पादकों को प्रतिस्पर्धात्मक नुकसान होगा, जो मॉड्यूल निर्यात करते हैं, जिससे व्यापार के अवसरों की हानि, प्रतिष्ठा को नुकसान और वित्तीय तनाव होगा।
- vi. भारित औसत क्षति मार्जिन पर विचार करने से उत्पाद-विशिष्ट क्षति निर्धारण सुनिश्चित करने में असफलता मिलती है, जो नियमों के विपरीत है, जिसके अनुसार शुल्क केवल उस सीमा तक ही लगाया जाना चाहिए, जो क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक हो।
- vii. पीसीएन-वार आधार पर डंपिंग मार्जिन और क्षति मार्जिन में से जो भी कम हो, उस पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया जाना चाहिए, जैसा कि सीमलेस पाइप और ट्यूब के मामले में किया जाता है।
- viii. एंटी-डंपिंग समझौते के अनुच्छेद 9.4 के प्रावधानों में नकारात्मक क्षति मार्जिन वाले उत्पादकों को बाहर रखने का प्रावधान नहीं है, तथा यह केवल नकारात्मक डंपिंग मार्जिन से संबंधित है।
- ix. आवश्यक तथ्यों का अपर्याप्त प्रकटीकरण किया गया है, क्योंकि एफएस इंडिया ने जिस महीने उत्पादन शुरू किया था, उसका खुलासा नहीं किया गया है। यह जानकारी यह निर्धारित करने के लिए प्रासंगिक है कि एफएस इंडिया एक अस्थापित उद्योग है, और इसे भौतिक क्षति के आकलन में शामिल नहीं किया जा सकता।
- x. कुल आयात में चयनित विदेशी उत्पादकों की हिस्सेदारी का खुलासा नहीं किया गया है।
- xi. डीसीआर बाजार और खुले बाजार में बिक्री की लागत, बिक्री मूल्य, कर से पहले का लाभ भी अनुक्रमित आधार पर उपलब्ध नहीं कराया गया है।
- xii. कानूनी तौर पर यह शुरुआत गलत है क्योंकि आवेदन पाँच उत्पादकों से प्राप्त हुआ था, जिनमें से केवल दो ही घरेलू उद्योग थे। यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसे अन्य उत्पादकों ने आवेदन क्यों दायर किया, जबकि उन्हें पता था

- कि वे घरेलू उद्योग नहीं हो सकते। इसके अलावा, शेष तीन उत्पादकों के लिए अलग-अलग आँकड़े उपलब्ध नहीं कराए गए, और क्षति मूल्यांकन के लिए उपयोग किए गए डेटाबेस के बारे में भी भ्रम था।
- xiii. टीपी सोलर लिमिटेड सामग्री मंदता के मूल्यांकन के लिए नियम 2(बी) की आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है।
- xiv. नियम 2(ख) के अनुसार, उत्पादक के पास वास्तविक और पर्याप्त उत्पादन होना चाहिए। व्यावसायिक पैमाने पर उत्पादन के अभाव में, केवल उत्पादन शुरू करना ही पर्याप्त नहीं है।
- xv. एफएस इंडिया द्वारा स्वतंत्र तृतीय-पक्ष बिक्री का कोई प्रमाण नहीं है। इसने केवल परियोजना-विशिष्ट गतिविधि के लिए आपूर्ति की है, और यह अपने मूल समूह की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के साथ निजी तौर पर संरेखित है। एफएस इंडिया का लगभग सारा उत्पादन निजी बाजार के लिए है, और इसकी पतली-फिल्म तकनीक को मोनो-पीईआरसी और टॉपकॉन मॉड्यूल के साथ एकीकृत नहीं किया जा सकता है।
- xvi. एफएस इंडिया ने आयातित वस्तुओं के समान कोई वस्तु नहीं बनाई है, क्योंकि यह पतली फिल्म वाले सौर मॉड्यूल का उत्पादन करती है।
- xvii. विदेशी स्वामित्व वहां प्रासंगिक है जहां बाह्य सब्सिडी, जैसे अमेरिकी डॉलर में ऋण, तथा विदेशी रणनीतिक हितों के साथ संरेखण शामिल हो।
- xviii. क्षति का एक वस्तुनिष्ठ विश्लेषण सेल्स और मॉड्यूल्स को अलग-अलग उत्पादों के रूप में अलग कर देगा और क्षति की अनुपस्थिति को दर्शाएगा। यह आवश्यक है क्योंकि जुपिटर ने केवल सेल्स का उत्पादन किया है, जबकि एफएस इंडिया ने केवल मॉड्यूल्स का उत्पादन किया है। हालाँकि, केवल एफएस इंडिया, जो एक स्थापित उत्पादक है, को नुकसान हुआ है, न कि जुपिटर को, जो एक स्थापित उत्पादक है।
- xix. भारित औसत मूल्य कटौती की गणना उचित नहीं है, क्योंकि यह मोनो-सेल्स की सकारात्मक मूल्य कटौती से प्रेरित है। मॉड्यूल्स के लिए मूल्य कटौती ऋणात्मक है। चूँकि घरेलू उद्योग ने मोनो सेल का उत्पादन केवल जाँच अवधि के दौरान ही शुरू किया था, इसलिए यह भारित औसत मूल्य कटौती पूरी तरह से आयात मात्रा से प्रेरित है।
- xx. मल्टी-क्रिस्टलाइन सेलों की कीमत में नकारात्मक कटौती होती है और इनका आयात बहुत सीमित मात्रा में होता है। इसलिए, इन्हें शुल्क के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।
- xxi. उत्पाद पर उच्च मूल सीमा शुल्क लगाए जाने से संबंधित वस्तुओं की मांग में गिरावट आई। इससे पता चलता है कि उच्च शुल्कों ने ग्राहकों को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर रुख करने के लिए मजबूर किया। मांग में इस गिरावट ने घरेलू उद्योग की लाभप्रदता को भी प्रभावित किया।
- xxii. उच्च सीमा शुल्क और एंटी-डंपिंग शुल्क को एक साथ लागू करने से मौजूदा मांग-आपूर्ति का अंतर और बढ़ जाएगा।
- xxiii. किसी भी एंटी-डंपिंग शुल्क की सिफारिश केवल 2 वर्षों के लिए की जानी चाहिए, क्योंकि एफएस इंडिया ने हाल ही में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के लिए संयंत्र स्थापित किया है, और जुपिटर ने भी मॉड्यूल के

- विनिर्माण के लिए एक संयंत्र स्थापित किया है, जिसके लिए कोशिकाओं की कैप्टिव खपत की आवश्यकता होगी।
- xxiv. एफएस इंडिया मुख्य रूप से कैप्टिव परियोजनाओं के लिए संबद्ध वस्तुओं का उपयोग करती है तथा बाजार में इसकी बिक्री सीमित है।
- xxv. परियोजनाओं में डीसीआर सामग्री की आवश्यकता के कारण, निष्पादन में देरी हो रही है क्योंकि डीसीआर सौर कोशिकाओं की उपलब्धता अपर्याप्त है।
- xxvi. बाजार में सौर सेल की कमी है, क्योंकि पीएम सूर्य घर और पीएम-कुसुम जैसे सरकारी कार्यक्रमों की मांग के कारण आपूर्ति का अधिकांश हिस्सा काफी ऊंची कीमतों पर खत्म हो जाता है।
- xxvii. जून 2026 से, डीसीआर बाजार के लिए सौर सेलों के आयात पर प्रभावी रूप से प्रतिबंध लगा दिया जाएगा, जिससे एएलएमएम सूची-II के तहत समग्र आयात निर्भरता में उल्लेखनीय कमी आएगी। एएलएमएम सूची-I के परिणामस्वरूप पहले ही सौर मॉड्यूल के आयात में उल्लेखनीय कमी आई है, और सूची-II के कार्यान्वयन के बाद सेलों पर भी इसी तरह का प्रभाव अपेक्षित है।
- xxviii. वितरण कम्पनियों (डिस्कॉम) द्वारा लगाए गए ऊर्जा शुल्क, तापीय, पवन, सौर और जल विद्युत सहित विभिन्न उत्पादन स्रोतों से लिए जाते हैं; और इस प्रकार, सौर मॉड्यूल या सेलों की गिरती वैश्विक कीमतों के साथ अंतिम उपभोक्ता ऊर्जा शुल्क के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है।
- xxix. हालाँकि निम्मा ने शुरू में इस आवेदन का समर्थन किया था, लेकिन सौर मॉड्यूल निर्माताओं की चिंताओं को सुनने के बाद उसने अपना समर्थन वापस ले लिया। एसोसिएशन वास्तव में शुल्क लगाने का विरोध करती है। इस तथ्य का प्रकटीकरण विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है।
- xxx. सृजौ सेफ्टी न्यू एनर्जी ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड को प्रश्नावली प्राप्त नहीं हुई, इसलिए वह जवाब दाखिल नहीं कर पाई। हालाँकि, चूँकि यह चूक जानबूझकर नहीं की गई थी, और भारत को निर्यात करने की उसकी ठोस व्यावसायिक योजनाएँ हैं, और वह रणनीतिक व्यावसायिक साझेदार बनने के लिए प्रतिबद्ध है। सृजौ का भारत को प्रमुख निर्यात है। इसलिए, उसे सहयोगी माना जाना चाहिए। वैकल्पिक रूप से, उसे भविष्य में एक नया शिपर रिव्यू दाखिल करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

अ.2 घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुतियाँ

186. प्रकटीकरण विवरण जारी होने के बाद घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित नई प्रस्तुतियाँ दी हैं:

- क. संबद्ध आयातों की कीमतों में क्षति अवधि, जांच अवधि तथा जांच की अवधि के बाद की अवधि में तेजी से गिरावट आई है, जिसके कारण संदर्भ मूल्य शुल्क लगाया जाना आवश्यक हो गया है, क्योंकि मूल्यानुसार या निर्धारित शुल्क निरंतर मूल्य गिरावट को पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं कर पाएंगे।

- ख. उत्पाद प्रकारों के बीच महत्वपूर्ण लागत और मूल्य अंतर के कारण, प्रत्येक पीसीएन के लिए अलग-अलग संदर्भ मूल्यों पर विचार किया जाना चाहिए, जैसा कि प्राधिकरण के कई निष्कर्षों में बताया गया है।
- ग. क्षति मार्जिन का निर्धारण केवल हानिकारक आयातों के आधार पर किया जाना चाहिए। यह यूरोपीय समुदायों के पैनेल - ब्राज़ील से आने वाले नम्य ढलवाँ लोहे की ठूब या पाइप फिटिंग पर एंटी-डंपिंग शुल्क, और ट्रिब्यूनल के अवलोकन के अनुरूप है।
- घ. डंप किए गए आयातों से होने वाली क्षति का विश्लेषण समग्र उत्पाद के लिए किया जाना चाहिए, न कि व्यक्तिगत घटकों के लिए, जबकि मूल्य में कटौती का मूल्यांकन पीसीएन-वार आधार पर किया जा सकता है।
- ङ. संयंत्र के पूंजीकरण के बाद, उत्पादन के लिए अचल संपत्तियों पर विचार करने के आधार पर गैर-क्षतिग्रस्त मूल्य की पुनः जाँच की आवश्यकता है। इसके अलावा, शून्य मूल्यांकित आरंभिक कार्यशील पूंजी का उपयोग औसत नियोजित पूंजी के निर्धारण में नहीं किया जाना चाहिए।
- च. स्क्रेप से प्राप्त आय को परिवर्तनीय आय के रूप में समायोजित किया जाना चाहिए, तथा इसे उपभोग किए गए कच्चे माल की लागत के भाग के रूप में नहीं माना जाना चाहिए।

अ.3 प्राधिकरण द्वारा जाँच

- 187. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रकटीकरण-पश्चात प्रस्तुतियों की जाँच की है और नोट किया है कि कई प्रस्तुतियाँ पुनरावृत्तियाँ हैं जिनकी पहले ही उचित रूप से जाँच की जा चुकी है और अंतिम निष्कर्षों के प्रासंगिक अनुच्छेदों में पर्याप्त रूप से संबोधित किया गया है। हितबद्ध पक्षों और घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटीकरण-पश्चात टिप्पणियों/प्रस्तुतियों में पहली बार उठाए गए मुद्दों और पर्याप्त साक्ष्यों से समर्थित तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक माने गए मुद्दों की नीचे जाँच की गई है।
- 188. विदेशी उत्पादकों में से एक के नाम में सुधार के अनुरोध के संबंध में, प्राधिकरण ने इस अधिसूचना के प्रासंगिक भाग में उसे सुधार दिया है।
- 189. हितबद्ध पक्षों ने मांग की है कि मॉड्यूल के लिए गणना किए गए नकारात्मक क्षति मार्जिन को गैर-नमूनाकृत सहकारी उत्पादकों पर भी लागू किया जाना चाहिए। पक्षों ने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया है कि चूंकि मॉड्यूल के गैर-नमूनाकृत उत्पादकों ने प्राधिकरण के समक्ष पूर्ण सहयोग किया है, इसलिए उन पर सेल के लिए निर्धारित उच्च शुल्क दर लागू नहीं की जानी चाहिए। घरेलू उद्योग ने यह भी माना है कि शुल्क लगाने के प्रयोजनार्थ मॉड्यूल और सेल को अलग-अलग माना जाना चाहिए। तथापि, प्राधिकारी का मानना है कि संपूर्ण विचाराधीन उत्पाद के लिए पाटनरोधी शुल्क निर्धारित करना उचित है, न कि अलग-अलग उत्पाद प्रकारों के लिए। इस संबंध में, यह ध्यान देने योग्य है कि सौर मॉड्यूल मूलतः सौर सेल का एक समूह है।
- 190. कुछ हितबद्ध पक्षों ने तर्क दिया है कि नियम गैर-नमूनाकृत उत्पादकों के लिए भारित औसत मार्जिन निर्धारित करने में नकारात्मक क्षति मार्जिन को बाहर करने की अनुमति नहीं देते हैं। पक्षों ने एंटी-डंपिंग समझौते के

अनुच्छेद 9.4 और एंटी-डंपिंग नियमों के नियम 18 के प्रावधानों पर भरोसा किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि अनुच्छेद 9.4 और एंटी-डंपिंग नियमों के नियम 18 के प्रावधानों में प्रावधान है कि गैर-नमूनाकृत उत्पादकों पर लगाया गया शुल्क नमूनाकृत उत्पादकों के लिए भारित औसत डंपिंग मार्जिन से अधिक नहीं होगा। हालांकि, ऐसे प्रावधान उस तरीके को निर्धारित नहीं करते हैं जिससे क्षति मार्जिन को निर्धारित किया जाएगा। क्षति मार्जिन को नियम 4 और नियम 17 के तहत निर्धारित किया जाता है, जिसमें प्राधिकारी को शुल्क की ऐसी मात्रा निर्धारित करने की आवश्यकता होती है, जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करेगी।

191. इस तर्क के संबंध में कि जिस महीने एफएस इंडिया ने उत्पादन शुरू किया उसका खुलासा नहीं किया गया है, यह नोट किया जाता है कि आवेदक द्वारा ऐसी जानकारी गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई थी और इसलिए इसका खुलासा नहीं किया जा सकता है। प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा प्रस्तुत की गई जानकारी का विधिवत सत्यापन किया है और नोट किया है कि जांच की अवधि के दौरान एफएस इंडिया परिचालन में था। हालांकि, किसी भी मामले में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने यह खुलासा किया है कि उद्योग को वर्तमान मामले में स्थापित माना जाएगा। केवल एक और उत्पादक द्वारा उत्पादन शुरू करने का यह अर्थ नहीं होगा कि उद्योग अस्थापित है। अन्य इच्छुक पक्षों द्वारा यह प्रदर्शित करने के लिए कोई जानकारी, साक्ष्य या न्यायशास्त्र प्रदान नहीं किया गया है कि एक व्यक्तिगत उत्पादक द्वारा उत्पादन शुरू करने के कारण उद्योग को स्थापित माना जा सकता है, जब कई वर्षों से कई उत्पादक परिचालन में हैं, और प्राधिकारी ने पहले ऐसे उत्पादकों को स्थापित उद्योग मानते हुए एक एंटी-डंपिंग जांच की है।
192. इसके अलावा, विभिन्न बाजारों में बिक्री की लागत, बिक्री मूल्य और मुनाफे से संबंधित जानकारी भी गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई थी, इसलिए इसका खुलासा नहीं किया जा सकता।
193. यह दावा किया गया है कि जब पाँच में से तीन आवेदकों को बाद में स्वयं आवेदकों द्वारा अपात्र मान लिया गया, तो उन्हें आवेदकों के रूप में शामिल करने के उद्देश्य पर विचार किया जाना आवश्यक है। इस संबंध में, यह ध्यान दिया जाता है कि कानून के तहत ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है जो विषयगत वस्तुओं के घरेलू उत्पादक को एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने के लिए आवेदन दायर करने से रोकता हो। यदि यह निर्धारित किया जाता है कि ऐसा उत्पादक विषयगत वस्तुओं का आयातक है या निर्यातक से संबंधित है, तो मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर उन्हें घरेलू उद्योग की संरचना से बाहर रखा जा सकता है। हालाँकि, यह तथ्य कि किसी उत्पादक ने विषयगत वस्तुओं का आयात किया हो, उन्हें प्राधिकारी से संपर्क करने और डंपिंग के विरुद्ध उपाय की मांग करने से नहीं रोकता है। वर्तमान मामले में, हितबद्ध पक्षों ने यह तर्क नहीं दिया है कि आवेदक, जो विषयगत वस्तुओं के आयात में लगे थे, को घरेलू उद्योग का गठन करने के योग्य माना जाना चाहिए। यह प्रश्न नहीं उठाया गया है कि उन्हें घरेलू उद्योग के दायरे से गलत तरीके से हटा दिया गया है। हितबद्ध पक्षों की चिंता यह है कि उन्हें आवेदक नहीं माना जाना चाहिए। तथापि, इच्छुक पक्षों ने यह नहीं दर्शाया है कि आवेदन बड़ी संख्या में उत्पादकों द्वारा दायर किए जाने के कारण उन्हें कोई नुकसान हुआ है या मामले के गुण-दोष पर कोई प्रभाव पड़ा है।

194. कुछ हितबद्ध पक्षों ने तर्क दिया है कि चूंकि टीपी सोलर लिमिटेड ने जांच की अवधि के बाद उत्पादन शुरू किया था, इसलिए वे भौतिक मंदता के मूल्यांकन के लिए नियम 2(बी) की आवश्यकताओं को पूरा कर सकते थे। इस संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक बार जब प्राधिकारी ने उद्योग को स्थापित मान लिया है, तो किसी व्यक्तिगत उत्पादक को स्थापित उद्योग नहीं माना जा सकता है। हितबद्ध पक्षों ने यह प्रदर्शित करने के लिए कोई साक्ष्य या न्यायशास्त्र प्रस्तुत नहीं किया है कि उद्योग के स्थापित उद्योग होने के संबंध में प्राधिकारी का निष्कर्ष उचित नहीं था। इसके अतिरिक्त, एक स्थापित उद्योग के मामले में, प्राधिकारी केवल उस उत्पादक को हुई क्षति की जांच कर सकते हैं जिसने जांच की अवधि के दौरान वास्तव में समान वस्तु का उत्पादन किया हो। चूंकि टीपी सोलर ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का उत्पादन नहीं किया, इसलिए इसे क्षति विश्लेषण के लिए नहीं माना जा सकता है।
195. इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि वर्तमान मामले में हितबद्ध पक्षों ने अपने तर्कों में चयनात्मक दृष्टिकोण अपनाया है। हितबद्ध पक्षों ने एफएस इंडिया के इस दावे का विरोध किया है कि उनकी स्थापना को भौतिक क्षति हुई है। विरोध इस आधार पर है कि एक ही जाँच में भौतिक क्षति और भौतिक क्षति का अलग-अलग विश्लेषण नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर, हितबद्ध पक्षों ने एफएस इंडिया के लिए अलग विश्लेषण की माँग की है और अब टीपी सोलर को स्थापित उद्योग के रूप में विचार करने की माँग की है। इसके अलावा, यह भी तर्क दिया गया कि सेल और मॉड्यूल के लिए अलग-अलग विश्लेषण किया जाना चाहिए। यह तर्क देने में एक चयनात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है। हालाँकि, प्राधिकारी को क्षति का एक वस्तुनिष्ठ विश्लेषण करना आवश्यक है। इसके मद्देनजर, प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि - (क) संबद्ध वस्तुओं का उद्योग कई वर्षों से स्थापित है, और इस प्रकार, यह कोई नया उद्योग नहीं है; (ख) क्षति विश्लेषण समग्र रूप से घरेलू उद्योग के लिए किया गया है; (ग) क्षति विश्लेषण समग्र रूप से समान वस्तु के लिए किया गया है।
196. कुछ हितबद्ध पक्षों ने आरोप लगाया है कि जांच अवधि के दौरान एफएस इंडिया द्वारा मात्र उत्पादन शुरू करना ही उत्पादक को घरेलू उद्योग के रूप में योग्य बनाने के लिए पर्याप्त नहीं था। इसके अलावा, यह भी आरोप लगाया गया है कि एफएस इंडिया की कोई स्वतंत्र तृतीय-पक्ष बिक्री नहीं थी। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने ऑन-साइट सत्यापन के दौरान एफएस इंडिया के उत्पादन रिकॉर्ड का विधिवत सत्यापन किया है। इसके अलावा, बिक्री चालान और अनुबंधों की जांच की गई और नमूना आधार पर उनका सत्यापन किया गया। रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य कम उत्पादन की कमी या अपर्याप्त बाहरी बिक्री के आरोप की पुष्टि नहीं करते हैं। इसके विपरीत, एफएस इंडिया ***% की सीमा तक अपनी क्षमताओं का उपयोग करने में सक्षम थी। इसके अलावा, इसने यह प्रदर्शित करने के लिए साक्ष्य भी प्रदान किए हैं कि डंप किए गए आयातों के मद्देनजर ग्राहकों द्वारा अनुबंधों को पूरा नहीं करने के कारण इसे बाहरी बिक्री करने से रोका गया था।
197. इस तर्क के संबंध में कि एफएस इंडिया ने पतली फिल्म वाले सौर मॉड्यूल का उत्पादन किया है और आयातित वस्तुओं के समान वस्तु का उत्पादन नहीं किया है, प्राधिकारी द्वारा निष्कर्षों के प्रासंगिक भाग में इस मुद्दे की विस्तार से जांच की गई है। एक समान वस्तु के अभाव में, पतली फिल्म प्रौद्योगिकी का उपयोग करके उत्पादित

सौर मॉड्यूल या पैनल सी-एसआई कोशिकाओं का उपयोग करके उत्पादित सौर मॉड्यूल या पैनलों के समान वस्तु हैं। इस प्रथा को प्राधिकारी द्वारा विचाराधीन उत्पाद से संबंधित पिछली जांचों में भी अपनाया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकरण के पहले के निष्कर्षों को किसी भी उच्च न्यायालय द्वारा चुनौती नहीं दी गई है या रद्द नहीं किया गया है। इच्छुक पक्षों ने ऐसी कोई जानकारी या साक्ष्य प्रदान नहीं किया है जो दर्शाता हो कि वर्तमान जांच में एक अलग दृष्टिकोण लिया जाना आवश्यक है। इसलिए, प्राधिकारी पाते हैं कि पिछले निष्कर्षों में लिए गए दृष्टिकोण से अलग दृष्टिकोण लेने के लिए कोई कारण नहीं बनाया गया है।

198. इस तर्क के संबंध में कि एफएस इंडिया के लिए अमेरिकी डॉलर के ऋणों के रूप में बाह्य सब्सिडी हो सकती है, जो घरेलू उद्योग के रूप में उनकी पात्रता को प्रभावित करती है, यह ध्यान दिया जाता है कि मूल कंपनी के लिए बाह्य सब्सिडी या ऋणों का अस्तित्व, चाहे वह विदेशी ही क्यों न हो, नियम 2(बी) के तहत घरेलू उद्योग के रूप में घरेलू उत्पादक की पात्रता पर कोई प्रभाव नहीं डालता है। किसी भी स्थिति में, उत्पादक को बाह्य सब्सिडी केवल उत्पादन लागत और उत्पादक के लिए गैर-हानिकारक मूल्य को कम करेगी। हालाँकि, यह किसी उत्पादक को घरेलू उद्योग के रूप में गठित होने से नहीं रोक सकता।
199. जहां तक इस तर्क का प्रश्न है कि कोशिकाओं और मॉड्यूलों के लिए चोट का विश्लेषण अलग-अलग किया जाना चाहिए, इसकी ऊपर विस्तार से जांच की जा चुकी है।
200. अन्य हितबद्ध पक्षों ने दावा किया है कि भारित औसत मूल्य कटौती पर विचार करना अनुचित है क्योंकि घरेलू उद्योग ने मोनो सेल का उत्पादन केवल जाँच अवधि के दौरान ही शुरू किया था और सकारात्मक कटौती मोनो सेल की सीमित बिक्री के कारण हो रही है। इस संबंध में, यह ध्यान देने योग्य है कि मूल्य कटौती समग्र रूप से उत्पाद के लिए निर्धारित की गई है। मोनो सेल की घरेलू बिक्री की मात्रा महत्वपूर्ण थी और मल्टी सेल की घरेलू बिक्री की मात्रा से दोगुनी से भी अधिक थी। इसलिए, इस मात्रा को महत्वहीन नहीं माना जा सकता, जैसा कि हितबद्ध पक्षों द्वारा दावा किया गया है।
201. इस तर्क के संबंध में कि उच्च मूल सीमा शुल्क लगाने से मांग में गिरावट आई है, यह ध्यान देने योग्य है कि 2022 में सौर सेल और मॉड्यूल पर आयात शुल्क बढ़ा दिया गया था। इस वृद्धि के परिणामस्वरूप, 2022-23 में उत्पाद की मांग में गिरावट आई। हालाँकि, यह गिरावट अस्थायी थी क्योंकि उच्च शुल्कों के बावजूद, 2023-24 में मांग में फिर से उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इस प्रकार, यह तर्क कि उच्च शुल्कों ने मांग को बाधित किया है, सही नहीं है।
202. यह दावा किया गया है कि एंटी-डंपिंग ड्यूटी की सिफारिश केवल 2 वर्षों के लिए की जानी चाहिए, यह देखते हुए कि एफएस इंडिया ने हाल ही में उत्पादन स्थापित किया है और जुपिटर मॉड्यूल के उत्पादन के लिए संयंत्र स्थापित कर रहा है जिसके लिए कोशिकाओं की कैप्टिव खपत की आवश्यकता होगी। इस संबंध में, यह ध्यान दिया जाता है कि घरेलू उद्योग के अलावा, 5 अन्य उत्पादक समूह हैं जो बाजार में कोशिकाओं का उत्पादन और बिक्री कर रहे हैं। जुपिटर स्वयं भी कोशिकाओं के उत्पादन के लिए अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है। इसके

अतिरिक्त, कई नए उत्पादक भी भारत में कोशिकाओं के लिए उत्पादन क्षमता स्थापित कर रहे हैं। इसी तरह, एफएस इंडिया के अलावा, भारत में सौर मॉड्यूल के कई अन्य उत्पादक भी हैं और अतिरिक्त क्षमताएं भी स्थापित की जा रही हैं। इस प्रकार, शुल्क लगाए जाने की स्थिति में उत्पादों की आपूर्ति पर कोई सीमा नहीं होगी।

203. इस तर्क के संबंध में कि शेष तीन आवेदकों, जो घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं थे, के लिए कोई पृथक डेटा उपलब्ध नहीं कराया गया था, प्राधिकरण ने जांच शुरू होने के चरण में और अपने प्रकटीकरण विवरण में स्पष्ट किया है कि क्षति विश्लेषण एफएस इंडिया और जुपिटर, जो घरेलू उद्योग का हिस्सा हैं, द्वारा प्रस्तुत डेटा के आधार पर किया गया है। अन्य आवेदकों के डेटा पर किसी भी चरण में विचार नहीं किया गया है, और इसलिए, डेटा को अलग करने की कोई आवश्यकता नहीं है।
204. इस तर्क के संबंध में कि एफएस इंडिया द्वारा उत्पादित मॉड्यूल मोनो-पीईआरसी और टॉपकॉन मॉड्यूल के साथ एकीकृत नहीं किए जा सकते, यह ध्यान देने योग्य है कि एफएस इंडिया ने पतली फिल्म वाले मॉड्यूल का उत्पादन किया है जिनका उपयोग डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं द्वारा सीधे किया जाता है। अतः, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए वर्तमान निर्णय लिया गया है।
205. कुछ इच्छुक पक्षों ने आशंका जताई है कि डीसीआर बाजार और सरकारी परियोजनाओं/कार्यक्रमों में आपूर्ति के कारण, सौर सेलों की आपूर्ति में कमी हो सकती है। यह उल्लेखनीय है कि देश में घरेलू उत्पादकों ने देश में सौर सेलों की नई क्षमताएँ बढ़ाने/स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण निवेश किया है। सरकार की पीएलआई योजना के तहत भी महत्वपूर्ण निवेश किए गए हैं।
206. प्राधिकरण ने नोट किया है कि उत्तर भारत मॉड्यूल निर्माता संघ ने शुरू में इस आवेदन का समर्थन किया था और इस संबंध में एक समर्थन पत्र प्रस्तुत किया था। हालाँकि, 31 दिसंबर 2024 के ईमेल और प्रकटीकरण के बाद की टिप्पणियों के माध्यम से, संघ ने स्पष्ट किया है कि उसने अपना समर्थन वापस ले लिया है और शुल्क लगाने का समर्थन नहीं करता है।
207. इस तर्क के संबंध में कि एफएस इंडिया ने बड़े पैमाने पर कैप्टिव परियोजनाओं को आपूर्ति की है और बाजार में इसकी आपूर्ति सीमित है, यह ध्यान देने योग्य है कि प्राधिकरण ने ऑन-साइट सत्यापन के दौरान उत्पादक की बिक्री जानकारी का विधिवत सत्यापन किया है। यह ध्यान देने योग्य है कि उत्पादक ने उद्योगों द्वारा स्थापित कैप्टिव सौर परियोजनाओं के लिए संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति की है, इसने स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों (आईपीपी) को भी संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति की है, जिन्होंने बदले में राज्य विद्युत वितरण कंपनियों को ऊर्जा की आपूर्ति की है जो देश में आम जनता को बिजली की आपूर्ति करती हैं। वास्तव में, कुल बिक्री का दो-तिहाई से अधिक आईपीपी को किया गया है। इस प्रकार, यह तर्क कि एफएस इंडिया केवल कैप्टिव परियोजनाओं को ही आपूर्ति करता है, सही नहीं है।

208. निर्यातकों में से एक, सूज़ौ सेफ्टी न्यू एनर्जी ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड ने कहा है कि वे जवाब दाखिल करने में असमर्थ हैं क्योंकि उन्हें प्रश्नावली प्राप्त नहीं हुई और अब उन्होंने अनुरोध किया है कि उन्हें सहयोगी माना जाए। यह नोट किया गया है कि प्राधिकारी ने अधिसूचना शुरू करने के संबंध में सूचना प्रसारित की थी और सभी ज्ञात निर्यातकों को जांच में भाग लेने का अवसर प्रदान किया था। इसके अलावा, प्राधिकारी ने जांच के संबंध में चीनी दूतावास को भी सूचित किया। इस प्रकार, निर्यातक को जांच में भाग लेने और निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी प्रश्नावली का जवाब प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर मिला। इसके अलावा, जबकि निर्यातक ने अपनी बिक्री के संबंध में कुछ जानकारी प्रस्तुत की है और एक सहयोगी उत्पादक के रूप में व्यवहार करने का अनुरोध किया है, इसने प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रश्नावली का जवाब दाखिल नहीं किया है। इसलिए, निर्यातक को इस तरह के विलंबित चरण में वर्तमान जांच में सहयोगी के रूप में नहीं माना जा सकता है।
209. घरेलू उद्योग ने शुल्क के मानक स्वरूप पर विचार करने का अनुरोध किया है, क्योंकि जाँच अवधि के बाद कीमतों में भारी गिरावट आई है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि विभिन्न उत्पाद प्रकारों के लिए कृपया अलग-अलग मानक निर्धारित किए जाएँ। मामले के तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकरण ने शुल्क के उपयुक्त स्वरूप की सिफारिश की है।
210. घरेलू उद्योग ने यह भी अनुरोध किया है कि क्षति मार्जिन की गणना केवल क्षतिकारी लेनदेन की कीमतों के आधार पर की जानी चाहिए। हालाँकि, प्राधिकारी का मानना है कि यह उचित नहीं है, क्योंकि सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की मांग की जा रही है।
211. घरेलू उद्योग ने क्षति-रहित मूल्य की पुनः जाँच का अनुरोध किया है। प्राधिकारी ने इस पर विचार किया है और पाया है कि क्षति-रहित मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-III के प्रावधानों के आधार पर किया गया है। अतः, क्षति-रहित मूल्य के निर्धारण में कोई परिवर्तन अपेक्षित नहीं है।

ट. निष्कर्ष

212. सभी हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तुतियों तथा उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने तथा रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुंचते हैं:
- विचाराधीन उत्पाद का दायरा सौर सेल या फोटोवोल्टिक सेल है, चाहे वे मॉड्यूल में असेंबल किए गए हों या पैनल में, सी-एसआई या पतली फिल्म तकनीक का उपयोग करके उत्पादित किए गए हों। इसके अलावा, सौर सेल मोनोक्रिस्टलाइन या मल्टीक्रिस्टलाइन हो सकते हैं, और दोनों ही उत्पाद के दायरे में आते हैं।

- ii. उत्पाद के दायरे में निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए सौर सेल और सौर मॉड्यूल या पैनल दोनों शामिल हैं -
- क. सौर सेल का निर्माण सौर मॉड्यूल या पैनल में उपयोग के लिए किया जाता है, इसलिए इनका कोई स्वतंत्र उपयोग नहीं होता।
- ख. सौर कोशिकाओं को सौर मॉड्यूल या पैनल में संयोजित करने के लिए विनिर्माण गतिविधियों के संबंध में महत्वपूर्ण मूल्य संवर्धन की आवश्यकता नहीं होती है।
- ग. सौर सेल और सौर मॉड्यूल या पैनल का अंतिम उपयोग एक ही है, अर्थात् फोटोवोल्टिक ऊर्जा का उत्पादन।
- घ. सौर सेल एक मध्यवर्ती उत्पाद है, जिसे मॉड्यूल उत्पादकों द्वारा भारत में आयात किया जाता है, ताकि उन्हें सौर मॉड्यूल या पैनल में संयोजित किया जा सके, जो अंतिम उत्पाद होता है।
- ड. एक प्रकार के उत्पाद को बाहर करने से दूसरे प्रकार के उत्पाद के आयात में वृद्धि होने की संभावना है।
- iii. घरेलू उद्योग ने टॉपकॉन सेल के बराबर के सौर सेल का उत्पादन और बिक्री की है। इसके अलावा, अन्य भारतीय उत्पादकों ने भी टॉपकॉन सेल का उत्पादन और आपूर्ति बाज़ार में की है। इसलिए, टॉपकॉन सेल को उत्पाद के दायरे से बाहर नहीं रखा जा सकता।
- iv. बैक कॉन्टैक्ट सेल का देश में आयात नहीं किया गया है, तथा ऐसे उत्पाद प्रकार के आयात के अभाव में, उन्हें उत्पाद के दायरे से बाहर नहीं रखा जा सकता है।
- v. घरेलू स्तर पर उत्पादित सी-एसआई सेल आयातित सी-एसआई सेल के बराबर हैं। आयातित सी-एसआई आधारित सौर मॉड्यूल और घरेलू स्तर पर उत्पादित पतली फिल्म मॉड्यूल, कार्यों और अंतिम अनुप्रयोग सहित सभी भौतिक पहलुओं में तुलनीय हैं, और इस प्रकार, समान वस्तु हैं।
- vi. घरेलू उद्योग ने विचाराधीन आयातित उत्पाद के समान वस्तु का उत्पादन किया है।
- vii. घरेलू उद्योग और सभी इच्छुक पक्षों द्वारा प्रस्तुत किए गए सुझावों के आधार पर, उत्पाद के प्रकार (सेल या मॉड्यूल / पैनल) और प्रौद्योगिकी (मोनो / मल्टी या पतली फिल्म) पर आधारित पीसीएन पद्धति को अपनाया गया।
- viii. सौर सेल के छह ज्ञात उत्पादकों में से, चार उत्पादकों ने बड़ी मात्रा में सौर सेल आयात किए हैं और उनका उपयोग सौर मॉड्यूल बनाने में किया है। इसलिए, ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग के रूप में मान्यता नहीं दी जा सकती।
- ix. वेबसोल एनर्जी सिस्टम लिमिटेड एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में स्थित है, और इस प्रकार, पिछली प्रथा के अनुसार, इसे घरेलू उद्योग के रूप में योग्य नहीं माना जा सकता है।
- x. सौर सेल उत्पादक जुपिटर इंटरनेशनल लिमिटेड ने न तो विषयगत वस्तुओं का आयात किया है, न ही वह विषयगत वस्तुओं के किसी निर्यातक या आयातक से संबंधित है, और इस प्रकार, वह घरेलू उद्योग बनने के लिए पात्र है।
- xi. एफएस इंडिया सोलर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड को छोड़कर, सौर मॉड्यूल के सभी ज्ञात उत्पादकों ने या तो सौर मॉड्यूल आयात किए हैं या सौर मॉड्यूल/पैनल में रूपांतरण के लिए सौर सेल आयात किए हैं। ऐसे

- उत्पादकों को घरेलू उद्योग के रूप में योग्य नहीं माना जा सकता। इसके अलावा, ऐसे उत्पादक सेल खरीद रहे हैं और मॉड्यूल के उत्पादन के लिए उनका उपयोग कर रहे हैं। इसलिए, उनके उत्पादन को फिर से भारतीय उत्पादन में शामिल करने से दोहरी गणना हो जाएगी।
- xii. एफएस इंडिया सोलर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, जो पतली फिल्म सौर मॉड्यूल का निर्माता है, ने न तो विषयगत वस्तुओं का आयात किया है, न ही विषयगत वस्तुओं के किसी निर्यातक या आयातक से संबंधित है, और इस प्रकार, घरेलू उद्योग का गठन करने के लिए पात्र है।
- xiii. विषयगत वस्तुओं के लिए कुल पात्र उत्पादन निर्धारित करने हेतु, उन उत्पादकों के उत्पादन को शामिल नहीं किया गया है जो सौर मॉड्यूल में रूपांतरण हेतु सौर सेलों का आयात कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, उन उत्पादकों के उत्पादन को भी शामिल नहीं किया गया है जो सौर सेलों का उपयोग करके सौर मॉड्यूल का उत्पादन कर रहे हैं, जहाँ सौर सेलों के उत्पादन को सेल उत्पादन या सेल आयात में शामिल किया गया है।
- xiv. ज्यूपिटर इंटरनेशनल लिमिटेड और एफएस इंडिया सोलर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड नियम 2(बी) के तहत घरेलू उद्योग हैं और आवेदन नियम 5(3) के अनुसार मानदंडों को पूरा करता है।
- xv. संबद्ध वस्तुओं का भारत को सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यात किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप डंपिंग हुई है। डंपिंग मार्जिन न्यूनतम स्तर से ऊपर और महत्वपूर्ण है।
- xvi. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध आयातों की मात्रा में निरपेक्ष रूप से तथा सापेक्ष रूप से वृद्धि हुई है, तथा ऐसे आयात भारत में होने वाले आयातों का दो-तिहाई हिस्सा हैं।
- xvii. संबद्ध वस्तुओं की कीमतों में तीव्र और निरंतर गिरावट आ रही है। संबद्ध वस्तुओं की कीमतें समग्र उत्पाद स्तर पर घरेलू उद्योग की कीमतों से कम हो रही थीं।
- xviii. घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमतें संबद्ध वस्तुओं की कीमतों के बराबर बनाए रखने के लिए घाटे में बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा।
- xix. घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंडों पर संबद्ध आयातों के प्रभाव के संबंध में, यह देखा गया है कि-
- क. घरेलू उद्योग ने अपनी स्थापित क्षमताओं में वृद्धि की, लेकिन महत्वपूर्ण अप्रयुक्त क्षमताओं के साथ काम करना जारी रखा। घरेलू उद्योग के उत्पादन और घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है।
 - ख. भारतीय उद्योग का बाजार हिस्सा नगण्य था क्योंकि डंप किये गये माल की मांग में लगातार वृद्धि हो रही थी।
 - ग. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के औसत माल-सूची में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।
 - घ. डंप किए गए आयातों की उपस्थिति के कारण, घरेलू उद्योग ने अपनी कीमतें कम करने के बावजूद महत्वपूर्ण अनुबंध खो दिए।
 - ङ. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई तथा उसे घाटा, नकदी हानि हुई तथा निवेश पर नगण्य लाभ प्राप्त हुआ।
 - च. घरेलू उद्योग अपने अनुमानित या लक्षित स्तर तक पहुंचने में असमर्थ रहा तथा इसका वास्तविक प्रदर्शन अनुमान से कम रहा।

- xx. उपर्युक्त पर विचार करते हुए, यह स्पष्ट है कि संबद्ध वस्तुओं से घरेलू उद्योग को भौतिक क्षति हुई है।
- xxi. आयात मात्रा में तीव्र वृद्धि, आयात की कीमत में गिरावट, निर्यातकों के पास उपलब्ध मुक्त रूप से प्रयोज्य क्षमता, संबद्ध देश में आसन्न क्षमता वृद्धि और अन्य देशों द्वारा व्यापार सुधारात्मक उपायों को लागू करने को देखते हुए, संबद्ध आयातों से घरेलू उद्योग को और अधिक क्षति पहुंचने का खतरा है।
- xxii. जांच में ऐसा कोई अन्य कारक सामने नहीं आया है जिससे घरेलू उद्योग को भौतिक क्षति हो सकती हो।
- xxiii. घरेलू उद्योग को क्षति विचाराधीन उत्पाद की डंपिंग के कारण हुई है।
- xxiv. जबकि माँझूल के लिए सहकारी उत्पादकों के लिए क्षति मार्जिन नकारात्मक है, कोशिकाओं के लिए क्षति मार्जिन और गैर-सहकारी उत्पादकों के लिए मार्जिन महत्वपूर्ण है।
- xxv. एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना व्यापक जनहित में है, जैसा कि निम्नलिखित से देखा जा सकता है -
- क. शुल्क लगाने से डाउनस्ट्रीम उपभोक्ताओं पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- ख. यद्यपि वर्तमान में देश में मांग-आपूर्ति का अनुपात विद्यमान है, परंतु मांग-आपूर्ति का यह अंतर डंपिंग का औचित्य नहीं हो सकता।
- ग. भारतीय उद्योग मांग-आपूर्ति के अंतर को पाटने के लिए महत्वपूर्ण क्षमता विस्तार कर रहा है।
- घ. पीएलआई योजना ने उत्पाद के लिए क्षमता विस्तार को भी बढ़ावा दिया है।
- ङ. उपयोगकर्ता संबद्ध देशों, अन्य देशों और भारतीय उद्योग से उचित मूल्य पर संबद्ध वस्तुओं का आयात जारी रख सकते हैं।
- च. शुल्क लगाने से देश में उत्पाद के लिए उचित बाजार स्थिति सुनिश्चित होगी तथा आगामी क्षमता निवेश की व्यवहार्यता सुनिश्चित होगी।
- छ. देश में ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए सौर उद्योग देश के लिए महत्वपूर्ण है।
- ज. यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि बढ़ती ऊर्जा मांग को किसी पर्यावरण अनुकूल नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत के माध्यम से पूरा किया जाए।

ठ. सिफारिशों

213. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जाँच शुरू की गई थी और सभी इच्छुक पक्षों को सूचित किया गया था और उन्हें क्षति, कारणात्मक संबंध और उपायों के प्रभाव के पहलुओं पर जानकारी प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया था। पाटनरोधी नियमों के प्रावधानों के अनुसार जाँच शुरू करने और उसका संचालन करने के बाद, प्राधिकारी का विचार है कि पाटन और क्षति की भरपाई के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक है। तदनुसार, प्राधिकारी संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।
214. अपनाए गए कम शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में से जो भी कम हो, उसके बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। तदनुसार, प्राधिकारी विषयगत देशों में मूलतः उत्पन्न या वहां से निर्यातित विषयगत वस्तुओं के आयात

पर, केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए, नीचे कॉलम 7 में दर्शाए अनुसार वस्तुओं के सीआईएफ मूल्य के प्रतिशत के रूप में, निश्चित प्रतिपाटन शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

शुल्क तालिका

एस. एन.	शीर्षक	विवरण*	उद्गम देश	निर्यात का देश	निर्माता	सीआईएफ के % के रूप में शुल्क
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	85414200 और 85414300	सौर सेल या फोटोवोल्टिक सेल, चाहे वे मॉड्यूल में असेंबल किए गए हों या पैनल में बने हों, सी-एसआई या पतली फिल्म तकनीक का उपयोग करके उत्पादित किए गए हों, जिनमें सौर सेल से बने सौर मॉड्यूल या पैनल शामिल हैं।	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई भी देश,	जिंको ग्रुप**	शून्य
2	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई भी देश	ऐको ग्रुप +	23%
3	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई भी देश	ट्रिना ग्रुप ++	शून्य
4	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई भी देश	नीचे दी गई सूची के अनुसार गैर-नमूनाकृत सहकारी उत्पादक +++	23%
5	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई भी देश	उपरोक्त 1 से 4 के अलावा कोई भी	30%
6	-वही-	-वही-	चीन के अलावा कोई भी अन्य देश	चीन जन.गण.	कोई	30%

* उत्पाद के दायरे में 'मोनोक्रिस्टलाइन' या 'मल्टी-क्रिस्टलाइन' दोनों प्रकार के सौर सेल शामिल हैं।

** निम्नलिखित कंपनियां जिंको समूह का हिस्सा हैं

1. जिंको सोलर (हेनिंग) कंपनी लिमिटेड
2. जिंको सोलर (यिवू) कंपनी लिमिटेड
3. जिंको सोलर (चुज़ौ) कंपनी लिमिटेड
4. जिंको सोलर (शांगराओ) कंपनी लिमिटेड

5. जिको सोलर (चुक्सिओंग) कंपनी लिमिटेड
6. जिको सोलर (फीडोंग) कंपनी लिमिटेड
7. शांगराव गुआंगक्सिन जिको फोटोवोल्टिक मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
8. शांगराव जिको फोटोवोल्टिक मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड

+ निम्नलिखित कंपनियां एको समूह का हिस्सा हैं

1. गुआंगडोंग एको सौर प्रौद्योगिकी कं, लिमिटेड
2. तियानजिन एको सौर प्रौद्योगिकी कं, लिमिटेड
3. झेजियांग एको सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड

++ निम्नलिखित कंपनियां ट्रिना समूह का हिस्सा हैं

1. ट्रिना सोलर कंपनी लिमिटेड
2. यानचेंग ट्रिना सोलर गुओनैंग पीवी विज्ञान और प्रौद्योगिकी कं, लिमिटेड
3. ट्रिना सोलर (यानचेंग) न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड
4. ट्रिना सोलर (हुआइआन) टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
5. ट्रिना सोलर (सुकियान) टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड

+++ गैर-नमूनाकृत सहकारी उत्पादकों की सूची

एस.एन.	समूह	निर्माता का नाम
1	लोंगी ग्रुप	मेसर्स लोंगी सोलर टेक्नोलॉजी (चुझोउ) कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स लोंगी सोलर टेक्नोलॉजी (जियाक्सिंग) कंपनी लिमिटेड
2	जीसीएल समूह	मेसर्स हेफेई जीसीएल सिस्टम इंटीग्रेशन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स वुहु जीसीएल सिस्टम इंटीग्रेशन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
3	सीईसीईपी	मेसर्स सीईसीईपी सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी (झेनजियांग) कंपनी लिमिटेड
4	चिंट समूह	मेसर्स चिंट न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स चिंट न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी (यानचेंग) कंपनी लिमिटेड
5	रोन्मा समूह	मेसर्स रोन्मा सोलर टेक्नोलॉजी (जिंहुआ) कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स शेडोंग रोन्मा सोलर कंपनी लिमिटेड
6	जिताई समूह	मेसर्स चुझोउ जिताई न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स हुआइआन जिताई न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स शांगराओ जिताई न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड

7	जेए सोलर ग्रुप	मेसर्स यिवु जेए सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स हेफ्रेई जेए सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
8	अनहुई शुटेन	मेसर्स अनहुई शुटेन सोलर एनर्जी कंपनी लिमिटेड
9	इकोनेस	मेसर्स इकोनेस एनर्जी कंपनी लिमिटेड
10	एन प्लस	मेसर्स सोलर एन प्लस न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
11	राइजेन ग्रुप	मेसर्स राइज़न एनर्जी (निंगबो) कंपनी लिमिटेड
12	डीएमजीईसी समूह	मेसर्स लियानयुंगंग डीएमईजीसी न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स जियांगसू डीएमईजीसी न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड-
		मेसर्स हेंगडियन ग्रुप डीएमईजीसी मैग्नेटिक्स कंपनी लिमिटेड
13	चाइनालैंड	मेसर्स चाइनालैंड सोलर एनर्जी कंपनी लिमिटेड
14	जॉलीवुड	मेसर्स जौलीवुड (ताइझोउ) सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
15	ज़नशाइन समूह	मेसर्स झेंगक्सिन फोटोइलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजी (सुकियान) कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स ज़नशाइन पीवी-टेक कंपनी लिमिटेड
17	कनाडाई समूह	मेसर्स कैनेडियन सोलर सनएनर्जी (जियाक्सिंग) कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स कैनेडियन सोलर मैनुफैक्चरिंग (चांगशु) इंक.
18	टोंगवेई समूह	मेसर्स टोंगहे न्यू एनर्जी (जिंतांग) कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स टोंगवेई सोलर (चेंगदू) कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स टोंगवेई सोलर (हेफ्रेई) कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स टोंगवेई सोलर (यानचेंग) कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स टोंगवेई सोलर (मीशान) कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स टोंगवेई सोलर (पेंगशान) कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स टोंगवेई सोलर (जिंतांग) कंपनी लिमिटेड
19	सौर अंतरिक्ष समूह	मेसर्स जियांगसू लोंगहेंग न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स सोलरस्पेस न्यू एनर्जी (जुझोउ) कंपनी लिमिटेड,
		मेसर्स सोलरस्पेस टेक्नोलॉजी (सुकियान) कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स सोलरस्पेस टेक्नोलॉजी (जुझोउ) कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स सोलरस्पेस न्यू एनर्जी (जुझोउ) कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स जुझोउ झोंगहुई फोटोवोल्टिक टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स जियांगसू हुआहेंग न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स शंघाई ज़िन्यू सेमीकंडक्टर मटेरियल कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स तियानचांग किंगुआन फोटोवोल्टिक टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स वूशी कैशेंगडा न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स वूशी जियांगहे फोटोवोल्टिक कंपनी लिमिटेड
		मेसर्स यंगज़हौ जियाहुई न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड

ड. आगे की प्रक्रिया

215. इन अंतिम निष्कर्षों में निर्दिष्ट प्राधिकारी के निर्धारण के विरुद्ध अपील अधिनियम/नियमों के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

सिद्धार्थ महाजन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(DEPARTMENT OF COMMERCE)****(Directorate General of Trade Remedies)****NOTIFICATION****FINAL FINDINGS**

New Delhi, the 29th September, 2025

CASE NO. AD (OI) – 24/2024

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of ‘Solar Cells whether or not assembled in Modules or made up into Panels’ originating in or exported from China PR.

A. BACKGROUND OF THE CASE**F. No. 6/26/2024-DGTR.-----**

1. FS India Solar Ventures Private Ltd., Jupiter International Ltd., RenewSys India Private Ltd., Tata Power Solar System Ltd. and TP Solar Ltd. filed an application, before the Designated Authority (hereinafter referred to as the “Authority”) in accordance with Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred as the “Act”) and the Customs Tariff (Identification, Assessment, and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter referred to as the “Rules” or “Anti-Dumping Rules”) for initiation of anti-dumping investigation concerning imports of Solar Cells whether or not assembled in Modules or made up into Panels (hereinafter referred to as the “product under consideration” or the “subject goods”) from China PR (hereinafter also referred to as the “subject country”).
2. And whereas, in view of the duly substantiated application filed, the Authority issued a public notice vide Notification No. 6/26/2024-DGTR dated 30th September 2024, published in the Gazette of India, initiating anti-dumping investigation into imports of the product under consideration from China PR in accordance with Rule 5 of the Anti- Dumping Rules to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

3. During the course of the investigation, it was informed to the Authority that RenewSys India Private Ltd. was unable to continue as an applicant in the investigation. Accordingly, the following producers have been considered as “applicants” in the present investigation –
- FS India Solar Ventures Private Ltd.
 - Jupiter International Ltd.
 - Tata Power Solar System Ltd.
 - TP Solar Ltd.

B. PROCEDURE

4. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
- The Authority notified the Embassy of the subject country in India about the receipt of the present anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 of the Rules.
 - The Authority issued a public notice dated 30th September 2024, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating an anti-dumping investigation concerning import of subject goods from the subject country.
 - The Authority sent a copy of the initiation notification to the Government of the subject country, through its Embassy in India, known producers and exporters from the subject country, known importers / users of the subject goods and the domestic industry as well as other interested parties, as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within the prescribed time limit.
 - The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Government of the subject country, through its Embassy in India, in accordance with Rule 6(3) of the Anti-Dumping Rules. A copy of the non-confidential version of the application was made available to other interested parties, wherever requested.
 - The Authority also issued an economic interest questionnaire to the interested parties seeking inputs on the economic impact of the proposed duties.
 - The Authority sent exporter’s questionnaire to the following known producers/exporters to elicit relevant information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:

1.	Aidu Energy Co. Ltd.	2.	Akashi Exports Ltd.
3.	Anhui Huasun Energy Co. Ltd.	4.	Anhui Tianda New Energy Co Ltd.
5.	Anhui Yingfa Desheng Technology Co. Ltd.	6.	Blue Carbon Technology Inc.
7.	C and B International Holdings Co. Ltd.	8.	Canadian Solar International Limited
9.	CECEP Solar Energy Technology	10.	Centro Energy Co. Ltd.
11.	Changzhou Foreign Trade Co.	12.	Changzhou GS Energy and Tech

			Co. Ltd.
13.	Changzhou Sichuang Energy Co. Ltd.	14.	Chizhou Shoukai New Energy Co. Ltd.
15.	Chuzhou Jietai New Energy Tech Co. Ltd.	16.	Consort Solar Co. Ltd.
17.	Das Solar Co. Ltd.	18.	Dongguan Sunworth Solar Energy Co. Ltd.
19.	Econess Energy Co. Ltd.	20.	Eversola Holding Co. Ltd.
21.	Global Chip Components Ltd.	22.	Guangdong Aiko Solar Energy Tech Co. Ltd.
23.	Guangdong Jinwan Goajing Solar Energy Co. Ltd.	24.	Guangdong Juan Intelligent Tech Joint Stock Co. Ltd.
25.	Guilin LVY Photovoltaic Tech Ltd.	26.	Hangzhou Ezviz Network Co. Ltd.
27.	Hefei GCL System Integration New Energy Tech Co. Ltd.	28.	Hefei JA Solar Tech Co. Ltd.
29.	Hefei Pinergy Solar Tech Co. Ltd.	30.	Hefei Sing Solar New Energy Technology Co. Ltd.
31.	Henan Winall Traffic Facilities Co. Ltd.	32.	Hengdian Group DMEGC Magnetics Co. Ltd.
33.	Hongjoy International	34.	Hongkong First Energy Co. Ltd.
35.	Huaian Jietai New Energy Tech Co. Ltd.	36.	Hunan Red Solar New Energy Science and Tech Co. Ltd.
37.	Huzhou Juxin New Energy Co. Ltd.	38.	JA Solar International Ltd.
39.	Jaingsu Huaneng Intelligent Energy	40.	Jiangsu Fujihalo New Energy Co. Ltd.
41.	Jiangsu Joy Sun New Energy	42.	Jiangsu Phoenty Photoelectric Tech Co. Ltd.
43.	Ronma Solar Technology (Jinhua) Co. Ltd.,	44.	Jiangsu Runenergy PV Tech Co. Ltd.
45.	Jiangsu Sunfly Renewable Co. Ltd.	46.	Jiangsu Xinchun PV Tech Co. Ltd.
47.	Jiangxi Risun Solar Energy Co. Ltd.	48.	Jiangxi Risunsolar Tech Co. Ltd.
49.	Jiangxi Risunsolarsales Co. Ltd.	50.	Jiangxi Sun Risen new Energy Co. Ltd.
51.	Jiangxi Sun Risen New Energy Co. Ltd.	52.	Jiangxi Zetai New Energy Tech Co. Ltd.
53.	Jiawang Photovoltaic Tech (Shanghai) Co. Ltd.	54.	Jinko Solar Co. Ltd.
55.	Jinneng Photovoltaic Tech Ltd.	56.	Jolywood (Taizhou) Solar Tech Co. Ltd.
57.	Lanergy International Trading	58.	Lianyungang Shenzhou New Energy Co. Ltd.
59.	Lishui Zhanxin Import and Export Co. Ltd.	60.	Longi Solar Tech Co. Ltd.
61.	Maanshan Kinse Energy Tech Co. Ltd.	62.	Nanjing First Energy Co. Ltd.
63.	Nanjing Saintek Solar Co. Ltd.	64.	New Solar Energy Co. Ltd.

65.	Nextracker Inc.	66.	Ningbo Osda Solar Co. Ltd.
67.	Ningbo Renpower New Materials Tech Co. Ltd.	68.	Ninghai Baijian Solar Energy Tech Co. Ltd.
69.	Orient International Holding	70.	Q Sun Ltd.
71.	Renesola Yixing Co. Ltd.	72.	Risen Energy Co. Ltd.
73.	Shadong Ronma Solar Co. Ltd.	74.	Shanghai Foreign Trade Enterprises Pudong Co. Ltd.
75.	Shanghai Leadjoy New Energy Co. Ltd.	76.	Shanghai Siddhartha Epandst Co. Ltd.
77.	Shanghai Yang ER Import and Export Co. Ltd.	78.	Shangrao Jie Tai New Energy Technology Co. Ltd.
79.	Shanxi Lu AN Phtovoltaics Tech Co. Ltd.	80.	Shenzhen Ahony power Co. Ltd.
81.	Shenzen Guangfasheng Tech Co. Ltd.	82.	Solar N Plus New Energy Tech Co. Ltd.
83.	Solarspace Technology (Suqian) Co. Ltd.	84.	Sumec Energy Holdings Co. Ltd.
85.	Sunna (Hong Kong) Co. Ltd.	86.	Sunri International Co. Ltd.
87.	Supreme Co. Ltd.	88.	Suzhou Fly Solar Tech Co. Ltd.
89.	Suzhou Jinso Tech Development Co. Ltd.	90.	Suzhou Ronma International Trade Co. Ltd.
91.	Suzhou Safety New Energy Tech Co. Ltd.	92.	Suzhou Safety New Energy Trading Co. Ltd.
93.	Suzhou Sunergy Tech Co. Ltd.	94.	Tianjin Aiko Solar Energy Tech Co. Ltd.
95.	TN Solar Co. Ltd.	96.	TP Link Co. Ltd.
97.	Trina Solar (Hua An) Tech Co. Ltd.	98.	Unifit Industrial Supply Co. Ltd.
99.	United Profit Global Holdings Co. Ltd.	100.	United Renewable Energy Co. Ltd.
101.	Victex International (HK) Co. Ltd.	102.	Wu Xi Amphenol Solar Energy Tech Co. Ltd.
103.	Wuhan Ooitech Trading Co. Ltd.	104.	Wuxi Grow Well Import and Export Co. Ltd.
105.	Wuxisuntech Power Co. Ltd.	106.	XI AN Yuanfar International Trade Co.
107.	Xiamen Xiangyu New Energy Co. Ltd.	108.	Yangzhou Jiahui New Energy Co. Ltd.
109.	Yibin Yingfa Deyao Tech Co. Ltd.	110.	Zhangjiang Shengfeng Trade Co. Ltd.
111.	Zhejiang Aiko Solar Energy Tech Co. Ltd.	112.	Zhejiang G and F Foreign Trading Co. Ltd.
113.	Zhejiang G and P Sun Energy Tech Co. Ltd.	114.	Zhejiang kesun New Energy Co. Ltd.
115.	Zhejiang Winhitech New Energy Co. Ltd.	116.	Zhejiang Y1 Sheng New Energy Tech Co. Ltd.
117.	Zhejiangang Sengfeng Trade Co. Ltd.	118.	Znshine PC Tech Co. Ltd.

(vii) The Embassy of the subject country in India was requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time limit.

(viii) In response to the initiation of the subject investigation, the following producers/exporters from the subject countries have responded by filing questionnaire response:

1.	Anhui Schutten Solar Energy Co. Ltd.	2.	Astronergy New Energy Technology (Singapore) Co.
3.	Canadian Solar International Ltd.	4.	Canadian Solar Manufacturing (Changshu) Inc.
5.	Canadian Solar Sunenergy (Jiaying) Co., Ltd.	6.	CECEP Solar Energy Technology (Zhenjiang) Co., Ltd.
7.	Chinaland Solar Energy Co., Ltd.	8.	Chint New Energy Technology (Yangcheng) Co., Ltd.
9.	Chint New Energy Technology Co., Ltd.	10.	Chuzhou Jietai New Energy Technology Co. Ltd.
11.	Econess Energy Co., Ltd.	12.	Guangdong Aiko Solar Technology Co., Ltd.
13.	Hefei JA Solar Technology Co., Ltd.	14.	Hengdian Group DMEGC Magnetics Co., Ltd.
15.	Huaian Jietai New Energy Technology Co. Ltd.	16.	JA Solar International Ltd.
17.	Jiangsu DMEGC New Energy Technology Co. Ltd.	18.	Jiangsu Huaheng New Energy Co., Ltd.
19.	Jiangsu Longheng New Energy Co., Ltd.	20.	Jinko Solar (Chuxiong) Co., Ltd.
21.	Jinko Solar (Chuzhou) Co, Ltd.	22.	Jinko Solar (Feidong) Co., Ltd.
23.	Jinko Solar (Haining) Ltd.	24.	Jinko Solar (Shangrao) Co., Ltd.
25.	Jinko Solar (Yiwu) Co., Ltd.	26.	Jinko Solar Co., Ltd. (Jiangxi)
27.	Jinko Solar Middle East DMCC.	28.	Jinko Solar Trading Private Ltd.
29.	Jolywood (Shanxi) Solar Technology Co., Ltd.	30.	Jolywood (Taizhou) Solar Technology Co., Ltd.
31.	Lianyungang DMEGC New Energy Technology Co. Ltd.	32.	LONGi Solar Technology (Chuzhou) Co., Ltd.
33.	LONGi Solar Technology (Jiaying) Co., Ltd.	34.	LONGi Solar Technology Co., Ltd
35.	Risen Energy (Ningbo) Co., Ltd.	36.	Risen Energy Co., Ltd.
37.	Ronma Solar Technology (Jinjua) Co., Ltd.	38.	Shandong Ronma Solar Co. Ltd.
39.	Shangrao Guangxin Jinko Photovoltaic Manufacturing Co., Ltd.	40.	Shangrao Jietai New Energy Technology Co. Ltd.
41.	Shangrao Jinko Photovoltaic Manufacturing Co., Ltd.	42.	Solar N Plus New Energy Technology Co., Ltd.
43.	Solarspace New Energy (Chuzhou) Co., Ltd.	44.	Solarspace New Energy (Xuzhou) Co., Ltd.

45.	Solarspace Technology (Suqian) Co., Ltd.	46.	Solarspace Technology (Xuzhou) Co., Ltd.
47.	Solarspace Technology Co., Ltd.	48.	Suzhou Ronma International Trade Co. Ltd.
49.	Tianjin Aiko Solar Technology Co., Ltd.	50.	Tonghe New Energy (Jintang) Co., Ltd.
51.	Tongwei Solar (Chengdu) Co., Ltd.	52.	Tongwei Solar (HEFEI) Co., Ltd.
53.	Tongwei Solar (Jintang) Co., Ltd.	54.	Tongwei Solar (Meishan) Co., Ltd.
55.	Tongwei Solar (Pengshan) Co., Ltd.	56.	Tongwei Solar (Yangcheng) Co., Ltd.
57.	Tongwei Solar Co., Ltd.	58.	Trina Solar (Huai'an) Technology Co. Ltd.
59.	Trina Solar (Suqian) Science & Technology Co. Ltd.	60.	Trina Solar (Yangcheng) New Energy Co. Ltd.
61.	Trina Solar Co. Ltd.	62.	Trina Solar Energy Development Pte. Ltd.
63.	Xuzhou Zhonghui Photovoltaic Technology Co., Ltd.	64.	Yangcheng Trina Guoneng Solar Energy Technology Co. Ltd.
65.	Yiwu JA Solar Technology Co., Ltd.	66.	Yuhuan Jinko Solar Co., Ltd.
67.	Zhejiang Aiko Solar Technology Co., Ltd.	68.	Zhejiang Jinko Solar Co., Ltd.
69.	Zhejiang Ronma Solar Group Co. Ltd.	70.	Zhengxin Photoelectric Technology (Suqian) Co., Ltd.
71.	Znshine Powertek Changzhou Co., Ltd.	72.	Znshine PV-Tech Co., Ltd.
73.	Wuhu GCL System Integration New Energy Technology Co., Ltd.	74.	Hefei GCL System Integration New Energy Technology Co., Ltd.

- (ix) The Authority sent Importer's and User's Questionnaire to the known importers / users of the subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules.

Aatmanirbhar Solar Pvt. Ltd.	ITI Limited Naini	Rolta Power Private Limited
Abhishek Solar Industries Private Limited	Jain Irrigation Systems Limited	Saatvik Green Energy Pvt. Ltd
Abhishek Solar Industries Pvt. Ltd	Jakson Engineers Ltd.	SAEL Solar Mfg Private Limited
AG Solar Urja Udyog	JJ PV Solar Pvt. Ltd	Sahaj Solar Private
Agrawal Renewable Energy Pvt. Ltd	Junna Solar Systems Private Limited	Sanelite Solar Pvt
Akshaya Solar Power (India) Private Limited	Jyotitech Solar LLP	SASA Energy LLP
Alpex Solar Pvt. Ltd.	Kosol Energie Pvt. Ltd.	Shanti Solar

Ameya Solar & Semiconductor Pvt. Ltd.	Kotak Urja Pvt Ltd	Shivam Photovoltaics Private
Ankur Traders & Engineers Private	Lanco Solar	Sirius Solar Energy Systems Pvt. Ltd
Australian Premium Solar (India) Pvt.	Lubi Electronics	SLG Solar System
Bharat Electronics Limited	Luminous Power Technology Pvt. Ltd.	Solarium Green Energy LLP.
Bharat Heavy Electricals. Ltd	Maglare Technologies Private Limited	Solberry Energy Private Limited
Bluebird Solar Pvt. Ltd	Maharishi Solar Technology Pvt Ltd	Solex Energy Limited
Central Electronics Ltd.	MAS Solar Systems Private Limited	Solex Energy Ltd
Citizen Solar Pvt. Ltd.	Microsun Solar Tech Private Limited	Sova Solar Ltd
Contendre Greenergy Pvt. Ltd.	Mundra Solar Energy Ltd	Spark Solar Technologies Pvt. Ltd.
Cosmic PV Power Pvt. Ltd.	Mundra Solar PV Limited	Sri Savitr Solar Pvt. Ltd
Credence Solar Panels Private Limited	Navitas Green Solutions	Sun N Sand Exim (India) Pvt. Ltd.
Credence Solar Panels Private Limited	Navitas Green Solutions Pvt. Ltd.	SUNBOND Energy Pvt Ltd.
DSM India Pvt Limited	Neety Euro Asia Solar Energy	SunField Energy Private Ltd.
ECE (India) Energies Pvt. Ltd	Neosol Technologies Private Limited	Sungrace Energy Solutions
Emmvee Photovoltaic Power Private Limited	Novasys Greenergy Pvt. Ltd.	Sunify Solar LLP
Emmvee Photovoltaic Power Pvt. Ltd.	Novus Green Energy Systems Ltd	Surya International Enterprise Private Limited
Enkay Solar Power and Infrastructure Private Limited	Nyalkaran Energy LLP	Suryakamal Energy Pvt Ltd.
Fujiyama Power Systems Private Limited	Orb Energy Private Limited	Swelect HHV Solar Photovoltaics Pvt. Ltd
Ganesh Electricals Pvt. Ltd	Oswal Solar Structure Private Limited	Tapan Solar Energy Private Limited
Gautam Solar Pvt. Ltd.	Pahal Solar	Topsun Energy Limited
Genus Innovation Limited	Patanjali Renewable Energy Pvt. Ltd	Total Solar Technologies Private Limited
Goldi Green Technologies Private Limited	Pennar Industries Ltd.	Udhaya Energy Photovoltaics Private Limited

Goldi Solar Pvt Limited	Photon Energy Systems Limited	Unique Sun Power LLP
Goldi Sun Private Limited	Pixon Green Energy Pvt. Ltd.	Urjastrot Enterprise Pvt
Green Brilliance Energy	Plaza Power & Infrastructure Co	Vikram Solar Ltd
Grew Energy Private Limited	Prashant Plastic Industries LLP	Vikram Solar Ltd
Gujarat Borosil	Premier Energies International Private Limited	Visaka Industries Limited
H R Solar Solution Private Limited	Premier Energies Photovoltaic Pvt. Ltd	Waaree Energies Limited
HHV Solar Technology Pvtl Ltd.	Premier Energies Photovoltaic Pvt. Ltd	Waaree Energies Limited
Himalayan Solar Pvt. Ltd	PV Power Technologies Private Limited	Waaree Energies Limited
HR Solar Solution Private Limited	Raajratna Ventures Limited	Websol Energy Systems Ltd.
Icon Solar En Power Technologies Private Limited	Rajasthan Electronics and Instruments Limited	Wolt Techniques
Indo Solar Limited	Rayzon Solar Private	Integrated Batteries India Pvt Ltd
Innovative Solar Solutions	Redren Energy Pvt	Inter Solar Systems Private Limited
Insolation Energy Pvt. Ltd	ReNew Photovolotics Private Limited	Rhine Solar Limited
Insolation Green Energy Pvt. Ltd	Ritika Systems Pvt	

(x) In response to the initiation of the subject investigation notification, following importers/users have responded by filing questionnaire response:

- i. Adani Solar, India
- ii. Ayana Renewable Power
- iii. Azure Power
- iv. Bharat Electronics Ltd.
- v. Bharat Heavy Electricals Ltd.
- vi. Bluebird Solar
- vii. Eden Renewables India, LLP
- viii. Fortum India Pvt. Ltd.
- ix. Greenergy Solar Solutions
- x. Hero Solar Energies Pvt. Ltd.
- xi. Juniper Green Energy
- xii. Loom Solar Pvt. Ltd.
- xiii. Mahindra Susten Pvt. Ltd.
- xiv. MMEPL
- xv. O2 Power Pvt. Ltd.

- xvi. Om Sai Renewable Energy Pvt. Ltd.
- xvii. Oriana Power
- xviii. Power Grid Corporation of India Ltd.
- xix. Rays Power Infra Ltd.
- xx. ReNew Pvt. Ltd.
- xxi. Saatvik Solar
- xxii. Solar Arise
- xxiii. Solar Saarthi
- xxiv. Sprng Energy
- xxv. Tata Power Solar Systems Ltd.
- xxvi. UPC Solar India Pvt. Ltd.
- xxvii. Vena Energy
- xxviii. Vikram Solar Ltd.
- xxix. Welspun New Energy Ltd.

- (xi) In response to the initiation notification, following other importers/ users have responded and submitted questionnaire responses and/or legal submissions:
 - a. Goldi Solar Private Ltd.
 - b. Goldi Sun Private Ltd.
 - c. Solex Energy Ltd.
- (xii) The Authority sent a copy of the non-confidential version of the application to the following users' associations.
 - a. Indian Solar Manufacturers Association (ISMA)
 - b. Sustainable Projects Developers Association
 - c. North India Module Manufacturer Association (NIMMA)
 - d. All India Solar Industries Association (AISIA)
- (xiii) The Authority also received submissions from China Chamber of Commerce for Import and Export of Machinery and Electronic Products and Vikram Solar Ltd. during the course of the investigation.
- (xiv) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties. A list of all interested parties was uploaded on the DGTR website, along with the request to all of them to email the non-confidential version of their submissions to all the other interested parties.
- (xv) Request was made to DG Systems to provide the transaction-wise details of imports of subject goods for the injury period and also the period of investigation. The Authority has relied upon the DG Systems data for computation of the volume of imports and required analysis after due examination of the transactions.
- (xvi) Interested parties were provided a time of 30 days from the date of initiation of investigation, to file their comments on the scope of product under consideration and product control numbers (PCN) methodology.
- (xvii) On 19th November 2024, the Authority conducted a meeting where all the interested parties were invited to discuss and clarify their comments on the scope of the product under consideration and PCN methodology.

- (xviii) The Authority vide Notification No. 6/26/2024-DGTR, dated 4th December 2024 notified the scope of the product under consideration and also notified the PCN methodology to be adopted in the present investigation.
- (xix) In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 21st July 2025. The parties, which presented their views in the oral hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinder submissions.
- (xx) The non-injurious price (NIP) based on the optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India, based on the information furnished by the domestic industry and having regard to Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Rules, has been worked out so as to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- (xxi) The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is 1st April 2023 to 31st March 2024. The examination of trends in the context of injury analysis covered the periods 2020-21, 2021-22, 2022-23 and the period of investigation.
- (xxii) The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, to the extent supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority, in this final finding.
- (xxiii) The Authority circulated the disclosure statement containing all essential facts under consideration for making the final recommendations to the Central Government to all interested parties on 21st September 2025. The Authority has examined all the post-disclosure comments made by the interested parties in these final findings to the extent deemed relevant. Any submission which was merely a reproduction of the previous submissions, and which had been adequately examined by the Authority, has not been repeated for the sake of brevity.
- (xxiv) Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- (xxv) Wherever an interested party has refused access to or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the views/observations on the basis of the facts available.
- (xxvi) The Authority, during the course of the investigation, satisfied itself as to the accuracy of the information supplied by the interested parties, which forms the basis of the present final finding to the extent possible and verified the data/documents submitted by all the interested parties to the extent considered relevant, practicable and necessary.

(xxvii) ‘***’ in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

(xxviii) The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US\$ = ₹ 83.69

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

C.1. Submissions by other interested parties

5. The following submissions have been made by the other interested parties regarding the scope of the product under consideration and like article.
 - a. Solar cells and solar modules should be treated as separate products in the present investigation since the products are different in terms of technology, production process and capital investment.
 - b. The industries for the two products are completely different. There is only 1 producer of cells, 5 producers of both cells and modules, while there are 134 producers of modules which are not backwardly integrated. Further, the import volume and production capacities of solar modules are higher than that for cells.
 - c. Solar cells and solar modules are different products considering the fact that the HS Code for cells and modules are different at 6-digit level and the customs duty is also different.
 - d. Solar modules are priced 70% higher than cells. Under various FTAs, change in HS code and value addition of 35% implies that a different product has been produced in the exporting country.
 - e. Solar modules comprise of cells and additional raw materials and change in the prices of these additional raw materials would affect solar modules but not solar cells.
 - f. The customers of cells and modules are different as solar cells are only bought by module producers while solar modules are purchased by power developers.
 - g. TOPCon cells and Back Contact cells should be excluded from the scope of the product under consideration since they differ from PERC cells in terms of different production process, high efficiency, long-term stability. Further, the domestic industry has admitted that they do not produce TOPCon cells.
 - h. Inclusion of TopCon cells on the basis of end-use substitutability is not justified.
 - i. Thin-Film Cadmium Telluride (CdTe) solar modules claimed to be produced by FS India differ from crystalline silicon-based solar cells and modules in terms of manufacturing process, raw material used, efficiency, performance, costs and price. Thus, the domestic industry has not produced like article to the imported goods
 - j. The Authority should devise separate PCNs for cells and modules produced using different technologies, as per the table below, since there is a significant difference in cost and price between the cells and modules of different technology.

Type of cell	i. Monocrystalline Cells
	ii. Multi-crystalline Cells
Type of modules	i. Monocrystalline Cells
	ii. Multi-crystalline Cells

Type of technology (cell)	i. Crystalline silicon based (C-Si) technology ii. Thin film technology
Type of technology (modules)	i. Crystalline silicon based (C-Si) technology ii. Thin film technology

- k. Copies of sample commercial invoices clearly show that there is a significant difference in the cost and price of different product types based on technology, justifying the creation of PCN based on technology.
- l. The Authority should determine PCNs based on the CONNUM prescribed by the US Department of Commerce in the anti-dumping investigation concerning crystalline silicon photovoltaic cells whether or not assembled into modules. The PCNs should be based on following parameters
 - i. Product Form
 - ii. Crystal Type
 - iii. Cell Technology
 - iv. Power Output Modules
 - v. Frame Form
 - vi. Backing Material
 - vii. Junction Box
 - viii. Inverter

C.2. Submissions by the domestic industry

6. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to the product under consideration and like article:
 - a. The product under consideration includes solar cells and solar modules since they share the same primary physical characteristics and perform the same function of generating photovoltaic energy.
 - b. Solar cells represent a substantial portion of the cost and value of the finished modules, and cells undergo only one manufacturing step to become modules. As such, solar cells and modules are merely different stages of the same product.
 - c. Solar cells have no independent application other than being assembled as a module. Exclusion of either solar cells or solar modules is likely to result in increased exports of the excluded product, which would nullify the purpose of the investigation.
 - d. The Authority has considered solar cells and modules are one single product in past anti-dumping and safeguard investigations concerning the same product.
 - e. The European Commission, in a past investigation, also held that solar cells and modules constitute a single product considering the physical, chemical and technical characteristics, end uses, nomenclature, value addition, market, interchangeability, distribution channels and consumer perception.
 - f. Inclusion of different stages of a product within the product scope is not prohibited by the WTO Anti-dumping Agreement or the Indian Anti-dumping Rules.
 - g. The Authority has, in a number of cases in the past, included a product and its subsequent or prior stage product within the scope of the product under consideration in the same investigation and as one product, including in the case of Chlorinated Polyvinyl Chloride Resin and Ofloxacin and its intermediates.

- h. Solar cells and modules produced using either Crystalline Silicon (c-Si) or thin film technology are included within the product scope.
- i. While solar products produced using c-Si or thin film technology use different production process and raw materials, they are used interchangeably and have the same end-use. Further, the products are not treated differently by the Ministry of New and Renewable Energy as well.
- j. The Authority in previous investigation concerning the same product determined that solar products produced c-Si technology or thin film technology are both included within the product scope.
- k. While thin film products were excluded from the product scope in the investigations conducted in the USA and the EU, it must be noted that the domestic industry in those countries did not seek duties on such products in the first place.
- l. While Jupiter produces only solar cells using c-Si technology, First Solar only produces solar modules using thin film technology. In absence of an identical like article to solar modules or panels based on c-Si technology in India, solar modules or panels produced using thin film technology should be treated as like article, being a directly competitive and substitutable product.
- m. TopCon cells should not be excluded from the product scope as the domestic industry produces a like article to the product, in the form of Passivated Emitter and Rear Cell (PERC) solar cell which has closely resembling characteristics.
- n. While PERC and TopCon cells have different manufacturing processes and raw material, they can be produced interchangeably using same production lines, have similar size and appearance, and have the same end-use.
- o. Exclusion of TopCon cells may lead to circumvention of duties and would defeat the purpose of duties, since the product can be used interchangeably as PERC cells and is available at dumped prices.
- p. The Authority, in the investigation concerning Phosphoric Acid, included food grade acid since it was produced by the Indian industry and could be used in place of other grades of acid.
- q. Four major domestic producers namely Mundra Solar, Tata Power, Emvee Photovoltaics and Premier Energies are producing and selling TopCon cells. Further, the applicant, Jupiter is also in the process of expanding capacities to produce TopCon cells.
- r. Both Jupiter and FS India are producing latest technology solar cells and modules respectively. In fact, FS India has set up a new plant for production of subject goods.
- s. The following PCNs provided in the application should be considered for the present investigation. The domestic industry has already provided all information based on such PCNs.

S.N.	Type of product under consideration	Code Description	Abbreviation
1.	Solar Cells	Monocrystalline cells	Mono-cells
		Multi-crystalline cells	Multi-cells
2	Solar Modules		Modules

C.3. Examination by the Authority

7. At the time of initiation of the present investigation, the Authority considered the following as the scope of product under consideration.

“2. The product under consideration is ‘solar cells or photovoltaic cells whether or not assembled in modules or made up into panels, produced using c-Si or thin film technology. Solar modules or panels made up of solar cells are within the scope of the product under consideration. Further, solar cells may be ‘Monocrystalline’ or ‘Multi-crystalline’, both of which are included within the scope of the product under consideration.

3. The product under consideration is majorly manufactured using two production technologies, namely, crystalline silicon based solar cell technology (c-Si) and thin film technology. Solar cells and modules or panels produced through c-Si based technology and thin film technology are both included within the scope of the product under consideration.

4. Solar cell, also known as photovoltaic cell, is a solid-state electrical device that converts sunlight directly into electricity by the photovoltaic effect. In order to achieve a particular amount of wattage or current, a number of solar cells are connected together to form a solar module or panel. For large-scale generation of solar electricity, several solar panels are connected together into a solar array. The modules using thin film technology are also connected in a similar manner, to form an array.

5. The subject goods are classified under Chapter 85 of Schedule I to the Customs Tariff Act, under tariff items 8541 4200 and 8541 4300. The customs classification is only indicative and is not binding on the scope of the product under consideration.

6. The applicants have proposed the following product control numbers (PCNs) for the purpose of the present investigation, considering the difference in terms of cost and price.

S.N.	Type of product under consideration	Code Description	Abbreviation
1.	Solar Cells	Monocrystalline cells	Mono-cells
		Multi-crystalline cells	Multi-cells
2	Solar Modules		Modules”

8. The interested parties were directed to provide comments or suggestions, if any, on the scope of the product under consideration and PCN methodology within 30 days from the date of initiation of investigation. Comments were received from various interested parties. A meeting was held on 19th November 2024 to understand the submissions made by various interested parties on the scope of the product under consideration and the PCN methodology proposed.
9. The applicants have submitted that both solar cells themselves and solar cells assembled into modules or panels are included within the scope of the product under consideration. However, during the course of the investigation, various interested parties have claimed that

solar cells and solar modules or panels should not be considered as a single product and the scope of the product under consideration cannot include both products. The Authority has examined the submissions made by various interested parties in this regard.

10. The Authority notes that WTO Anti-dumping Agreement or the Indian Rules do not provide for factors or parameters that are required to be considered by the Authority in order to determine the scope of the product under consideration. However, based on the practice regularly adopted by the Authority as well as the practice known to be adopted by investigating authorities in other jurisdictions, factors such as physical, chemical and technical characteristics, use and application, degree of interchangeability and consumer perception are considered while determining the product under consideration. The investigating authorities consider production substitutability or product substitution or both as the criteria to decide whether different types of a product would constitute one product within the meaning of the Rules. If the consumers would readily switch from one product to other, the two should be considered as one product. Similarly, if the producers would readily switch from one product to other, the two should be considered as one product. It is also well understood that the scope of the product under consideration is required to be determined in a manner that the same provides necessary and intended relief to the domestic industry, while also ensuring that the scope of the product under consideration does not lead to excessive protection to the industry. **As held by the CESTAT in the case of Huawei Technologies Co. Ltd vs Designated Authority Anti-dumping and Allied Duties [2016 (334) E.L.T. 339 (Tri. - Del.)], the product under consideration must be defined in a manner that the purpose of imposition of anti-dumping duty is not defeated.**

“29. In our view it is permissible for the Authority to include within the purview of the PUC, parts and components, which if not included, would make the levy ineffective. The coverage of the product for levy of duty should be such that the purpose and intent of the levy is achieved. Anti-dumping duty is levied to safeguard the domestic producers from ill effects of dumping. If the parts and components meant for SDH application are excluded, the importers could simply bring the items in different consignments, in unassembled form, and assemble the same in India and defeat the levy.”

11. It is noted that solar cell is a solid-state electrical device that converts sunlight into electricity by the photovoltaic effect. Electrical connections are made to the solar cells in a series to achieve the desired output wattage and/or in parallel to provide a desired current capability. Such an assembly of solar cells is called a solar panel or a solar module. Thus, to make practical use of solar cells, they are placed in modules or panels, and a solar module or panel is simply a packaged, connected assembly of solar cells. It is ultimately the modules that is consumed. Solar cells is only an intermediate product in crystalline technology, whereas solar cell is an integral part of the production process in thin film technology. A consumer would readily switch between thin film module and crystalline module, depending on relative price advantage between the two.

12. The Authority notes that solar cells are manufactured and then assembled into modules or panels to serve the intended purpose. Such solar cells do not have any independent application and must be necessarily connected and assembled into modules or panels. Conversely, modules or panels necessarily require assembly of solar cells in order to eventually generate electricity, since modules or panels are nothing but a packaged array of solar cells. Such assembly of solar cells into modules or panels does not translate into a significant manufacturing process and there is no major value addition involved in the form of manufacturing process, in placing cells on a module or panel. The same only requires a number of components, which are mostly bought-out items. This was also observed by the Authority in the previous investigations concerning this product wherein it was noted that to make practical use, solar cells are placed on devices like panels/module etc and are not separate product per se. Accordingly, the Authority held that solar cells and solar modules are not different products but one single product.

13. Based on the above, information on record and past determinations made by the Authority considering the product under consideration, the Authority notes as below –

क. Solar cells are an intermediate product which eventually must be assembled into modules or made up into panels. There is no independent use of solar cells. Electricity generated by solar cells as such cannot be used. Such solar cells cannot be used as it is, and they must be necessarily assembled into modules or made up into panels for making them usable.

ख. Solar cells and modules or panels are photovoltaic devices used for generation of electricity. While the solar cells must be assembled into modules or panels for generation of electricity, the electricity generation capacity of the solar modules or panels originates from the solar cells embedded inside the module. Thus, the products are functionally and physically same.

ग. The process of assembly of solar cells into solar modules or panels does not require significant investment, manufacturing activity, and production skills. Manufacturing of solar cells requires significant amount of investment, which is nearly 6.5 times that of the assembly process. As such, the assembly of the intermediate solar cells into the final solar modules is only incremental production process, and does not require significant value addition in the form of manufacturing activities undertaken.

घ. During the period of investigation, there were only 6 known producers of solar cells in India, while there were almost 130 known producers of solar modules or panels in the country. The majority of such producers are importing solar cells and assembling them into modules or panels. In view of the same, exclusion of solar cells or solar modules or panels from the purview of the levy of anti-dumping may lead to increase in the export of the excluded product. This would essentially nullify the purpose of the present investigation and the subsequent imposition of duties.

14. Certain parties have argued that solar cells and solar modules or panels are different products. In as much as these products are classified under different HSN codes at 6-digit level and different customs duties and the contention that the same implies that the products are considered differently by all WTO countries, the Authority notes that the HSN classification of a product is not considered as binding parameter to determine the scope of the product under consideration. The Authority has recommended measures on several products in the past wherein a product may have been imported under a number of different HSN codes, and such HSN codes were not considered to have binding effect on the scope of the product. Similarly, the Authority has recommended measures on several products where the product under consideration was not the sole product falling under that HSN classification. The Authority notes that the HSN classification is only for the purpose of enabling the customs authorities to collect anti-dumping duty on the product as defined by the Authority.
15. With regards to the argument that solar cells and solar modules or panels are sold to different customers and have different sales channels, it is noted that solar cells are invariably sold to companies that are engaged in producing solar modules or panels. The solar modules or panels are then sold to entities that are engaged in setting up solar power generation. Thus, the eventual sales channel for the product is sales from cell producer to module producer and thereafter to power generator. It is noted that each step of this sales channel is not independent and are interlinked.
16. With regards to the argument that solar cells and solar modules or panels have different cost of production and are priced differently, it is noted that such differences in the cost and prices of the two products have been already noted by the Authority and have been addressed by way of creation different PCNs for the two products, in order to ensure an apple-to-apple comparison. Difference in the cost of production of different types per se does not imply different products and merely implies different product types with significant difference in costs.
17. The Authority holds that solar cells are manufactured for use in solar modules or panels, and do not have any other independent use. The assembly of solar cells into solar modules or panels does not require significant value addition in so far as manufacturing activities are concerned. The two products have the same ultimate end-use – generation of photovoltaic energy. The module producers are importing solar cells and assembling them into modules or panels. It is considered that solar cells and solar modules or panels, being an intermediate and final product, are both included within the scope of the product under consideration.
18. Certain interested parties have argued that Tunnel Oxide Passivated Contact (TopCon) solar cells and Back Contact solar cells must be excluded from the scope of the product under consideration. It has been argued that TopCon cells and Back Contact cells are not produced by the domestic industry, which produces only Passivated Emitter and Rear Cell (PERC) solar cells. Further, it has been argued that TopCon cells have a different production process, higher efficiency, and have long-term stability when compared to PERC cells. With respect to Back Contact cells, it has been argued that it is a next-generation technology and it

follows a different structural design and manufacturing process. On the other hand, the applicants have submitted that TopCon and Back Contact cells cannot be excluded from the scope of the product under consideration since the domestic industry has produced and offered like article in the form of PERC cells which have closely resembling characteristics. Further, it has been claimed that other Indian producers are already producing TopCon cells and the domestic industry is also in the process of setting up plant for production of TopCon cells.

19. The Authority has examined the arguments made by the other interested parties and the domestic industry, with respect to exclusion of certain types of solar cells.
20. With regards to TopCon solar cells, it is noted that TopCon solar cell structure consists of a thin tunnel oxide layer sandwiched between a transparent conductive oxide layer and a p-doped crystalline silicon layer. On the other hand, PERC solar cells include a passivation layer at the back side of the cell, which helps to minimize recombination losses and increase light absorption. Thus, the production process and certain raw materials for the two types of cells are different. However, the domestic industry has submitted that the production lines used for production of PERC cells can also be used for the production TopCon cells with a few additional processes. Further, domestic industry has also submitted while the input raw materials used in TopCon cells and PERC cells is different, majority components such as chemicals, gases and metallization elements are same in PERC Cells and TopCon cells. Lastly, the Authority notes that even where the technology used in TopCon cells and PERC cells is different, the cells find the same end-use application – assembly into solar modules or panels for generation of electricity. Thus, the two cells can be used interchangeably since they have the same end-use. Cells produced from both the technologies have been imported from China and were in competition with each other as well as with Indian industry. Indian industry has been in competition with the imported product as well as products supplied by the Indian industry from the two technologies. Considering the same, exclusion of TopCon cells from the scope of product under consideration is likely to lead to increased imports of this product type for use in solar modules or panels which would result in continued injury to the domestic industry. Further, the domestic industry has demonstrated that other Indian producers, namely Mundra Solar, Tata Power, Emvee Photovoltaics and Premier Energies are producing and selling TopCon cells in India. Further, Jupiter International is also in the process of setting up capacities for production of TopCon cells.
21. The Authority also notes that the domestic industry is not required to produce an identical article to the imported products. In the absence of an identical article, an article which has characteristics closely resembling those of the product under consideration may be considered a ‘like article’. In the present case, it is seen that the PERC cells produced by the domestic industry can be produced using same production lines, have same components and have the same end-usage as that of TopCon cells. Since the domestic industry has produced and offered cells which have similar characteristics, exclusion of the TopCon cells is not warranted. Dumping of TopCon cells and imposition of anti-dumping duty on remaining products would lead to continued dumping and consequent injury to the Indian industry in the domestic market.

22. With regard to exclusion of Back Contact cells from the scope of the product under consideration, it is noted that it is the settled practice of the Authority to consider exclusion of product type which has been imported into India in the period of investigation, and like article to which has not been offered in the country. A claim for exclusion of a particular type cannot be entertained unless the same has been exported to India during the relevant period, as the fact of non-supply of like article by the domestic industry cannot be established. The Authority has examined the import data and found no imports of Back Contact cells till the period of investigation. Since there were no imports of Back Contact cells, it would not be appropriate to exclude the same from the scope of the product under consideration.
23. It has also been argued that the domestic industry has not produced like article to crystalline silicon-based (c-Si) solar modules, since FS India has only produced thin film modules which are different than c-Si modules in terms of manufacturing process, raw material, cost and prices. It is an undisputed fact that FS India only produces solar modules using thin film technology and does not produce solar modules using c-Si cells. Further, Jupiter International has only produced solar cells using c-Si technology in India, and has not produced solar modules. Thus, the defined domestic industry has not produced identical articles to c-Si based solar modules.
24. In this regard, it is undisputed that solar modules can be produced using c-Si technology and thin film technology. Crystalline silicon cells are made from thin slices cut from a single crystal of silicon or from a block of silicon crystals. Once the cells are manufactured, they are connected through wires and assembled into modules or panels. On the other hand, thin film modules are produced by coating float glass with a transparent conductive layer, onto which the photovoltaic absorbing material is deposited. Using laser scribing, cell strips are patterned to form an interconnect pathway between adjacent cells. Copper ribbons are applied, an encapsulant sheet and second sheet of glass are placed on top, resulting in a module. As such the c-Si based solar modules and thin film solar modules have different production process and raw materials. Thus, the two products differ in terms of associated production technology and raw materials. Consequently, the manufacturing facilities differs. However, the modules produced using either of the production technology and production process are comparable in all material aspects, including the technical properties, function & uses, end applications. The two are technically & commercially substitutable. Both modules are used for generation of photovoltaic energy for conversion into electricity and can be used interchangeably. This was also noted by the Authority at the time of previous investigation concerning the same product. It is seen that c-Si based solar modules have closely resembling characteristics and have same end-use application as thin film modules.
25. The Authority has in the past determinations considered modules produced using the two technologies as same product. It is also noted that difference in the production technology, manufacturing process and raw materials have not been considered as determining factor as to whether two products constitute one article for the purpose of Anti-dumping Rules. The

Authority has repeatedly held that difference in production technology is immaterial, if the resultant products are interchangeable and are technically and commercially substitutable.

26. It is seen that while c-Si modules are being imported into the country, thin film modules are being produced and supplied by the domestic industry. As per the provisions of Rule 2(d) of the Rules, in the absence of an identical or alike article, an article having closely resembling characteristics with the imported article should be considered as like article. It is undisputed that the effect of dumping of solar cells and modules produced using c-Si technology has had adverse effects on the modules produced using thin film technology. Therefore, in the absence of an identical article, solar modules or panels produced using thin film technology are like article to solar modules or panels producing using c-Si cells.
27. On the basis of information and evidence on record, past determinations made by the Authority in investigations concerning this product and other products, and having regard to the above, the scope of the product under consideration is as follows.

“The product under consideration is solar cells or photovoltaic cells whether or not assembled in modules or made up into panels, produced using c-Si or thin film technology. Solar modules or panels made up of solar cells are within the scope of the product under consideration. Further, solar cells may be ‘Monocrystalline’ or ‘Multi-crystalline’, both of which are included within the scope of the product under consideration.

The product under consideration is majorly manufactured using two production technologies, namely, crystalline silicon based solar cell technology (c-Si) and thin film technology. Solar cells and modules or panels produced through c-Si based technology and thin film technology are both included within the scope of the product under consideration.

Solar cell, also known as photovoltaic cell, is a solid-state electrical device that converts sunlight directly into electricity by the photovoltaic effect. In order to achieve a particular amount of wattage or current, a number of solar cells are connected together to form a solar module or panel. For large-scale generation of solar electricity, several solar panels are connected together into a solar array. The modules using thin film technology are also connected in a similar manner, to form an array.”

28. With regard to the submissions on PCN methodology, the Authority notes that submissions have been made by the domestic industry and the other interested parties. These have been considered by the Authority while finalizing the PCN methodology.
29. Certain interested parties suggested making separate PCNs based on the CONNUMs adopted by the US Department of Commerce in their investigation. However, the parties did not provide any evidence showing that there exists a difference of more than 5% in the cost pertaining to the parameters proposed. Further, the interested parties did not demonstrate that such PCN methodology is necessary based on the products imported into the country. Therefore, in the absence of evidence demonstrating the need for such PCN methodology,

the methodology proposed by exporters based on the CONNUMs adopted by the US Department of Commerce was not accepted. No further information and evidence has been provided by the interested parties which warrants reconsideration of the PCN earlier notified. The Authority therefore concludes that the PCN parameters considered by the US Department of Commerce in their determination is not appropriate for the present investigation.

30. The domestic industry and certain interested parties have proposed creation of PCN methodology based on different technologies. In support of their claim, certain exporters submitted commercial invoices to show that there is a difference in the cost and prices of the PCNs based on technology. Based on the same, the Authority has considered the following PCN for the purpose of the present investigation.

Product	Type	Abbreviation
Solar Cells	Monocrystalline cells	Mono-cells
	Multi-crystalline cells	Multi-cells
Solar Modules / Panels	Monocrystalline cells	Mono-Modules/ Panels
	Multi-crystalline cells	Multi-Modules/ Panels
	Thin Film	Thin Film Modules/ Panels

31. It is noted that the domestic industry has not produced modules using the c-Si technology. The Authority notes that in the absence of the identical article being produced by the domestic industry, the article most closely resembling the imported goods, i.e., thin film modules or panels, has been considered for making the determination.
32. The Authority notes that the product produced by the domestic industry is like article to the subject goods imported from the subject country. The product produced by the domestic industry and that imported from the subject country are comparable in terms of physical & chemical properties, functions & uses, product specifications, pricing, and distribution & marketing. The subject goods imported from the subject country and produced by the domestic industry are technically and commercially substitutable and used by the consumers interchangeably. In view of the same, the product manufactured by the domestic industry is considered as like article to the product imported into India, as per Rule 2(d) of the Rules.
33. The subject goods are classified under Chapter 85 of the Customs Tariff Act under heading 8541 and tariff items 85414200 and 85414300, with effect from 1st January 2022. For part of the injury period, that is 1st April 2020 to 31st December 2021, the subject goods were classified under tariff items 85414011 and 85414012. It is noted that during the period of investigation, the subject goods were classified under tariff items 85414200 and 85414300. The customs classification is only indicative and is not binding on the scope of the product under consideration.

D. SCOPE OF THE DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

D.1. Submissions by other interested parties

34. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to the scope of domestic industry and standing.
- i. The domestic industry accounts for less than 1 GW production of the total 25 GW cell production in the country, despite taking hyper-technical arguments to justify eligibility to constitute domestic industry.
 - ii. The share held by FS India and Jupiter is unrepresentative and is not credible for injury analysis. While FS India produces only solar modules, Jupiter has limited solar cell production. Further, Jupiter alone constitutes only 2% of the total demand, while the domestic industry constitutes only 5% of the demand.
 - iii. Article 4.1 of the WTO Agreement states that injury must be assessed in relation to domestic industry as a whole or at least a major proportion, which is not present in the current investigation. Therefore, the investigation must be terminated.
 - iv. FS India was not involved in commercial production during the period of investigation and is not a producer of like article, which can be seen from significant low revenue reported at MCA website. Further, the producer has consumed its product captively and does not compete in open market.
 - v. The interests of FS India do not reside with the Indian industry as it is a wholly owned subsidiary of First Solar Inc., USA and its plant was funded by U.S. International Development Finance Corporation. Its interests may not align with the interests of domestic producers and as such, they cannot be considered as eligible to constitute domestic industry.
 - vi. Jupiter International has a capacity of 800MW as per CARE Rating Reports, 2024, which is negligible in comparison to total Indian capacity, and the producer does not account for a major share of total production. Further, the producer has undergone restructuring of its business model, accompanied by low utilization, volatile production, and frequent shifts in operational focus.
 - vii. The selection of sampled domestic producers lacks transparency and the same may distort injury analysis.
 - viii. Major producers such as Adani Solar, Tata Power Solar, Vikram Solar, and Waaree Energies, have not participated in the investigation.
 - ix. Complete exclusion of production of 133 module producers cannot be justified based on assumption of domestic industry that they are importers from subject country.
 - x. The applicants must disclose the complete production numbers used to determine standing.
 - xi. There is no legal justification for considering 5 producers as applicants and only 2 as domestic industry. Further, it is unclear as to what information has been submitted by the other three applicants. As such, the initiation notification is bad in law.
 - xii. RenewSys India Private Ltd. has registered itself as importer/user while Tata Power Solar Systems Ltd. and TP Solar Ltd. have not registered. These producers should file importers' questionnaire response and should not be identified as applicants.
 - xiii. ISMA, AISMA and NIMMA cannot be considered as supporters of the application as members of these associations are themselves importers or users.

D.2. Submissions by the domestic industry

35. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to the scope of domestic industry and standing:
- i. The application requesting initiation of investigation was filed by FS India Solar Ventures Private Ltd., Jupiter International Ltd., RenewSys India Private Ltd., Tata Power Solar Systems Ltd. and TP Solar Ltd.
 - ii. During the course of investigation, RenewSys India expressed inability to continue as the applicant. However, the applicants constituting domestic industry still constitute major proportion as required under the Rules, and non-participation by the producer has no impact.
 - iii. At present, there are 6 producers of solar cells in the country. These producers also produce solar modules in the country. 4 of these producers excluding Jupiter and Websol Energy System Ltd. have imported significant volume of the subject goods during the period of investigation. In some cases, the volume of imports exceeds the production capacity of the company. Accordingly, such producers are ineligible to constitute domestic industry.
 - iv. Websol Energy System Ltd. is located in Faltia SEZ. As per the past practice of the Authority, units established in a **SEZ** are not within the customs territory of India and thus, are ineligible to be treated as part of the domestic industry.
 - v. Since Tata Power and Adani Solar have undertaken significant imports and Vikram Solar registered itself as importer, consideration of production by such producers would lead to double counting of Indian production.
 - vi. Certain producers who are also importing the subject goods have supported the imposition of anti-dumping duty since dumping of the subject goods has caused significant injury to the Indian producers making domestic production uncompetitive.
 - vii. The fact that the other domestic producers are ineligible to constitute domestic industry on account of significant imports indicates that the dumping has wiped out intent to produce in India.
 - viii. Other Indian producers of solar cells, namely Bharat Heavy Electricals Ltd., Bharat Electronics Ltd., Indo Solar Ltd., Moser Bear Solar Ltd., Solar Semiconductors and Euro Multivision have ceased production.
 - ix. Jupiter and FS India have not imported the subject goods from the subject country during the period of investigation, and is not related to exporter of subject goods in the subject country or importer of subject goods in India.
 - x. Other than FS India, all other Indian producers of solar modules or panels are either purchasing solar cells domestically or importing the same from the subject country. Inclusion of production of such producers would lead to double counting of same volumes.
 - xi. In the safeguard investigation concerning the same product, the Authority did not consider the producers of solar modules using imported solar cells as part of the domestic industry. Further, the Authority in past investigations has excluded production of importers of subject goods as well as the production of subject goods produced using domestically procured intermediate goods.

- xii. Production volume of Jupiter and FS India accounts for 100% of the total eligible domestic production in the country as per Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules.
- xiii. The Authority has not undertaken sampling of the domestic producers.
- xiv. FS India does not captively consume subject goods and only sells in open market. As such, FS India is a domestic producer which engaged in production of subject goods in India during the period of investigation and is thus, eligible to constitute domestic industry under Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules.
- xv. The fact that the FS India has American shareholding is irrelevant. The Authority in past cases has not considered the location of the holding company as relevant for determination of domestic industry.
- xvi. Contrary to the claims of other parties, Jupiter continues to be a producer of subject goods and has expanded its production lines. Further, Jupiter suffered low utilization as it was unable to sell due to dumped imports.
- xvii. The domestic industry cannot require any specific producer to participate in the investigation and non-participation by other producers has no bearing on the present investigation.
- xviii. While the other interested parties have claimed that the domestic industry has taken hyper-technical argument to justify standing, they have not submitted any evidence or logic to show that such arguments are without merits.
- xix. There is no requirement under the WTO Anti-dumping Agreement or the Anti-dumping Rules that all applicants must necessarily constitute domestic industry.
- xx. The Authority has in the past clarified that there is a distinction between domestic producer and domestic industry and that each domestic producer may not be domestic industry.
- xxi. In the case of Purified Terephthalic Acid, the Authority held that while an applicant may be ineligible to constitute domestic industry, it still has the right to seek redressal from the Authority.
- xxii. Even in the USA, the investigating authority has initiated an investigation based on application filed by a domestic producer and association of workers engaged in production of subject goods.
- xxiii. ISMA, AISMA and NIMMA are associations which represent the interests of users as well the domestic producers of the subject goods in the country. Further, it is not necessary that an association of users or importers must necessarily oppose duty.
- xxiv. Even though support by associations may not be considered for determination of standing of application under Rule 5(3), there is no bar in expressing support against unfair trade.

D.3. Examination by the Authority

36. Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules defines domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or

importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers”.

37. The application for initiation of the present investigation was filed by FS India Solar Ventures Private Ltd., Jupiter International Ltd., RenewSys India Private Ltd., Tata Power Solar Systems Ltd. and TP Solar Ltd. During the course of investigation, RenewSys India Private Ltd. stated it was unable to continue as an applicant.
38. During the course of the investigation, various interested parties have claimed that the domestic industry does not constitute a major proportion of the total Indian production and is thus, not representative of the Indian industry for the product under consideration. It has been claimed that the two producers constituting domestic industry, Jupiter International Ltd. and FS India Solar Ventures Private Ltd., do not have standing to justify the investigation.
39. On the other hand, the applicants have claimed that Jupiter International and FS India are the only domestic producers eligible to constitute domestic industry. It has been claimed that out of the 6 known producers of solar cells in the country, 4 of the producers have imported the subject goods in significant quantity. While Websol Energy System Ltd. and Jupiter International have not imported the subject goods, Websol is located in SEZ and thus, cannot constitute domestic industry. It has been further claimed that FS India Solar Ventures Private Ltd. has produced solar modules using thin film technology and has not imported the subject goods from the subject country during the period of investigation. Other than the known cell producers and FS India, all other domestic producers manufacture solar modules, by buying solar cells from the Indian producers or by importing cells from China and other countries. The applicants have claimed that other than Jupiter International and FS India, none of the other domestic producers are eligible to constitute domestic industry since such producers are either importers of the product under consideration or are not undertaking significant production process in conversion of solar cells to solar modules to be classified as domestic industry under Rule 2(b) , or are in SEZ.
40. The Authority has examined the submissions made by the domestic industry and the other interested parties with respect to the constitution of the domestic industry.
41. It is evident that during the period of investigation, there were few known producers of solar cells in the country, viz. Adani Green Energy Limited, Mundra Solar Energy Limited, Mundra Solar PV Limited, Premier Energies Photovoltaic Private Limited, Premier Energies Limited, RenewSys India Private Limited, Tata Power Solar Systems Limited and Jupiter International Limited. Barring Jupiter International, all other cell manufacturers are also engaged in production of solar modules or panels. It is noted that TP Solar Limited had not commenced production during the period of investigation and was in the process of setting up production capacities.

42. Other than these cell manufacturers, there are more than 100 producers of solar modules or panels in the country. They are sourcing solar cells either from the Indian producers or are importing from China.
43. FS India is manufacturing solar modules using thin film technology, which does not require assembly of solar cells. The company has not imported cells or modules from China and qualifies to be treated as domestic industry within the meaning of Rule 2(b).
44. The Authority has examined the imports data and notes that other than Jupiter International Ltd. and Websol Energy System Ltd., all other cell producers in India have imported significant volumes of subject goods from the subject country during the period of investigation.

Name of domestic industry	Imports (MW)	Capacity (MW)
Adani Green Energy Ltd., Mundra Solar Energy Ltd. and Mundra Solar PV Ltd.	***	***
Premier Energies Photovoltaic Private Ltd. and Premier Energies Ltd.	***	***
RenewSys India Private Ltd.	***	***
Tata Power Solar Systems Ltd.	***	***

45. As per the information submitted by the domestic industry with regard to capacity of the above listed companies, it is noted that the volume of imports made by some of the aforementioned producers is significant in relation to their production capacities. This implies that the focus of these producers is not limited to manufacturing subject goods in India, and are, rather, major importers of the subject goods. Accordingly, based on the established practice of the Authority, these cell manufacturers who are importing significant volume of the product under consideration from the subject country are not eligible to be treated as domestic industry under Rule 2(b) of the Rules.
46. Jupiter International is neither an importer of the subject goods nor is related to an exporter of the subject goods or importer of the subject goods in the country. Jupiter International is eligible to constitute domestic industry under Rule 2(b).
47. It is noted that Websol Energy System Ltd., which is a producer of solar cells, has not imported the subject goods from the subject country during the period of investigation. However, the producer is an SEZ unit, located in Falta SEZ. The Authority considers that a producer established in SEZ would export majority or all of its manufactured products. Based on the established practice of the Authority, Websol Energy System Ltd. is not eligible to constitute domestic industry under Rule 2(b) of the Rules.
48. With respect to the producers of solar modules in India, FS India produces solar modules using thin film technology. The producer has not imported the product under consideration from the subject country during the period of investigation and is not related to an exporter

or importer of the subject goods from the subject country. Accordingly, the company is eligible to constitute domestic industry under the Rules.

49. The Authority notes that other than FS India, all other Indian producers of solar modules have produced modules by either using solar cells produced domestically or imported solar cells. Producers who have imported solar cells to assemble the same into solar modules or panels cannot be considered as eligible to constitute domestic industry under Rule 2(b), since such producers are importing the subject goods, in the form of solar cells from the subject country.
50. In order to determine the total eligible production of the subject goods in the country, the Authority has excluded the production of those producers who are importing solar cells and are converting the same into solar modules. Further, the Authority has excluded the production of solar modules since such modules are produced using solar cells, the production of which has already been taken into account as the production of cell manufacturers or imports of cells.
51. In view of the above, it is noted that the production of FS India Solar Ventures Private Ltd. and Jupiter International Ltd. accounts for 100% of the total eligible domestic production. Thus, these domestic producers account for a major production of the subject goods in the country. As noted above, both the producers have not imported the product under consideration into India, and are not related to an exporter or importer of the alleged dumped article. Accordingly, Jupiter International Ltd. and FS India Solar Ventures Private Ltd. constitute domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Rules. Further, none of the other producers have opposed or directly supported the present application and thus, the application satisfies the requirement of standing in terms of Rule 5(3) of the Anti-Dumping Rules.
52. Certain interested parties have highlighted that FS India cannot be considered as domestic producer since (a) the producer did not commence production during the period of investigation; (b) the producer had very low revenue during the period of investigation; (c) the producer has consumed the product captively and has not sold the product in open market; and (d) the interests of the producer do not align with country since the ownership of the company is held by its American parent.
53. In this regard, the Authority notes that FS India commenced commercial production during the period of investigation, which was duly verified by the Authority. Further, it is noted that the fact a producer may have low revenue or that its ownership is held by non-Indian entities is not relevant in the determination of whether such producer is eligible to constitute domestic industry under Rule 2(b). Rule 2(b) requires a producer to be engaged in the production of the subject goods in the country, subject to certain qualifications. The Authority also notes that the FS India is engaged in production of solar modules using thin-film technology which are directly used for power generation. Since the producer is not a power developer, it cannot be said that FS India is captively consuming its production.

54. With regards to the argument that certain other major producers of the subject goods have not participated in the present investigation, it is noted that non-participation by such other producers does not negate the fact that FS India and Jupiter account for a major proportion of the total eligible Indian production. Even if such other producers would have participated in the investigation, it would not have precluded the Authority from finding that the two eligible domestic producers constitute domestic industry in the present case.
55. It has been contended that since only 2 producers have been considered as domestic industry, there is no basis for the application to be filed by 5 applicants. Further, since some of the applicants are themselves importers, they cannot be considered applicants. In this regard, the Authority notes that while the application was filed by 5 applicants, not all of such applicants were eligible to be treated as domestic industry within the provisions of Rule 2(b) in view of the significant imports made by such producers. Further, the fact that such the producers are importers only precludes them from being eligible to constitute domestic industry. The fact that such producers have been excluded from the scope of domestic industry does not debar them from approaching the Authority as applicants nor do such producers lose their locus standi in seeking suitable redressal against dumping.
56. With regards to the argument that the sampling of domestic industry has been undertaken in a very opaque manner, it is noted that the Authority has not undertaken sampling of the domestic producers and scope of the domestic industry has been determined as examined hereinabove. Accordingly, submissions in this regard do not require examination.

E. CONFIDENTIALITY

E.1. Submissions by other interested parties

57. None of the other interested parties have made any submissions regarding confidentiality.

E.2. Submissions by the domestic industry

58. The domestic industry has submitted that certain producers / exporters have claimed excessive confidentiality, in violation of Trade Notice 10/2018. Further, it claimed that information available in the public domain has also been claimed confidential by certain parties.

E.3. Examination by the Authority

59. The information provided by all the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to the other interested parties. Wherever possible, the parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

F. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS**F.1. Submissions by other interested parties**

60. The following miscellaneous submissions have been made by the other interested parties.
- i. The Indian industry is habitual of seeking protection of anti-dumping and safeguard measures on imports of subject goods, whenever its performance deteriorates. As such, there is no requirement for imposition of anti-dumping duty.
 - ii. In the sunset review for safeguard measures, the Authority stated that duties were being extended for only 1 year as industry received sufficient protection and only needed time to adjust.
 - iii. The domestic industry should explain the steps taken to adjust in response to when the safeguard measures imposed and why such measures did not help the industry.
 - iv. Despite being protected by anti-dumping duties for years, the domestic industry has not shown significant improvement or financial stability, which raises questions regarding the root cause of injury.
 - v. The Basic Customs Duty on solar cells and modules has already been enhanced to provide sufficient protection to the domestic industry.
 - vi. The petition filed is short of any legal and factual basis. The petitioner has exaggerated the increase in imports and deliberately invented injury.
 - vii. Considering the upcoming production capacities for solar cells in 2026-27, the Authority should not impose duty now and evaluate the need for duty once such new capacities come online.
 - viii. Since Jupiter is itself in the process of setting up a plant for production of solar modules, seeking levy of duty before establishment of the plant is premature.
 - ix. In case Jupiter is suffering injury, it can start consuming cells and produce modules which have a higher demand, since the domestic industry has self-admitted that there is no significant value addition from cells to modules.
 - x. The import data filed by the domestic industry from secondary sources is not authentic and reliable. As per the Manual, the Authority must rely on DGCI& data for examining imports and dumping.

F.2. Submissions by the domestic industry

61. The following miscellaneous submissions have been made by the domestic industry.
- i. Contrary to the argument of the other interested parties, the Authority found that the subject imports caused injury to the domestic industry and recommended imposition of duties in the anti-dumping investigation conducted in 2014 and the safeguard investigations conducted in 2018 and 2020.
 - ii. Anti-dumping investigations were terminated in 2018 and 2022 based on withdrawal request by domestic industry due to intensified injury subsequent to investigation and increase in Basic Customs Duty respectively.
 - iii. Claims of misuse of trade remedy investigation are misplaced, as it is the foreign producers that are abusing fair market.

- iv. While the Authority recommended safeguard measures considering significant increase in the imports, the domestic industry cannot now be blamed for seeking anti-dumping duties to remedy injury caused due to dumping.
- v. Even though the domestic industry had adjusted and recovered due to the safeguard measures, increase in dumped imports during the injury period have led to a decline in profitability.
- vi. While there is a requirement of cooling period between imposition of safeguard measures on the same product, there is no requirement for such gap between safeguard and anti-dumping duty.
- vii. The Anti-Dumping Rules do not require the Authority to consider past safeguard measures or whether the domestic industry adjusted to such measures.
- viii. Despite imposition of safeguard duty and increase in Basic Customs Duty, the subject imports continued to surge as the Chinese exporters absorbed the impact of duties.
- ix. Claims of the other parties that Jupiter should cease production of solar cells and start producing modules is contrary to the purpose of the Anti-dumping law which intends to provide remedy to an industry suffering injury, rather compelling industry to shift to produce other products.
- x. The fact that Jupiter has made investments to add production capacities for solar modules does not bar the producer from seeking remedy against dumping.
- xi. Since the domestic industry is suffering losses at present due to the dumping of subject goods, it cannot be claimed that duties should be imposed after new capacities come online. Further, non-imposition of duties at present would discourage future investment.
- xii. Since the domestic industry does not have access to DGCI&S data, it provided information as was reasonably available to it.

F.3. Examination by the Authority

62. The other interested parties have submitted that the industry is misusing trade remedial measures as it is known to approach the Authority as and when its performance declines. It is noted that an anti-dumping investigation was conducted by the Authority in 2014, and it was found that the domestic industry suffered injury due to the dumped imports. Accordingly, the Authority recommended imposition of duties. Thereafter, the Authority conducted an anti-dumping investigation in 2018. The investigation was terminated based on withdrawal by the domestic industry citing that injury had intensified in the post-POI period and that the volume of imports had increased substantially. Considering the sudden and sharp increase in the volume of imports, and on the basis of an application by the domestic industry, the Authority initiated a safeguard investigation, wherein it was found that the domestic industry was seriously injured due to increased imports. Such safeguard duties were continued pursuant to a sunset review. In 2022, the Authority conducted another anti-dumping investigation. However, the same was terminated, as the domestic industry withdrew its application when it believed that increase in the Basic Customs Duty would provide necessary relief. Thus, in each of these investigations, the Authority recommended trade remedial measures taking into account the facts of the case or terminated the

investigation based on request of the domestic industry, in accordance with provisions of Act and Rules.

63. As regards the submissions that the Authority should require the domestic industry to first establish the steps undertaken to adjust pursuant to previous safeguard measures before recommending anti-dumping duties, the Authority notes the scope of the present investigation is whether the product has been exported at dumped prices, and whether the same has caused material injury to the domestic industry. If the investigation establishes the same, the Authority is required to recommend anti-dumping. Thus, contentions raised in this regard are found irrelevant.
64. With regard to the submissions that the increase in Basic Customs Duty would restrict imports into India, the Authority notes that the purpose of Basic Customs Duty and imposition of anti-dumping duty is different. While duties collected at customs borders intended to regulate trade and generate revenue, the purpose of anti-dumping duty is to remedy the situation of dumping and injury to the domestic industry. The anti-dumping duty may even be in the form of price undertaking and may not necessarily imply collecting duties in cash.
65. With regard to the submissions that the domestic industry has not relied upon the DGCI&S data, the Authority notes that none of the interested parties have access to transaction wise DG Systems or DGCI&S data. However, for the purpose of the initiation of the present investigation, and for the purpose of the determination, the Authority has relied upon the DG Systems data. Hence, no prejudice has been caused to the interests of any interested parties by virtue of the fact that the domestic industry has not relied on DGCI&S data and has relied on other sources to procure import data.
66. With regard to the submission that since Jupiter and other producers are expanding capacities, the present investigation may be premature, the Authority notes that an anti-dumping investigation is conducted with respect to the injury suffered by the domestic industry producing the subject goods due to dumping during the period of investigation. The fact that Jupiter International and other domestic producers are expanding capacities in the future does not invalidate the fact that the domestic industry may have suffered injury due to dumping in the period of investigation.

G. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

G.1. Submissions by other interested parties

67. The following submissions have been made by the other interested parties, with reference to determination of normal value, export price and dumping margin.
 - i. Price of imports from Malaysia cannot be considered as a surrogate rate for producers from China PR for determination of normal value.
 - ii. The normal value for producers from China PR should be determined based on the responses filed by cooperative producers from China. Alternatively, it should be

- determined based on normalized cost of domestic industry, since it incurred huge financial and depreciation cost.
- iii. The normal value for Trina Group should be determined based on the information submitted in the questionnaire response since the company has operated under market economy conditions. Under Paragraph 8 of Annexure I to the Rules, MET is to be granted if a firm satisfies the five specific criteria, including market-based decision-making, compliance with GAAP, and acquisition of land and inputs through commercial means, which Trina has done.
 - iv. The mere existence of subsidies at the national or sectoral level does not justify a rejection of MET, unless it is clearly demonstrated that such subsidies have directly distorted the individual firm's cost or price structure.
 - v. The suggestion that the Chinese Government directly subsidizes all or even most raw material inputs across the entire market is not only speculative but economically irrational and financially unsustainable.
 - vi. The Petitioners have failed to provide any direct, verifiable, or entity-specific evidence demonstrating that Trina Solar or any of its raw material or utility suppliers benefited from actionable subsidies.
 - vii. Trina Solar has demonstrated through substantial evidence that procurement of raw materials, utilities, and land was conducted through commercial transactions at market-determined prices, without government interference, and findings to the contrary based on past CVD decisions of DGTR and other authorities is misplaced.
 - viii. The Chinese domestic market, like most modern economies, is predominantly comprised of privately-owned entities.
 - ix. Assertion that China operates under NME conditions implies that all economic actors globally producers, traders, and consumers alike who interact with Chinese suppliers are participating in a distorted market.
 - x. Minority shareholding of certain state-owned entities does not confer control and cannot be construed as evidence of state ownership or influence.
 - xi. Trina's CEO's appointment to NPC is due success as entrepreneur and does not indicate influence by Chinese government.
 - xii. While land-use rights are owned by state, such rights are granted after public bids and auctions.
 - xiii. In case the Authority does not accept the MET claim by Trina, the normal value should be calculated based on lowest cost of production among cooperating domestic producers, or based on reliable third-country data such as from Vietnam or Malaysia.
 - xiv. The Authority should determine individual duty rates for all cooperating exporters and sampling is not required in the present case.
 - xv. Rule 17(3) requires determination of individual margins for each known producer, unless it becomes impractical to examine each producer. Further, adoption of sampling methodology will be prejudicial towards non-sampled producers who have cooperated and provided information in the investigation.
 - xvi. Sampling violates Article 6.10.2 of the Agreement, which provides that the Authority must encourage individual participation. The same was also observed by Panel in US – Shrimp (Vietnam). Further, the failure to consider voluntary response violates principles of transparency and fairness.

- xvii. Consideration of individual responses would not be unduly burdensome to the Authority, particularly since the process is simplified after adopting PCN methodology and the Authority has ample time till September 2025 to issue its findings.
- xviii. In the past, Authority has determined individual margins for each producer where even upto 17 group of companies were participating, such as in the case of Printed Circuit Boards and Resin Bonded Thin Wheels.
- xix. The number of sampled producers is too small as only 3 out of 15 groups have been selected. The Authority has sampled 18 out of 58 exporters, and 19 out of 51 exporters in the past.
- xx. While the Manual requires that the sampling should be done within 80 days, the present sampling was completed in 92 days.
- xxi. Instead of considering a cross-section of participating producers, in terms of export volumes, only the three largest exporters were selected. The Authority failed to consider volume bands, export channels and product categories during sampling, as was required as per the Manual, as considered in the case of Jute products.

G.2. Submissions by the domestic industry

68. The following submissions have been made by the domestic industry, with reference to determination of normal value, export price and dumping margin.
- i. Market economy treatment claimed by the Trina Group should be rejected and normal value for the group should be determined as per provisions of Para 7 of Annexure I.
 - ii. Each producer of Trina group has procured raw materials domestically in China through affiliated and unaffiliated suppliers. It is a known fact that raw materials are provided by the Chinese Government and often at subsidized rates.
 - iii. The European Commission and U.S. Department of Commerce have separately determined that solar glass and aluminium extrusions were subsidized by the Chinese government.
 - iv. The Authority, in various past anti-subsidy investigations, has found that utilities such as electricity and water are provided at subsidized rates by the Chinese government.
 - v. As per the annual report of Trina Solar Group, two of the top 10 shareholders, are state owned entities and account for 13% of the shareholding in the company. Further, one other shareholder namely China Merchant Bank also has significant state-owned investment. This indicates that the operation of the Trina Group are likely influenced by the Chinese Government.
 - vi. The Chairman and CEO of Trina Group is affiliated with China's National People's Congress indicating indirect control by the government.
 - vii. The Government of China under the Chinese Property Laws grants land use rights to companies allowing them to use land at below market rate. The state tightly controls land supply using quota which is against fair competition, as determined by the Authority in past anti-subsidy investigations.
 - viii. China PR should be treated as a non-market economy in accordance with Article 15(a)(i) of China's accession protocol, and the normal value should be determined in accordance with Para 7 of Annexure I to the Rules.

- ix. Normal value for all sampled producers should be determined based on weighted average cost of the domestic industry with reasonable profits.
- x. The normal value should not be based on lowest cost of production amongst domestic producers, as per the current practice of the Authority, since it should not be assumed that the producers in China are operating their plants at highly efficient cost of production.
- xi. Determining individual margins for all participating producers / exporters would be unduly burdensome on the Authority, since it would require detailed review and verification of data. Finalization of PCN methodology makes the process even more complex.
- xii. No prejudice will be caused to the non-sampled cooperative producers, as they will still benefit from lower duties based on weighted average duties of sampled producers.
- xiii. While the other interested parties took three months to submit their questionnaire response, they expect the Authority to verify data for all exporters, determine individual margins and issue final findings in just two months.
- xiv. With a sharp increase in the total number of investigations, from 21 in 2004 to 81 in 2024, reliance on approach adopted for individual margin determination in the past is misplaced.
- xv. The investigating authorities in all major jurisdictions such as USA, China, GCC and EU undertake sampling of only 2-3 producers due to the burden of determining individual margins for a large number of producers.
- xvi. While authorities in USA, Brazil, EU and Canada initiate fewer cases than India, such authorities have undertaken mandatory sampling of producers.
- xvii. Article 6.10.2 of the WTO Anti-dumping Agreement clarifies that voluntary responses may be considered, unless the number of responses is too large to make individual examination unduly burdensome.
- xviii. In US – Shrimp (Vietnam), the Panel noted that there were no voluntary responses filed to be considered by the investigating authority, and did not address a situation where such voluntary responses were disregarded.
- xix. Article 6.10 of the WTO Anti-dumping Agreement and the Anti dumping Rules do not prescribe volume bands, channels, or product categories to be considered for sampling. On the contrary, Article 6.10 and the Manual of Operating Procedures provide for consideration of export volume and a cross-section data for sampling.
- xx. The Manual of SOP does not prescribe deadlines for any activity to be undertaken and is merely guidance to the Authority.
- xxi. Even though the Manual states that sampling should be done when three or more producers participate, the Authority in several cases has opted not to sample the producers despite their participation.
- xxii. The Authority has already noted in the Initiation Notification that Malaysia is not considered as a surrogate to determine normal value.

G.3. Examination by the Authority

69. Under section 9A(1)(c), the normal value in relation to an article means:

“i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or

ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

(b) Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.”

70. The Authority notes that the following producers / exporters of the subject goods have filed submitted their response to the exporter’s questionnaire:

- i. Anhui Schutten Solar Energy Co. Ltd.
- ii. Astronergy New Energy Technology (Singapore) Co.
- iii. Canadia Solar International Ltd.
- iv. Canadian Solar Manufacturing (Changshu) Inc.
- v. Canadian Solar Sunenergy (Jiaxing) Co., Ltd.
- vi. CECEP Solar Energy Technology (ZhenJiang) Co., Ltd.
- vii. Chinaland Solar Energy Co., Ltd.
- viii. Chint New Energy Technology (Yangcheng) Co., Ltd.
- ix. Chint New Energy Technology Co., Ltd.
- x. Chuzhou Jietai New Energy Technology Co. Ltd.
- xi. Econess Energy Co., Ltd.
- xii. Guangdong Aiko Solar Technology Co., Ltd.
- xiii. Hefei JA Solar Technology Co., Ltd.
- xiv. Hengdian Group DMEGC Magnetics Co., Ltd.
- xv. Huaian Jietai New Energy Technology Co. Ltd.
- xvi. JA Solar International Ltd.
- xvii. Jiangsu DMEGC New Energy Technology Co. Ltd.
- xviii. Jiangsu Huaheng New Energy Co., Ltd.
- xix. Jiangsu Longheng New Energy Co., Ltd.
- xx. Jinko Solar (Chuxiong) Co., Ltd.

- xxi. Jinko Solar (Chuzhou) Co, Ltd.
- xxii. Jinko Solar (Feidong) Co., Ltd.
- xxiii. Jinko Solar (Haining) Ltd.
- xxiv. Jinko Solar (Shangrao) Co., Ltd.
- xxv. Jinko Solar (Yiwu) Co., Ltd.
- xxvi. Jinko Solar Co., Ltd. (Jiangxi)
- xxvii. Jinko Solar Middle East DMCC.
- xxviii. Jinko Solar Trading Private Ltd.
- xxix. Jolywood (Shanxi) Solar Technology Co., Ltd.
- xxx. Jolywood (Taizhou) Solar Technology Co., Ltd.
- xxxi. Lianyungang DMEGC New Energy Technology Co. Ltd.
- xxxii. LONGi Solar Technology (Chuzhou) Co., Ltd.
- xxxiii. LONGi Solar Technology (Jiaxing) Co., Ltd.
- xxxiv. LONGi Solar Technology Co., Ltd
- xxxv. Risen Energy (Ningbo) Co., Ltd.
- xxxvi. Risen Energy Co., Ltd.
- xxxvii. Ronma Solar Technology (Jinjua) Co., Ltd.
- xxxviii. Shandong Ronma Solar Co. Ltd.
- xxxix. Shangrao Guangxin Jinko Photovoltaic Manufacturing Co., Ltd.
 - xl. Shangrao Jietai New Energy Technology Co. Ltd.
 - xli. Shangrao Jinko Photovoltaic Manufacturing Co., Ltd.
 - xlvi. Solar N Plus New Energy Technology Co., Ltd.
 - xlvi. Solarspace New Energy (Chuzhou) Co., Ltd.
 - xlv. Solarspace New Energy (Xuzhou) Co., Ltd.
 - xlv. Solarspace Technology (Suqian) Co., Ltd.
 - xlvi. Solarspace Technology Co., Ltd.
 - xlvi. Suzhou Ronma International Trade Co. Ltd.
 - xlvi. Tianjin Aiko Solar Technology Co., Ltd.
 - xlix. Tonghe New Energy (Jintang) Co., Ltd.
 - l. Tongwei Solar (Chengdu) Co., Ltd.
 - li. Tongwei Solar (HEFEI) Co., Ltd.
 - lii. Tongwei Solar (Jintang) Co., Ltd.
 - liii. Tongwei Solar (Meishan) Co., Ltd.
 - liv. Tongwei Solar (Pengshan) Co., Ltd.
 - lv. Tongwei Solar (Yangcheng) Co., Ltd.
 - lvi. Tongwei Solar Co., Ltd.
 - lvii. Trina Solar (Huai'an) Technology Co. Ltd.
 - lviii. Trina Solar (Suqian) Science & Technology Co. Ltd.
 - lix. Trina Solar (Yangcheng) New Energy Co. Ltd.
 - lx. Trina Solar Co. Ltd.
 - lxi. Trina Solar Energy Development Pte. Ltd.
 - lxii. Xuzhou Zhonghui Photovoltaic Technology Co., Ltd.
 - lxiii. Yangcheng Trina Guoneng Solar Energy Technology Co. Ltd.
 - lxiv. Yiwu JA Solar Technology Co., Ltd.
 - lxv. Yuhuan Jinko Solar Co., Ltd.

- lxvi. Zhejiang Aiko Solar Technology Co., Ltd.
- lxvii. Zhejiang Jinko Solar Co., Ltd.
- lxviii. Zhejiang Ronma Solar Group Co. Ltd.
- lxix. Zhengxin Photoelectric Technology (Suqian) Co., Ltd.
- lxx. Znshine Powertek Changzhou Co., Ltd.
- lxxi. Znshine PV-Tech Co., Ltd.
- lxxii. Wuhu GCL System Integration New Energy Technology Co., Ltd.,
- lxxiii. Hefei GCL System Integration New Energy Technology Co., Ltd.

71. As per the provisions of Rule 17, while the Authority is required to determine individual dumping margin in respect of all those producers/exporters who have filed questionnaire responses, in a situation where a large number of producers/ exporters have filed questionnaire responses, the Authority may resort to sampling by limiting the response to a limited number of producers. The Rules provides as follows in this regard.

“17(3) The designated authority shall determine an individual margin of dumping for each known exporter or producer concerned of the article under investigation:

***Provided** that in cases where the number of exporters, producers, importers or types of articles involved are so large as to make such determination impracticable, it may limit its findings either to a reasonable number of interested parties or articles by using statistically valid samples based on information available at the time of selection, or to the largest percentage of the volume of the exports from the country in question which can reasonably be investigated, and any selection, of exporters, producers, or types of articles, made under this proviso shall preferably be made in consultation with and with the consent of the exporters, producers or importers concerned :*

***Provided** further that the designated authority shall, determine an individual margin of dumping for any exporter or producer, though not selected initially, who submit necessary information in time, except where the number of exporters or producers are so large that individual examination would be unduly burdensome and prevent the timely completion of the investigation.”*

72. In view of the large number of responses, the Authority considered sampling of foreign producers for determination of individual dumping margins. The same was proposed vide notice dated 13th March 2025 and an opportunity was given to all interested parties to provide comments on the same. Thereafter, and after considering the submissions made by the interested parties, the Authority decided the sampled producers who shall be individually investigated and the same were notified vide notice dated 28th March 2025. The sample considered was based on the volume of exports to India, with the producers having the largest volume of exports, being considered as a part of the sample. The Jinko Solar Group, Trina Group and Aiko Group, comprising of the following producers were considered as a part of the sample.

Group	Producer Name	Exporter/Trader
-------	---------------	-----------------

Trina Group	Trina Solar (Huai'an) Technology Co., Ltd.	Trina Solar Energy Development Pte. Ltd. (TED)
	Trina Solar (Suqian) Technology Co., Ltd.	
	Trina Solar (Yancheng) New Energy Co., Ltd.	
	Trina Solar Co., Ltd.	
	Yancheng Trina Solar Guoneng PV Science & Technology Co., Ltd.	
Jinko Solar Group	Jinko Solar (Haining) Co., Ltd.	Zhejiang Jinko Solar Co., Ltd.
	Jinko Solar (Yiwu) Co., Ltd.	Zhejiang Jinko Solar Co., Ltd.
		Jinko Solar (Shangrao) Co., Ltd.
		Jinko Solar (Haining) Co., Ltd.
		Jinkosolar (Chuzhou) Co., Ltd. and Jinkosolar Middle East DMCC
		Jinko Solar (Feidong) Co., Ltd.
		Jinkosolar Middle East DMCC
	Jinkosolar (Chuzhou) Co., Ltd.	Zhejiang Jinko Solar Co., Ltd.
		Jinko Solar (Haining) Co., Ltd.
	Jinko Solar (Shangrao) Co., Ltd.	Zhejiang Jinko Solar Co., Ltd.
		Jinko Solar (Feidong) Co., Ltd. and Jinkosolar Middle East DMCC
		Yuhuan Jinko Solar Co., Ltd and Jinkosolar Middle East DMCC
		Jinko Solar (Yiwu) Co., Ltd. and Jinkosolar Middle East DMCC
		Jinkosolar (Chuzhou) Co., Ltd. and Jinkosolar Middle East DMCC
		Jinko Solar (Haining) Co., Ltd.
		Jinko Solar Co. Ltd.
		Jinkosolar Middle East DMCC
	Jinko Solar (Chuxiong) Co., Ltd.	Jinko Solar Co. Ltd.
	Jinko Solar (Feidong) Co., Ltd.	Jinko Solar (Yiwu) Co., Ltd. and Jinkosolar Middle East DMCC
		Jinko Solar (Haining) Co., Ltd.
		Zhejiang Jinko Solar Co., Ltd.
		Jinkosolar Middle East DMCC
	Shangrao Guangxin Jinko Photovoltaic Manufacturing Co., Ltd	Zhejiang Jinko Solar Co., Ltd.
	Shangrao Jinko Photovoltaic	Zhejiang Jinko Solar Co., Ltd.

	Manufacturing Co., Ltd	
Aiko Group	Zhejiang Aiko Solar Technology Co., Ltd.	Zhejiang Aiko Solar Technology Co., Ltd.
		Targray International Inc.
	Tianjin Aiko Solar Technology Co., Ltd.	Tianjin Aiko Solar Technology Co., Ltd.
		HLA Supply Chain Solutions Inc.
		Swelect Energy Systems PTE LIMITED
		Targray International Inc.
	Guangdong Aiko Solar Technology Co., Ltd.	Guangdong Aiko Solar Technology Co., Ltd.

73. The Authority notes that even though only 3 Groups are selected within sample, the number of producers/exporters is much higher, with 16 producers and their exporters being selected for individual examination. Further, after considering exports made by these producers either directly, or through related or unrelated producers / traders, exports made by the sampled groups collectively account for ***% of the imports into India.
74. The Authority does not find merit in the contention of the interested parties that the Authority has a mandatory obligation to determine individual dumping margin for any voluntary responses filed. Rule 17(3) and its provisos make it amply clear that the Authority may limit examination to certain exporters, where necessary, in the interest of timely completion of the investigation.
75. Certain interested parties have contended that the Authority has undertaken individual determination of dumping margin for much larger number of producers or exporters in the other past investigations. However, the fact that a large number of producers were investigated in the past does not imply that the Authority is barred from resorting to sampling in the present case. The Authority considers that it is necessary and appropriate to resort to sampling in the present case.
76. With regard to the submissions that sampling has been undertaken later than the prescribed time limit, the Authority notes that Rule 17(3) of the Anti-Dumping Rules allows sampling of producers / exporters. There is no deadline in the Rules for undertaking sampling of producers/exporters in an anti-dumping investigation. In fact, sampling is not provided under Rule 6 and is instead provided under Rule 17, which further shows that the Authority may decide need for sampling after receipt of questionnaire response from interested parties under Rule 6.
77. With regard to the submissions that the sampling methodology does not take into account different product categories, volume bands or export channels, the Authority notes that there is no provision in law which mandatorily requires the Authority to exercise any particular criterion at the time of sampling. The Anti-dumping Rules allow the Authority to resort to sampling of a reasonable number of interested parties or articles by using statistically valid

samples, or to the largest percentage of the volume of the exports from the country in question which can reasonably be investigated. This has been done in the present case. Further, all interested parties were given sufficient opportunity to comment on the proposed sampling methodology. However, none of the interested parties objected to use of such methodology at the appropriate time.

G.3.1. Determination of normal value for China PR

78. Article 15 of the China's Accession Protocol to the WTO provides as follows:

"Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:

(i) If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;

(ii) The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.

In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.

The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.

Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."

79. The applicants have cited and relied upon Article 15(a)(i) of China's Accession Protocol. The applicants have claimed that producers in China PR must be asked to demonstrate that market economy conditions prevail in their industry producing the like product with regard to the manufacturing, the production and the sale of the product under consideration. It has been stated by the applicants that in case the responding Chinese producers are not able to demonstrate that their costs and price information are market-driven, the normal value should be calculated in terms of provisions of Para 7 of Annexure- I to the Rules.
80. Other than the Trina Group, none of the sampled producers have claimed market economy treatment in the present case. Accordingly, the normal value for the sampled producers / exporters, barring the Trina Group, have been determined in accordance with paragraph 7 of Annexure I of the Rules which state as follows.

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

81. The Authority has examined the market economy treatment claimed by the producers of the Trina Group. The producers have claimed that they are operating under market economy conditions and have procured raw materials and utilities from affiliated and unaffiliated parties at market rates. The Authority notes that while the producer has claimed that it has sourced raw materials locally from affiliated and unaffiliated parties at market prices, it is evident that the company has not established that the prices of major inputs substantially reflect market values. The Authority notes in this regard that since China is a non market economy country, the Chinese producers should establish that the prices of inputs reflect market values considering prices in the international market. Since raw material suppliers

are located within China and are operating under non-market economy conditions, the Chinese producers must establish market economy situation on the basis of prices prevailing in the international market. Further, the fact that suppliers of solar glass and aluminium extrusions, the raw materials used for production of the subject goods, have received countervailable subsidies, has been determined by the investigating authorities in the EU and USA. While the producers have submitted that they have procured utilities from unaffiliated entities at market rates, the Authority has in various past anti-subsidy investigations found that utilities such as electricity and water in China are supplied by the government or local authorities at subsidized rates. Thus, the price at which the utilities have been procured by the producers cannot be said to be reflective of market values. Lastly, the domestic industry has provided evidence to show that the Chairman of the Trina Group is associated with the National People's Congress of China, which can lead to indirect influence by the government. In such a case, the Authority concludes that the Trina Group is not operating under market economy conditions and as such, the normal value for the producer has been determined as per the provisions of Para 7 of Annexure I to the Rules.

82. The applicants have claimed that the normal value should be determined on the basis of price of imports of the subject goods from Malaysia. However, the applicants have not demonstrated that Malaysia can be considered as an appropriate market economy country. Alternatively, the applicants have also claimed normal value based on the price payable in India, which is based on its cost of production, duly adjusted. The other interested parties have not adduced any other basis, amongst that listed under paragraph 7 of Annexure I of the Rules, which may form basis of determination of normal value. The Authority has therefore, determined normal value as per the price payable in India, based on cost of production of the applicant, duly adjusted for selling, general and administrative expenses and reasonable profits.

G.3.2. Export price for China PR

Export price for Guangdong Aiko Solar Technology Co., Ltd. (Guangdong Aiko), Tianjin Aiko Solar Technology Co., Ltd. (Tianjin Aiko), and Zhejiang Aiko Solar Technology Co., Ltd. (Zhejiang Aiko) (Aiko Group)

83. Guangdong Aiko, Tianjin Aiko and Zhejiang Aiko (collectively referred to as the "Aiko Group") exported *** MW to India during the period of investigation directly to the customers in India or through unrelated traders. Out of the total exports of the Aiko Group, the producers have exported *** MW of subject goods to India directly and have exported *** MW through unrelated traders.

- Guangdong Aiko → Customers in India
- Tianjin Aiko → Customers in India
- Tianjin Aiko → Unrelated Traders in China → Customers in India
- Zhejiang Aiko → Customers in India
- Zhejiang Aiko → Unrelated Traders → Customers in India

84. The Authority notes that the unrelated traders through which exports have been made to India have not cooperated in the present investigation by filing questionnaire response. However, the exports made through such unrelated traders accounts for only ***% of the total exports. Accordingly, in view of small share of exports, the information submitted by the Aiko in their questionnaire response has been accepted.
85. The Authority has determined the net export price based on the price charged from the first unrelated customer. With respect to exports through unrelated traders, in absence of information relating to re-sale price charged by such trader, the Authority has determined the price of exports through such traders based on the price of direct exports by Tianjin Aiko and Zhejiang Aiko. Adjustments on account of ocean freight, insurance, inland transportation, port and other related charges, bank charges and credit cost have been allowed after due verification. The net export price so determined is mentioned in the table below.

Jinko Solar (Haining) Co., Ltd., Jinko Solar (Yiwu) Co., Ltd., Jinko Solar (Chuzhou) Co., Ltd., Jinko Solar (Shangrao) Co., Ltd., Jinko Solar (Chuxiong) Co., Ltd., Jinko Solar (Feidong) Co., Ltd., Shangrao Guangxin Jinko Photovoltaic Manufacturing Co., Ltd., Shangrao Jinko Photovoltaic Manufacturing Co., Ltd., Jinko Solar Co. Ltd., Zhejiang Jinko Solar Co., Ltd., Yuhuan Jinko Solar Co., Ltd., Jinko Solar Middle East DMCC, Jinko Solar Trading Private Limited (Jinko Solar Group)

86. Jinko Solar (Haining) Co., Ltd., Jinko Solar (Yiwu) Co., Ltd., Jinko Solar (Chuzhou) Co., Ltd., Jinko Solar (Shangrao) Co., Ltd., Jinko Solar (Chuxiong) Co., Ltd., Jinko Solar (Feidong) Co., Ltd., Shangrao Guangxin Jinko Photovoltaic Manufacturing Co., Ltd. and Shangrao Jinko Photovoltaic Manufacturing Co., Ltd. are related companies engaged in the manufacturing of subject goods in the subject country. Jinko Solar Co., Ltd., Zhejiang Jinko Solar Co., Ltd., Yuhuan Jinko Solar Co., Ltd., and Jinko Solar Middle East DMCC are involved in the export of the subject goods to India. The producers in the Jinko Solar Group have produced and exported the subject goods to unrelated customers in India through related exporters within Jinko Solar Group. Additionally, the producers in the Jinko Solar Group have also been exported to a related Indian trader, Jinko Solar Trading Private Limited, who has resold the subject goods to unrelated customers in India. All the aforementioned companies have submitted the relevant information in the prescribed questionnaire format.

- Haining → Zhejiang Jinko → Unrelated Customers in India
- Yiwu → Zhejiang Jinko → Unrelated Customers in India
- Yiwu → Zhejiang Jinko → Jinko India → Unrelated Customers in India
- Yiwu → Shangrao Jinko → Unrelated Customers in India
- Yiwu → Haining → Unrelated Customers in India
- Yiwu → Jinko DMCC → Unrelated Customers in India
- Yiwu → Chuzhou → Jinko DMCC → Unrelated Customers in India
- Yiwu → Feidong → Jinko DMCC → Unrelated Customers in India
- Chuzhou → Zhejiang Jinko → Unrelated Customers in India

- Chuzhou → Haining → Unrelated Customers in India
- Shangrao → Zhejiang Jinko → Unrelated Customers in India
- Shangrao → Haining → Unrelated Customers in India
- Shangrao → Jinko DMCC → Unrelated Customers in India
- Shangrao → Chuzhou → Jinko DMCC → Unrelated Customers in India
- Shangrao → Feidong → Jinko DMCC → Unrelated Customers in India
- Shangrao → Yuhuan → Jinko DMCC → Unrelated Customers in India
- Shangrao → Yiwu → Jinko DMCC → Unrelated Customers in India
- Shangrao → Jiangxin Jinko → Jinko India → Unrelated Customers in India
- Chuxiong → Jiangxi Jinko → Jinko India → Unrelated Customers in India
- Feidong → Zhejiang Jinko → Unrelated Customers in India
- Feidong → Haining → Unrelated Customers in India
- Feidong → Jinko DMCC → Unrelated Customers in India
- Feidong → Yiwu → Jinko DMCC → Unrelated Customers in India
- Guangxin → Zhejiang Jinko → Unrelated Customers in India
- Shangrao Jinko Photovoltaic → Zhejiang Jinko → Unrelated Customers in India

87. Out of the total exports of the Jinko Group, the producers have exported *** MW of subject goods to unaffiliated customers in India and have exported *** MW to the related Indian trader, which has resold the goods to unaffiliated customers in India. The Authority has verified the information submitted by the producers, exporters and related Indian importer in the Jinko Solar Group. The Authority notes that for calculation of export price for the producers, the price charged by the last exporting entity to the unaffiliated customers in India was considered as the starting point. Deductions claimed by producers and traders forming part of the channel have been adjusted to arrive at the export price. The Authority noted the affiliated Indian importer earned losses on sales of the product under consideration in India. Accordingly, such loss of the importer was adjusted. Adjustments on account of ocean freight, inland transportation, port and handling expenses, insurance, credit cost and bank charges have been allowed by the Authority after due verification. The net export price so determined is mentioned in the table below.

Trina Solar Co., Ltd (TCZ), Yancheng Trina Solar Guoneng PV Science & Technology Co., Ltd. (TYC), Trina Solar (Yancheng) New Energy Co., Ltd. (TNE(YC)), Trina Solar (Huai'an) Technology Co., Ltd. (THAT), Trina Solar (Suqian) Technology Co. (TSQT), Ltd. and Trina Solar Energy Development Pte. Ltd, Singapore (TED) (Trina Solar Group)

88. Trina Solar Co., Ltd (TCZ), Yancheng Trina Solar Guoneng PV Science & Technology Co., Ltd. (TYC), Trina Solar (Yancheng) New Energy Co., Ltd. (TNE(YC)), Trina Solar (Huai'an) Technology Co., Ltd. (THAT) and Trina Solar (Suqian) Technology Co. (TSQT), Ltd. are related companies engaged in the manufacturing of subject goods in the subject country, and have exported the goods to India through their affiliated trader and Trina Solar Energy Development Pte. Ltd, Singapore (TED), who has sold to unaffiliated customers in India. All the aforementioned companies have submitted the relevant information in the prescribed questionnaire format.

- TCZ → TED → Customers in India
- TYC → TED → Customers in India
- TNEYC → TED → Customers in India
- THAT → TED → Customers in India
- TSQT → TED → Customers in India

89. The Trina Solar Group has exported *** MW of subject goods to unaffiliated customers in India through related trader. The Authority has verified the information submitted by the producers and the exporter. The Authority notes that for calculation of export price for the producers, the price charged by the last exporting entity to the unaffiliated customers in India was considered as the starting point. Deductions claimed by producers and trader forming part of the channel have been adjusted to arrive at the export price. Adjustments on account of ocean freight, inland transportation, port and handling expenses, insurance, credit cost and packing cost have been allowed by the Authority after due verification. The net export price so determined is mentioned in the table below.

Export price for other producers/exporters in China PR

90. The export price and dumping for all other cooperative non-sampled producers has been determined based on the weighted average margin determined for the cooperative sampled producers. The export price for all other producers and exporters, that have not participated in the present investigation, has been determined as per facts available. The same has been mentioned in the dumping margin table.

G.3.3. Dumping margin

91. Considering the normal value constructed as provided above, and export price as determined, the dumping margin determined for the subject country is as follows:

Dumping Margin Table

SN	Name of Producer		Volume	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin	Dumping Margin
			MW	(USD/MW)	(USD/MW)	(USD/MW)	(%)	(Range)
1	Jinko Solar (Haining) Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	35-45%
2	Jinko Solar (Yiwu) Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	35-45%
3	Jinko Solar (Chuzhou) Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	35-45%
4	Jinko Solar (Shangrao) Co.,	Mono-Cell	***	***	***	***	***	105-115%

5	Ltd	Mono-Module	***	***	***	***	***	10-20%
6	Jinko Solar (Chuxiong) Co., Ltd.	Mono-Cell	***	***	***	***	***	90-100%
7	Jinko Solar (Feidong) Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	35-45%
8	Shangrao Guangxin Jinko Photovoltaic Manufacturing Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	55-65%
9	Shangrao Jinko Photovoltaic Manufacturing Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	55-65%
10	Weighted Average – Jinko Group	Mono-Cell	***	***	***	***	***	100-110%
11		Mono-Module	***	***	***	***	***	30-40%
	Jinko Group	Weighted	***	***	***	***	***	30-40%
12	Guangdong Aiko Solar Technology Co., Ltd.	Mono-Cell	***	***	***	***	***	40-50%
13	Tianjin Aiko Solar Technology Co., Ltd.	Mono-Cell	***	***	***	***	***	65-75%
14	Zhejiang Aiko Solar Technology Co., Ltd.	Mono-Cell	***	***	***	***	***	55-65%
15	Weighted Average – Aiko Group	Mono-Cell	***	***	***	***	***	55-65%
16	Trina Solar Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	55-65%
17	Yancheng Trina Solar Guoneng PV Science & Technology Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	30-40%
18	Trina Solar (Yancheng) New Energy Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	40-50%
19	Trina Solar (Huai'an) Technology	Mono-Module	***	***	***	***	***	25-35%

	Co., Ltd.							
20	Trina Solar (Suqian) Technology Co., Ltd.	Mono- Module	***	***	***	***	***	25-35%
21	Weighted Average – Trina Group	Mono- Module	***	***	***	***	***	30-40%
22	Other sampled co-operating producers			***	***	***	***	60-70%
23	Non- cooperating producers			***	***	***	***	85-95%

H. ASSESSMENT OF INJURY AND CAUSAL LINK

H.1. Submissions by other interested parties

2. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to injury and causal link:
 - i. While the domestic industry has claimed different forms of injury, the WTO Panel in the case of Korea - Polyacetal Resins held that a single finding on all three forms of injury is internally contradictory. Further, claiming different forms of injury cannot be permissible when one of the producers is well established and is claiming material injury.
 - ii. The domestic industry should have submitted Proforma IVA containing economic parameters for Jupiter and First Solar separately as the nature of injury is different for both companies. Further, quarter-wise information during the period of investigation for First Solar and comparison of projections with actual performance should be provided as the producer has claimed material retardation.
 - iii. Examination of material injury caused by subject imports, which includes both cells and modules, would not be fair since Jupiter only produces and sells cells and imports of modules cannot cause injury to the producer.
 - iv. Assessment of material injury caused by subject imports should be done based on parameters of producers of both cells and modules.
 - v. Cumulation of injury data for both petitioners is misleading and presents skewed results in favour of the domestic industry as First Solar did not exist in the first three years of the injury period. Many solar cell producers in India have integrated operation lines and they captively consume a large share of cells produced, forcing module producers to import cells.
 - vi. Imports by importing domestic producers should be excluded from determination of volume and price effect of imports.
 - vii. Comparison of increase in volume of imports from 2020-21 is inaccurate since the base year affected by the Covid-19 pandemic whereby imports were limited.

- viii. While the volume of imports increased over the injury period, the demand and domestic sales of the domestic industry also increased steadily. Further, market share of domestic industry has increased, while market share of imports declined by 4%.
- ix. Volume of imports have declined in relation to production and demand.
- x. While the volume and price of imports increased in 2021-22, the profits of the domestic industry declined by half. As the volume of imports declined and the price remained stable, the domestic industry faced huge losses in 2022-23.
- xi. The domestic industry has provided price undercutting only for the period of investigation instead of the injury period.
- xii. The trend of cost of sales reported in the petition is inconsistent with Proforma IV-A.
- xiii. There is no price injury to the domestic industry as the domestic selling price continued to increase over the period. Further, while the selling price of the domestic industry has increased at a faster pace than the cost of sales, the profit before tax of the domestic industry has declined.
- xiv. Trends of post-POI period are not relevant in an original anti-dumping investigation. Further, in case post-POI import prices are considered, then post-POI performance of the domestic industry must also be examined. In any case, the volume of imports has declined in the post-POI period.
- xv. Fall in the prices of cell is not on account of dumping and rather, reflects the ideal situation wherein the producers from China have been able to lower their cost and such reduction has been passed on in price which has helped the Indian solar power projects to produce electricity at affordable prices ultimately.
- xvi. The price reductions mirror global cost trends and are not indicative of any predatory pricing.
- xvii. The overall performance of the domestic industry has improved significantly, and imposition of anti-dumping duty is unwarranted.
- xviii. All economic parameters of the domestic industry, such as capacity, production, sales volume, wages, employees and capital employed have shown a positive trend over the injury period.
- xix. Increased in installed capacity has outpaced growth in actual production and resulted in a decline in capacity utilization.
- xx. Jupiter International earned significant losses in 2022-23 and earned high profits in the period of investigation, which contradicts the claim of injury before the Authority. Further, Jupiter has admitted that it has earned profits.
- xxi. The PBDIT of the domestic industry increased by 18% as compared to the previous year, which demolishes any claims of injury.
- xxii. The domestic industry has not provided information regarding injury in open market versus DCR market separately, and the other parties have not gotten any opportunity to comment on the same.
- xxiii. Since the dumping margin and injury margin for imports from Malaysia and Vietnam is also positive, imposition of duty only in imports from China would be discriminatory.

- xxiv. While the domestic industry is claiming injury, such claim is misleading since the other solar cell producers, who have not submitted their information, are minting exorbitant margins.
- xxv. Import of solar cells from China PR by other module producers cannot cause threat of injury to Jupiter, when the producer is itself in the process of setting up production capacity for module and in view of limited supply of cells, will itself undertake imports.
- xxvi. There is no basis for consideration of a high return of 22% on the capital employed for computation of non-injurious price as Annexure III requires consideration of a reasonable return and 22% return is very high for the solar industry.
- xxvii. Consideration of 22% return on capital employed was only referred to as a guideline for the Authority when the Anti-Dumping Rules were notified and were made in relation to price control orders of 1976-77.
- xxviii. The CESTAT in the case of Bridge Stone Tyre Manufacturing held that adoption of 22% return was incorrect as it gives an inflated picture of the injury margins.
- xxix. The European Court of Justice in the case of EFMA vs Council held that the European Commission should calculate the non-injurious price considering profit margin which the industry would earn under normal market conditions.
- xxx. The royalty paid by FS India to their parent is their internal matter and such cost is not any essential product cost as per the NIP law as we read the claims of the applicants. Attempt to include such royalty is an attempt to inflate NIP.
- xxxi. There is no causal link between injury caused to domestic industry and subject imports.
- xxxii. The Authority is required to examine all factors other than subject imports which might have caused injury to the domestic industry as per Annexure II of Anti-Dumping Rules and Article 3.5 of Anti-Dumping Agreement. The same was also upheld by Appellate Body in US – Hot Rolled Steel.
- xxxiii. Sharp decline in profitability of domestic industry is due to increased interest costs and depreciation costs as a result of huge capital investment and financing undertaken by First Solar who is a new producer and will take some time to stabilize its operations.
- xxxiv. The domestic industry is facing injury due to usage of outdated technology, dependency on imported or low-quality raw material, shortage of skilled labor, increased logistics and transportation costs due to geographical disadvantages and increased interest and depreciation costs on huge investments.
- xxxv. Injury to the domestic industry might have been caused by changing market dynamics such as technological disruption, fluctuating currency rates, and evolving consumer preferences.
- xxxvi. The import price increased in 2021-22 due to high freight costs on account of Russia-Ukraine conflict. The import price declined thereafter as freight costs declined, and such decline was not due to dumping.
- xxxvii. Injury to the domestic industry is likely on due to reliance on imports of raw materials as there is limited production of polysilicon wafers in India. Since new plants for production of silicon wafers are being set up, the domestic industry would become competitive in the future.

- xxxviii. Losses suffered by the domestic industry are likely due to high cost of production, since the prices of subject goods declined globally during the period of investigation. The domestic industry operates at low economy of scale, compared to global counterparts.

H.2. Submissions by the domestic industry

3. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to the injury and causal link:
- i. The Authority in the case of Styrene Butadiene Rubber from EU, Korea RP and Thailand considered different forms of injury to different producers constituting domestic industry and this view was affirmed by the CESTAT and the Supreme Court.
 - ii. Since the other interested parties have contended that FS India cannot be treated as an establishing industry for the examination of material retardation, they cannot be allowed to claim that injury to the domestic industry is on account of FS India being a new a producer and requesting separate analysis for the producer.
 - iii. Since FS India and Jupiter both constitute domestic industry, their performance cannot be assessed separately, as injury analysis must be conducted for the domestic industry as a whole has also done by the Authority in the cases of Polyester Spun Yarn and Welded Stainless Steel Pipes.
 - iv. As per Annexure – II, an analysis must be undertaken for all dumped imports, whether made by users, traders, or domestic producers. Further, imports by domestic producers have not been segregated by the Authority in the past.
 - v. The Authority examines injury for the like article as a whole, and not separately for different types of products.
 - vi. There is a critical need for imposition of anti-dumping duty considering the sharp decline in prices of the subject imports over the injury period. Further the prices have declined by 55% in the subsequent period.
 - vii. The volume of subject imports increased by 271% over the injury period. The volume of imports of solar cells further increased by 63% in the subsequent period.
 - viii. As opposed to the claim of other parties, imports increased not just in comparison to Covid affected 2020-21, but in comparison to every year.
 - ix. The domestic industry has suffered significant injury due to dumped imports.
 - x. The market for subject goods is segregated into three parts. The first market caters to imports for exports, the second is DCR market wherein supplies made to government projects must be produced in India and third market is open market where the Chinese producers are dumping. Since imports from exports do not compete in domestic market and the DCR market is insulated from Chinese imports, the domestic industry has faced significant injury in the open market.
 - xi. The volume of subject imports increased sharply during the injury period in absolute and relative terms.
 - xii. While the imports declined in 2022-23 as the Basic Customs Duty on the subject goods was enhanced, the imports increased sharply in the period of investigation as the Chinese producers absorbed the impact of duties.

- xiii. During the period of investigation, the subject imports accounted for 79% of the total imports into the country, while imports from around 24 other countries accounted for 21% of total imports.
- xiv. While the subject imports commanded a market share of 96% during the period of investigation, the domestic industry had a market share of less than ***%.
- xv. There is no demand-supply gap as India is expanding and adding new capacities, and the imports are unnecessary which are draining the country of foreign exchange.
- xvi. If the subject imports had increased only in line with demand, the market share and profitability of domestic industry would not have declined.
- xvii. The prices of the subject imports have declined sharply over the injury period and in the subsequent period.
- xviii. The subject imports have significantly undercut the prices of the domestic industry.
- xix. As per Annexure-II, the Authority is required to examine price undercutting only for the period of investigation, and such practice has been adopted in various cases.
- xx. The sharp decline in the prices of the subject imports forced the domestic industry to sell below its costs, and prevented price increases which otherwise would have occurred.
- xxi. The installed capacity of the domestic industry increased over the period as Jupiter enhanced its production capacity and FS India commenced their commercial production during the period of investigation. As a result, the production and sales of the domestic industry increased.
- xxii. Despite having high capacities, the domestic industry was forced to curtail its production due to presence of dumped imports and it had underutilized capacities. Further, while the capacity utilization of Jupiter declined over the injury period, the plant of FS India operated at a low utilization.
- xxiii. The domestic industry faced a significant piling up of inventories, which increased by more than 50 times. Further, the domestic industry held inventories equal to almost *** months of its production and almost *** months of its sales.
- xxiv. While the domestic industry earned profits in 2020-21, its profitability declined thereafter, and it suffered significant losses. The profits of the domestic industry declined by 275% and its cash profits declined by 158%.
- xxv. During the period of investigation, the domestic industry practically earned no returns on its investments.
- xxvi. Due to the dumped imports, the domestic industry lost various contracts. Despite having various confirmed orders, the consumers cancelled or reduced the orders with FS India in favour of cheaper Chinese imports.
- xxvii. Since FS India was able to execute only limited orders despite reducing its prices, the producer faced accumulation of inventories.
- xxviii. While FS India was able to achieve optimal capacities and its targeted production volume in its first year of operations, its sales volumes were significantly lower than its projected sales. Further, while the producer project to sell at 28% above its cost, it was forced to sell 41% lower than its cost due to presence of dumped imports.

- xxix. As opposed to the argument of other interested parties, losses of FS India were not due to high depreciation or interest cost since the company accounted for start-up costs in its projections and anticipated losses. However, its actual losses were 69% higher than projected due to dumped imports.
- xxx. Jupiter was able to earn some profits since its sales were largely concentrated in the protected DCR market. However, if Jupiter made significant sales in the open market and was forced to match the price of Chinese imports, it would have earned huge losses.
- xxxi. The domestic industry showed healthy profitability in 2020-21 and 2021-22 when the landed prices were higher, as opposed to the claim of domestic industry operating at low economy of scale.
- xxxii. The subject imports are threatening to cause further injury to the domestic industry.
- xxxiii. The volume of subject imports has increased at significantly high rate.
- xxxiv. The producers in China are exporting to India at prices which lower than price of exports to the rest of the world.
- xxxv. The subject imports are subject to anti-dumping duty in Canada, Türkiye and the USA. Further, the subject goods are facing safeguard duties when imported into USA. Lastly, the USA has increased Basic Customs Duty on imports of solar cells from China which are practically closed all major market.
- xxxvi. The Chinese producers are unable to sell at undumped prices and have resorted to circumvention, resulting anti-circumvention investigation and extension of duties in Türkiye and the USA.
- xxxvii. The producers in China have significant idle capacities, which are much higher than their domestic demand.
- xxxviii. The producers in China are also undertaking capacity expansions, despite excess idle capacities.
- xxxix. The producers in China have a history of engaging in unfair trade practices in India, which caused severe injury to the domestic industry.
- xl. The exporters in China are exporting the subject goods to India at prices below their own cost of sales and at substantial losses in order to dispose of their inventories in light of continuous capacity expansions and limited demand.
- xli. Injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports and the same is not account of any other known factors.
- xlii. Imports from Malaysia and Vietnam were priced higher than Chinese imports and domestic selling prices and therefore did not cause injury to the domestic industry.
- xliii. Contrary to the claim that decline in profits of the domestic industry is due to increase interest and depreciation cost, the EBIDTA of the domestic industry has declined by 57% over the injury period.
- xliv. Since the Authority always considers actual costs without adjustments for negligible interest or depreciation cost in cases of old and depreciated plants, the same cannot be adjusted in case of capacity expansions or new plants.
- xlvi. Factors such as geographical location, quality of raw material, and labour skills are inherent to domestic injury and remained unchanged during the injury period.
- xlvi. Injury to the domestic industry must be examined as it exists and factors inherent to the industry cannot be considered as causing injury, as held by the Appellate Body

- in EU – Biodiesel (Argentina) and in the case of Nippon Zeon Co. Ltd. vs. DA, and accepted by the Authority in various investigations.
- xlvi. The domestic industry has not claimed injury on account of the number of employees, salaries, overall productivity and productivity per day.
 - xlvi. Contrary to claim of other parties, productivity per employee cannot increase proportionally to increase in number of employees as working hours or physical capability remains unchanged even if more employees are hired.
 - xlix. The other interested parties have not provided any information to show that technological disruption, currency fluctuation, or change in consumer preference may have caused injury to the domestic industry.
 - l. Even if prices in 2021-22 were inflated by high freight costs due to Russia-Ukraine conflict, it does not explain the high import prices in 2020-21.
 - li. Injury analysis cannot be undertaken only with respect to the preceding year or taking into account comparison of only end-points as held by the WTO Panel in Pakistan–BOPP and EC–Malleable Cast Iron Tube or Pipe Fittings (Brazil).
 - lii. The other parties have not submitted any evidence in support of their claim that non-participating solar cell producers are minting exorbitant profits.
 - liii. Injury must be examined only for the defined domestic industry and information about producers outside the scope of domestic industry is irrelevant as held by WTO Appellate Body in US –Hot-Rolled Steel Products (Japan) and by the WTO Panel in EC –Bed Linen (India).
 - liv. A finding of injury does not require that all factors listed under the law should indicate injury. Rather, an industry may be suffering injury even if some factors show improvement as held by the WTO Panel in Pakistan – BOPP Film (UAE) and by the CESTAT in Reliance Industries Ltd vs. DA.
 - lv. FS India has paid royalty to its parent company in relation to production technology, manufacturing process, setting up and operation of plant and equipment, and manpower skill development, which should be included in the determination of non-injurious price as per Para (vii) (e) of Annexure-III.
 - lvi. While the other interested parties have claimed allowing a 22% return for determination of non-injurious price is not reasonable, they have provided the return which should be allowed. Considering the reliance on the practice of European Commission and the decision of CESTAT in case of Bridge Stone Tyre Manufacturing, the Authority should allow return earned by the domestic industry in the past when it was unaffected by dumping, which was *** times higher than presently considered.
 - lvii. As held by the Tribunal in Tangshan Sanyou Group Hong Kong International Trade Co. Ltd. vs. Union of India, in absence of evidence showing a different return should be allowed, a 22% return is justified as this rate has been consistently applied by the Authority in numerous cases.
 - lviii. While the other interested parties have referred to the practice of the European Commission, they have failed to highlight that the Commission determines fair selling price based on total cost of production without any adjustments as opposed to the practice of the Authority.

H.3. Examination by the Authority

4. The Authority has examined the arguments and counterarguments of the interested parties with regard to injury to the domestic industry. The analysis made by the Authority hereunder addresses the various submissions made by the interested parties.
5. In its application, the domestic industry has claimed that the subject imports have caused material retardation to the establishment of FS India Solar Ventures Private Ltd. as well as such imports have caused material injury to the domestic industry as a whole. In this regard, the domestic industry has submitted the injury information for domestic industry as a whole, including FS India and have separately submitted information injury information of FS India as compared to its projections. The other interested parties have objected to an analysis of different forms of injury to the constituents of the domestic industry. The Authority notes while FS India may be in the process of being established, the industry for manufacturing solar products has been in operation since a long time in India and therefore, the solar industry is considered to be an established industry. It is noted that the data pertaining to FS India has been included by the domestic industry in their claims for material injury. Accordingly, the Authority has examined whether the dumped imports have caused material injury to the domestic industry, including FS India. However, since the injury parameters listed under the rules are only not exhaustive and the Authority can examine any other parameters of injury that have been identified by the domestic industry and for which relevant information has been provided, the Authority has examined such other parameters of injury.
6. Certain interested parties have argued that the Authority must examine injury to Jupiter International and FS India separately. It has been argued that injury to the domestic industry, if any, is only on account of FS India which has faced losses and had no production during first 3 years of the injury period, while Jupiter has earned significant profits. It is noted that the Authority is required to undertake injury examination for domestic industry as a whole and not for individual constituents of the domestic industry.
7. Some of the interested parties have contended that the Authority must conduct separate examination for solar cells and solar modules or panels. The Authority notes that in the investigations where different product types are included within the scope of the product under consideration, the Authority undertakes separate PCN wise analysis in order to evaluate price undercutting, dumping margin and injury margin. The same has been conducted in the present investigation. In so far as injury to the domestic industry is concerned, the same is required to be undertaken for the product under consideration and not for individual types of the product under consideration.
8. With regard to the submissions that 2020-21 should not be considered as the base year as the same was impacted due to COVID-19, the Authority notes that the performance of the domestic industry has deteriorated in comparison with 2020-21, 2021-22 as well as 2022-23. Consideration of different base year would not have made any difference in the eventual conclusion in so far as injury to the domestic industry is concerned. As far as dumping

margin, injury margin and price undercutting is concerned, the same have, in any case, been determined based on the period of investigation

9. With regards to the argument that imports made by domestic producers must be excluded from the injury analysis, it is noted that as per Rule 11(2) and provisions of Annexure II to the Anti-dumping Rules, the Authority is required to examine injury caused to the domestic industry due to dumped imports, having regards to the volume of dumped imports, the effect on domestic prices of such dumped imports and the consequent impact of the same on the domestic industry. The Rules require consideration of dumped imports, irrespective of the fact whether such imports have been made by a user, importer or a domestic producer.
10. With regard to the submissions that other domestic producers have earned exorbitant profits and have not claimed injury, the Authority notes that the injury analysis is conducted for the domestic industry. Since the applicant's accounts for a major proportion of the total domestic production, only injury to the domestic industry is relevant in the present investigation. It is also noted that no verifiable information has been provided with regard to profits of such other domestic producers, and the imports are not permitted for all applications in the Country. Thus, if other domestic producers are not suffering injury because of sales in non-competing market (where imports are not permitted) and if the domestic industry has suffered injury in the market where imports are permitted, the same at the least establishes that injury to the domestic industry in these markets are due to dumped imports, while "no injury" to other domestic producers is due to "no dumping" in that market.
11. As regard the argument that certain economic parameters of the domestic industry have shown positive movement which demonstrates absence of injury, the Authority notes that while all the factors as listed under Article 3.4 of the WTO Agreement are required to be examined, there is no requirement that each of the factors listed must show injury, or a positive movement in any or some factors indicates absence of injury to the domestic industry. The Authority notes that it is well established legal position that all economic parameters need not show deterioration or injury, and improvement in some parameters does not mean no injury to the domestic industry. In the present case, while the volume parameters of the domestic industry have witnessed improvement due to expansion and addition of capacities, its price parameters have shown significant deterioration. Further, even when the volume parameters have shown improvement, the domestic industry has claimed volume injury, as analysed in detail in relevant paragraph hereinbelow.

H.3.1. Volume effect of the dumped imports

a) Assessment of demand / apparent consumption

12. The Authority, for the purpose of the present investigation, has defined demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports from all sources. The domestic industry has claimed that there have been imports into the country one form of the product which are ultimately re-exported in a different form and such imports did not compete in the Indian market. Since these imports were in one form of the product under consideration and exports were in other form of the product, the

domestic industry contended that these should not be included in quantification of demand. Such imports have been separately identified. The demand so assessed is given in the table below.

Particulars	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Sales of domestic industry	Indexed	100	83	107	213
Sales of other Indian producers (excluding sales out of imports of cells by these producers)	Indexed	100	122	142	175
Subject imports	MW	9,061	32,120	6,492	30,723
Other imports	MW	649	804	3,254	9,346
Re-export	MW	(431)	(1,583)	(53)	(3,135)
Total demand					
Excluding re-exports	Indexed	100	297	110	358
Including re-exports	Indexed	100	300	107	372

13. The Authority notes that the demand for the subject goods in India has increased over the injury period.

b) Import Volumes from the subject countries

14. With regard to the volume of the imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The import volumes from subject countries during the injury period are as per table below.

Particulars	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Subject imports	MW	9,061	32,120	6,492	30,723
Other imports	MW	649	804	3,254	9,346
Re-export	MW	(431)	(1,583)	(53)	(3,135)
Total imports (excluding re-export)	MW	9,280	31,341	9,693	36,933
Total imports (including re-export)	MW	9,710	32,924	9,746	40,069
Subject imports in relation to:					
Total imports	%	93%	98%	67%	77%
Production	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	390	71	61
Consumption	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	118	67	91

15. The Authority notes that –

- a. The volume of subject imports has increased significantly over the injury period. In 2021-22, the volume of imports was more than double the imports in 2020-21. The volume of imports declined in 2022-23. The domestic industry has claimed that such decline was on account of the fact that Basic Customs Duty on the subject goods were increased. However, the volume of imports has increased during the period of investigation, despite higher customs duty in this period. As compared to the previous year, the volume of imports increased by 373% and by 240% when compared to 2020-21. The domestic industry submitted that the increase in imports in the period of investigation is due to steep reduction in the prices by the Chinese producers, and resultantly dumping in the Country.
 - b. The volume of imports in relation to production and consumption have followed similar trends. During the period of investigation, the volume of imports was ***% of the domestic industry's production.
 - c. The subject imports in relation to the Indian consumption were also very high, at ***% in the period of investigation.
 - d. It is noted that the imports in relation to consumption were higher during the base year, with the imports accounting for ***% and ***% during the first two years respectively. The share of imports declined in 2022-23. However, the situation has reversed in the period of investigation, with the imports again commanding a much higher share in relation to consumption.
 - e. The subject imports accounted for 77% of the total imports from all sources.
16. With regards the argument that the subject imports have increased in line with the increase in demand, the Authority notes that (a) the subject imports have increased at a rate higher than the rate of increase in demand in India, (b) there was continuous and significant reduction in prices (as analysed separately hereinbelow).

Particulars	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Subject imports	MW	9,061	32,120	6,492	30,723
Change	%		255%	-80%	373%
Demand	MW	***	***	***	***
Change	%		197%	-63%	225%

H.3.2. Price effect of the dumped imports

17. With regard to the price effect of the imports from the subject countries, it is required to be analysed whether there has been a significant price undercutting by the alleged imports as compared to price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The impact on the prices of the domestic industry on account of the imports from the subject countries has been examined with reference to price undercutting, price suppression and price depression, if any.

a) Price undercutting

18. For the purpose of price undercutting analysis, the selling price of the domestic industry has been compared with the landed price of imports from subject countries. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the average selling price of the domestic industry, net of all rebates and taxes, at the same level of trade. In order to ensure a fair comparison, the Authority has calculated the PCN-wise price undercutting.

Particulars	Unit	Mono-crystalline cells	Multi-crystalline cells	Solar modules / Panels	PUC
Import volume	MW	12,722	10	17,990	30,722
Net sales realization	₹/Watt	***	***	***	***
Landed price	₹/Watt	7.92	8.37	18.56	14.15
Price undercutting	₹/Watt	***	***	***	***
Price undercutting	%	***	***	***	***
Price undercutting	Range	55-65%	Negative	Negative	0-10%

19. The Authority notes that while for some PCNs, the price undercutting is positive, for other PCNs, the price undercutting is negative. In case of mono-crystalline cells, the price undercutting is significantly positive. The price undercutting for product as a whole is also positive and significant.
20. As regard the submissions by the other interested parties that price undercutting has been reported only for the period of investigation and has not been provided for the previous years, it is clarified that price undercutting is required to be examined only in the period of investigation. The Authority has analysed trends of selling price, cost of sales and landed price for the injury period as a whole in the analysis for price suppression and depression.

b) Price suppression/depression

21. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices to a significant degree or whether the effect of such imports is to suppress price to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred in normal course, the Authority has examined the changes in the costs and prices of the domestic industry over the injury period.

Particulars	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Multi-crystalline cells					
Cost of sales	₹/W	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	129	161	133
Selling price	₹/W	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	112	124	81

Landed price	₹/W	7.32	10.17	12.98	8.37
Trend	Indexed	100	139	177	114
Monocrystalline cells					
Cost of sales	₹/W	-	-	***	***
Trend	Indexed	-	-	100	49
Selling price	₹/W	-	-	***	***
Trend	Indexed	-	-	100	87
Landed price	₹/W	7.98	12.25	14.13	7.92
Trend	Indexed	100	141	153	84
Module / panel					
Cost of sales	₹/W	-	-	-	***
Trend	Indexed	-	-	-	100
Selling price	₹/W	-	-	-	***
Trend	Indexed	-	-	-	100
Landed price	₹/W	17.38	18.00	26.41	18.56
Trend	Indexed	100	104	152	107

22. It is noted that with respect to multi-crystalline cells, the cost of sales of the domestic industry has increased over the injury period. However, the selling price of the domestic industry did not increase commensurate to the cost, till previous year, and has declined significantly during the period of investigation. This is due to the fact that the landed price of the imports also declined and during the period of investigation, was lower than the cost of the domestic industry forcing it to reduce its prices in order to compete with the imports. The subject imports forced the domestic industry to reduce its selling price and sell at prices below its costs. Thus, the subject imports have significantly depressed and suppressed the prices of the domestic industry in the market.
23. In case of mono-crystalline cells, the domestic industry commenced production in December 2022. Once the capacities of the domestic industry became operational, the landed price of the imports declined sharply and even below the cost and selling price of the domestic industry. Since the domestic industry started production only in December, 2022, the cost of production in 2022-23 were higher due to startup operations.
24. With respect to modules, the domestic industry commenced production in August 2023. Even in case of modules, as soon as the capacities of the domestic industry became fully operational, the landed price of the imports declined sharply and even below the cost of the domestic industry.
25. With regards to the argument that the selling price of the domestic industry has declined over the injury period and at a much faster pace than increase in cost, the Authority notes that the information on record demonstrates that the domestic industry was unable to increase its selling price in line with the increase in its cost in case of Mult crystalline cells, due to the pressure created by the low-priced imports. In case of monocrystalline cells and solar

modules, the selling price of the domestic industry remained below costs, due to presence of dumped imports in the market.

26. The other interested parties have submitted that the import price increased in 2021-22 and 2022-23 due to Russia-Ukraine Conflict and declined in the period of investigation due to normalization of market situation and not due to dumping. The Authority notes that the import prices have shown decline even when compared with base year. Further, the import prices have declined continuously and steeply within the investigation period and even beyond the investigation period, as stated hereinabove. This continued decline in the prices remained unaddressed. The responses filed by the cooperating producers shows dumping of product under consideration in India. The dumping margin is not only positive, but also quite significant. Hence, the submission that there is no dumping leading to decline in prices is not appropriate.

H.3.3. Economic parameters of the domestic industry

27. Annexure II to the Anti-Dumping Rules require that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of dumped imports on the domestic producers of the subject goods. With regards to the consequent impact of these imports on the domestic producers of subject goods, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry would include an objective unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. Accordingly, performance of the domestic industry has been examined over the injury period.

a) Production, capacity, capacity utilization and sales volumes

28. The performance of the domestic industry with regard to capacity, production, sales and capacity utilization over the injury period was as below.

Particulars	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Installed Capacity	MW	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	101	142	803
Production	MW	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	91	101	556
Capacity Utilization	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	90	71	70
Domestic Sales	MW	***	***	***	***

Trend	Indexed	100	82	107	212
Export sales	MW	***	***	***	***
Trend	Indexed	0	0	0	100

29. It is noted that –

- The installed capacity of the domestic industry has increased over the injury period. It is seen that increase in production capacity is on account of (a) new production facilities set up by FS India for a capacity of *** MW which commenced production during the period of investigation, (b) addition of capacities by Jupiter which commenced production in December 2022. These became fully operation in the period of investigation.
- The production volume and domestic sales of the domestic industry have increased as consequence of increase in the installed capacity.
- The production volume and sales volumes of the domestic industry have increased at a lower rate than the increase in capacities, and despite significant demand in the country.
- Despite increased production and domestic sales, the domestic industry faced significantly underutilized capacities and was operating at ***% utilization.
- Whereas the production of the domestic industry increased by 456% over the injury period, the domestic sales increased only by 112%. Even if export sales are added, the increase in sales was much below the increase in production. This resulted in significant stock piling with the domestic industry, as further examined hereinbelow. Further, the domestic industry submitted that it was forced to export only because of absence of demand for its product in the Country owing to Chinese dumping of the product.

b) Market share

30. Market share of the imports and domestic industry is given in the table below.

Particulars	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Subject imports	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	119	68	91
Other imports	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	42	473	388
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	28	97	59
Other Indian producers	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	41	128	49

31. It is seen that market share of the subject imports declined in 2022-23. However, the market share of the subject imports increased once again in the period of investigation. During the period of investigation, the subject imports commanded more than two-thirds of the market. As against this, the market share of the domestic industry was only around ***%. Further,

the market share of the other Indian producers was also a meagre ***% during the period of investigation. This was despite significant new capacities set up by the domestic industry. The domestic industry could have achieved much higher market share in the absence of dumping. The Authority also notes that some of the market share of dumped imports is owing to imports against export orders and these imports have in any case not caused volume injury to the domestic industry.

c) Inventories

32. Inventory position of the domestic industry over the injury period is given in the table below.

Particulars	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Opening inventory	MW	***	***	***	***
Closing inventory	MW	***	***	***	***
Average inventory	MW	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	361	490	6,807
Closing inventory in value terms	₹ Crores	***	***	***	***

33. The Authority notes the average inventories with the domestic industry have increased substantially and the domestic industry is faced with significant accumulation of inventories, despite selling the subject goods at reduced prices and even below costs. Over the injury period, the domestic industry has faced a sharp increase in inventories by 5,897%. The inventory holding period of the domestic industry has also increased over the injury period. In relation to production, the inventory holding period of the domestic industry increased from only *** days to ***days. In relation to sales, the inventory holding period has increased from only *** days to *** days.

d) Lost contracts

34. The domestic industry has also submitted that it experienced reluctance on the part of customers to honor their purchase obligations under confirmed binding contracts for significant volumes, due to the dumped imports in the market during the period of investigation. Instead, the customers opted to buy modules at much lower prices. Eventually, the domestic industry was constrained to terminate a large volume of contracts owing to non-performance by customers. Further, despite reducing prices for some contracts, the domestic industry was able to execute very limited contract for very limited volumes. As a result, the inventories of the domestic industry increased substantially.

e) Profitability, cash profits and return on capital employed

35. Profits, cash profits and return on capital employed of the domestic industry over the injury period is given in the table below.

Particulars	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
-------------	------	---------	---------	---------	-----

Cost of sales	₹/W	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	129	170	183
Net sales realisation	₹/W	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	112	125	119
Profits	₹ Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	47	-22	-189
Profits	₹/W	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	57	-21	-84
Cash profit	₹ Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	55	1	-69
Return on investment	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	24	5	1

36. It is noted that –

- The profitability of the domestic industry witnessed a sharp decline over the injury period. While the domestic industry was initially earning profits, it started suffering financial losses in 2022-23. Such losses intensified in the period of investigation as the domestic industry sold the subject goods below its costs in order to survive in the market.
- The profitability of the domestic declined by 289% over the injury period. The profit per unit of the domestic industry declined by 189% as compared to the base year.
- The cash profitability of the domestic industry has followed a similar trend and declined by 158% over the injury period. In fact, the domestic industry has incurred cash losses during the period of investigation.
- The return on investment earned by the domestic industry has been severely impacted and declined over the injury period. During the period of investigation, the returns earned by the domestic industry declined and was almost nil.

37. The domestic industry has submitted that it was able to sell the subject goods at remunerative prices in one segment of the market, i.e., DCR market, wherein the Indian producers are not competing with the dumped imports. Further, one of the plant of the domestic industry are almost fully depreciated, thus showing abnormal position for return on investment. However, the domestic industry has highlighted that had the domestic industry been forced to supply the product in the open market matching the prices of the subject imports, it would have faced even higher losses.

Particulars	Unit	DCR market	Open market	DCR market	Open market
		Solar cells		Solar modules	
Cost of sales	₹/W	***	***	***	***
Selling price	₹/W	***	***	***	***
Profit before tax	₹/W	***	***	***	***

38. The interested parties have contended that the profitability of the domestic industry has declined due to high interest cost and depreciation cost and not due to dumped imports. It is noted that the interest and depreciation costs of the domestic industry have increased over

the injury period. The same is however natural outcome of significant capacity additions during this period. The Authority therefore analysed the profits of the domestic industry after excluding interest and depreciation costs from the expenses incurred. It is seen that the earnings of the domestic industry before interest, taxes, depreciation and amortization (EBITDA) have also significantly declined over the injury period, as can be seen from the table below. This demonstrates that decline in profitability is not on account of increased interest cost or depreciation, but because of dumping of the product.

Particulars	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
EBITDA	₹/W	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	71	25	42

f) Employment, productivity and wages

39. The Authority has examined the information relating to employment, wages and productivity, as given below.

Particulars	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
No. of employees	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	152	482
Salaries & Wages	₹ Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	122	197	508
Productivity per day	MW	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	91	102	556
Productivity per employee	MW	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	95	67	115

40. The number of employees of the domestic industry increased over the injury period, since the domestic industry has set up new plants and also enhanced capacities. The wages paid by the domestic industry has also increased during such period. As a result, the productivity of the domestic industry has improved over the injury period. The domestic industry has not claimed injury on these accounts.

g) Growth

41. The Authority has examined growth of the domestic industry over the injury period, as given below.

Particulars	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Installed capacity	%		1%	41%	464%
Production	%	-	-9%	12%	448%
Domestic sales	%	-	-17%	29%	99%
Inventories	%	-	220%	35%	1,289%

Profit / Loss	%	-	-53%	-147%	-959%
Cash Profits	%	-	-45%	-98%	-4993%
Return on capital employed	%	-	-76%	-81%	-73%

42. It is seen that the volume parameters of the domestic industry have increased over the period as both producers set up production capacities. However, the price parameters of the domestic industry have witnessed a sharp decline. The profits, cash profits and return on investment of the domestic industry have declined significantly over the injury period. Even in respect of volume parameters, the growth in sales was lower than the growth in production; while growth in both production and sales were below the levels the domestic industry could have achieved in the absence of dumping and considering that new production facilities were commercialised.

h) Factors affecting prices

43. It is noted that the imports were priced below the selling price of the domestic industry and have caused significant price undercutting. Further, there is a continued decline in the prices by the exporters in the subject country, as seen above. The profitability of the domestic industry has declined significantly over the injury period. Thus, landed price of imports from the subject country has impacted the prices of the domestic industry.

i) The magnitude of dumping

44. It is seen that there is significant dumping of product under consideration in India which has destroyed the conditions of fair competition in the domestic market.

j) Ability to raise capital investments

45. The ability of the domestic industry to raise capital investment has been adversely impacted as it has suffered significant decline in profitability. In fact, the domestic industry has faced cash losses, and has not earned enough profits, to even service its present debt obligation.

H.3.4. Threat of continued injury

46. The domestic industry has claimed that while it suffered injury during the period of investigation due to the dumped imports, such imports are threatening intensified injury to the domestic industry. In this regard, the Authority notes as below.

a. Significant price undercutting and significant decline in the prices

47. The import price of the subject imports has declined sharply. While the landed price of imports increased till 2022-23, it has declined thereafter and was the lowest during the period of investigation. There was continuous decline in the import price within the period of investigation, and the trend has continued after the period of investigation as well. Further, the subject imports were significantly undercutting the domestic prices during the

period of investigation, despite the fact that the domestic industry was selling the subject goods below its cost in order to compete in the market.

b. Rate of increase in imports

48. It is noted that the volume of dumped imports has increased over the injury period. While the volume of imports declined in 2022-23, such decline was temporary. As compared to the base year, the volume of imports has increased by 240%, while the imports increased by 373% as compared to the previous year.

c. Further adverse situation in post-POI period

49. The domestic industry has submitted that the volume of imports has continued to increase in the period subsequent to the period of investigation. Such increase in the volume of imports is coupled with the decline in the import prices. The prices of the subject goods have declined by 55% in the post-POI period.

Month	Price (₹/W)	Price (\$/MW)
Apr-24	6.1	72,888
May-24	4.3	51,380
Jun-24	5.3	63,329
Jul-24	5.6	66,914
Aug-24	6	71,693
Sep-24	5.8	69,303
Oct-24	5.7	68,108
Nov-24	4.3	51,380
Dec-24	4	47,795
Jan-25	5.5	65,719
Feb-25	5.7	68,108
Mar-25	5.3	63,329

d. Exporters in subject country are exporting at losses

50. The domestic industry has highlighted that the exporters in the subject country are dumping the subject goods at prices, which are even lower than their own costs. In support, the domestic industry has provided extracts of the publicly available financial statements of major Chinese exporters. It is noted that while the exporters are earning significant losses for sales of the subject goods, they have continued to dump the subject goods in India.

e. Significant capacity addition in India and imminent sickness of these investments

51. Under the PLI scheme notified by the Government of India, the Indian industry has committed significant investment with the aim of setting up additional capacities in the

country. However, due to significant dumping of subject goods from China at present and the upcoming capacity additions, such investments are under threat of being unviable and would become sick. This would have far-reaching adverse impact on the Indian economy.

f. Trade actions by other countries

52. The exports of subject goods from China PR are subject to trade remedial measures or actions in various third countries. The domestic industry has claimed that since almost all major export destinations for the subject goods are imposing measures or initiating actions into imports from China, such markets are practically closed to the exporters in China. In such a situation, the exporters in the subject country are likely to divert their exports to India.

i. Canada – Anti-dumping and anti-subsidy duty on imports of solar panels from China (Order of CITT in Case No. RR-2020-001, dated 25th March 2021).

ii. Türkiye – Anti-dumping duty on imports of solar modules from China (Order of Ministry of Commerce imposing duty vide Notification No. 2017/6, dated 1st April 2017 and continued vide Notification No. 2023/26, dated 15th September 2023).

iii. USA – ADD on imports of solar cells and modules from China-I (Order of Department of Commerce imposing duty vide 77 FR 73018, dated 7th December 2012 and continued vide 84 FR 10300, dated 20th March 2019).

iv. USA – ADD on imports of solar cells and modules from China- II (Order of Department of Commerce imposing duty vide 80 FR 8592, dated 18th February 2015 and continued vide 85 FR 56215, dated 11th September 2020).

53. It has also been brought to the notice of the Authority that the USA has also imposed safeguard duty on imports of certain Crystalline Silicon Photovoltaic Cells (whether or not partially or fully assembled into other products). The duties were imposed in 2018, and were continued in 2022 for a further period of 4 years.

g. Increase in customs duty for Chinese exports

54. The exports of subject goods from China PR are also subject to enhanced Basic Customs Duty in the USA. In 2018, the USA increased the duties on Chinese imports to 25%. Such duties were enhanced to 50% in September 2024, in order to provide continued protection to the industry. This has also impacted the availability of market to the Chinese producers.

h. Circumvention of trade remedial measures

55. The domestic industry has further submitted that the exporters in China have resorted to circumventing the trade remedial measures imposed by USA and Türkiye, by diverting their goods through Thailand, Cambodia, Vietnam and Malaysia. This indicates that the exporters in the subject country are unable to sell the subject goods at competitive prices and resort to dumping.

- i. USA – Anti-dumping duty on imports of solar cells and modules from China extended to imports from Thailand, Cambodia, Vietnam and Malaysia (Order of Department of Commerce vide 88 FR 57419, dated 23rd August 2023).
- ii. Türkiye – Anti-dumping duty on imports of solar cells and modules from China extended to imports from Thailand, Vietnam, Malaysia and Jordan (Order of Ministry of Commerce vide Notification No. 2024/9, dated 19th March 2024).

i. Sufficiently freely disposable and idle capacities in the subject country

56. The domestic industry has provided information to show that the Chinese producers have significant idle capacities. In 2023, the installed capacity with the Chinese exporters was much higher than the Chinese demand, as visible from the table below. It is seen that the unutilized capacities with Chinese producers are almost equivalent to 576% of the demand in India.

Particulars	Volume (GW)
Total Chinese capacity for module production*	861
Total demand in China [#]	608.9
Capacities in excess of demand	252.1
Total India demand	43.80
Idle capacities in relation to Indian demand	576%

*Source: <https://www.asiafinancial.com/chinas-solar-sector-seen-facing-years-of-oversupply-low-prices>

[#]Source: *Global Market Outlook: For Solar Power 2024-2028*, by Solar Power Europe

j. Capacity expansion in the subject country

57. The domestic industry has also submitted information to show that in addition to the existing underutilized capacities in China, the Chinese producers/ exporters have further expanded their capacities during the recent period, as can be seen from the below.

- i. JA Solar announced that their module capacity would reach 95 GW. Simultaneously, cell capacity was expected to climb to 67%, reaching 63.65 GW by the end of 2023.
- ii. Tongwei announced that its 25 GW TNC facility in Shuangliu and the 16 GW TNC facility in Meishan would become operational in the first half of 2024.
- iii. Jinko Solar announced that its annual production capacity for solar cell and solar module would reach 95 GW and 130 GW, respectively, by the end of 2024.
- iv. Longi Solar announced that plants to add 50 GW of solar cell capacity in Shaanxi province, China.

k. Subject imports are likely to further suppress or depress the prices of the industry

58. Over the injury period, the subject imports were undercutting the prices of the domestic industry. As a result, the domestic industry was forced to sell below its costs, in order to sell its product in the market, leading to losses. Thus, the imports are entering the Indian market

at prices that are likely to have a further suppressing or depressing effect on the prices of the domestic industry. This is further likely to adversely impact the profitability of the domestic industry, pushing it into higher losses.

H.3.5. Performance of the domestic industry much below projected/targeted levels

59. The domestic industry has submitted that its performance has been significantly lower than that projected or targeted to be achieved when it commenced production, and that such adverse performance is due to the presence of dumped imports. It is noted that FS India commenced production during the period of investigation. A comparison of the actual performance during the period of investigation versus the projected levels targeted to be achieved is seen from the table below.

Particular	Unit	Actual	Projected	Change
Capacity	MW	***	***	0%
Production	MW	***	***	-32%
Capacity utilization	MW	***	***	-32%
Domestic sales	MW	***	***	-725%
Cost of sales	₹/W	***	***	64%
Net sales realisation	₹/W	***	***	21%
Profits	₹/W	***	***	69%

60. It is noted that the producer was able to reach its targeted capacity and production levels. However, the actual sales volume during the period was significantly lower than the targeted levels. Further, the producer was selling its product below its cost due to the low-priced imports in the market, and thus, as against selling at profits, the producer was selling at losses. As a result, while the producer factored in losses in its projections due to initial start-up operations, the actual losses suffered were significantly higher.

H.3.6. Overall assessment of injury

61. The examination of imports of the subject product and the performance of the domestic industry clearly shows that –
- There is significant increase in the volume of dumped imports over the injury period both in absolute terms and in relation to domestic industry's production and consumption in India.
 - The subject imports accounted for two-thirds of the imports into the country.
 - There is a steep and continuous decline in the prices both, solar cells and solar modules.
 - The subject imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market.
 - The subject imports were priced even below the costs of the domestic industry, forcing domestic industry to sell at prices lower than its own costs. As such, the subject imports have resulted in significant price suppression and depression.
 - While the domestic industry increased its capacities, it is faced with significantly unutilized capacities.

- g. The production and sales volume of the domestic industry increased over the period. However, the sales volume of the domestic industry is far below the production volumes.
- h. The market share of Indian industry is quite insignificant due to dumping in the country. Even after fresh capacities have commercialised, the market share of the Indian industry remained below the levels it could have been.
- i. The domestic industry witnessed very significant piling up of inventories over the injury period.
- j. The domestic industry lost significant contracts due to dumped imports, despite reducing its prices.
- k. The domestic industry has suffered significant financial losses and steep deterioration in its profitability over the injury period.
- l. The cash profitability of the domestic industry also declined. The domestic industry suffered cash losses.
- m. During the period of investigation, the domestic industry earned almost no returns on its investments.
- n. The domestic industry was unable to reach its projected or targeted levels, and its performance was much lower than that projected at the time of commencement of production.
- o. The dumped imports are threatening to cause further injury to the domestic industry, in view of the significant rate of increase in imports, continuous decline in prices of subject imports, adverse situation in the post-POI period, significant idle capacities in the subject country, measures imposed by third countries and imports at prices that are likely to have further depressing effect on the prices of the domestic industry.
- p. Indian industry is adding significant capacities at present. Commercial production on these new capacities shall start in near future. Viability of these new investments is also seriously threatened.

H.3.7. Non-attribution analysis

- 62. Having examined the existence of injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, the Authority has examined whether injury to the domestic industry can be attributed to any factor, other than the dumped imports, as listed under the Rules.
 - a. Volume and value of imports from third countries
- 63. It is noted that other than the subject countries, there are significant imports from Thailand, Malaysia and Vietnam. However, such imports are priced above the non-injurious price of the domestic industry. Thus, injury to the domestic industry cannot be attributed to imports from third countries.
 - b. Contraction in demand

64. The demand for the subject goods has increased over the injury period and was the highest during the period of investigation. The domestic industry has not suffered injury due to possible contraction in demand.
- c. Pattern of consumption
65. There has been no material change in pattern of consumption of the product under consideration, which could have caused injury to the domestic industry.
- d. Conditions of competition and trade restrictive practices
66. There are no trade restrictive practices or conditions of competition, which may have cause injury to the domestic industry.
- e. Developments in technology
67. There has been no change in technology for production of the subject goods, due to which the domestic industry could have suffered injury.
68. With regards to the argument that the domestic industry may have suffered injury since it is operating on outdated technology, it is noted that the domestic industry has setup new production capacities in the period of investigation to produce solar modules using the thin film technology, which is the first of its kind in the country. The domestic industry has also enhanced capacities to produce mono crystalline solar cells, which are the latest PERC cell technology. Thus, arguments in this regard are not worthy of acceptance.
- f. Productivity
69. The productivity of the domestic industry has increased over the injury period. Thus, injury cannot be due to decline in productivity.
- g. Export performance of the domestic industry
70. The injury information examined hereinabove relates only to the performance of the domestic industry in terms of its domestic market. Thus, the injury suffered cannot be attributed to the export performance of the domestic industry. It is however seen that the domestic industry has undertaken significant exports in the period of investigation. The domestic industry contended that these exports were in view of dumped imports in the Country.
- h. Performance of other products
71. The injury suffered cannot be attributed to the performance of other products of the company, as the domestic industry has segregated and provided information with regard to the like article only.
- i. High interest cost and depreciation
72. The other interested parties have submitted that injury is due to high interest cost and depreciation due to capacity expansions. The Authority notes any new capacities are likely to incur higher costs on account of interest and depreciation. However, the profitability of the domestic industry before interest costs, taxes, depreciation and amortization have also

declined over the injury period, as examined hereinabove. Thus, decline in profitability parameters of the domestic industry cannot be only attributable to such startup costs.

j. Shortage of labour

73. It has been argued that the domestic industry is likely to have faced injury to shortage of skilled labour. However, as noted hereinabove, the number of employees that have been employed by the domestic industry has increased over the injury period. Thus, such alleged shortage of labour has not caused injury to the domestic industry.

k. Reliance on imported raw material and geographical location

74. It has also been contended by the other interested parties that injury to the domestic industry is due to their reliance on imported raw materials and disadvantageous geographical location. The Authority notes that the fact that the domestic industry is importing raw materials and its geographical location is inherent to the industry and has remained unchanged. Thus, the Authority is not required to conduct a non-attribution analysis for factors inherent to the domestic industry, as held by the Appellate Body in European Union – Anti-dumping Measures on Biodiesel from Argentina [DS473/AB/R].

H.3.8. Factors establishing causal link

75. The dumped imports of the subject goods have caused material injury to the domestic industry as can be established from the following.
- a. Dumping of the subject goods increased the demand for the cheaper imported product.
 - b. The volume of dumped imports increased significantly over the injury period.
 - c. The volume of imports in relation to the domestic production was also very high in the period of investigation. Further, the imports in relation to consumption were very high.
 - d. Due to the presence of such significant volume of subject imports, the domestic industry was unable to sell its goods in the market and its market share in total demand was abysmally low.
 - e. Since the domestic industry expanded its production capacities in the period of investigation, its production and domestic sales volume increased. However, the domestic industry was unable to fully utilize its capacities and had significantly underutilized capacities.
 - f. As the domestic industry was unable to sell its goods in the market, it faced a huge pile up of inventories which increased over the period. Further, the inventory holding period of the domestic industry was *** days and *** days in relation to its production and sales.
 - g. During the period of investigation, the subject imports were undercutting the prices of the domestic industry. As a result, the domestic industry was forced to sell its goods below its costs in order to compete with the low-priced imports.
 - h. The dumped imports severely depressed the prices of the domestic industry and forced the domestic industry to reduce prices even in respect of contracted orders.
 - i. Due to reduction in the domestic prices, the domestic industry suffered significant losses and its profitability declined over the injury period.

- j. The domestic industry also faced cash losses during the period of investigation.
- k. The domestic industry earned almost return on its investment during the period of investigation.
- l. The dumped imports are also threatening to cause further injury to the domestic industry.
- m. The domestic industry was also unable to reach its projected or targeted levels, and its performance was much lower than that projected at the time of commencement of production. I8

H.3.9. Magnitude of Injury Margin

- 76. The Authority has determined the non-injurious price for the domestic industry on the basis of the principles laid down in the Rules read with Annexure III, as amended. The non-injurious price of the subject goods has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The non-injurious price has been considered for comparing the landed price from the subject countries for calculating the injury margin. For determining the non-injurious price, the best utilisation of the raw materials, the utilities and the production capacity by the domestic industry over the injury period have been considered. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses were charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on the average capital employed (i.e., average net fixed assets plus average working capital) for the product under consideration was allowed as pre-tax profit to arrive at the non-injurious price as prescribed in Annexure III of the Rules and is being followed.
- 77. The landed price for the cooperative exporters has been determined on the basis of the data furnished by the exporters. For all the non-cooperative producers/exporters from the subject countries, the Authority has determined the landed price based on facts available.
- 78. As regard the contention that allowing 22% return on capital employed is unwarranted, the Authority notes that it is a consistent practice of the Authority to determine the non-injurious price of the domestic industry based on reasonable return on capital employed, which is 22%, unless evidence presented justifies considering a different return. In the present case, no evidence has been provided by other interested parties that a return of less than 22% would be appropriate for the product under consideration. Accordingly, as per the established practice of the Authority, the non-injurious price for the domestic industry has been calculated considering return at 22%.
- 79. As regard the submissions that royalty paid by FS India should be included in the determination of non-injurious price, it is noted that FS India has paid royalty in the form of license fees to its parent company for supply of technical know-how, development of manufacturing process, production planning and skill development. Since the royalty paid is linked to the manufacturing of the product and is not related to sales, the same has been allowed in the calculation of non-injurious price for the domestic industry, as provided under Para (vii)(e) of Annexure III to the Rules.

80. Based on the landed price and non-injurious price determined as above, the injury margin for producers/exporters has been determined by the Authority and the same is provided in the table below.

Injury Margin Table

SN	Name of Producer	PCN	Volume	Non-Injurious Price	Landed Price	Injury Margin	Injury Margin	Injury Margin
			MW	(USD/MW)	(USD/MW)	(USD/MW)	(%)	(Range)
1	Jinko Solar (Haining) Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	Negative
2	Jinko Solar (Yiwu) Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	Negative
3	Jinko Solar (Chuzhou) Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	Negative
4	Jinko Solar (Shangrao) Co., Ltd	Mono-Cell	***	***	***	***	***	35-45%
5		Mono-Module	***	***	***	***	***	Negative
6	Jinko Solar (Chuxiong) Co., Ltd.	Mono-Cell	***	***	***	***	***	30-40%
7	Jinko Solar (Feidong) Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	Negative
8	Shangrao Guangxin Jinko Photovoltaic Manufacturing Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	0-10%
9	Shangrao Jinko Photovoltaic Manufacturing Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	0-10%
10	Weighted Average – Jinko Group	Mono-Cell	***	***	***	***	***	30-40%
11		Mono-Module	***	***	***	***	***	Negative
		Weighted	***	***	***	***	***	Negative
12	Guangdong Aiko Solar Technology Co., Ltd.	Mono-Cell	***	***	***	***	***	5-15%
13	Tianjin Aiko Solar Technology Co., Ltd.	Mono-Cell	***	***	***	***	***	25-35%
14	Zhejiang Aiko Solar Technology Co., Ltd.	Mono-Cell	***	***	***	***	***	20-30%
15	Weighted Average – Aiko Group	Mono-Cell	***	***	***	***	***	20-30%
16	Trina Solar Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	0-10%
17	Yancheng Trina Solar Guoneng PV Science & Technology Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	Negative
18	Trina Solar (Yancheng) New Energy Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	Negative
19	Trina Solar (Huai'an) Technology Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	Negative
20	Trina Solar (Suqian) Technology Co., Ltd.	Mono-Module	***	***	***	***	***	Negative
21	Weighted Average – Trina Group	Mono-Module	***	***	***	***	***	Negative
22	Other co-operating producers			***	***	***	***	20-30%
23	Non-cooperating producers			***	***	***	***	25-35%

I. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

I.1. Submissions by other interested parties

171. The other interested parties have made the following submissions with regard to the Indian industry's interest.

- i. Imposition of anti-dumping duties will not be in favour of larger public interest and will have major impact on user injury in terms of increased costs.

- ii. Imposition of duties will lead to increase in prices of solar components and solar power systems and making renewable energy unaffordable for a wide range of consumers. This will demotivate the consumers to buy solar products.
- iii. The burden of inefficiency of the Indian cell manufactures should not be passed on to the users of cell in the form of duty which will only adversely impact the solar energy goals of the country.
- iv. Imposition of duty in the range of 20-30% would increase the cost of cells by 12-18%, and the module manufacturers will not be able to pass such cost to consumers.
- v. Imposition of duties will undermine the objective laid down by Government of India aiming to promote use of clean and renewable energy, reduce carbon emissions and enhance energy security.
- vi. Imposition of duties will limit the competition in Indian market and will not motivate Indian industry to grow and improve.
- vii. There is a demand-supply gap for the solar cells in the country and the imports are bound to happen irrespective of duties. The domestic industry has not worked upon increasing its capacity despite an increase in the Indian demand.
- viii. The module manufacturers are heavily reliant on imported cells in absence of sufficient capacity for Cells in India. If imports of solar cells become unviable due to imposition of anti-dumping duty, demand of solar cells is expected to decline and production of solar modules is expected to decline.
- ix. Imposition of duties is not necessary in light of significant protection available to solar industry in the form of BIS Order, ALMM and DCR requirements.
- x. Imposition of anti-dumping duty to protect the interests of Jupiter alone would be counterproductive to the national interest.
- xi. Instead of levying anti-dumping duty, a sale price should be fixed for the DCR cells which will help keep the price of DCR modules under control and will in turn help implementation of ALMM-2.
- xii. The ALMM List for solar cells has now been notified and will come into effect from 1st June 2026, which will provide sufficient protection to domestic industry.
- xiii. The Government of India has already reduced customs duty on imports of the product under consideration. Despite reduction, the imports duty on the subject goods is very high and addition of anti-dumping duty would be concerning.
- xiv. The significant investment made for solar modules would be impacted if anti-dumping duty is imposed on cells and thus, there is no justification for duty on solar cells. Further, it would result in increase in the prices of modules, and ultimately, the price of electricity.
- xv. The Authority should seek the views of the MNRE before reaching out to any conclusions in this matter.
- xvi. The allegation that there is an over-capacity situation in China is not accurate since the producers in China have enhanced capacities as they have become more efficient and in anticipation of upcoming demand for clean energy.
- xvii. Claims of proposed capacity additions and investments is speculative, forward-looking and have not yet materialized in operational or financial terms.

I.2. Submissions by the domestic industry

172. The domestic industry has made the following submissions with regard to the Indian industry's interest:
- i. Public interest must be determined with regard to interests of (a) the domestic producer of like article, (b) the domestic consumers of the product, (c) the upstream and downstream industries in both the producing and consuming industry, and (d) the general public.
 - ii. While the other interested parties have acknowledged that the subject goods were Imposition of duties would be in the larger public interest.
 - iii. The domestic solar manufacturing industry is extremely crucial for the Indian economy in the wake of increasing demand for electricity and to support government's agenda of sustainable growth.
 - iv. It is essential to establish a self-sufficient solar manufacturing industry to fulfil the vision of Government of India vision to reach target of generation of 280 GW solar energy by 2030 under the Panchamrit programme.
 - v. Imposition of duties would have no impact on the end-consumers since the prices of modules and solar tariffs have moved independently of each other. While the prices of solar modules have declined since August 2022, the solar tariffs have increased over this period.
 - vi. There are 134 known producers of solar products and with upcoming new capacities, there is healthy inter-se competition enabling users to access the market at competitive prices.
 - vii. As opposed to the claim that the domestic industry has not worked to expand its capacities, many new manufacturing capacities are in advanced stages of execution including Jupiter.
 - viii. Imposition of duties would provide a level playing field to the Indian industry and the foreign industry by ensuring that the subject goods compete in the market at fair prices.
 - ix. There is a need to support the "Make in India", "Vocal for Local" and "AtmaNirbharta" missions of the Government of India and ensure viability of investments in the country.
 - x. Imposition of duties would allow the Indian industry to increase production and supply, which would lead to saving of valuable foreign exchange.
 - xi. Fixing prices in the DCR market would be ineffective as such market is insulated from effects of Chinese dumping. Instead, minimum price should be fixed for the open market to mitigate injury.
 - xii. The Indian solar industry has the potential to grow exponentially and the same can only be achieved if present and new capacities and investments are not affected by any unfair external factors such as Chinese dumping practices.
 - xiii. While existence of demand-supply gap may result in inevitable imports, it is not a justification to dump subject goods or constitute grounds for non-imposition of duties, as held in *Nocil Ltd. vs. Government of India* and *DSM Idemitsu Ltd. vs. DA*.
 - xiv. Imposition of duty would not just benefit Jupiter but will serve in national interest.
 - xv. Considering the landed price based on increased Basic Customs Duty and non-injurious price based on an artificially deflated and optimized cost of production which

is practically unachievable by the domestic industry, it would be seen the injury margin determined is significantly positive, confirming the urgent need for duty.

I.3. Examination by the Authority

173. The Authority notes that the primary objective of anti-dumping duties is to rectify the injury inflicted upon the domestic industry by the unjust trade practices of dumping, thereby fostering an environment of open and equitable competition in the Indian market. This is not merely a regulatory measure, but a matter of national interest. The imposition of anti-dumping measures is not designed to curtail imports from the subject countries arbitrarily. Rather, it is a mechanism to ensure a level playing field. The Authority acknowledges that the persistence of anti-dumping duties may influence the price levels of the product in India. However, it is crucial to note that the essence of fair competition in the Indian market will remain unscathed by the imposition of these measures. Far from diminishing competition, the imposition of anti-dumping measures serves to prevent the accrual of unfair advantages through dumping practices. It safeguards the consumers' access to a broad selection of the subject goods. Thus, anti-dumping duties are not a hindrance but a facilitator of fair-trade practices.
174. The Authority issued the initiation notification, inviting views from all interested parties including importers, users and consumers. An Economic Interest Questionnaire was also prescribed to allow various stakeholders, including the domestic industry, producers/exporters and importers/users/ consumers to provide relevant information concerning the present investigation, including the possible effect of anti-dumping duty on their operations.
175. The other interested parties have claimed that imposition of duties would increase the costs of the solar cells and modules or panels, which would increase the prices of renewable energy. However, the domestic industry has demonstrated that any possible increase in the prices of solar cells and modules would not impact the costs of renewable energy. It is noted that while the prices of the solar modules have declined sharply over the injury period, the tariffs paid by the solar consumers for electricity consumption have increased over the period. Thus, the price of solar products and electricity tariffs have moved independent of each other, which indicates that any possible change in prices of the subject goods may have no impact on the tariffs. Further, it is noted that tariffs charged for electricity consumption are determined by the power suppliers and indirectly by the Government, having regard to the socio-economic conditions of the country and are not entirely dependent on the costs incurred for generation of electricity through various sources.
176. Some interested parties have contended that the imports are inevitable due to the demand-supply gap in India. The Authority notes that the demand-supply gap is not a justification for dumping in India. Even if there is a demand-supply gap in the country, it is necessary that the product is available at fair prices. The imposition of the anti-dumping duty will not hamper the availability of the product under consideration but will ensure that the same is available at the fair prices. In fact, the re-establishment of fair competition in the market

would promote investment, which would help bridge the demand-supply gap. Further, the domestic industry submitted that the following fresh capacities have either come up or are being sent up after the period of investigation of the present case.

Company	Estimated capacity by Dec 2025	Estimated capacity by June 2026
Avaada	6,000	6,000
Alpex	-	1,600
Emmvee	2,500	2,500
First Solar	3,400	3,400
Jupiter	3,000	6,000
Mundra Solar	4,000	10,000
Premier Energies	3,600	8,400
Reliance	-	10,000
ReNew	2,400	2,400
RenewSys	3,100	3,100
Tata Power	4,400	4,400
Waaree	5,400	5,400
Websol	300	300
Total	38,100	64,600

177. The Authority further notes that while imposition of anti-dumping duty does not restrict imports into India but only ensures that the same are made at fair prices, there are alternate sources of imports available. During the period of investigation, 30% imports of subject goods in India were from the non-subject countries. The share of other countries has reduced due to dumping from the subject country.
178. The applicants have submitted that the other Indian producer has invested approximately ₹ 1,00,000 crores for expanding capacities in the country. Such expansions have been taken pursuant to the PLI Scheme announced by the Government of India. Further, there has been other investments to expand production capacities in order to bridge the demand-supply gap in India. In fact, Jupiter International has also invested to expand capacities. However, since the landed price is below the cost of sales of the domestic industry, the market situation is not conducive of any investment to bridge the demand-supply gap. Thus, there is a need for imposition of anti-dumping duty in order to establish fair market situation in India.
179. With regard to the contention that imposition of anti-dumping duty will lead to protection of inefficient industry and the burden of the same should not be passed on to the consumers, the Authority notes that there is no evidence on record that the domestic industry is inefficient in any manner. The profitability of the domestic industry was higher during the previous years. The same has declined since the domestic industry has been forced to sell at losses in order to compete with the imports.
180. It has been argued that the imposition of duties would limit competition in the market. It is noted that there are almost 134 producers of solar cells and solar modules or panels in the country. Further, various new producers are also setting up capacities to produce the subject goods in the country. Thus, there is sufficient and healthy competition in the market.

181. With regards to the argument that the domestic industry has already received protection by way of ALMM List and BIS / quality control order. It is noted that the ALMM List, DCR requirements and the quality control orders have been issued with respect to supply of solar cells and modules to Government projects and agencies. The domestic industry has submitted that such market is already insulated from the effects of dumping since the subject imports do not compete in this market. However, issuance of the ALMM List and quality control orders would not limit the dumping of subject goods from the subject country and provide relief to the domestic industry.
182. With regards to the argument that a minimum import price should be fixed for the supply of goods in the DCR market, the Authority has taken note of the same and shall consider the same appropriately while recommending measures, in case the Authority finds sufficient justification for imposition of measures.
183. The Authority further notes that the product under consideration is used for generation of photovoltaic energy, which is converted into electricity. The industry is critical to the country considering the increasing demand for energy in India. Further, there is a need to ensure that such increased demands are met through an environmentally friendly source, which does not deplete the country of its precious non-renewable energy sources. The same has also been acknowledged by the Government of India and has been incorporated in the Panchamrit mission to tackle climate change. It has been announced that India would meet 50% of its energy demand through non-fossil renewable energy sources. This would require energy capacity of 500GW in the country, of which 280GW is required to be met by solar energy. In view of the same, it is essential for the country to have a self-sufficient industry manufacturing solar devices in the country which will secure the source of energy in India, and would contribute to the vision of the Government of India.

J. POST-DISCLOSURE COMMENTS

184. The Authority circulated the disclosure statement containing all essential facts under consideration for making the final recommendations to the Central Government, to all interested parties on 21st September 2025. The Authority has examined all the post-disclosure comments made by the interested parties in these final findings to the extent deemed relevant. Any submission which was merely a reproduction of the previous submissions and which had been adequately examined by the Authority has not been repeated for the sake of brevity

J.1. Submissions by other interested parties

185. The other interested parties have made the following new submissions post issuance of the disclosure statement:
- Negative landed price, export price and injury margin for the sampled producers, including Jinko Solar should be confirmed in final findings.

- ii. Names of Wuhu GCL System Integration New Energy Technology Co., Ltd., Hefei GCL System Integration New Energy Technology Co., Ltd. and Xuzhou Zhonghui Photovoltaic Technology Co., Ltd., are missing, despite the producers having cooperated in the investigation.
- iii. Names of Ronma Solar Technology (Jinhua) Co. Ltd., Canadian Solar International Limited, Solarspace New Energy (Xuzhou) Co., Ltd., Tongwei Solar (Yancheng) Co., Ltd., and Shenzhen Ahony Power Co., Ltd need to be corrected.
- iv. Injury margin for non-sampled producers is not representative, as it is based only on the Aiko Group, which has not exported solar modules. The injury margin for non-sampled cooperating producers should be calculated on a PCN basis, as done for sampled producers. Therefore, the non-sampled producers should also be awarded negative injury margin for solar modules, particularly where the non-sampled producers were only exporting modules.
- v. Imposition of a high injury margin, based on cells, would cause a competitive disadvantage to non-sampled producers, who export modules, leading to loss of business opportunities, reputational harm, and financial strain.
- vi. Consideration of weighted average injury margins fails to ensure product-specific injury attribution, contrary to the Rules which require that duty shall be imposed only to the extent necessary to remove injury.
- vii. Anti-dumping duty should be imposed at lesser of dumping margin and injury margin, on PCN-wise basis, as done in the case of seamless pipes and tubes.
- viii. The provisions of Article 9.4 of the Anti-Dumping Agreement do not provide for exclusion of producers with negative injury margin, and only relates to negative dumping margin.
- ix. There is inadequate disclosure of essential facts, as the month in which FS India commenced production has not been disclosed. This information is relevant for determining that FS India is unestablished industry, and cannot be included in assessment of material injury.
- x. The share of sampled foreign producers in total imports has not been disclosed.
- xi. Cost of sales, selling price, profit before tax in DCR market and open market has not even been provided on indexed basis.
- xii. The initiation is bad in law as the application was received from 5 producers, of which only two producers constituted the domestic industry. It is unclear as why such other producers filed an application when they are aware that they cannot constitute domestic industry. Further, segregated data for the remaining three producers was not provided, and there was confusion regarding the data base used for injury assessment.
- xiii. TP Solar Limited may satisfy requirements of Rule 2(b) for evaluating material retardation.
- xiv. Under Rule 2(b), a producer must have actual and substantive production. Mere initiation of production, in absence of commercial scale output, is not sufficient.
- xv. There is no evidence of independent third-party sales by FS India. It has only supplied for project-specific activity, and its captive alignment to the global supply chain of its parent group. Nearly all of the production of FS India is for captive market, and its thin-film technology cannot be integrated with mono-PERC and TopCon modules.

- xvi. FS India has not produced a like article to the imported goods, since it produces thin-film solar modules.
- xvii. Foreign ownership is relevant where accompanied by external subsidization, such as USD loans, and alignment with foreign strategic interests.
- xviii. An objective analysis of injury would segregate cells and modules as distinct products, and would show absence of injury. This is necessary since while Jupiter has produced only cells, FS India has produced only modules. However, only FS India, which is an establishing producer, has suffered losses, and not Jupiter, which is an established producer.
- xix. The calculation of weighted average price undercutting is not appropriate, as it is driven by the positive price undercutting of mono-cells. The price undercutting for modules is negative. Since the domestic industry commenced production of mono cells only during the period of investigation, such weighted average price undercutting is driven entirely by import volumes.
- xx. Multi-crystalline cells have negative price undercutting and are imported in very limited quantities. Therefore, they should be excluded from purview of duties.
- xxi. Imposition of high basic Customs duty on the product led to a decline in demand for the subject goods. This shows that higher duties forced customers to switch to alternative energy sources. Such decline in demand also impacted the profitability of the domestic industry.
- xxii. Simultaneous imposition of higher Customs duty and anti-dumping duty would aggravate existing demand-supply gap.
- xxiii. Any anti-dumping duty should be recommended for only 2 years, since FS India has set up the plant for production of subject goods only recently, and Jupiter has also set up a plant for manufacturing modules, which would require captive consumption of cells.
- xxiv. FS India majorly uses the subject goods for captive projects and has limited sales in the market.
- xxv. Due to the DCR content requirement in projects, there is a delay in execution as the availability of DCR solar cells is insufficient.
- xxvi. There is shortage of solar cells in the market as the demand from government programs such as PM Surya Ghar and PM- KUSUM absorbs most of the supply at much higher prices.
- xxvii. From June 2026, imports of solar cells for the DCR market will be effectively restricted, significantly reducing overall import dependency under ALMM List-II. Already ALMM List-I resulted in significant reduction in imports of solar modules, and similar effect may be expected in cells post implementation of List-II.
- xxviii. The energy tariffs charged by distribution companies (DISCOMs) are derived from a mix of generation sources, including thermal, wind, solar, and hydro; and thus, there is no direct correlation between end-consumer energy tariffs with the falling global prices of solar modules or cells.
- xxix. While NIMMA had initially supported the application, it withdrew its support after hearing the concerns of solar module manufacturers. The Association in fact opposes the imposition of duty. This fact has not been noted in the disclosure statement.

- xxx. Suzhou Safety New Energy Trading Co. Ltd. did not receive a questionnaire, and therefore, was not able to file a response. However, since such omission was not intentional, and it has concrete business plans to export to India, and are committed to being strategic business partners. Suzhou has major exports to India. Therefore, it should be treated as cooperative. In the alternative, it should be allowed to file a new shipper review in the future.

J.2. Submissions by domestic industry

186. The domestic industry has made the following new submissions post issuance of the disclosure statement:
- a. Prices of subject imports have declined sharply throughout the injury period, period of investigation, and in post-POI period warranting a reference price duty, as ad-valorem or fixed duties would not adequately address the continued price decline.
 - b. Due to significant cost and price differences among product types, separate reference prices for each PCN should be considered as followed in several findings of the Authority.
 - c. Injury margin should be determined solely based on injurious imports. This is in accordance with the observation of Panel in European Communities – Anti-Dumping Duties on Malleable Cast Iron Tube or Pipe Fittings from Brazil, and of the Tribunal.
 - d. Injury from dumped imports must be analysed for the product as a whole and not for the individual components, while price undercutting may be evaluated on a PCN-wise basis.
 - e. There is a need for re-examination of non-injurious price on the grounds to consider the fixed assets for production, subsequent to capitalized of plant. Further, opening working capital, valued at nil, should not be used in determination of average capital employed.
 - f. Income from scrap should be adjusted as a variable income, and not considered as part of cost of raw material consumed.

J.3. Examination by the Authority

187. The Authority has examined the post disclosure submissions made by the domestic industry and the other interested parties and notes that a number of submissions are reiterations which have already been examined suitably and addressed adequately in the relevant paras of the final findings. The issues raised for the first time in the post- disclosure comments/submissions by the interested parties and the domestic industry and those backed up with sufficient evidence and considered relevant by the Authority are examined below.
188. With regard to the request for correction of names of one of the foreign producers, the Authority has corrected the same in the relevant part of this notification.
189. The interested parties have sought that the negative injury margin calculated for modules should be applied to the non-sampled cooperative producers as well. The parties have particularly emphasized that since the non-sampled producers of modules fully cooperated before the Authority, they should not be subjected to the higher duty rate determined for

cells. The domestic industry has also conceded that the modules and cells should be treated separately for the purpose of imposition of duty. However, the Authority considers it appropriate to determine anti-dumping duty for the product under consideration as a whole and not for individual product types. In this regard, it is noted that the Solar modules are basically an array of solar cells.

190. Some interested parties have argued that the Rules do not permit exclusion of negative injury margin in determining the weighted average margins for non-sampled producers. The parties have relied on the provisions of Article 9.4 of the Anti-Dumping Agreement and Rule 18 of the Anti-Dumping Rules. The Authority notes that the provisions of Article 9.4 and the Rule 18 of the Anti-Dumping Rules provide that the duty imposed on non-sampled producers shall not exceed the weighted average dumping margin for sampled producers. However, such provisions do not prescribe the manner in which the injury margin shall be quantified. The injury margin is quantified under Rule 4 and Rule 17, which require the Authority to determine such quantum of duty, which shall remove the injury suffered by the domestic industry.
191. With regards to the argument that the month in which FS India commenced production has not been disclosed, it is noted that such information was submitted by the applicant on a confidential basis and thus, cannot be disclosed. The Authority has duly verified the information submitted by the applicants and has noted that FS India was operational during the period of investigation. However, in any case, the Authority notes that it has disclosed that the industry shall be considered as established in the present case. The mere commencement of production by one more producer would not imply that the industry is unestablished. No information, evidence or jurisprudence has been provided by other interested parties to demonstrate that the industry can be considered establishing, on account of commencement of production by an individual producer, when there have been multiple producers in operation for several years, and the Authority has previously conducted an anti-dumping investigation considering such producers as established industry.
192. Further, information with regards to the cost of sales, selling price and profits in different markets was also submitted on a confidential basis, and thus, cannot be disclosed.
193. It has been claimed that when three out of 5 applicants were subsequently admitted as being ineligible by the applicants themselves, the purpose of including them as applicants in the first place requires consideration. In this regard, it is noted that there is no restriction under the law that prevents a domestic producer of subject goods from filing an application seeking imposition of anti-dumping duty. If it is determined that such producer is an importer of or is related to exporter of subject goods, they may be excluded from constitution of domestic industry, based on facts and circumstances of the case. However, the fact that a producer may have imported the subject goods does not prohibit them from approaching the Authority and seeking remedy against dumping. In the present case, the interested parties have not made out a case that the applicants, which were engaged in importation of the subject goods, should be considered as eligible to constitute domestic industry. It has not been questioned that they have been incorrectly removed

from the scope of domestic industry. The concern of the interested parties is that they should not be treated as applicants. However, the interested parties have not shown any prejudice that was caused to them, or any impact on the merits of the case, due to the application having been filed by a larger number of producers.

194. Certain interested parties have argued that since TP Solar Limited commenced production in the post-POI period, they could have satisfied the requirements of Rule 2(b) for evaluating material retardation. In this regard, the Authority notes that once the Authority has considered the industry to be established, an individual producer cannot be considered to be an establishing industry. The interested parties have not provided any evidence or jurisprudence to demonstrate that the conclusion of the Authority concerning the industry having been an established industry was not appropriate. Further, in case of an established industry, the Authority can only examine injury to a producer that has actually produced the like article during the period of investigation. Since TP Solar did not produce the subject goods during the period of investigation, it cannot be considered for injury analysis.
195. Further, it is noted that the interested parties, in the present case, have adopted a pick and choose approach in their arguments. The interested parties have opposed the claim of FS India that they suffered material retardation to their establishment. The opposition rests on the basis that there cannot be a separate analysis of material retardation and material injury in one investigation. On the other hand, the interested parties have sought separate analysis for FS India and now sought consideration of TP Solar as establishing industry. Further, it was also argued that separate analysis should be undertaken for cells and modules. This shows a selective approach in making arguments. However, the Authority is required to conduct an objective analysis of injury. In view of the same, the Authority has determined that - (a) the industry for the subject goods has been established for many years, and thus, is not a new industry; (b) the injury analysis has been undertaken for the domestic industry as a whole; (c) the injury analysis has been undertaken for the like article as a whole.
196. Certain interested parties have alleged that mere initiation of production by FS India during the period of investigation was not sufficient for the producer to be eligible as domestic industry. Further, it has been alleged that FS India did not have any independent third-party sales. In the regard the Authority notes that it has duly verified the production records of FS India during on-site verification. Further, sales invoices and contracts were examined and verified on a sample basis. The evidence on record does not substantiate the allegation of lack of low production or insufficient external sales. On the contrary, FS India was able to utilize its capacities to the extent of ***%. Further, it has also provided evidence to demonstrate that it was prevented from making external sales, due to non-fulfilment of contracts by customers in face of dumped imports.
197. With regards to the argument that FS India has produced thin-film solar modules and has not produced like article to the imported goods, the issue has been examined in detail by

the Authority in the relevant portion of the findings. In the absence of an identical article, solar modules or panels produced using thin film technology are like article to solar modules or panels producing using c-Si cells. This practice has also been adopted by the Authority in the past investigations concerning the product under consideration. The Authority notes that the earlier findings of the Authority have not been challenged or set aside by any higher Courts as well. The interested parties have not provided any information or evidence demonstrating that a different view is required to be taken in the present investigation. Therefore, the Authority finds that no cause has been made out for taking a different view, than that taken in the previous findings.

198. With regards the argument that there may be external subsidization in the form of USD loans for FS India which impacts their eligibility as domestic industry, it is noted that existence of external subsidies or loans for parent company, even if foreign, has no bearing on the eligibility of a domestic producer to constitute domestic industry under Rules 2(b). In any case, external subsidization to the producer would only reduce the cost of production and non-injurious price for the producer. However, it cannot preclude a producer from constituting domestic industry.
199. With regards to the argument that injury analysis should be done separately for cells and modules, the same has been examined in detailed hereinabove.
200. The other interested parties have claimed that consideration of weighted average price undercutting is inappropriate since the domestic industry commenced production of mono cells only during the period of investigation and that the positive undercutting is being driven by the limited sales of mono cells. In this regard, it is noted that price undercutting has been determined for the product as a whole. The volume of domestic sales of mono cells was significant and was more than double than the volume of domestic sales of multi cells. Thus, such volume cannot be treated as insignificant, as claimed by the interested parties.
201. With regards to the argument that imposition of high Basic Customs Duty led to decline in demand, it is noted that the import duties on solar cells and modules were enhanced in 2022. As a result of such enhancement, the demand for the product declined in 2022-23. However, such decline was temporary as the demand increased again significantly in 2023-24, despite the high duties. Thus, the argument that high duties have deterred demand is not correct.
202. It has been claimed that anti-dumping duty should be recommended for only 2 years considering that FS India has recently set-up production and that Jupiter is setting up plant for production of modules which would require captive consumption of cells. In this regard, it is noted that other than the domestic industry, there are 5 other producer groups that are producing and selling cells in the market. Jupiter itself is also expanding its capacities for production of cells. Additionally, many new producers are also setting up production capacities for cells in India. Similarly, other than FS India, there are many other producers of solar modules in India and additional capacities are also being set up. Thus, there would be no limitation on the supply of products in the event of imposition of duties.

203. With regards the argument that the no segregated data was provide for remaining three applicants who were not part of domestic industry, the Authority has clarified at the stage of initiation as well as in its disclosure statement that injury analysis has been conducted based on data submitted by FS India and Jupiter, the two producers who constitute domestic industry. The data for other applicants has not been considered at any stage, and thus, there is no requirement of any segregation of data.
204. With regards the argument that modules produced by the FS India cannot be integrated with mono-PERC and TopCon modules, it is noted that FS India has produced thin-film modules which are directly utilized by the downstream users. Thus, the present determination has been made considering such fact.
205. Certain interested parties have apprehended that the due to supply in DCR market and to government projects / programs, there may be shortage of supply for solar cells. It is noted that the domestic producers in the country have made significant investment to enhance / install new capacities for solar cells in the country. Further significant investments have also been made under the PLI Scheme of the Government.
206. The Authority notes that the North India Module Manufacturers Association had initially supported the application and had submitted a support letter in this regard. However, vide email dated 31st December 2024 and in the post-disclosure comments, the Association has clarified that it has withdrawn its support and does not support the imposition of duties.
207. With regards the argument that FS India has largely supplied to captive projects and has limited supply in the market, it is noted that the Authority has duly verified the sales information of the producer during the on-site verification. It is noted that while the producer has supplied the subject goods for captive solar projects set-up by industries, it has also supplied the subject goods to Independent Power Producers (IPPs) who have in-turn supplied energy to State Electricity Distribution Companies which supply electricity to the general public in the country. In fact, more than two-thirds of total sales have been made to IPPs. Thus, the argument that FS India has only supply to captive projects is not correct.
208. One of the exporters, namely Suzhou Safety New Energy Trading Co. Ltd., has stated that they were unable to file a response as they did not receive a questionnaire and have now requested to be treated as cooperative. It is noted that the Authority had circulated the intimation regarding initiation of notification and provided an opportunity to all known exporters to participate in the investigation. Further, the Authority also notified the Chinese embassy to regarding the investigation. Thus, the exporter had sufficient opportunity to participate in the investigation and submit their questionnaire response within the prescribed time limit. Further, while the exporter has submitted some information regarding its sales and has requested to be treated as a cooperative producer, it has not filed a response to the questionnaire as prescribed by the Authority. Therefore, the exporter cannot be treated as a cooperative in the present investigation, at such belated stage.

209. The domestic industry has requested for consideration of benchmark form of duty, for the reason that there has been a steep decline in prices subsequent to the investigation period. Further, the domestic industry has requested that a different benchmark may kindly be noted for different product types. The Authority has recommended the appropriate form of duty, having regard to the facts of the case.
210. The domestic industry has also requested that the injury margin should be calculated based on only the prices of injurious transactions. However, the Authority finds that the same is not appropriate, as anti-dumping duty is sought to be imposed on all imports.
211. The domestic industry has requested re-examination of the non-injurious price. The Authority has considered the same, and notes that the non-injurious price has been determined based on the provisions of Annexure – III of the Anti-Dumping Rules. Therefore, no change is warranted to the determination of non-injurious price.

K. CONCLUSION

212. Having examined the submissions made by all interested parties and issues raised therein, and considering the facts available on record, the Authority concludes the following:
- i. The scope of product under consideration is Solar Cells or Photovoltaic Cells whether or not assembled in modules or made up into panels, produced using c-Si or thin film technology. Further, solar cells may be monocrystalline or multi-crystalline, both of which are included within the product scope.
 - ii. The product scope includes both solar cells and solar modules or panels in view of the following –
 - a. Solar cells are manufactured for use in solar modules or panels and thus, do not have any independent use.
 - b. Assembly of solar cells into solar modules or panels does not require significant value addition with respect to manufacturing activities.
 - c. Solar cells and solar modules or panels have the same end-use, that is generation of photovoltaic energy.
 - d. Solar cells are an intermediate product, which are imported into India by module producers for assembly into solar modules or panels, the final product.
 - e. Exclusion of one form of product is likely to result in increase in imports of the other form of product.
 - iii. The domestic industry has produced and sold solar cells comparable to TopCon cells. Further, other Indian producers have produced and supplied TopCon Cells in the market. Therefore, TopCon cells cannot be excluded from the product scope.
 - iv. Back Contact cells have not been imported into the country, and in absence of imports of such product type, they cannot be excluded from the product scope.
 - v. Domestically produced c-Si cells are comparable to the imported c-Si cells. Imported c-Si based solar modules and domestically produced thin film modules are comparable in all material aspects, including functions and end-application, and thus, are like article.

- vi. The domestic industry has produced like article to the imported product under consideration.
- vii. Based on the submissions by the domestic industry and all interested parties, PCN methodology based on type of product (cell or module / panel) and technology (mono / multi or thin film) was adopted.
- viii. Out of the six known producers of solar cells, 4 producers have imported solar cells in significant volumes and have used them to produce solar modules. Thus, such producers cannot be considered eligible to constitute domestic industry.
- ix. Websol Energy System Limited is located in an SEZ, and thus, as per past practice, cannot be considered as eligible to constitute domestic industry.
- x. Jupiter International Limited, a producer of solar cells, has neither imported the subject goods, nor is related to any exporter or importer of subject goods, and thus, is eligible to constitute domestic industry.
- xi. All known producers of solar modules, barring FS India Solar Ventures Private Limited, have either imported solar modules or have imported solar cells for conversion into solar modules / panels. Such producers cannot be considered as eligible to constitute domestic industry. Further, such producers are purchasing cells and consuming the same for production of modules. Therefore, consideration of their production in Indian production again, would lead to double counting.
- xii. FS India Solar Ventures Private Limited, a producer of thin film solar modules, has neither imported the subject goods, nor is related to any exporter or importer of subject goods, and thus, is eligible to constitute domestic industry.
- xiii. In order to determine total eligible production for the subject goods, the production of those producers that are importing solar cells for conversion into solar modules has been excluded. Further, production of those producers who are producing solar modules using solar cells where the production of solar cells has been included in cell production or cell imports has been excluded.
- xiv. Jupiter International Limited and FS India Solar Ventures Private Limited constitute domestic industry under Rule 2(b) of the Rules and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3).
- xv. The subject goods have been exported to India at a price below the normal value, resulting in dumping. The dumping margin is above de-minimis level and significant.
- xvi. The volume of subject imports has increased, in absolute terms as well as in relative terms, over the injury period, and such imports constitute two-thirds of the imports into India.
- xvii. There is a steep and continuous decline in the prices of the subject goods. The subject goods were undercutting the prices of the domestic industry on an overall product level.
- xviii. The domestic industry was forced to sell at losses in order to maintain its selling prices at par with the prices of the subject goods.
- xix. As regards the impact of the subject imports on the economic parameters of the domestic industry, it is seen that-
- a. The domestic industry enhanced its installed capacities but continued to operate with significant unutilized capacities. The production and domestic sales of the domestic industry have increased.

- b. The market share of the Indian industry was insignificant as the demand for dumped goods continued to increase.
- c. The average inventories of the domestic industry increased significantly over the injury period.
- d. The domestic industry lost significant contracts, despite reducing its prices, due to presence of dumped imports.
- e. The profitability of the domestic industry deteriorated over the injury period and it suffered losses, cash losses and earned negligible returns on investment.
- f. The domestic industry was unable to reach its projected or targeted levels, and its actual performance was lower than as projected.
- xx. Considering the above, it is clear that the subject goods have caused material injury to the domestic industry.
- xxi. The subject imports are threatening to cause further injury to the domestic industry considering the sharp increase in import volume, decline in price of imports, freely disposable capacities available with exporters, imminent capacity addition in the subject country and imposition of trade remedial measures by other countries.
- xxii. The investigation has not shown any other factor which could have caused material injury to the domestic industry.
- xxiii. The injury to the domestic industry has been caused by the dumping of the product under consideration.
- xxiv. While the injury margin for cooperative producers for modules is negative, the injury margin for cells and the margin for non-cooperative producers is significant.
- xxv. Imposition of anti-dumping duty is in the larger public interest as can be seen from the following –
 - a. The imposition of duties would not have any adverse impact on the downstream consumers.
 - b. While a demand-supply exists in the country at present, such demand-supply gap cannot be a justification for dumping.
 - c. The Indian industry is undertaking significant capacity expansion in order to bridge any demand-supply gap.
 - d. The PLI scheme has also promoted capacity expansions for the product.
 - e. The users can continue to import the subject goods from subject countries, other countries and the Indian industry at fair prices.
 - f. Imposition of duty would ensure a fair market situation for the product in the country and would ensure viability of upcoming capacity investments.
 - g. Solar industry is critical to the country considering the increasing demand for energy in the country.
 - h. There is a need to ensure that increasing energy demand is met through any environmentally friendly renewable energy source.

L. RECOMMENDATIONS

213. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all the interested parties and adequate opportunity was given to them to provide information on aspects of injury, causal link, and impact of measures. Having initiated and conducted the investigation in terms of the provisions under the Anti-Dumping Rules, the Authority is of the view that

imposition of anti-dumping duty is required to offset dumping and injury. Accordingly, the Authority recommends imposition of anti-dumping duties on imports of the product under consideration from the subject countries.

214. Having regard to the lesser duty rule followed, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty on the imports of subject goods originating in or exported from the subject countries, for a period of 3 years, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, as a percentage of the CIF value of the goods as indicated in Column 7 below.

DUTY TABLE

SN	Heading	Description*	Country of Origin	Country of Export	Producer	Duty as % of CIF
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	85414200 and 85414300	Solar cells or photovoltaic cells whether or not assembled in modules or made up into panels, produced using c-Si or thin film technology, including solar modules or panels made up of solar cells*	China PR	Any country, including China PR	Jinko Group**	Nil
2.	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Aiko Group ⁺	23%
3.	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Trina Group ⁺⁺	Nil
4.	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Non-sampled cooperative producers, as per list below ⁺⁺⁺	23%
5.	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Any producer other than 1 to 4 above	30%
6.	-do-	-do-	Any country other than China PR	China PR	Any	30%

* *The product under consideration is includes both 'Monocrystalline' or 'Multi-crystalline' solar cells.*

** The following companies form part of Jinko Group

1. Jinko Solar (Haining) Co., Ltd.
2. Jinko Solar (Yiwu) Co., Ltd.
3. Jinko Solar (Chuzhou) Co., Ltd.
4. Jinko Solar (Shangrao) Co., Ltd.
5. Jinko Solar (Chuxiong) Co., Ltd.
6. Jinko Solar (Feidong) Co., Ltd.
7. Shangrao Guangxin Jinko Photovoltaic Manufacturing Co., Ltd.
8. Shangrao Jinko Photovoltaic Manufacturing Co., Ltd.

⁺ The following companies form part of Aiko Group

1. Guangdong Aiko Solar Technology Co., Ltd.
2. Tianjin Aiko Solar Technology Co., Ltd.
3. Zhejiang Aiko Solar Technology Co., Ltd.

⁺⁺ The following companies form part of Trina Group

1. Trina Solar Co., Ltd.
2. Yancheng Trina Solar Guoneng PV Science & Technology Co., Ltd.
3. Trina Solar (Yancheng) New Energy Co., Ltd.
4. Trina Solar (Huai'an) Technology Co., Ltd.
5. Trina Solar (Suqian) Technology Co., Ltd.

⁺⁺⁺ List of non-sampled cooperative producers

SN	Group	Producer Name
1	LONGi Group	M/s LONGi Solar Technology (Chuzhou) Co., Ltd.
		M/s LONGi Solar Technology (Jiaxing) Co., Ltd.
2	GCL Group	M/s Hefei GCL System Integration New Energy Technology Co., Ltd.
		M/s Wuhu GCL System Integration New Energy Technology Co., Ltd.
3	CECEP	M/s CECEP Solar Energy Technology (Zhenjiang) Co., Ltd.
4	Chint Group	M/s Chint New Energy Technology Co., Ltd.
		M/s Chint New Energy Technology (Yancheng) Co., Ltd.
5	Ronma Group	M/s Ronma Solar Technology (Jinhua) Co., Ltd.
		M/s Shandong Ronma Solar Co., Ltd.
6	Jietai Group	M/s Chuzhou Jietai New Energy Technology Co., Ltd.
		M/s Huai'an Jietai New Energy Technology Co., Ltd.
		M/s Shangrao Jietai New Energy Technology Co., Ltd.

7	JA Solar Group	M/s Yiwu JA Solar Technology Co., Ltd.
		M/s Hefei JA Solar Technology Co., Ltd.
8	Anhui Schutten	M/s Anhui Schutten Solar Energy Co., Ltd.
9	Econess	M/s Econess Energy Co., Ltd.
10	N Plus	M/s Solar N Plus New Energy Technology Co., Ltd.
11	Risen Group	M/s Risen Energy (Ningbo) Co., Ltd.
12	DMGEC Group	M/s Lianyungang DMEGC New Energy Technology Co., Ltd.
		M/s Jiangsu DMEGC New Energy Technology Co., Ltd.-
		M/s Hengdian Group DMEGC Magnetics Co., Ltd.
13	Chinaland	M/s Chinaland Solar Energy Co., Ltd.
14	Jolywood	M/s Jolywood (Taizhou) Solar Technology Co., Ltd.
15	Znshine Group	M/s Zhengxin Photoelectric Technology (Suqian) Co., Ltd
		M/s Znshine Pv-Tech Co., Ltd.
17	Canadian Group	M/s Canadian Solar Sunenergy (Jiaxing) Co., Ltd
		M/s Canadian Solar Manufacturing (Changshu) Inc.
18	Tongwei Group	M/s Tonghe New Energy (Jintang) Co., Ltd.
		M/s Tongwei Solar (Chengdu) Co., Ltd.
		M/s Tongwei Solar (Hefei) Co., Ltd.
		M/s Tongwei Solar (Yancheng) Co., Ltd.
		M/s Tongwei Solar (Meishan) Co., Ltd.
		M/s Tongwei Solar (Pengshan) Co., Ltd.
19	Solar space Group	M/s Tongwei Solar (Jintang) Co., Ltd.
		M/s Jiangsu Longheng New Energy Co., Ltd.
		M/s Solarspace New Energy (Chuzhou) Co., Ltd.,
		M/s Solarspace Technology (Suqian) Co., Ltd.
		M/s Solarspace Technology (Xuzhou) Co., Ltd.
		M/s Solarspace New Energy (Xuzhou) Co., Ltd.
		M/s Xuzhou Zhonghui Photovoltaic Technology Co., Ltd.
		M/s Jiangsu Huaheng New Energy Co., Ltd.
		M/s Shanghai Xinyu Semiconductor Material Co., Ltd.
		M/s Tianchang Qinguan Photovoltaic Technology Co., Ltd.
		M/s Wuxi Kaishengda New Energy Technology Co., Ltd.
		M/s Wuxi Xianghe Photovoltaic Co., Ltd.
		M/s Yangzhou Jiahui New Energy Co., Ltd.

M. FURTHER PROCEDURE

215. An appeal against the determination of the Designated Authority in these final findings shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act/ Rules.

SIDDHARTH MAHAJAN, Designated Authority